वार्षिक रिपोर्ट

समग्र शिक्षा, ओड़िशा

2022-23

ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा)
विद्यालय एवं गणशिक्षा विभाग
ओडिशा सरकार
शिक्षा शौध, यूनिट – V, भुवनेश्वर – 751001

समग्र शिक्षा ओड़िशा

वार्षिक रिपोर्ट

2022 - 23

ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा)
शिक्षा शौध, यूनिट-V, भुवनेश्वर-751001
Web : osepa.odisha.gov.in

मुख्य संपादक

श्री अनुपम साहा, आई.ए.एस

राज्य परियोजना निर्देशक, ओसेपा

संपादन मंडल

- श्री भगवान बेहेरा, एडीजी, ओसेपा
- श्री सरोज कुमार बेहरा, संयुक्त निर्देशक, ओसेपा
- श्रीमती आरती राउत, संयुक्त निर्देशिका, ओसेपा
- श्रीमती सुदेष्णा कर, एफएऔरसीएओ, ओसेपा
- श्री रमेश चंद्र सेठी, संयुक्त निर्देशक, ओसेपा
- श्रीमती सुरेखा तराई, संयुक्त निर्देशिका, ओसेपा
- श्रीमती राजश्री पटनायक, संयुक्त निर्देशिका, ओसेपा
- श्रीमती अमिता पटनायक, संयुक्त निर्देशिका, ओसेपा
- श्रीमती सौदामिनी दास, संयुक्त निर्देशिका, ओसेपा
- श्रीमती नलिनी कुमारी साहू, उप निर्देशिका, ओसेपा
- श्री महेश्वर साहू, उप निर्देशक, ओसेपा
- श्रीमती निरूपा बेहेरा, उप निर्देशिका, ओसेपा
- श्रीमती कल्पना हाँसदा, उप निर्देशिका, ओसेपा.
- श्रीमती सी.एच. विजयालक्ष्मी, सह निर्देशिका, एमआईएस
- सुश्री लिपिका साहू, सह निर्देशिका, टीई और एससीईआरटी

सदस्य संयोजक

- श्री दीपक राय, सह निर्देशक (योजना)

समन्वयक

- श्रीमती निवेदिता महापात्र, वित्तीय अधिकारी
- सुश्री सुप्रिया प्रधान, खरीदी अधिकारी
- श्री आर.के. पाणी, वित्तीय सलाहकार
- श्रीमती एस. एस. स्वरूपा, योजना समन्वयक
- श्रीमती जूथिका आचार्य, प्रोग्रामर
- डॉ. नंदिता मंजरी रथ, शिक्षाशास्त्र समन्वयक

ओसेपा

ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) एस एंड एमई विभाग, सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत निकाय है। यह समान गुणवत्ता वाली शिक्षा के सार्वभौमीकरण की दृष्टि से सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० के तहत पंजीकरण संख्या १९९६४/१९२ के साथ ३० जनवरी, १९९६ को पंजीकृत हुआ। इस दिशा में प्रयास, जो ओड़िशा प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण के तहत योजनाओं के कार्यन्वयन के साथ शुरू हुआ, २०१८ तक जारी रहा और समग्र शिक्षा, ओड़िशा की शुरूआत के बाद ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण (ओसेपा) के तहत शामिल हो गया।

समग्र शिक्षा कार्यान्वयन समितियों के रूप में ओसेपा ने स्कूली शिक्षा में लिंग अंतर को पाटने, प्राथमिक और माध्यमिक से उच्चतर माध्यमिक स्तर तक पहुँच, ड्रॉपआउट दर में कमी, बुनियादी ढांचा सुविधा प्रदान करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान का विश्वास है कि समान गुणवत्ता वाली शिक्षा तभी संभव है जब समाज में शैक्षिक सफलता को उसके परिणाम से मापा जा सके, न कि उसके संसाधनों से।

ओसेपा को स्कूली शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर काम करने वाले पेशेवरों की एक बहु – विषयक कोर टीम पर गर्व है। प्रशिक्षण और क्षमता विकास को सुविधाजनक बनाने के प्रयास में संस्थान में कक्षा - कक्ष, संगोष्ठी हॉल और वीडियो – कॉन्फ्रेंसिंग आदि कई अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। ओसेपा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर – राष्ट्रीय दिवस मनाता है।

ओसेपा के पास एक वर्चुअल मॉनिटरिंग मैकनिज्म, विद्या समीक्षा केंद्र, डेटा प्रबंधन, ई – डिस्पैच सिस्टम, मीडिया प्रबंधन विंग, वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा के साथ विशेष रूप से छात्र कैंद्रिक पुस्तकें, जर्नल्स, संपादकीय, करेंट एफेयर्स आदि मुख्य बातोंपर आधारित अच्छी पुस्तकें पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

ओसेपा स्कूली शिक्षा की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए राज्य और नागरिक समाज संगठनों में विभिन्न विभागों, शैक्षणिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से काम करता है।

इस प्राधिकरण का उद्देश्य सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और युवा पीढ़ी को बेहतर नागरिक बनाना है। इसके लिए स्कूल और जन शिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार की देखरेख में नियमित रूप से विभिन्न नई योजनाएँ और पहलें की जाती हैं। इन योजनाओं और पहलों ने स्कूलों में बढ़ते नामांकन के रूप में लाभांश देना भी शुरू कर दिया है।

अस्वथी. एस, आईएएस
आयुक्त-सह-सचिव, ओड़िशा सरकार
और सह-उपाध्यक्ष, ओसेपा

ओड़िशा सरकार
स्कूल और जन शिक्षा विभाग
लोक सेवा भवन, भुवनेश्वर-751001
कार्यालय : 0674-2536631
ई-मेल : secysme@gmail.com

संदेश

ओड़िशा में शिक्षा परिदृश्य में हाल ही के वर्षों में उल्लासनिया प्रगति देखी गई है। ऐसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए हमारे प्रयास में मुख्य विशेषताओं और उपलब्धियों को साझा करने पर मैं गर्वित हूँ। जैसे हम अंतर्दृष्टि इकट्ठा करते हैं और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करते हैं वैसे सभी को समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता पर विचार करना अनिवार्य है ; विशेषतः सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) IV के प्रकाश में, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि हर लड़की और लड़के को २०३० तक मुफ्त, न्यायसंगत और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा प्राप्त होगी।

शिक्षा विभाग में हमारा प्रयास गुणात्मक शिक्षा के लिए मुख्य उद्देश्य रहा है। राज्य सरकार ने स्कूली शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिए समय और संसाधन को समर्पित किया है। सालों - साल हमने राज्य भर अधिगम परिणामों को विकास करने के लिए बहु प्रयत्न और नवीन पहल प्रारंभ की है। तत्सहित पिछले कुछ वर्षों से हम महत्वपूर्ण समय और संसाधन भी समर्पित करते आ रहे हैं।

ओसेपा वार्षिक रिपोर्ट का एक अनिवार्य घटक मौजूदा गतिविधियों का कार्यान्वयन है। इसके आवंटित बजट और समय सीमा पर ध्यान करते हुए विभिन्न उपायों से स्थिति की व्यापक चर्चा होती है। यह रिपोर्ट मूल्यवान संसाधन संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ करने और राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता की वृद्धि करने के लिए अंतर्दृष्टि और संस्तुति के रूप में कार्य करती है।

मैं अपने समर्पित स्कूल प्रशासकों, भागीदारों, हितधारकों, समर्पित शिक्षाविदों और अभिभावकों को तहेदिल से सराहना करना चाहती हूँ, जिन्होंने अपने योगदान से इस पहल को सफल बनाया है।

आयुक्त – सह – सचिव,
ओड़िशा सरकार

OPPO F7

OPPO F7

अनुपम साहा, आईएएस
निर्देशक, राज्य परियोजना,
समग्र शिक्षा, ओड़िशा

ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण
कार्यालय : 0674-2395325
ई-मेल : spd.osepa@nic.in
opepaedu@yahoo.co.in

प्राक्कथन

स्कूल शिक्षा का तात्पर्य है एक सहायक शिक्षण वातावरण बनाना जो छात्रों को शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से समृद्ध होने में सक्षम बनाता है। इसमें एक सुरक्षित, समावेशी और स्वागत - योग्य माहौल बनाकर और समस्त विद्यार्थियों को उनकी व्यक्तिगत शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जरूरत संसाधन और सहायता प्रदान करना शामिल है।

हमारा मिशन एक ऐसी शिक्षा प्रणाली स्थापित करनी है जो पूर्व – प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक सभी शिक्षार्थियों के लिए उनकी सामाजिक तथा आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा की समान पहुँच सुनिश्चित करती है। यह दृष्टिकोण संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्य के अनुरूप है ; (एसडीजी) ४.० जो सभी के लिए समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देता है।

इस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए, हमने सभी बच्चों को उनकी विविध पृष्ठभूमि, बहुमुखी आवश्यकताओं को पहचानते हुए, सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें अलग – अलग शैक्षणिक क्षमताओं से हमारी कार्यन्वयन रणनीतियों को विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत किया गया है। बुनियादी ढांचे का विकास, शिक्षकों का प्रावधान, मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशलों के पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम, शिक्षकों का क्षमता निर्माण, खेल – कूद की गतिविधियाँ तथा सामुदायिक भागीदारी आदि के कार्यक्रम शामिल हैं।

सन् २०२२ – २३ की यह वार्षिक रिपोर्ट समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत कार्यान्वित विविध हस्तक्षेपों को समाहित करती है और हमारे सुधारों पर प्रकाश डालती है। यह अधिगम वृद्धि कार्यक्रमों, हितधारकों का क्षमता निर्माण, अधिकारों का समय पर प्रावधान, पर्यावरण निर्माण, कौशल विकास की गतिविधियों और बहुत अधिक विषयों पर ध्यान केंद्रित करती है।

मैं स्कूल से लेकर राज्य स्तर तक पूरी ओसेपा टीम की उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए हार्दिक सराहना करना चाहता हूँ, जिन्होंने इस प्रकाशन को संभव और सफल बनाया है। यह रिपोर्ट मौजूदा सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ाने तथा हमारी शैक्षिक प्रमाली में वर्तमान सुधार के लिए प्रासंगिक साक्ष्य प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता का एक ठोस सबूत है। विश्वास है, मिलजुल कर हम ऐसे भविष्य की दिशा में सकारात्मक रूप से काम करना जारी रखेंगे, जहाँ हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर खूब आगे बढ़ सकेगा।

निर्देशक
राज्य परियोजना (ओसेपा)

ପ୍ରବେଶ ଉତ୍ସବ

ପ୍ରବେଶ ଉତ୍ସବ

सूची - पत्र

क्रम संख्या	अनुक्रमणिका	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारी सारांश	1
2	पहुँच	18
3	अवसंरचना का विकास	25
4	मुफ्त पाठ्य पुस्तकें	41
5	सामुदायिक लामबंदी	43
6	अनुसंधान, मूल्यांकन और आकलन	60
7	ओड़िशा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (OSCPCR)	69
8	शिक्षा शास्त्र (PEDAGOGY)	70
9	गुणवत्ता – उत्कर्ष (UTKARSH)	91
10	पुस्तकालय	98
11	बालिका शिक्षा	102
12	प्री – स्कूल शिक्षा	107
13	कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV)	109
14	स्कूल वर्दी	134
15	समानता के तहत विशेष परियोजना	135
16	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए (CwSN) समावेशी शिक्षा	138
17	व्यावसायिक शिक्षा	149
18	प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS)	167
19	सतत् अधिगम की प्रक्रिया – दीक्षा (DIKSHA)	171
20	योजना प्रक्रिया एवं कार्यान्वयन व्यवस्था	174
21	स्कूल – छात्र हेल्पलाइन	183
22	कार्यक्रम प्रबधन (MMMER)	191
23	शिक्षक प्रशिक्षण	196
24	टीई और एससीईआरटी	203
25	अनुसंधान गतिविधियाँ	210
26	मीडिया और प्रलेखन	216

The
Heart

ଜିଲ୍ଲା ଦିବ୍ୟାଙ୍ଗ ସାଧନ କେନ୍ଦ୍ର

ABBREVIATION & ACRONYMS

AWP&B	Annual Work Plan and Budget
BRP	Block Resource Person
BAS	Baseline Achievement Study
BPL	Below Poverty Line
BEO	Block Education Officer
BRC	Block Resource Centre
CCE	Continuous Comprehensive Evaluation
CR	Completion Rate
CRC	Cluster Resource Centre
CTE	College of Teacher Education
CTS	Child Tracking System
CPD	Continuous Professional development
CWSN	Children with Special Needs
D.L.I	District Linked Indicators
D.P.C	District Project Coordinator
CSS	Centrally Sponsored Scheme
DEO	District Education Officer
DIET	District Institute of Education and Training
DR	Dropout rate
ECCE	Early Childhood Care and Education
FA&CAO	Financial Advisor & Chief Account Officer
FLN	Foundational Literacy and Numeracy
GER	Gross Enrollment Ratio
GP	Gram Panchayat
HHS	House Hold Survey
IASE	Institute of Advanced Studies in Education
I.O.C.	Intervention for Out of School Children
ICT	Information and Communication Technology
KGBV	Kasturba Gandhi BalikaVidyalaya
KRP	Key Resource Person
LEP	Learning Enhancement Programme
MIS	Management Information System
NSA	Non State Actors

NAS	National Achievement Survey
NEP	New Education Policy
NER	Net Enrollment Ratio
OOSC	Out Of School Children
OSEPA	Odisha School Education Programme Authority
PM	Project Management
PFMS	Public Financial Management System
PAB	Project Approval Board
PTR	Pupil Teacher Ratio
QMT	Quality Monitoring Tool
RTE Act	Right to Education Act
RCFCE Act	Right of Children to Free & Compulsory Education Act
RFD	Result Framework Document
RMSA	Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan
RR	Retention Rate/Repetition rate
S.A.C	State Assessment Cell
S.I.S	State Implementing Society
S.I.G	State Incentive Grant
S.P.D.	State Project Director
SC/ST	Scheduled Caste & Scheduled Tribe
SS	Samagra Shiksha
SCERT	State Council of Educational Research and Training
SDG	Sustainable Development Goal
SDMIS	Student Data Management Information System
SMC	School Management Committee
SIG	State Incentive Grant
STARS	Strengthening Teaching- Learning and Results for States
TEI	Teacher Education Institute
TT	Teacher Training
U.C.	Utilization Certificate
VSK	Vidya Sameeksha Kendra

१. कार्यकारी सारांश

समग्र शिक्षा : यह स्कूल शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम है। यह कक्षा प्री – स्कूल से लेकर कक्षा बारहवीं तक चलती है। अतः स्कूर्ति शिक्षा के लिए समान अवसरों और समान सीखने के परिमामों के संदर्भ में स्कूल की प्रभावशीलता के लिए यह प्रस्तुत है। इसका उद्देश्य व्यापक है। इसमें सर्वशिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और शिक्षक शिक्षा (TE) अंतर्भुक्त हैं। वस्तुतः समग्रशिक्षा एक कैंद्रिक प्रायोजित योजना है जिसका प्रारंभ 2018-19 से राज्य में लागू किया गया है। इसका लक्ष्य स्कूलों की प्रभावोत्पादकता को मजबूत करना है। इसे स्कूली शिक्षा के तहत समान अवसरों और सीखने के परिणामों के संदर्भ में लाया जा सकता है।

समग्र शिक्षा के दौरान क्षेत्र – व्यापी विकास कार्यक्रम / योजनाओं के सारे स्तरों पर, विशेषतः जिला, ब्लॉक, क्लस्टर और स्कूली स्तर की प्रक्रियाओं तथा संसाधनों पर कार्यान्वयन तंत्र एवं लेन – देन लागत में सामंजस्य स्थापित करने में सहायता मिली है। इसके अलावा स्कूली शिक्षा के विकास के लिए एक व्यापक रणनीतिक योजना की समग्र शिक्षा ने परिकल्पना की है।

प्रमुख उपलब्धियाँ

१. पहुँच

क) ०५ उच्च प्राथमिक विद्यालयों को उच्चस्तर माध्यमिक विद्यालय (कक्षा IX और X) में अपग्रेड किया गया एवं 57 माध्यमिक विद्यालयों को उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अपग्रेड किया गया।

ख) स्कूलं को युक्तिकरण तथा एकीकरण से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार हुआ।

ग) ८९५ शहरी वंचित बच् को १२ जिलों में १७ कार्यरत आवासीय छात्रावासों में रखा गया। LWE मालकानगिरि और कोरापुट जिलों में 04 आवासीय विद्यालयों (प्रत्येक में 100) में 400 बच्चों को रखा गया।

घ) दूरस्थ तथा दुर्गम बस्तियों और प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर विलय वाले स्कूलों के बच्चों को परिवहन और अनुरक्षण की सुविधा उपलब्ध हुई।

ङ) १२ जिलों में यानी बरगढ़, कटक, गंजाम, गजपति, कलाहांडि, खोर्द्धा, केउंझर, मयूरभंज, मालकानगिरि, कोरापुट और रायगढ़ा में शहरी वंचित कठिन दर्जे के बच्चों (६ – १४ आयु) के लिए आवासीय छात्रावास उपलब्ध करवाया गया।

च) हाउस होल्ड सर्वे – २०२१ के माध्यम से स्कूल न जाने वाले बच्चों (आयु ६ - १८) की पहचान की गई। उन्हें उचित परिवेश तथा मुख्यधारा में लाने को प्रयत्न किया गया।

छ) आरटीई अधिनियम के अनुसार स्कूल न जाने वाले बच्चों को विषय प्रशिक्षण दिया गया। (कक्षा I से III) तक बच्चों को संशोधित प्रशिक्षण सामग्री एवं 'हसी खेली सिखिबा' किताब विशेष तालीम केंद्रों में उपयोग हेतु जिलों को आपूर्ति की गई है।

ज) ६३३५ प्रवासी बच्चों को स्रोतीय जिले यानी बरगढ़, बलांगीर, कलाहांडि, नूआपड़ा, मयूरभंज में १३५ मौसमी छात्रावासों में रखा गया है। बालेश्वरस कटक और खोर्द्धा के गंतव्य जिलों में १२ एसएच वाले ५०० बच्चों को रखा गया है।

झ) राज्य मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (SIOS) में 15-18 आयु के स्कूल न जान वाले बच्चों को दाखिला मिला।

२. अवसंरचना का विकास

क) स्कूलों में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए फंड SMC / SMDC को तीन चरणों में आपूर्त्ति किया गया है। पहले चरण में 40%, द्वितीय चरण में 30% और तृतीय चरण में शेष 30% एफएमपी के अनुमानित लागत के अनुसार दिया गया।

ख) सिविल कार्य की गुणवत्ता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी सलाहकार, वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार और जिला परियोजना समन्वयक पीएमए के माध्यम से नियमित साइट पर जाकर बुनियादी ढाँचे की निगरानी और पर्यवेक्षण करते हैं।

ग) राज्य परियोजना कार्यालय में वरिष्ठ टीसी, एफसी की समीक्षात्मक बैठक/बीडीओ कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सिविल कार्यों को भौतिक और वित्तीय प्रगति पर नियमित अंतराल में परियोजना समाप्ति एवं खाते को निपटाने पर होती है।

घ) प्रखंड स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक एवं जिला स्तर पर मासिक समीक्षात्मक बैठक होती है। इसमें तकनीकी कार्मिकों द्वारा भौतिक और वित्तीय प्रगति पर होने वाली कठिनाइयों और उनके समाधान के उपायों पर भी चर्चा होती है।

ङ) मूल आधारिक सुविधाओं के लिए उपलब्ध निधि का उपयोग कर अथवा दूसर विभागों के साथ अभिसरण करके पेयजल, विद्युतीकरण, लैंगिक भेद के शौचलय आदि की उपलब्धता के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

च) साइट निर्दिष्ट योजना और डिजाइन को ध्यान में रखते हुए लागत प्रभावी प्रौद्यगियों के साथ बहु जोखिम प्रतिरोध सुविधाएँ अवसंरचना विकास के लिए सुनिश्चित की गई।

३. प्रतिधारणा

क) राज्य के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के कक्षा - I से VIII तक 4430349 बच्चों को मुफ्त में पाठ्य – पुस्तकें प्रदान की गई हैं।

ख) केंद्रीय योजना और राज्य योजना के तहत सभी योग्य छात्रों को मुफ्त में वर्दी प्रदान की जाती है। 4488518 छात्रों को ₹ 600/- की दर से स्कूल वर्दी प्रदान की गई है।

ग) खेल अनुदान : सरकारी स्कूलों को अनुगदान 44177 सरकारी प्राथमिक स्कूलों और 5783 माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों को जारी किया गया है।

घ) पुस्तकालय : पुस्तकालय अनुदान 44177 सरकारी प्राथमिक स्कूलों और 5783 सरकारी माध्यमिक तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों को पुस्तकालय अनुदान जारी किया गया है।

ङ) स्कूल अनुदान : 44177 सरकारी प्राथमिक स्कूल और 5783 सरकारी माध्यमिक स्कूलों को स्कूल अनुपात मिला है।

४. गुणावत्ता

क) गुणवत्ता शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से FLN (I – III) और LEP (IV – VIII) सामग्रियाँ समीक्षा और मद्रित होकर विद्यार्थियों एवं FLN ग्रेड शिक्षकों को प्रदान की गई हैं।

ख) FLN कार्यक्रम की समीक्षा के साथ सफल कार्यान्वयन के लिए राज्य संचालन समिति की बैठक एवं राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई की बैठकें समयानुसार आयोजित की गई हैं।

ग) स्कूली तैयारी मॉड्यूल 'विद्या प्रवेश' को कक्षा 1 के लिए सभी सरकारी स्कूलों में तीन महीने तक लागू की गई है।

घ) FLN लक्ष्य और टार्गेट पोस्टर्स पर IEC सामग्री का भाषांतर तथा प्रासंगीकरण किया गया है। इस संबंधित कक्षा – कक्ष में प्रदर्शित करने के लिए स्कूल प्वाइंट पर विकसित और वितारित किया गया है।

ङ) FLN कार्यक्रम पर जागरुकता पैदा करने के लिए एफएलएन स्टैंडी का अनुवाद किया गया है। विभिन्न स्तरों पर प्रदर्शन करने के लिए जिलों में वितरित किया गया है।

च) NISTHA 3.0 के तहत सभी प्राथमिक स्तर के शिक्षकों को DIKSHA पोर्टल के संबंधीय सभी 12 मॉड्यूल पर प्रशिक्षण पूर्ण किया गया है।

छ) राज्यस्तर पर 1880 में से 433 PET को खेल और खेलों में विकास तथा नैतिकता की समझ पर तालीम दी गई थी। पुनः शेष प्रतिभागियों को चरणबद्ध तरीकों से प्रशिक्षित किया जाएगा।

ज) संपूर्ण प्राथमिक कक्षा के शिक्षकों को प्रारंभ मॉड्यूल का प्रशिक्षण दिया गया है। यह उन्हें कक्षा – कक्ष में एफएलएन सामग्रियों का उपयोग करने के संबंध में है।

झ) पाठचर्या और सह – पाठ्यक्रम गतिविधि के सुचारु रूप से संचालन के लिए प्रारंभिक और माध्यमिक दोनों अनुभागों के लिए शैक्षणिक कैंलेंडर साल भर विकसित किया गया है।

ञ) कक्षा I और II के बच्चों का बेलाइन मूल्यांकन डिजिटल मोड के माध्यम से आयोजित किया गया है।

ट) शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए शैक्षिक और सह-शैक्षिक दोनों क्षेत्रों में बच्चों की प्रगतिशील उपलब्धि को दर्ज करने के लिए सभी सरकारी स्कूलों के कक्षा से III तक के बच्चों के लिए प्रगति कार्ड विकसित, मुद्रित और वितरित किए गए हैं।

ठ) तृतीय पक्ष एजेंट को शामिल करके कक्षा IX और X के लिए ई – सामग्री विकसित की गई। इसे HDD के माध्यम से 5T स्कूलों में प्रेषित किया गया है।

ड) केविड – १९ महामारी परिस्थिति के कारण शैक्षिक हानि को कम करने के लिए कक्षा III से IX प्रोग्राम (LRP) आयोजित किया गया है।

ढ) एलआरपी पर प्रभाव मूल्यांकन करने का काम थर्ड पार्टी एजेंसी को सौंपा गया है।

ण) शिक्षकों के सहित बच्चों को भी विज्ञान प्रयोग करने और विज्ञान प्रयोगशाला को क्रियाशील बनाने में सुविधा प्रदान करने कक्षा IX और X के लिए विज्ञान प्रयोगशाला निर्देशावली ओड़िया और अंग्रेजी भाषा में विकसित की गई है।

त) सभी सरकारी स्कूलों के कक्षा दो से दस तक के बच्चों के लिए नोटबुक की आपूर्ति की गई है। कक्षा II से VIII तक के छात्रों को एक सिंगल लाइन नोटबुक और कक्षा IX और X को दो नोट बुक यानी सिंगल लाइन नोट बुक और एक विज्ञान अभ्यास पुस्तक प्रदान की जाती है।

थ) सभी सरकारी स्कूलों के कक्षा I से VIII तक के छात्रों को स्टूडेंट डायरी उपलब्ध कराई गई है।

५. सामग्री के परिणामों में सुधार

क) ब्रीज कोर्स : उत्कर्ष के माध्यम से माध्यमिक स्तर पर उपचार / तत्परता कार्यक्रम

ख) मूल्यायन : बच्तों के सर्वांगीण विकास के लिए नियमित आंतराल में सतत व्यापक मूल्याकन, योगात्मक (सम्मेटिव) और रचनात्मक (फॉरमेटिव) मूल्यांकन

ग) परीक्षा दर्पण : प्रश्न बैंक

घ) परामर्शदाताओं के जरिए छात्रों को समय प्रबंधन तनाव प्रबंधन आदि के टिप्स साझे किए गए हैं।

ङ) दीक्षा ऐप और मधु – एप पर वीडियो पाठ अपलोड़ किए गए।

च) शिक्षा दर्पण : कक्षा IX और X पाठचर्या के दूरदर्शन कार्यक्रम

६. मीड़िया, सामुदायिक लामबंदी, स्कूल प्रबंधन समिति (SMC)

क) अभिभावक शिक्षक बैठकें (PTM) १०.०९.२०२२, १०.१२.२०२२, ३०.०३.२०२३ को पूरे राज्य में आयोजि की गई। यहाँ शैक्षणिक उन्नयन पर चर्चा की गई। लर्निंग रिकवरी प्रोग्राम (LRP), मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN), उच्च विद्यालय परिवर्तन (HST), बच्चों का शैक्षणिक उपलब्धियाँ, परिणामों री साझेजदारी, प्रोग्रेसकार्ड वितरण एवं माता – पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजन के महत्व पर उन्मुख किया गया।

ख) सचेतनता का रथ, बैक टू स्कूल अभियान : राज्य ने सभी बस्तियों, समूहों, क्लस्टरों, ब्लॉक, एमएसी, म्यूनियपालिटी निगमों में 02 अप्रैल से 08 अप्रैल तक सचेतनता का रथ, बैक टू स्कूल अभियान काआयोजन हुआ। बय राज्य व्यापी अभिभावक शिक्षक बैठक (PTA) के तहत बच्तों को स्कूल वापस लाने का एक महत्वपूर्ण कार्.क्रम है। यह 251 ब्लॉक में 4062222 छात्रों, 45975 बस्तियों और 39489 स्कूलों को कवर करता है।

७. नवाचार

क) आनंददायक अधिगम : एससीईआरटी ने सभी 30 डायटों के साथ एक घंटे का दीर्घ सत्र आयोजित किया है जिसमें उन्हें आनंददायक शिक्षण प्रदान किया जा सके। इस सत्र के दौरान प्रत्येक DIET को पहले सात दिनों तक आनंददायक शिक्षण – अधिगम संचालित करने के लिए विशिष्ट सामाजिक भावात्मक शिक्षण (Socio Emotional Learning) गतिविधि कैलेंडर के रूप में निर्देश दिया गया था। SEL गतिविधि कैलेंडर के विकास के बाद दिशानिर्देशों के साथ सीआरसीसी के सहयोग से स्कूलों में वितरित किया गया और आनंददायक शिक्षण भी आयोजित किया गया।

८. योजना और प्रबंधन

क) एसएमसी सरकारी स्कूलों द्वारा स्कूल विकास योजना (SDP) और स्कूल सुरक्षा योजना तैयार की गई। इसका मूल उद्देश्य है, सुरक्षा का रख – रखाव और समग्र विकास के संदर्भ में अपने विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में प्रभावशीलता के उच्चतम संभाव्य स्तर को प्राप्त करना और जारी रखना।

ख) वार्षिक कार्ययोजना और बजट 2022 -23 की तैयारी कार्य पूरा कर लिया गया है और भारत सरकार के पास योजना प्रस्तुति की गई है।

९. आपदा प्रबंधन और स्कूल सुरक्षा नीति

क) स्कूल सुरक्षा नीति के तहत छात्रों की सुरक्षा पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के दिशा – निर्देश सभी जिलों, ब्लॉक, स्कूलों के बिंदुओं को प्रदान किए गए हैं और इसे अविकल लागू करने के लिए कार्य – योजना के साथ निर्देश जारी किए गए हैं।

ख) डीइओ, बीईओ, बीआरसीसी, सीआरसीसी शिक्षकों और एसएमसी सदस्यों आदि शिक्षाप्रशासकों को क्षमता

निर्माण स्कूल सुरक्षा पर किया गया है। यह सभी जिला समीक्षा बैठकों (DRM) में स्कील सुरक्षा में कार्यवृत्त शामिल होकर सभी जिलों को सूचित कर दिया गया है।

ग) सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण (NISTHA) के माध्यम से स्कूल सुरक्षा पर शिक्षक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

घ) स्कूलों में सुरक्षा के दौरान दस पैरामीटर में स्कूल सुरक्षा निरीक्षण सप्ताह पालन किया गया है।

१०. विशेष आवशेयकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा (CwSN)

क) सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में (UDISE 2021-22) कुल CwSN नामांकन संख्या १३४३९६ (प्राथमिक ११३९३६, माध्यमिक २०४६०)

ख) विशेष शिक्षा से प्रति ब्लॉक में 02 के हिसाब से 632 विशेष व्याख्याताओं का प्रशिक्षण।

ग) दृष्टि हीन छात्रों को 1947 ब्रेल पुस्तकें प्रदान

घ) कम दृष्टि वाले छात्रों को 4564 मोटे अक्षरों की मुद्रित पुस्तकों की आपूर्ति

ङ) सीडब्लूएसएन छात्रों को 5313 सहायक सामग्री और उपकरणों की आपूर्ति

च) सीडब्लूएसएन छात्रों को 6563 टीएलएम और आईसीटी उपकरण और कम दृष्टिवाले उपकरण उपलब्ध करवाए गए।

छ) प्राथमिक स्कूलों की सीडब्लूएसएन 14157 छात्राओं को और माध्यामिक स्कूलों की 4788 छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

ज) १२९७९ प्राथमिक और ३३४० माध्यमिक सीडब्लूएसएन छात्रों को अनुरक्षण भत्ता प्रदान की गई।

झ) १५५१३ प्राथमिक और 5689 माध्यमिक सीडब्लूएसएन छात्रों को परिवहन भत्ता की आपूर्ति हुई।

ञ) १५६३९ सीडब्लूएसएन छात्रों को स्पीच थेरपी, फिजिओथेरपी, एक्यूपेशनल थेरपी और ब्रेल प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

ट) ब्लॉक स्तर पर 314 चिकित्सा आकलन शिविर आयोजित हुए।

ठ) शिक्षा सुरभि : ऑडिओ, पाठ और सामुदायिक रेडियो के सहयोग से कक्षा I से कक्षा V तक सीडब्लूएसएन छात्रों के लिए शिक्षा सुरभि कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया।

ड) CwSN के लिए उद्यम क्लासरूम लेनदेन मॉड्यूल कक्षा 1 से 5 के लिए विकसित किया गया

ढ) स्कूली स्तर पर ओड़िआ में सीडब्लूएसएन छात्रों के लिए एनसीईआरटी स्क्रीनिंग चेकलिस्ट तैयार की गई और स्कूल छात्रों को वितरीत की गई।

११. बालिका शिक्षा

क) ११६९ माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों ने आत्मसुरक्षा, प्रशिक्षण आयोजित किया और ११६९०० विद्यार्थियों ने इस प्रशिक्षण को प्राप्त किया।

ख) सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के सभी विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म प्रदान किए गए।

१२. कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV)

क) १८२ टाइप – III के केजीबीवी (KGBV) में कक्षा IV से XII तक 28611 बालिकाओं का नामांकन हुआ। 95 टाइप - IV केजीबीवी (KGBV) में कक्षा IX से कक्षा XII तक 9500 बालिकाओं का नामांकन हुआ है।

ख) राज्य में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों के साथ – साथ 30 जिलों में विशेष रूप से बाल शोषण से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है।

ग) सुरक्षा और सुरक्षित नाप के लिए स्थानीय पुलिस, समुदाय के सदस्यों और प्रशासनिक दिशानिर्देशों के साथ अभिसरण के जरिए कदम उठाए गए। सभी केजीबीवी में अग्नि सुरक्षा शपथ अभियान चलाया गया।

घ) जिला एवं विद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय एवं अंतर – राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया।

१३. समानता के लिए विशेष परियोजना

क) मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा (MLE) बच्चों की अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा देने के लिए यथासंभव सुनिश्चित करना।

ख) प्राथमिक कक्षा के बच्चों (अनुसूचित जनजाति) को उनकी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए अभ्यस्त करना। धीरे – धीरे वे अपनी मातृभाषा (MT) (L1 - MT) से राज्य भाषा (L2 - ओड़िआ) और उसके बाद राष्ट्रीय और अंतर – राष्ट्रीय भाषा (L3 - अंग्रेजी) की ओर अग्रसर होंगे।

ग) मुख्यमंत्री की अध्यक्षता से राज्य जनजाति सलाहकार समिति (STAC) की सिफारिशों को अनुसरण करके 2007-08 में राज्य ने एमएलई (MLE) कार्यक्रम प्रारंभ किया है जो आज राज्य के 17 जनजाति बहुल जिलों में 21 आदिवासी भाषाओं में कार्यान्वित हुए हैं।

घ) एक राज्य स्तरीय नीति राज्य के सभी आदिवासी बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम विकसित हुआ है।

ङ) एमएलई (MLE) कार्यक्रम के तहत 105446 अनुसूचित जनजाति बच्चों को 21 आदिवासी भाषाओं में कहानी की किताबों और चित्र – चार्ट लगभग 2500 पूरक पठन सामग्री विकसित हुई हैं।

च) जनजातीय संसाधनों के संरक्षण के लिए एमएलई (MLE) जिलों में चरणबद्ध तरीकों से जनजातीय संसाधन केंद्रों (TRC) की स्थापना की गई है।

१४. व्यावसायिक स्कूली शिक्षा

क) स्कूली शिक्षा का व्यावसायीकरण कार्यक्रम II क्षेत्री / ट्रेडों के साथ यानी १. आईटी और आईटीईस (IT&ITes) २. खुदरा ३. पर्यटन ४. ऑटोमोटिव ५. खाद्य प्रसंस्करण ६. स्वस्थ और सौंदर्यकरण ७. कृषि ८. परिधान ९. प्लंबर १०. इलेक्ट्रोनिक्स और हाईवेयर ११. निर्माण व्यापार कार्य, ९६० स्कूलों में (९०५ माध्यमिक और ५५ उच्चतर माध्यमिक को वीटीपी (VTP) के द्वारा 11 क्षेत्रों के साथ प्रति स्कूल 02 व्यापार विषयों के साथ सुनिश्चित किया गया है।

ख) कुल 960 स्कूलों में 1920 ट्रेड निर्दिष्ट व्यावसायिक प्रशिक्षकों को नियुक्ति मिली है।

ग) एक ट्रेड विशिष्ट व्यावसायिक प्रयोगशाला 509 स्कूलों में स्थापित है।

घ) २०१८- १९, २०१९ – २० और २०२१ – २२ में क्रमशः उत्तीर्ण होने का प्रतिशत ८२% , ९६%, 85% हैं।

ङ) पाठ्य रूपरेखा की पुनरावृत्ति : माध्यमिक शिक्षा स्तर पर छह सम्मिलित विषयों के सहित यह एक विषय के रूप में सम्मिलित है (तृतीय भाषा के बदले)। और उच्चतर माध्यमिक स्तर के सारे स्ट्रीम के लिए 04th इलेक्टिव विषयों में एक विषय रहेगा।

च) समग्र शिक्षा के तहत 948 स्कूलों में कक्षा 6 से 8 तक छात्रों के लिए व्यावसायिक शिक्षा प्रदर्शित की गई।

१५. स्कूली छात्र हेल्फ लाइन

क) आरटीई अधिनियम २००९ के तहत बच्चों की शिकायतों के निवारण के लिए एक प्रमुख पहलू है 'प्रत्येक छात्र हेल्पलाइन'। प्रत्येक बच्चे के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए अक्टूबर २०१० में एक अद्वितीय तंत्र स्थापित किया गया है। जनवरी २०१५ से शिकायतें ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यम से प्राप्त की जाती हैं।

ख) प्राप्त मामलों का विश्लेषण किया जाता है और पहचाने गए मुद्दों के लिए समयानुसार आवश्यकता आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

ओसेपा की प्रबंधन संरचना

मुख्यमंत्री, अध्यक्ष, शासीनिकाय, ओसेपा

↓

मंत्री,स्कूल और जन शिक्षा विभाग,
उपाध्यक्ष, शासीनिकाय, ओसेपा

↓

मुख्य सचिव, ओड़िशा, अध्यक्ष, ईसी, ओसेपा

↓

डीसी – सह – एसीएस, सह – अध्यक्ष, ईसी,ओसेपा

↓

आयुक्त-सह-सचिव, स्कूल और जन शिक्षा विभाग, सह-उपाध्यक्ष, ईसी

↓

निदेशक, राज्य परियोजना, ओसेपा

↓

जिला परियोजना कार्यालय
कलेक्टर
जिल्ला शिक्षा अधिकारी-सह-जनप्रतिनिधि

↓

प्रखंड शिक्षाधिकारी/ब्लॉक संसाधन केंद्र समन्वयक

↓

कूल प्रबंधन केंद्र समन्वयक (सीआरसीसी)

↓

स्कूल प्रबंधन समिति/ स्कूल प्रबंधन और विकास

↓

प्रधान शिक्षक/ शिक्षक

१६. प्रशासनिक संकेतक

क्र.सं	प्रशासनिक इकाइयाँ	संख्या
1	राजस्व जिला	30
2	शैक्षणिक ब्लॉक	314
3	ब्लॉक शिक्षाधिकारी	316
4	क्लस्टर संसाधन केंद्र	4,806
5	ग्राम पंचायत	6,798
6	राजस्व ग्राम	53,845
7	निवास	90,731

१७. जनसांख्यिकीय संकेतक

विवरणकुल	2011	2001
जनसंख्या	41,974,218	36,804,660
पुरुष	21,212,136	18,660,570
महिला	20,762,082	18,144,090
लिंग अनुपात	979	972
क्षेत्र कि.मी2	155,707	155,707
घनत्व/कि.मी	269	236
साक्षरता	72.87	63.08
पुरुष साक्षरता	81.59	75.35
महिला साक्षरता	64.01	50.51

१८. शैक्षिक संकेतक (स्कूल/ अनुभाग का सार (2021-22)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक स्कूल (कक्षा V तक)	उच्च प्राथमिक स्कूल (कक्षा VIII तक)	कुल प्राथमिक स्कूल	माध्यमिक स्कूल (कक्षा X तक)	उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा XII तक)	कुल प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूल
शिक्षा विभाग	26680	15149	**41829**	4854	496	**47179**
आदिवासी कल्याण	438	776	**1214**	380	92	**1686**
कुल सरकारी विद्यालय	**27118**	**15925**	**43043**	**5234**	**588**	**48865**
सरकारी सहायता प्राप्त	293	1533	**1826**	3333	648	**5807**
कुल सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल	**27411**	**17458**	**44869**	**8567**	**1236**	**54672**
निजी असहायता स्कूल (मान्यताप्राप्त)	1160	3095	**4255**	790	1081	**6126**
अन्यान्य	26	43	**69**	28	11	**108**
निजी गैर मान्यता	728	446	**1174**	97	15	**1286**
क्रेंद्र सरकार द्वारा संचालित	1	7	**8**	15	76	**99**
कुल स्कूल	**29326**	**21049**	**50375**	**9497**	**2419**	**62291**

स्रोत : यूडीआईएसई+ 2021-22

नामांकन (2021-22)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक स्कूल (कक्षा 1-5)	उच्च प्राथमिक स्कूल (कक्षा 6-8)	माध्यमिक स्कूल कक्षा (9-10)	उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा 11-12)	कुल नामांकन
शिक्षा विभाग	2553951	1460839	668123	74046	4756959
आदिवासी कल्याण	168773	161472	66754	10328	407327
कुल सरकारी नामांकन	**2722724**	**1622311**	**734877**	**84374**	**5164286**
सरकारी सहायता	24873	127036	364952	341921	858782
कुल सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल	**2747597**	**1749347**	**1099829**	**426295**	**6023068**
निजी असहायता स्कूल (मान्यता प्राप्त)	671062	279750	123204	248105	1322121
अन्यान्य	5481	2839	1773	3597	13690
निजी एसहायता प्राप्त स्कूल (गैर मान्यता)	67553	16933	7314	1894	93694
क्रेंद्र सरकार द्वारा संचालित	27460	22886	14261	10337	74944
कुल स्कूल	**3519153**	**2071755**	**1246381**	**690228**	**7527517**

स्रोत: यूडीआईएसई+ २०२१–२२

शिक्षक (2021-22)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक स्कूल	उच्च प्राथमिक स्कूल	माध्यमिक स्कूल	उच्चतर माध्यमिक स्कूल	कुल शिक्षकों की संख्या
शिक्षा विभाग	62678	80623	48621	3060	194982
आदिवासी कल्याण	1091	3542	3532	940	9105
कुल सरकारी	**63769**	**84165**	**52153**	**4000**	**204087**
सरकारी सहायता	731	2661	21440	7202	32034
कुल सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल	**64500**	**86826**	**73593**	**11202**	**236121**
निजी असहायता प्रात सूल (मान्यता प्राप्त)	7865	38935	15921	16251	78972
अन्यान्य	112	283	251	157	803
निजी गैर मान्यता	3945	3642	1033	179	8799
क्रेंद्र सरकार द्वारा संचालित	4	58	192	1805	2059
कुल स्कूल	**76426**	**129744**	**90990**	**29594**	**326754**

स्रोत: यूडीआईएसई+ २०२१-२२

छात्र - शिक्षक अनुपात (पीटीआर)-2021-22

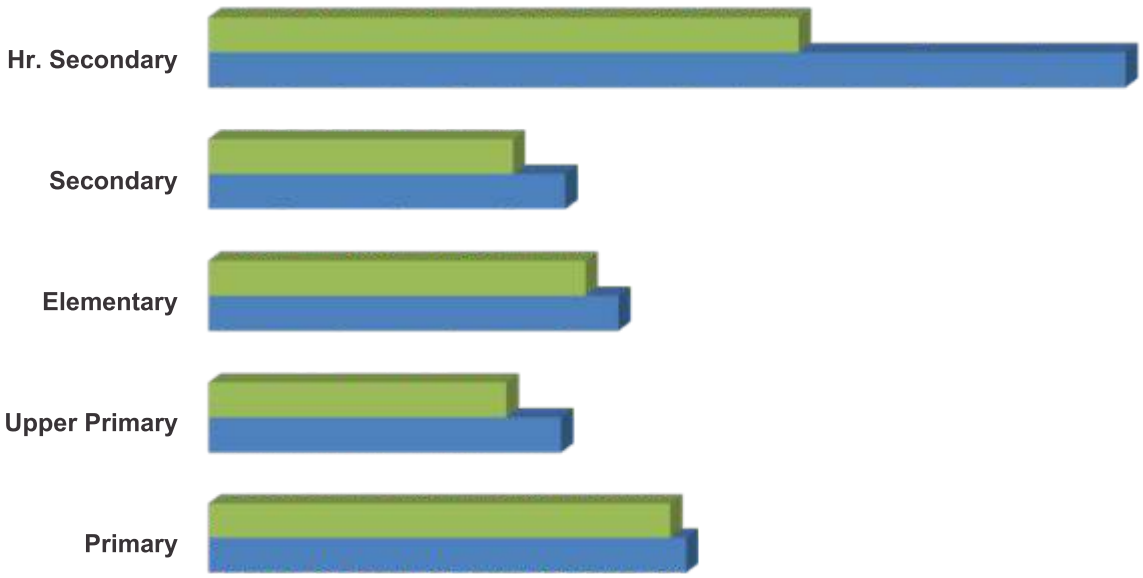

	Primary	Upper Primary	Elementary	Secondary	Hr. Secondary
All Management	28	18	23	19	36
Government	29	22	25	22	56

स्रोत: यूडीआईएसई+ २०२१–२२

वार्षिक औसत ड्रॉपआउट दर 2021-22

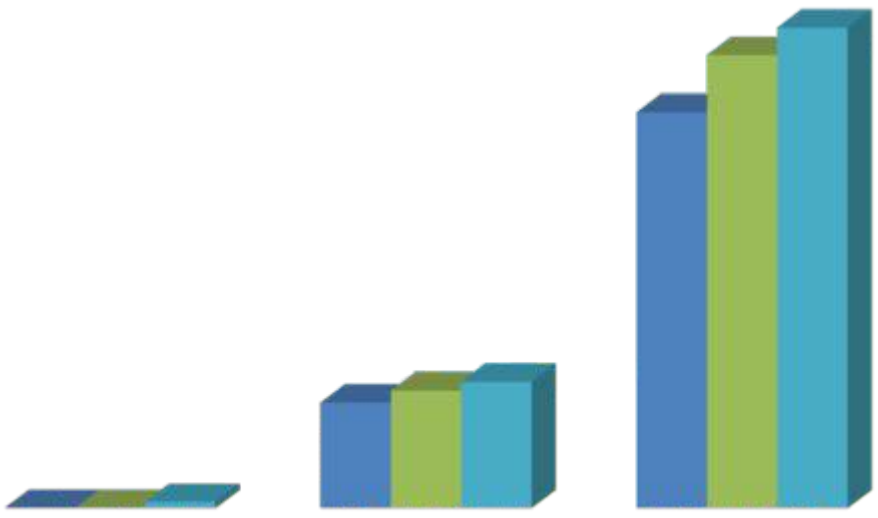

	PRIMARY	UPPER PRIMARY	SECONDARY
All	0.00	7.34	27.26
SC	0.00	8.16	31.19
ST	0.43	8.78	33.06

स्रोत: यूडीआईएसई+ २०२१–२२

संक्रमण दर 2021 – 22

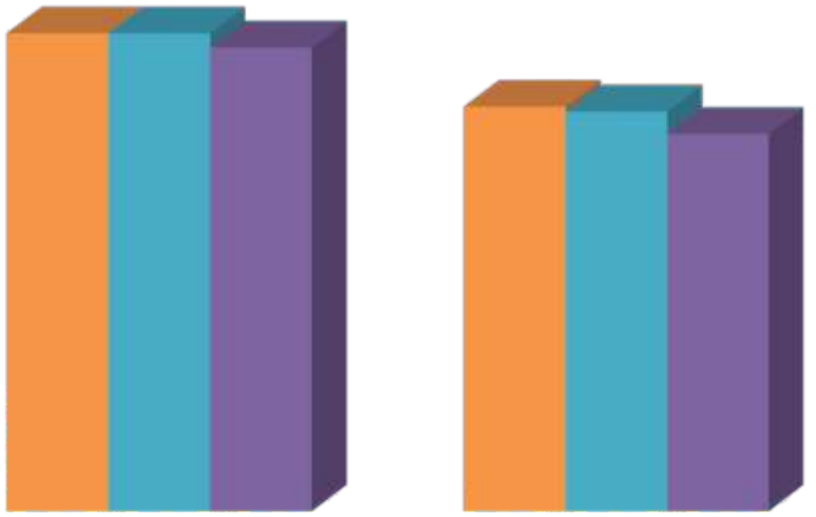

	Primary to Upper Primary	Upper Primary to Secondary
All	97.45	82.47
SC	97.44	81.44
ST	94.55	76.91

स्रोत: यूडीआईएसई+ २०२१–२२

अवधारणा दर 2021-22

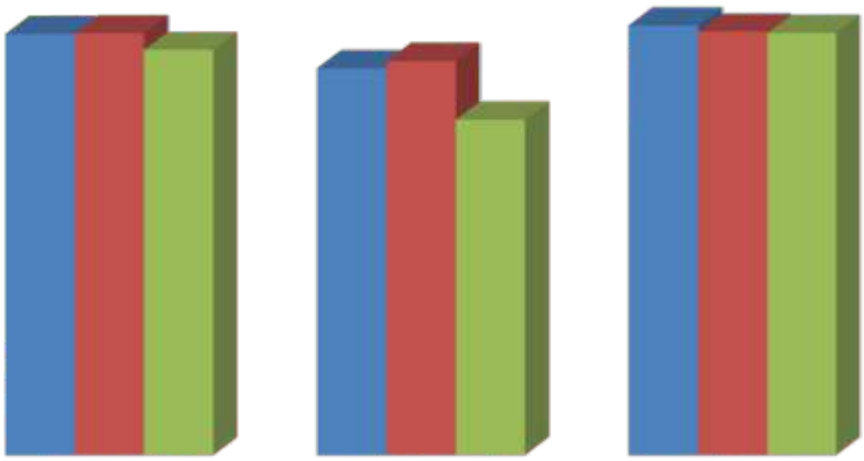

	Primary	Elementary	Secondary
All	94.71	86.99	96.64
SC	94.86	88.55	95.25
ST	91.12	75.40	94.96

स्रोत: यूडीआईएसई+ २०२१–२२

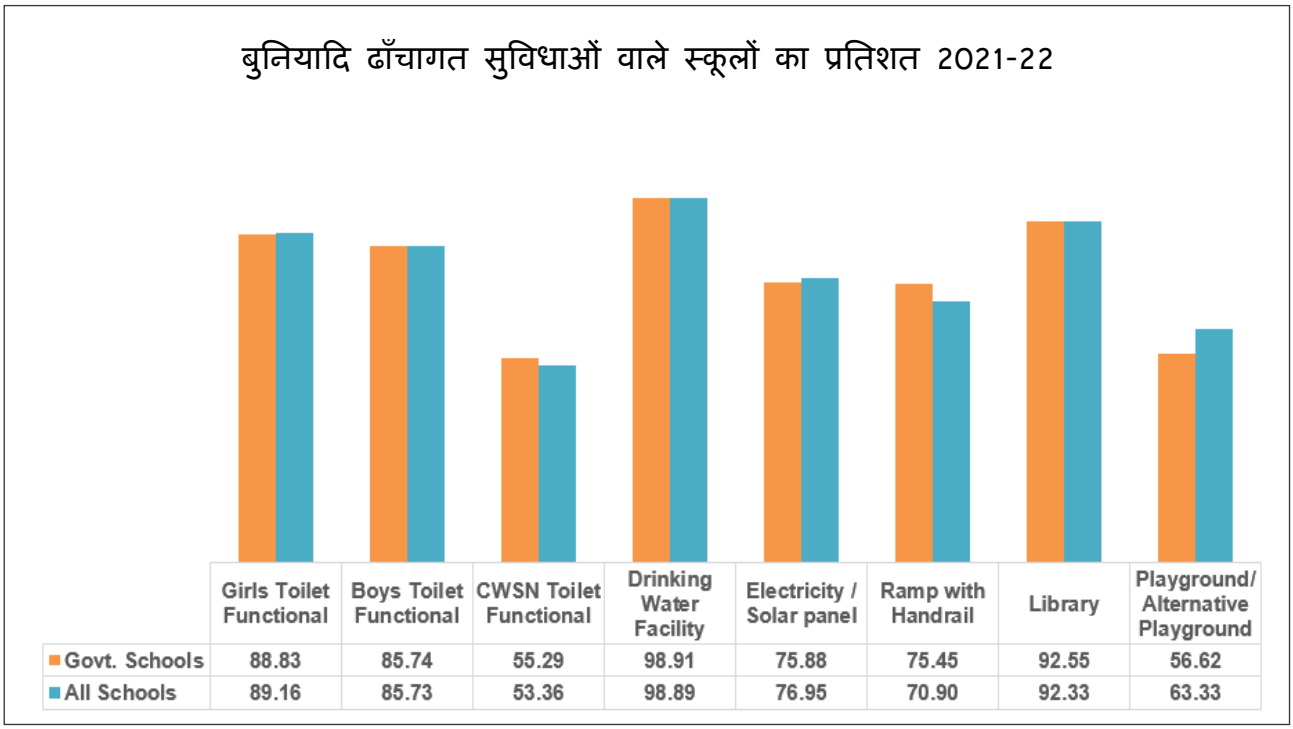

स्रोत: यूडीआईएसई+ २०२१–२२

१९. शैक्षिक संकेतक-2022-23 (स्कूल/अनुभाग सार-2022-23)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक स्कूल (कक्षा V तक)	उच्च प्राथमिक स्कूल (कक्षा VIII तक)	कुल प्राथमिक स्कूल	माध्यमिक स्कूल (कक्षा X तक)	उच्च माध्यमिक विद्यालय (कक्षा XII तक)	कुल प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूल
शिक्षा विभाग	26610	14918	41528	4762	667	**46957**
आदिवासी कल्याण+ एकलव्य मॉडल आवासिक स्कूल	437	768	1205	380	100	**1685**
अन्य राज्य सरकार द्वारा संचालित	5	1	6	5	5	**16**
कुल सरकारी स्कूल (राज्य)	**27052**	**15687**	**42739**	**5147**	**772**	**48658**
सरकारी सहायता प्राप्त	292	1519	1811	3337	702	**5850**
कुल सरकारी और सहायता प्राप्त	**27344**	**17206**	**44550**	**8484**	**1474**	**54508**
एसएसईपीडी द्वारा आंशिक सहायता प्राप्त	16	35	51	19	0	**70**
केंद्र सरकार द्वारा संचालित	2	7	9	17	83	**109**
निजी सहायता रहित (मान्यता प्राप्त)	1014	3176	4190	800	1094	**6084**
निजी मान्यता प्राप्त	606	416	1022	83	15	**1120**
कुल स्कूल	**28982**	**20840**	**49822**	**9403**	**2666**	**61891**

स्रोत: यूडीआईएसई+ 2022-23

नामांकन (2022-23)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक स्कूल (कक्षा 1-5)	उच्च प्राथमिक स्कूल (कक्षा 6-8)	माध्यमिक स्कूल (कक्षा 9-10)	उच्चतर माध्यमिक स्कूल (कक्षा 11-12)	कुल नामांकन
शिक्षा विभाग	2539030	1477787	662438	85722	**4764977**
आदिवासी कल्याण+एकलव्य मडेल आवासिक स्कूल	171590	162009	66593	13813	**414005**
अन्य राज्य सरकार द्वारा संचालित	877	969	787	2046	**4679**
कुल सरकारी स्कूल	**2711497**	**1640765**	**729818**	**101581**	**5183661**
सरकारी सहायता प्राप्त	25158	126796	352367	429586	**933907**
कुल सरकारी और सहायता प्राप्त	**2736655**	**1767561**	**1082185**	**531167**	**6117568**
एसएसईपीडी द्वारा आंशिक सहायता प्राप्त	3139	1302	508	0	**4949**
क्रेंद्र सरकार द्वारा संचालित	29683	25388	15855	12669	**83595**
निजी सहायता रहित (मान्यता प्राप्त)	629722	280788	125434	291516	**1327460**
निजी मान्यता प्राप्त	55193	14717	5830	2359	**78099**
कुल नामांकन	**3454392**	**2089756**	**1229812**	**837711**	**7611671**

स्रोत: यूडीआईएसई+ 2022-23

शिक्षक (2022-23)

स्कूल प्रबंधन	प्राथमिक स्कूल	उच्च प्राथमिक स्कूल	माध्यमिक स्कूल	उच्चतर माध्यमिक स्कूल	कुल नामांकन
शिक्षा विभाग	60621	79588	55211	5752	**201172**
आदिवासी कल्याण+एकलव्य मडेल आवासिक स्कूल	1029	3312	3816	1105	**9262**
अन्य राज्य सरकार द्वारा संचालित	8	5	25	69	**107**
कुल सरकारी स्कूल	**61658**	**82905**	**59052**	**6926**	**210541**
सरकारी सहायता प्राप्त	718	2531	20702	8133	**32084**
कुल सरकारी और सहायता प्राप्त	**62376**	**85436**	**79754**	**15059**	**242625**
एसएसईपीडी द्वारा आंशिक सहायता प्राप्त	91	255	173	0	**519**
क्रेंद्र सरकार द्वारा संचालित	9	63	213	2133	**2418**
निजी सहायता रहित (मान्यता प्राप्त)	6931	39767	16025	17808	**80531**
निजी मान्यता प्राप्त	3566	3521	1024	192	**8303**
कुल नामांकन	**72973**	**129042**	**97189**	**35192**	**334396**

स्रोत: यूडीआईएसई+ 2022-23

छात्र – शिक्षक अनुपात (पीटीआर 2022 - 23)

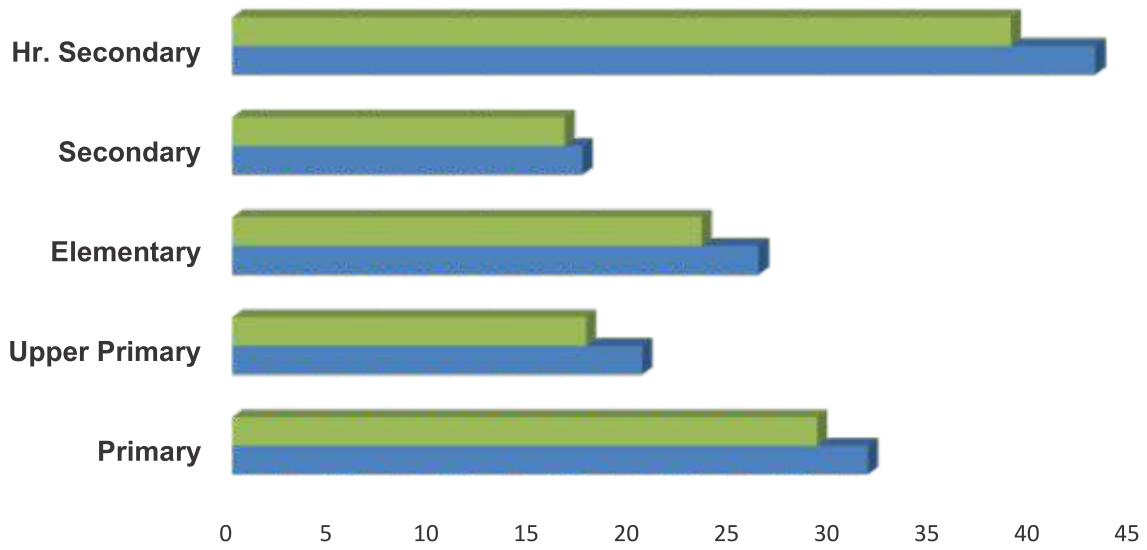

	Primary	Upper Primary	Elementary	Secondary	Hr. Secondary
All Management	29	18	23	17	39
Government	32	20	26	17	43

स्रोत: यूडीआईएसई+ 2022-23

वार्षिक औसत ड्रॉपआउट दर 2022-23

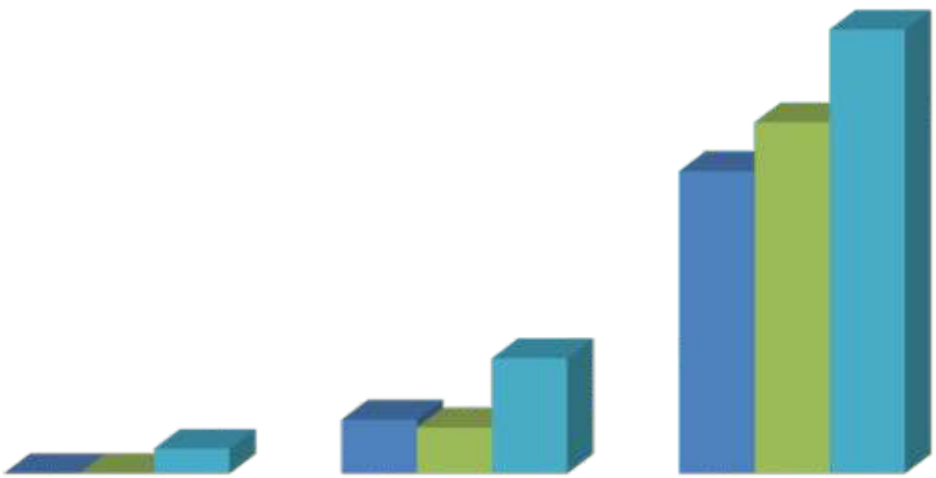

	PRIMARY	UPPER PRIMARY	SECONDARY
All	0.00	3.15	17.72
SC	0.00	2.67	20.57
ST	1.44	6.72	26.02

स्रोत: यूडीआईएसई+ 2022-23

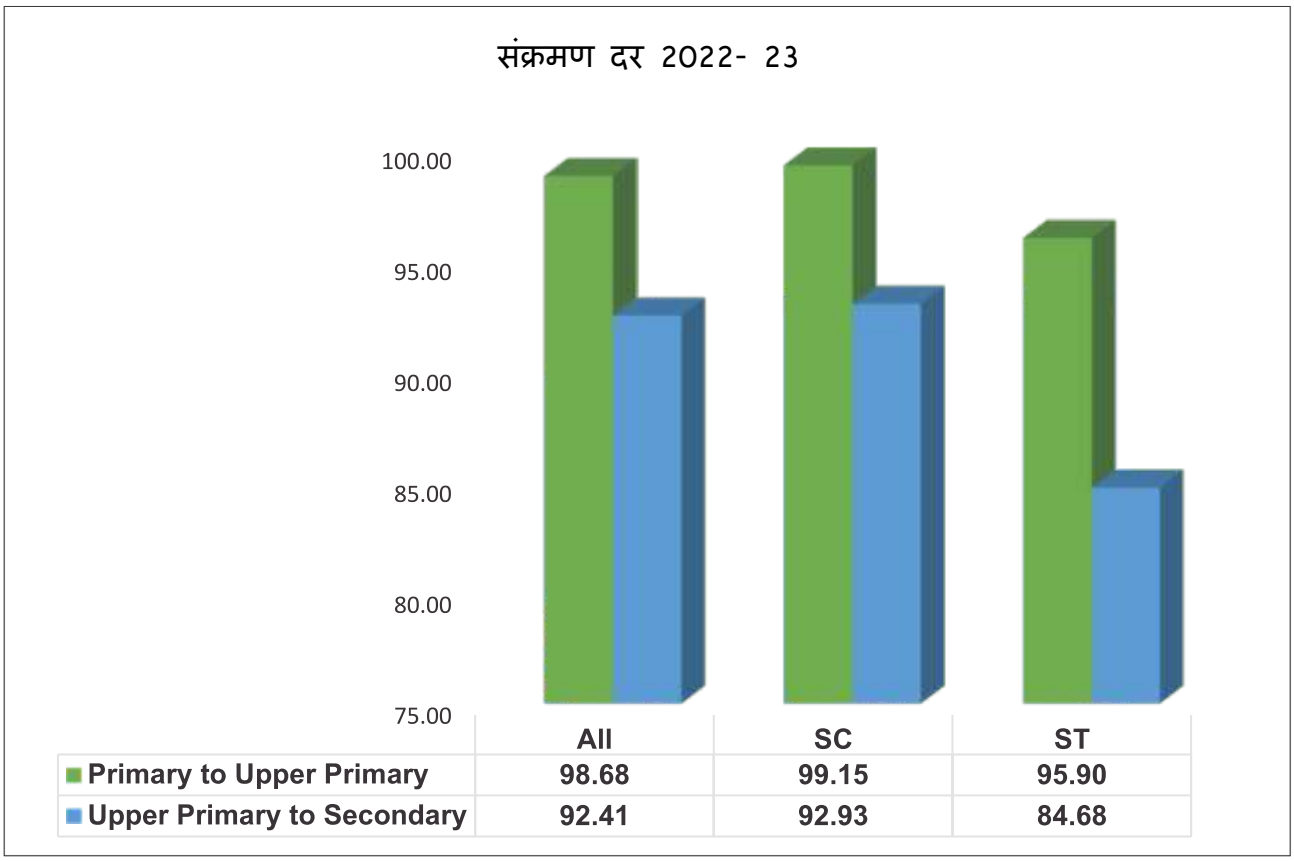

	All	SC	ST
Primary to Upper Primary	98.68	99.15	95.90
Upper Primary to Secondary	92.41	92.93	84.68

स्रोत: यूडीआईएसई+ 2022-23

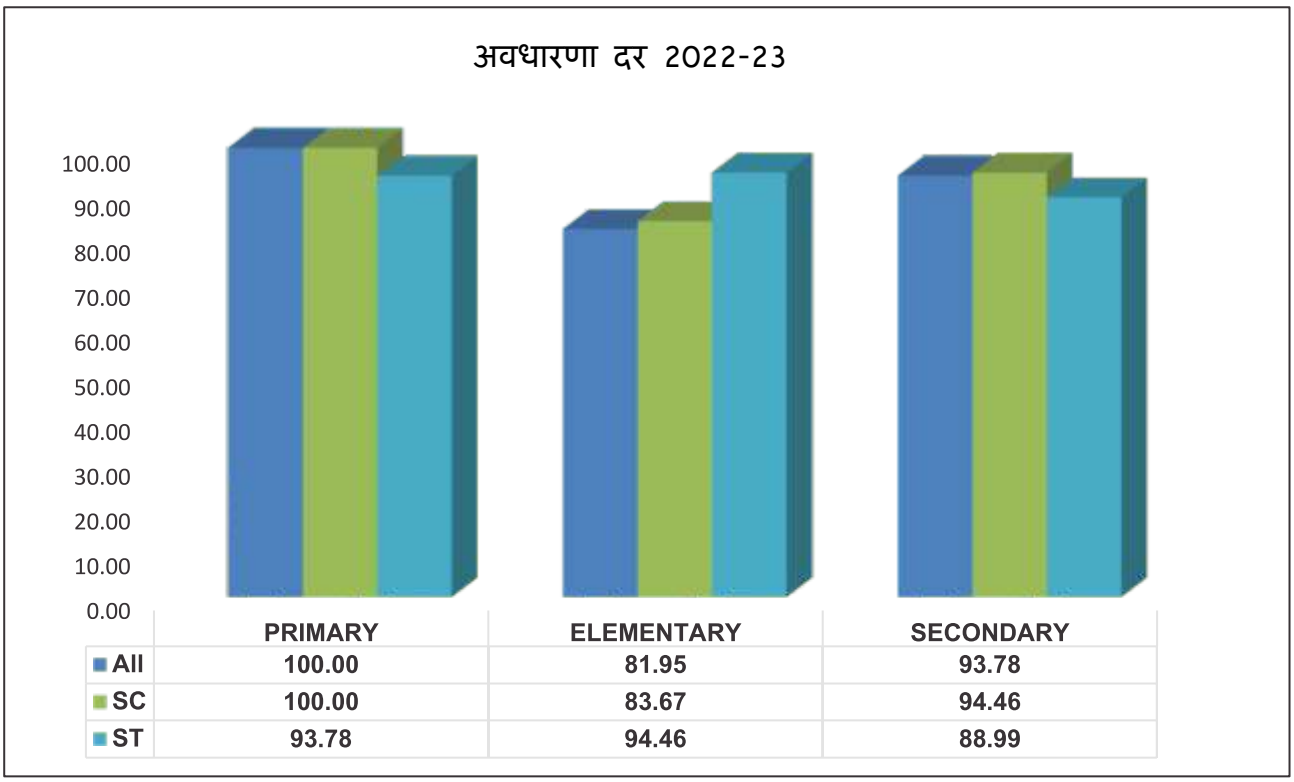

	PRIMARY	ELEMENTARY	SECONDARY
All	100.00	81.95	93.78
SC	100.00	83.67	94.46
ST	93.78	94.46	88.99

स्रोत: यूडीआईएसई+ 2022-23

परंपरागत सुविधाओं वाले स्कूलों का प्रतिशत (2022- 23)

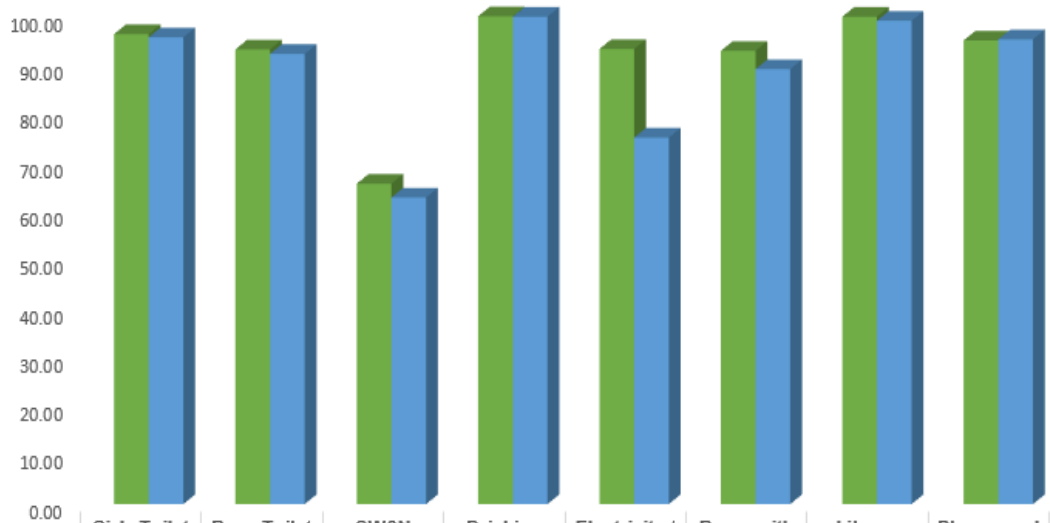

	Girls Toilet Functional	Boys Toilet Functional	CWSN Toilet Functional	Drinking Water Facility	Electricity / Solar panel	Ramp with Handrail	Library	Playground /Alternative Playground
Govt. Schools	96.30	93.17	65.66	99.97	93.26	92.88	99.87	95.01
All Schools	95.64	92.25	62.83	99.88	75.11	89.13	99.04	95.23

स्रोत: यूडीआईएसई+ 2022-23

२. पहुँच

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – २०२० की प्रस्तावना के बाद ०६ – १८ वर्ष आयुवर्ग के बच्चों की शिक्षा के लिए बहुत महत्व दिया गया है। समग्रशिक्षा के तहत प्राथमिक शिक्षा के स्तर से उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के उन्नयन के लिए कदम उठाए गए हैं। यहाँ स्कूली शिक्षा तथा उच्चतर शिक्षा की समाप्ति के लिए सभी बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया गया है। दूर और विक्षिप्त पहाड़ी तथा जंगली क्षेत्रों में बच्चों की पहचान कर बस्ती तथा घर के सर्वे के अनुसार उन्हें शिक्षा की सुविधा प्रदान की जाती है। राज्य ने कुल ९०७३१ बच्चों में से प्राथमिक स्तर पर ८७७५० और उच्च प्राथमिक स्तर पर ८८७२१ को शिक्षा की सुविधा उपलब्ध करवाई है। समग्र शिक्षा के दौरान बहुत कठिन दुर्गम और दूरस्थ बस्तियों को जहाँ पहुँचने में काफी समस्याएँ होती हैं, वहाँ बच्चों को प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा पूर्ण करने के लिए परिवहन एवं अनुरक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। समग्र शिक्षा के नॉर्म के अनुसार छात्रों को उच्चतर माध्यमिक शिक्षा प्रदान की जाती है।

शहरी छात्रों में बच्चों की कठिन श्रेणियाँ हैं जैसे बालश्रम, संकरी गली के बच्चे, कूड़ा बीनने वाले बच्चे, अनाथ एकल माता – पिता के बच्चे, बेघर बच्चे आदि को पहुँच नहीं मिलती। कुछ स्कूलों के माहौल में बच्चे ढंग से नहीं रह पाते; स्कूल से भाग जाते हैं या बिल्कुल स्कूल छोड़ (ड्रॉप आउट) देते हैं। समग्र शिक्षा के तहत इन वंचित बच्चों के लिए उपयुक्त पहुँच वाले बारह जिलों में आवासीय छात्रावास स्थापित किए गए हैं। शहर के वंचित बच्चों को स्कूल पहुँचने से शहर के विभिन्न स्थानों से उन्हें उद्धार किया जाता है। आवासीय छात्रावासों में उनका पुनर्वास किया जाता है। दूरस्थ, पहाड़ी, जंगल या पहुँच रहित क्षेत्रों के बच्चों को अनुसूचित जनजाति का विकास विभाग, कल्याण विभाग, कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय आदि सेवाश्रमों को पहुँच प्रदान की जाती है।

हाउस होल्ड सर्वे – २०२१ के विधिमान्यकरण के जरिए ६ – १८ वर्ष आयुवाले से बाहर के बच्चों की पहचान हुई है। इन बाहरी बच्चों को स्कूलों तथा एसआईओएस/ एसआईओएस केंद्रों में नामांकन करने के लिए कदम उठाए गए हैं। प्रवासी केंद्रीय स्थानों तथा श्रोतों में मौसमी छात्रावास खेल दिए गए हैं। इन छात्रावासों में प्रवासी बच्चों को सुरक्षित रखा जाता है और उन्हें माता – पिता प्रवासी से लौटने तक शिक्षा दी जाती है।

नेताजी सुभाष बोस आवासीय विद्यालय

शहर के कठिन श्रेणी के वंचित बच्चे यानी शिशु – श्रम, भीख माँगने के लिए नियोजित बच्चों को, संकरी गली के बच्चों को, प्रौढ़ व्यक्तियों की सुरक्षा के बिना घूमने वाले बच्चे, अनाथ और जटिल परिस्थिति में शिक्षा प्राप्त करने की आवश्यकताओं के लिए शहरी अंचलों से बचाव किया गया। उन्हें प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने के लिए आवासीय छात्रावासों में पुनः सुरक्षित रखा गया। अब कुल 17 आवासीय छात्रावास 895 बच्चों को लेकर कार्यरत हैं।

आवासीय छात्रावास : २०२२ – २३ (शहर के वंचित बच्चों के लिए)

क्र.सं	जिलों के नाम	ब्लॉक	आवासिक छात्रावासों के नाम	वर्ष	क्षमता	शहर के वंचित बच्चों के लिए
1	खोर्द्धा	भुवनेश्वर म्यूनिसपाल कर्पोरेसन (BMC)	सरकारी हाईस्कूल, यूनिट -1, भुवनेश्वर	2012-13	50	37
2	खोर्द्धा		राजभवन प्रोजेक्ट यूपी स्कूल, यूनिट – VIII, भुवनेश्वर	2013-14	50	42
3	खोर्द्धा		सरकारी हाईस्कूल, यूनिट–VI, भुवनेश्वर (सिर्फ बालिकाओं के लिए)	2013-14	50	48
4	खोर्द्धा		सरकारी प्राथमिक विद्यालय, आईआरसी विलेज, सेक्टर-1, भुवनेश्वर	2013-14	50	37
5	केंउझर	केंउझर सदर	आत्तपुर नोडाल यूपी स्कूल, केंउझर सदर	2012-13	100	100
6	केंउझर	बड़विल	बड़विल नोडल यूपी स्कूल, बड़विल	2012-13	100	100
7	मयूरभंज	बारिपदा	पूर्णचंद्रपुर प्रोजेक्ट यूपी स्कूल, बारिपदा	2014-15	100	100
8	मयूरभंज	विसोई	विसोई यूजी हाईस्कूल	2015-16	100	100
9	वरगढ़	वरगढ़	सिमेंट नगर हाई स्कूल	2016-17	50	43
10	कटक	सदर	मधुसूदन सरकारी हाईस्कूल	2016-17	50	22
11	गजपति	पारलाखेमुंडि	गांधी मेमोरियाल यूपीएस	2016-17	50	42
12	गंजाम	छत्रपतिपुर	रघुनाथपुर यूपी स्कूल	2016-17	50	45
13	कलाहांड़ी	भवानिपाटना	बापुजी यूपीएस, भवानीपाटना	2016-17	50	45
14	कंधमाल	बालिगुड़ा	ब्लॉक कॉलोनी पीयूपीएस, बालिगुड़ा	2016-17	50	40
15	मालकानगिरि	मालकानगिरि	सरकारी नोउल यूपीएस, मालकानगिरि	2016-17	50	50
16	रायगड़ा	रायगड़ा	जीबीएम हाईस्कूल, रायगड़ा	2016-17	50	24
17	कोरापुट	सिमिलिगुड़ा	एमआईजी IV पीयूपीएस, सुनाबेड़ा	2018-19	50	20
	कुल				**1050**	**895**

LWE जिलों में आवासीय विद्यालय

जिले का नाम	ब्लॉक का नाम	आवासीय स्कूल और नाम	क्षमता	बच्चों की संख्या
मालकानगिरि	कोरकुंदा	नीलाद्रिनगर पीयूपीएस, निलकम्बेरू जीपी, कोरकुंडा	100	100
मालकानगिरि	पोड़िआ	कलदापली यूजीएचएस, पोड़िआ	100	100
कोरापुट	पोटंगी	तड़िवाल्सा पीएस (नेरिदिवाल्सा), अर्जुवाल्सा, कोटिआ जीपी (को-एडूकेशन)	100	100
कोरापुट	दसमंतपुर	गिरलिगुमा यूजीएचएस, दसमंतपुर (सिर्फ लड़कियों के लिए)	100	100
कुल			**400**	**400**

नए प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों का उद्घाटन :

राज्य सरकार स्कूल व जन शिक्षा विभाग, ओड़िशा अधिसूचना संख्या 22554, दिनांक 26.09.2013 के आरटीई अधिनियम के अनुसार NPS और NUPS खोलने के लिए अधिसूचित की गई।

निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा – ६ और ओड़िशा के निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार नियम २०१० के ६(४) के अनुसरण में उक्त नियम की धारा ६(१) में विनिर्दिष्ट सीमा के साथ बच्चों के मानदंड को जोड़कर राज्य में नए प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय खोलने के लिए निम्नलिखित प्रावधान निर्धारित किए गए हैं :

i) नए प्राथमिक स्कूलों का उद्घाटन

क) गैर – केबीके जिलों और गैर – आदिवासी उप – योजना क्षेत्रों में 6-11 वर्ष आयुवर्ग के कम – से – कम 40 बच्चों वाली बस्तियों में नए प्राथमिक विद्यालय खोले गए। बशर्ते 1 कि.मी. की दूरी पर बस्ती के बच्चों के लिए कोई प्राथमिक स्कूल न हो।

ख) केबीके जिलों और आदिवासी उप – योजना क्षेत्रों में 6-11 वर्ष आयुवर्ग के कम से कम २५ बच्चों की बस्तियों में नए प्राथमिक स्कूल खोले गए हैं। बशर्ते ०१ कि.मी. की पैदल दूरी के भीतर कोई प्राथमिक विद्यालय न हो।

ii) नए उच्च प्राथमिक स्कूल का उद्घाटन

क) सभी जिलों में 11-14 वर्ष आयुवर्ग के कम से कम २५ बच्चों वाली बस्तियों में/ बस्तियों के समूह में नए उच्च प्राथमिक स्कूल खोले गए हैं बशर्ते कि 03 कि.मी दूरी के भीतर कोई उच्च प्राथमिक विद्यालय न हो।

ख) सभी जिलों में नदी, पहाड़ और घने जंगल आदि प्राकृतिक अवरोध के कारण नए प्राथमिक व उच्त प्राथमिक स्कूल खोलने के लिए दूरी मानदंड छूट की गई थी।

राज्य के लिए पीएबी (PAB) 2022 – 23 ने किसी भी नए प्राथमिक और नए उच्च प्राथमिक विद्यालयों की मंजूरी दी है। परंतु 11 सरकारी प्राथमिक स्कूलों को उनके संतोषजनक कार्य और नॉर्म के कारण उच्च प्राथमिक स्कूल व जन शिक्षा विभाग ने अनुमोदन किया है।

प्राथमिक स्कूल से उच्च प्राथमिक स्कूलों का उन्नयन

क्र.सं	जिले का नाम	ब्लॉक के नाम	प्राथमिक स्कूलों से उच्च प्राथमिक स्कूलों को उन्नयन स्कूलों के नाम
1	बालेश्वर	जलेश्वर	प्रसादसोल प्राइमेरी स्कूल
2	बालेश्वर	रेमुणा	भूइनपदा प्राइमेरी स्कूल
3	भद्रक	चांदबालि	खटुआसाही प्राथमिक स्कूल
4	भद्रक	तिहिड़ि	कामरिआ प्राथमिक स्कूल
5	जाजपुर	दानगदि	गुहिसाला प्रोजेक्ट प्राथमिक स्कूल
6	जाजपुर	दानगदि	नगड़ा प्रोजेक्ट प्राइमेरी स्कूल
7	जाजपुर	दानगदि	मंडपड़ा प्राथमिक विद्यालय
8	जाजपुर	दानगदि	दानवीर प्राथमिक विद्यालय
9	जाजपुर	दानगदि	समरपित प्राथमिक विद्यालय
10	केंद्रापड़ा	आठल	अरेइकना प्राथमिक विद्यालय
11	केंद्रापड़ा	मार्शाघाई	पेंठबालिकुदा प्राथमिक विद्यालय

स्कूलों का समेकन और युक्तिकरण

स्कूल और जनशिक्षा विभाग अधिसूचना संख्या 5465, दिनांक 11.03.2020 और शुद्धि पत्र 18905, दिनांक 14.12.2020 के आधार पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से, स्कूलों में युक्तिकरण और समेकन विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य है कि परिसर में माध्यमिक स्कूलों में कई एकीकृत स्कूल प्रारंभ करना एवं राज्य साधनों के कुशल संक्रमण और उपयोजन का विकास करना।

उक्तिकरण के विभिन्न प्रकार नीचे पदत्त है :

क) सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को नियत क्षेत्र और केबीके अंचलों में 15 से कम या उसके बराबर एवं अन्य क्षेत्रों में 20 से कम नामांकन वालों को दूरता के बावजूद निकट के स्कूलों के साथ समेकन किया जाएगा।

ख) प्राथमिक अनियत क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों में जहाँ 40 से कम नामांकन है और नियत क्षेत्रों में जहाँ 25 से कम है एवं स्कूल जो 01 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, उन्हें समेकित किया जाएगा।

ग) एक ही परिसर में स्थित स्कूल को हो अथवा 100 मीटर में नामांकन को ध्यान में न रखते हुए उन्हें समेकित किया जाएगा।

घ) उच्च प्राथमिक स्कूलों के उच्च प्राथमिक कक्षा (I-VIII, VI-VIII), जहाँ नामांकन 20 से कम हो या समान हो, उन्हें भी समेकित किया जाएगा।

२०२० – २१ के तहत सरकार ने ७७५० स्कूलों को समेकन और अग्रणी स्कूलों के लिए सूचित और अनुमोदित किया गया है। वर्तमान ५६९८ सैटलाइट स्कूलों को अग्रणी स्कूलों के रूप में समेकन किया गया है।

परिवहन और अनुरक्षण की सुविधाएँ

सरकार ने स्कूल और जनशिक्षा विभाग ने अधिसूचना संख्या 4661, दिनांक 25.02.2019 के तहत दूरस्थ आदिवासी वाले या पहाड़ी, घने क्षेत्रों या शहरी क्षेत्रों में स्थिति बस्तियों में रहने वाले बच्चों के लिए परिवहन/अनुरक्षण सुविधाएँ और सहायता प्रदान की गई हैं। अथवा शहरी क्षेत्रों जहाँ भूमि की उपलब्धता एक समस्या है या अत्यंत वंचित समूह के बच्चे हैं या विशेष आवश्यकता वाले बच्चे हैं और जिन्हें निम्नलिखित शर्तों के अनुसार स्कूल उपलब्ध न हो।

क) जहाँ बच्चों को स्कूल के युक्तिकरण की नीति के अनुसार सैटलाइट स्कूल (कम नामांकन) को अंग्रेजी कूलों के साथ विलय हेतु आसपास के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों तक पहुँचने में कठिनाई होती है और वे प्राथमिक स्कूल या आगे जाने के लिए 01 कि.मी. ज्यादा यात्रा करते हैं।

ख) जहाँ कम आबादी वाले बस्तियों के बच्चे हैं और वहाँ स्कूल खोलना संभव नहीं और जहाँ पड़ोसी स्कूल 01 कि.मी दूरी पर स्थित है और उच्च प्राथमिक स्कूल 10 कि.मी. पर स्थित है।

ग) जहाँ बच्चे जंगल क्षेत्रों की बस्तियों में वसवास करते हैं और स्कूल जाने के समय जंगलों पशुओं के अवरोध का उन्हें भय रहता है।

जहाँ बच्चों के बारिश के मौसम में नदी, खाई आदि के कारण किसी भी प्राकृतिक बाधा का सामना करना पड़ता है।

परिवहन और अनुरक्षण की उपलब्धि

श्रेणी	पीएबी द्वारा अनुमोदित बच्चों की संख्या	परिवहन/ अनुरक्षण सुविधा प्रदान बच्चों की संख्या
दूरस्थ बस्तियों में बच्चे	३४६१५	२४८५२

स्कूल से बाहरी बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण

राज्य सरकार, ओड़िशा, स्कूल व जनशिक्षा विभाग ने वाइड़ अधिसूचना संख्या 6939 दिनांक 31.03.2014 स्कूल के बाहरी बच्चों की परिभाषा घोषित की है। हाउस होल्ड सर्वे, 2021 इन बाहरी बच्चों की पहचान हुई है। कुल 14721, 6 – १४ आयुवर्ग के बाहरी बच्चों की पहचान हुई है और उन्हें आयुवर्ग के अनुसार दाखिला दिया गया है। प्रबंध पोर्टल के अपलोड डेटों के अनुसार बाहरी बच्चों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान के लिए पीएबी २०२२ – २३ ने अनुमोदन किया है।

निम्न में स्कूल से बाहरी बच्चों तथा मुख्यधारा का विवरण प्रस्तुत है :

क्र. संख्या	गतिविधियाँ	पीएबी लक्ष्य २०२२ - २३	भौतिक उपलब्धियाँ
1	OoSC को आवासीय विशेष प्रशिक्षण	36	17
2	OoSC को गैर आवासीय विशेष प्रशिक्षण	427	402
3	OoSC में सीधे नामांकन के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं।	14248	14302
	कुल	**14721**	**14721**

प्रशिक्षित न होने वाले स्कूल से बाहरी बच्चों को स्कूल की मुख्यधारा में सीधा शामिल किया गया। कुल 14721 बाहरी बच्चों को स्कूल में प्रशिक्षित किया गया।

प्रवासी परिवार के बच्चों के लिए मौसमी छात्रावास

श्रोत और टार्गेट पएंट में 208 मौसुमी छात्रावासों में पीएबी 2022 – २३ ने ८७७८ प्रवासी बच् को रहने के लिए अनुमोदित किया। इन बच्चों को श्रोतों तथा टार्गेट के अनुसार अगस्त व सितंबर महीने में पहचान की गई। तत्सहित शिक्षकों, सीआरसीसी, पीआरआई सदस्य एवं एसएमसी को भी शामिल किया गया। ये छात्रावास नवंबर, दिसंबर, २०२२ में खोले गए।मौसी छात्रावास की प्रगति निम्न प्रकार है

सरकरी अपर प्राइमेरी स्कूल, भेरुआमुंडा, पाइकमल, बरगड़

प्रवासी छात्रावास के दौरान प्रगति : २०२२ - २३

स्रोत पएंट:आवासिक					
क्र.संख्या	जिलों के नाम	पीएबी टार्गेट		उपलब्धियाँ	
		केंद्रों की संख्या	बच्चों की संख्या	केंद्रों की संख्या	बच्चों की संख्या
1	बरगड़	24	1250	23	1250
2	बलांगीर	80	3500	44	2094
3	कलाहांडि	10	444	10	444
4	नूआपड़ा	75	2836	56	2467
5	मयूरभंज	2	98	2	80
	कुल	191	8128	135	6335
गंतव्य स्थान: गैर-आवासीय					
6	बालेश्वर	2	100	1	64
7	कटक	10	350	6	236
8	खोर्द्धा	5	200	5	200
	कुल	17	650	12	500
	कुल	208	8778	147	6835

राज्य के मुक्त विद्यालयों (SIOS) के संस्थान

हाउसहोल्ड सर्वे – २०२१ ने १५ – १८ आयु वर्ग के ५४६३७ बच्चों की पहचान की है। एसआईओएस केंद्रों में १५ – १६ आयु वर्ग के बच्चों का नामांकन हुआ है। २०२२ – २३ पीएनबी ने १३०५ स्कूल से बाहरी बच्चों को अनुमोदित किया है। इसकी प्रगति नीचे दृष्टव्य है :

एसआईओएस 2022-23 के तहत प्रगति

क्र.संख्या	जिलों के नाम	पीएबी टार्गेट	एसआईओएस केंद्रों में दाखिला लेनेवाले बच्चों की संख्या
1	बौद	64	62
2	ढेंकानाल	50	25
3	गजपति	52	46
4	गंजाम	42	0
5	केंद्रापड़ा	61	2
6	मालकानगिरि	400	4
7	नवरंगपुर	500	237
8	नूआपड़ा	50	8
9	पुरी	86	27
	कुल	**1305**	**411**

उच्च प्राथमिक विद्यालय का माध्यमिक विद्यालय में उन्नयन 2022-23

क्र.संथ्या	जिले का नाम	माध्यमिक स्कूलों की संख्या
1	बलांगीर	1
2	मालकानगिरि	2
3	नूआपड़ा	1
4	सुंदरगढ़	1
	कुल	**5**

माध्यमिक विद्यालय का उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उन्नयन 2022-23

क्र.संख्या	जिलों का नाम	उच्च माध्यमिक विद्यालयों की संख्या
1	बलांगीर	6
2	देवघर	4
3	गंजाम	8
4	जगतसिंहपुर	1
5	कलाहांड़ी	7
6	कंधमाल	2
7	केउंझर	3
8	मालकानगिरि	5
9	मयूरभंज	1
10	नवरंगपुर	5
11	नयागड़	1
12	नूआपड़ा	4
13	संबलपुर	4
14	सुंदरगढ़	6
	कुल	**57**

३. अवसंरचना का विकास

आरटीई के तहत समग्र शिक्षा में सिविल कार्यों का पूरे राज्य में आवश्कतानुसार आरटीई के मुख्य निर्णयों को प्राप्त करने के लिए भौतिक आधारभूत संरचना प्रदान करना है। इसका मुख्य उद्देश्य है, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के साथ प्रासंगिक तथा प्रभावी अधिगम परिणामों के लिए एक स्थायी प्रणाली स्थापित करता है। स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ स्कूल प्रबंधन समिति (SMC/SMDC) को शामिल करके कार्य निष्पादन करना आरटीई – समग्रशिक्षा की सिविल कार्य की मुख्य विशेषता है। राज्य में स्थायी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए विस्ता खुला था। यह कहना जरूरी है कि परियोजना को लागू करते समय कई मुद्दों को बताने के लिए लगातार उपयुक्त योजनाएँ बनाई जा रही हैं। ये मुद्दे जमीनी स्तर पर जरूरत मूल्यांकन अध्ययन, प्राथमिकता, धनराशि जुटाना, सीमित उपलब्ध से सही समय पर उचित गतिविधि के उपयोग के लिए अन्य विभागों से संभाव्य संसाधनों की खोज करने पर विश्लेषण करते हैं ताकि परियोजना को पूर्णतः एक वास्तविक आकार दिया जा सके।

यहाँ उल्लेख करना जरूरी है कि कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) जैसी सहयोगी परियोजना निश्चित रूप से एक ही उद्देश्य सहित कार्यक्रम को मुख्य धारा के पूरक बनाने में सफल हैं।

इस परियोजना का उद्देश्य केवल नए स्कूल या अतिरिक्त कक्षा – कक्ष खोलना नहीं है, वरन् शौचालय, लड़कियों के लिए स्वतंत्र शौचालय, रैंप, हैंड्रिल, निर्मल पेय जल की सुविधा, विद्युतीकरण जैसी बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करनी है जिससे नामांकन में वृद्धि हो और ड्रॉप – आउट दर भी कम हो जाए।

राज्य में संरचनात्मक आधार वृद्धि करने के लिए स्कूली शैक्षिक स्तर पर योजनाएँ हो रही हैं। इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए विभिन्न प्रकार की रणनीतियाँ प्रस्तुत हैं।

राज्य में पंचायतीराज और पेयजल विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानीय जल की सुविधा पर ध्यान दिया है। सीडब्लूएसएन के लिए स्कूल को बाधा – मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास जारी है।

प्राथमिक :

सिविल कार्य निष्पादन के लिए मुख्य बिंदु :

- एस.एम.सी/ एस.एम.डी.सी को तीन चरणों में निधि प्रदान करना यानी प्रथम चरण में 40% द्वितीय चरण में 30% और तृतीय चरण में एफएमपी की लागत के अनुसार शेष 30%।
- गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने तथा सिविल कार्यों को सही समय पर पूर्ण करने के लिए तकनीकी सलाहकारों, वरिष्ठ तकनीकी सलाहकारों, जिला परियोजना समन्वयकों द्वारा सिविल इनफ्रॉस्ट्रक्चर की निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण करना।
- जिला परियोजना कार्यालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन करना।
- राज्य परियोजना कार्यालय में नियमित अंतराल पर वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करना।
- जिला स्तर पर सिविल कार्यों का निष्पादन करने वाले समुदाय/ एसएमसी/एसएमडीसी के साथ कुशल कर्मियों/ श्रमिकों का तकनीकी मार्गदर्शन करना।
- स्कूल भवन के निर्माण के तहत अपनाई गई महत्वपूर्ण विशेषताएँ।
- स्थानीय कौशल और स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री के उपयोग के लिए प्रौद्यगिकियों को ग्रहण करना और पर्यावरण के अनुकूल निर्माण कार्य करना।
- स्कूल सुरक्षा पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण दिशा – निर्देश के अनुपालन में बहु – जोखिम प्रतिरोध की विशेषताएँ।
- अधिगम का आनंदमय माहौल।
- एसएमसी और तकनीकी कर्मियों की भूमिका एवं जिम्मेदारी पर एसएमसी सदस्यों का प्रशिक्षण, उचित योजनाओं का चयन, श्रम शामिल करना, सामग्री खरीदना तथा निर्माण – कार्य की तैयारी एवं सुनिश्चित, खाता प्रबंधन एवं परवर्ती – निर्माण कार्य आदि को रखरखाव की स्थिति की ओर ले जाना।
- गुणवत्ता नियंत्रण

निगरानी और पर्यवेक्षण

- संबंधित जिले के वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार और वित्तीय सलाहकार नियमित अंतराल पर एसपीओ के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए समीक्षा बैठक में भाग लेते हैं।
- डीपीओ में यूसी जमा करने के साथ – साथ छत कॉस्चिंग और एकाउंट सेटलमेंट जैसी दो महत्वपूर्ण गतिविधियों का टीसी के लिए साप्ताहिक कार्य योजना का लक्ष्य निर्धारित करना।
- साप्ताहिक समीक्षा बैठक जिला परियोजना कार्यालय में डीपीसी और मासिक बैठक कलेक्टर – सह – अध्यक्ष द्वारा की जाती है।
- मोबाइल फोन का उपयोग कर पीएमए के माध्यम से निगरानी।
- भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा।

- बिल भुगतान से पहले ओपीडब्लूडी/ समग्र शिक्षा के दिशा – निर्देश के अनुसार माप पुस्तिका (एमबी) की जाँच।
- क्षेत्रीय स्तर पर तकनीकी सलाहकार द्वारा सम्मुखीन होने वाली विभिन्न चुनौतियों और समाधान पर चर्चा।
- निधि प्रवाह, खोते का निपटान और यूसी जमा।

समुदाय के लिए तकनीकी मार्गदर्शन

- इंजीनियरों की सेवा की गतिविधियों ब्लॉक स्तर पर तकनीकी सलाहकारों द्वारा एसएमसी को समर्थन करने के लिए और जिला स्तर पर कार्य की निगरानी के लिए वरिष्ठ तकनीकी सलाहकारों प्रदान की जाती है। ये सारे इंजीनियर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए निर्माण स्थलों का दौरा करते हैं। वे सिविल कार्यों की उचित निगरानी के लिए डीपीओ के साथ सेपर्क भी करते हैं। प्रत्येक कार्य के लिए माप पुस्तिका में मापों का दर्ज करते हैं। निर्माण क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों के तकनीकी ज्ञान के उन्नयन हेतु प्रशिक्षण – सह – अभिविन्यास कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित किए जा रहे हैं। ओसेपा द्वारा स्थानीय भाषा में प्रकाशित तकनीकी मैनुआल 'शिक्षानिड़ा' (Shiksha Needa) की सहायता से रजमिस्त्री को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साइट की विशिष्ट स्थिति के अनुसार ओपीडब्लूडी कोड और एमएस का मानदंड पालन करते हुए तकनीकी कर्मियों के निर्णयानुसार नींव के प्रकार यानी पाईल, कॉलम और खुली नींव को ग्रहण किया जा रहा है।

स्कूल भवन के निर्माण – कार्य के दौरान अपनाई गई महत्वपूर्ण विशेषताएँ :

प्रभावी लागत तकनीकियाँ

- स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग
- स्कूलों की आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना जो न केवल किफायती बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी है।

बहु – जोखिम प्रतिरोधी विशेषताएँ :

- बाढ़, भूकंप और चक्रवात् होने की आशंका वाले क्षेत्रों में साइट विशेष डिजाइन तैयार करने के लिए सुभेद्यता एटलस का अनुकरण किया जाएगा। नवीनतम कोडल विनिर्देशों के अनुसार विभिन्न जोखिम प्रतिरोध की विशेषताएँ।

भवन योजना और डिजाइन (साइट निश्चित डिजाइन)

बाढ़

- दर्ज एचएफएल के आधार पर प्लिंथ स्तर को मजबूत करना और दीवारों पर जल कोशिका की क्रिया को रोकना।
- नींव के परिमार्जित को रोकने के लिए प्लिंथ की सुरक्षा
- प्रायः बाढ़ आने के क्षेत्रों में सीढ़ी के मामले।

चक्रवात्

- प्रतिबर्द्धित उद्घाटन और उसकी नियुक्ति

भूकंप

- घटने के उपायों को तय करने के लिए समुदायता एटलस में उपलब्ध जोखिम क्षेत्रों के नक्शे का उपयोग किया जाता है।

- प्लिंथ स्तर और लिटेल स्तर हरैजंटल बैंड (बक्से एक्सन विकसित करने के लिए) और वर्टिकल (छत और प्लिंथ के बीच उचित टाई – ऑप के लिए) बक्से जैसी संरचना के रीप में व्यवहार करने के लि निम्नलिखित कोडल प्रदान किए गए हैं :

भवन डिजाइन और विकल्प

- राज्य भर विभिन्न मिट्टी की स्थितियों के अनुरूप विकसित नींव डिजाइन के प्रकार
- स्थानीय रूप से उपलब्ध निर्माण सामग्री का उपयोग (लैटराइट/ ग्रानाइट/प्लाई एश ईंट / पत्थर)।
- निर्माण लागत को घटाने के लिए संशोधित आरसीसी (RCC) डिजाइन

भवन में आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान

- ड्रिप कोर्स, प्लिंथ सुरक्षा, वर्षा जल तीव्रता से निष्कासन के उपाय आदि।

भवन के अन्य महत्वपूर्ण घटक

- भिन्नक्षम छात्रों के लिए रैंप और हैडंरेल, सुरक्षा के लिए अग्निशमन उपकरण आदि प्रदान किए गए हैं।

आकर्षक और अधिगम वातावरण

- बच्चों के अनुकूल उपादान, जैसे स्पींग, स्लाइड, सीसा आदि।
- अधिगम के घटक जैसे दीवार के चित्र, पेंटिंग, संख्या एवं घटक अक्षरों को ग्रील चॉक बोर्ड अधिगम कोना और विविध प्रकारों से सजाए गए बरामदे।

क्षमता निर्माण – १

- क्षमतानिर्माण की गुणवत्ता के संबंध में एसएमसी के सदस्यों का क्षमता निर्माण
- क्षमतानिर्माण मैनुआल (स्थानीय भाषा/ चिंतित प्रतिनिधित्व) निर्माण विनिर्देशों और प्रक्रियाओं (स्थानीय भाषा) की व्याख्या करने वाले पत्रक, संशोधित प्रशिक्षण मॉड्यूल।
- डक्यूमंट्री फिल्म, प्रशिक्षण मॉड्यूल, भूमिका तथा जिम्मेदारियों के संबंध में सूचना देने वाले पत्रक, गुणवत्ता सुनिश्चित करने, डिजाइन विनिर्देशों और निर्माण प्रक्रियाओं आदि के लिए ओड़िआ भाषा में तैयार किया गया है।
- एसएमसी और इंजीनियरों के समतूल की भूमिका और जिम्मेदारियों के माध्यम से निर्माण कार्य की प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए एसएमसी और इंजीनियरों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- एक समान यूसी प्रारूप वित्त सलाहकार द्वारा आयोजित खातों के रखरखाव पर अलग से एसएमसी का प्रशिक्षण।
- एमटीए का गठन और नियमित आधार पर एसएमसी (पाक्षिक) एमटीए का गठन और पीटीए बैठक सुनिश्चित करना।

क्षमता निर्माण – २

स्टॉफ

- गुणवत्ता नियंत्रण आय परीक्षण (व्यावहारिक प्रदर्शन), पर्यवेक्षण और निगरानी, बिल तैयार करने एवं यूसी जमा करने पर टीसी के लिए अर्धवार्षिक का4यक्रम।
- वर्तमान की स्थिति के अनुसार वरिष्ठ टीसियों की संख्या 30 जिलों में 31, टीसियों की संख्या 314 ब्लॉक में 269, यूएलबीएस में 02 और एसपीओ में की संख्या 03।

गुणवत्ता पर नियंत्रण :

- रेत का परीक्षण
- सूक्ष्म सैंड फिटनेस मॉड्यूल (SFM) का परीक्षण किया गया है जो 1.5 या उससे अधिक है। मोटी रेत के लिए फिटनेस मॉड्यूल (F.M) २.५ से ३.५ के भीतर है। रेत के ग्रेडिंग चलनी विश्लेषण द्वारा मोटर चलनी शेकर से होती है।
- ईंट परीक्षण
- ईंट का जल अवशोषण परीक्षण के क्षेत्र के स्तर के अनुसार किया जाता है।
- ईंट की संपीड़न शक्ति का भी परीक्षण किया जाता है।
- ईंट की पेराई शक्ति का भी परीक्षण किया जाता है।

कंक्रिट परीक्षण :

घन परीक्षण

- 15 x 15 x 15 से.मी. आकार के परीक्षण के अनुसार सीमेंट कंक्रेट की परीक्षण मशीन द्वारा दवाब शक्ति का परीक्षण होता है।

भारी गिरावट का परीक्षण

- भारी गिरावट का परीक्षण सर्वदा गाढ़ेपन निश्चित करने के लिए किया जाता है।

स्कूल सुरक्षा प्रावधान :

- स्कूली के आधारभूति संरचनाओं के रूपांकन में भूकंप प्रतिरोध संरचना, अग्नि सुरक्षा तथा प्राकृतिक आपदाओं के लिए प्रावधान (कई प्राकृतिक आपदाओं जैसे, चक्रवात्, बाढ़, भूकंप आदि को ध्यान में रखते हुए ऐसी आपदाओं का विरोध करने के लिए भवनों का निर्माण किया जा रहा है। बाढ़ प्रवण क्षेत्रों में इमारतों को उच्च स्तर के प्लिंथ स्तर के साथ रूपांकन किया गया है। उद्घाटन, क्षैतिज और ऊर्वाधर बैंड के प्रावधान को चक्रवात् और भूकंप के मामले में सही स्थान पर रखा गया है।)

माध्यमिक :

- माध्यमिक स्कूलों के सिविल कार्यों का निष्पादन ग्रामीण कार्य विभाग और पंचायतीराज विभाग तथा शहरी क्षेत्रों में जन निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है।

नूतन विद्यालय

- नूतन माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय खोल गए हैं। यहाँ हर कक्षा फर्निचर, पुस्तकालय, एकिकृत विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष, कला व शिल्पकला, शौचालय ब्लॉक, पेयजल, विद्युतीकरण आदि शामिल हैं।

आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण

- मैजूदा आधारभूत संरचना को मजबूत करने का प्रस्ताव यू – डीआईएसई रिपोर्ट के आधार पर और आधारभूत संरचना के अंतराल के मुताबिक किया गया है। इसके अलावा अतिरिक्त कक्षा – कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रकोष्ठ, पुस्तकालय जैसे कला और शिल्प कक्ष, शौचालय, पेयजल की सुविधा और विद्युतीकरण के अंतर्गत शामिल हैं।

बालिका छात्रावास (कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय - IV)

- बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और लैंगिक असमानता को समाप्त करने के लिए अधिक संख्या में स्कूलों को लाने को तथा उन्हें वहाँ रखने के प्रयास किए गए हैं। इस प्रकार इस योजना में शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक (EBBs) और उपरोक्त वर्णित समूहों की सघनता वाले क्षेत्रों में आवास और बोर्डिंग सुविधाओं के सहित छात्रावासों की स्थापना की परिकल्पना की गई है ताकि छात्राओं को सामाजिक कारकों के कारण अपनी पढ़ाई जारी रखने के अवसर से वंचित न किया जाए। इस योजना का एक अन्य उद्देश्य यह है कि माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा को अधिक मात्रा में छात्राओं के लिए सक्षम बनाना आवश्यक है।

गतिविधियाँ

- जमीनी स्तर पर योजना बनाना।
- आवश्यकताओं के आधार पर मूल्यांकन का अध्ययन।
- गतिविधियों को प्राथमिकता
- सीमित उपलब्ध निधि से सही समय पर उचित गतिविधि के लिए धन जुटाना एवं उपयोग करना।
- परियोजना को यथासंभव वास्तविक रूप देने के लिए अन्य अभिकरणों से संभाव्य संसाधनों की खोज करना।

आसपास का वातावरण :

विद्यार्थियों को आकर्षित करने में स्कूल के वातावरण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्युतीकरण के साथ पर्याप्त कक्षाओं की आधारभूत संरचना, स्वस्थ स्वच्छता की स्थिति, पूरे वातावरण में बहुत सारी वनस्पतियों के साथ विस्तृत खेल का मैदान आदि विद्यार्थियों के समुचित सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत जरूरी है। इसके कारण उनकी उपस्थिति की संख्या में भी वृद्धि होती है।

शौचालय :

छात्रों में स्कूल में दाखिला लेने के समय से ही स्वच्छता की आदत डालनी होगी। समग्र शिक्षा व्यक्तिगत स्वच्छता के ऐसे मामले में छात्रों को शिक्षित करने और उनकी सुरक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में छात्र और छात्राओं के लिए अलग – अलग शौचालय निर्माण कराती है। छात्राओं के शौचालय के लिए भस्मक का प्रावधान किया गया है। इनके कुछ चित्र (इनसिनेटर) नीचे दिए गए हैं।

पेय जल

जल, जीवन की मूलभूत संरचना है। राज्य के लगभग सभी स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों के लिए पेयजल की सुविधा है। सभी स्कूली में गंदे पानी के निष्कासन की व्वस्था है। स्कूल परिसर में पानी जमकर न रहे, इसकी पूरी व्यवस्था हो रही है।

विद्यालय का वातावरण

केजीबीवी भवन

प्रगति

क्रम संख्या	गतिविधियों के नाम	भौतिक उपलब्धि	आपूर्णता दर का प्रतिशत			
			वर्ष 2022-23 तक संचयी लक्ष्य	समाप्ति	प्रगति पर	शुरू नहीं हुर
	प्राथमिक					
1	बीआरसी	169	169	0	0	100%
2	सीआरसी	1963	1960	3	0	100%
3	नए पीएस	8698	8594	98	6	99%
4	नए यूपीएस	8352	8261	66	25	99%
5	उन्नत यूपीएस के बदले एसीआर	942	897	45	0	95%
6	आवासिक स्कूल	4	1	1	2	25%
7	आवासिक छात्रावास	30	30	0	0	100%
8	कम पीएस का निर्माण	841	798	34	9	95%
9	कम यूपीएस का निर्माण	341	341	0	0	100%
10	जीर्ण पीएस	560	549	10	1	98%
11	जीर्ण यूपीएस	456	454	2	0	100%
12	अतिरिक्त कक्षा –कक्ष	62863	60631	1117	1115	96%
13	अतिरिक्त कक्षा कक्ष (कक्षा-VIII)	14126	13933	174	19	99%
14	एच.एम.कमरे (पीएस)	2600	2537	62	1	98%
15	एच.एम.कमरे (यूपीएस)	2227	2162	65	0	97%

16	वीआरसी तालिम हॉल	269	250	17	2	93%
17	शौचालय	15454	14221	459	774	92%
18	बालिकाओं के लिए शौचालय	49891	48315	1024	552	97%
19	सीडब्लूएसएन शौचालय	32816	31568	240	1008	96%
20	अक्रियाशील बालकों का शौचालय	1007	972	35	0	97%
21	अक्रियाशील बालिका शौचालय	1130	1069	61	0	95%
22	जल की सुविधा	6966	6962	1	3	99%
23	चहार – दीवारी	945	945	0	0	100%
24	बिजली	11912	5680	263	5969	48%
25	अलगाव की दीवार	21	21	0	0	100%
26	सी.आफ.ई (बाल)	52877	52877	0	0	100%
27	रेलिंग के साथ रैंप	22949	21173	203	1573	92%
28	अन्यान्य	129	129	0	0	100%
29	प्रमुख मरम्मत (पीएस)	2804	2549	207	48	91%
30	प्रमुख मरम्मत (यूपीएस)	2476	2240	199	37	90%
31	सौर पैनल	16	0	0	16	0%
	कुल	**305818**	**290287**	**4387**	**11144**	**95%**
	माध्यमिक					
1	नए स्कूल	879	769	51	59	87%
	मौजूदा बुनियादी ढांचे को मजबूत करना					
2	एसीआर	3248	2762	222	264	85%
3	विज्ञान लैब	2090	1810	122	158	87%
4	कंप्यूटर कक्ष	1302	1133	75	94	87%
5	लाईब्रेरी	2015	1746	117	152	87%
6	कला/शिल्प/कमरा	1363	1146	105	112	84%
7	लड़कियों का शौचालय	2708	871	173	1664	32%
8	लड़कों का शौचालय	1077	866	22	189	80%
9	सीडब्लूएसएन शौचालय	51	0	11	40	0%
10	पेय जल	865	815	28	22	94%
11	सौर पेनल	101	0	0	101	0%
	कुल (B)	**15699**	**11918**	**926**	**2855**	**76%**
C	उच्च माध्यमिक					
1	नए स्कूल	64	0	4	60	0%

क्र. संख्या	गतिविधि	संचयी लक्ष्य	भौतिक प्रगति			
			समापन	कार्यरतशुरू	न होने वाला	समाप्ति का प्रतिशत
1	केजीबीवी भवन (प्राथमिक)	182	182	0	0	100%
2	केजीबीवी भवन (माध्यमिक) (टाइप-४)	173	160	11	2	92%

Latitude: 22.38398
Longitude: 86.080663
Elevation: 269.62±23 m
Accuracy: 66.3 m
Time: 17-03-2023 11:29
Note: 5T work KK Girls school bahalda
Powered by NoteCam

Welcome
To our
School
EDUCATION

ବାଳକ
ଶୌଚାଳୟ

ପାନୀୟ ଜଳ
DRINKING WATER

Latitude : 22.00513046°
Longitude : 85.42197754°
Altitude : 432.36743 meters
Date : 01/18/2023 11:23 AM
Note : Upgraded KGBV hostel building at Kamarjoda ugups of Joda.

19.00485, 82.55901, 530.0m, 123°
1 Feb 2023 4:51:15 pm

Latitude: 21.613944
Longitude: 85.439569

ସରକାରୀ ଉଚ୍ଚ ପ୍ରାଥମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟ

PANCHAYAT SAMITI
LOISINGHA

PANCHAYAT SAMITI
LOISINGHA

४. मुफ्त पाठ्य पुस्तकें

आटीई (RTE) और एसएसए (SSA) के तहत ओड़िशा के सभी अनुसूचित जात तथा अनुसूचित जनजाति और सामान्य लड़कियों को कक्षा I से VIII तक सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल ओड़िशा के मदरसे को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई गईं। राज्य स्तरीय समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार पाठ्य – पुस्तक टीबीपी और एम, (TBP&M) भुवनेश्वर द्वारा प्रस्तुत की गई है एवं समस्त ब्लॉक केंद्रों को (एबीईओ – सह – बीआरसी पाइंट) आपूर्ति की गई। राज्य की जरूरतों के अनुसार 30 जिलों के स्कूली केंद्रों से भी आपूर्ति की गई है। 2022, दिसंबर महीने में पाठ्य पुस्तकों की आपूर्ति शुरू हो गई है और 100% एनटी पुस्तकें 2022-23 में राज्य के तीस जिलों को आपूर्ति की गई है।

सत्र	लाभान्वितों की संख्या (प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूल)	उपलब्धि प्रतिशत (भौतिक)	निगरानी प्रबंधन	मुद्दे की निगरानी की रणनीतियाँ
2022-23	4430349	100%	जिले के सभी नोडल अधिकारी सभी (बीईओ- सह –बीआरसीसी/ सीआरसीसी/एचएम / एसएमसी सदस्य आदि।)	सभी एचएस/सीआरसीसी/ एसएमसी/सदस्य/बीईओ/ डीपीसी पाठ्यपुस्तकों के वितरण के बारे में मुद्दों पर संबोधित करेंगे।

निःशुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण

५. सामुदायिक लामबंदी

इस कार्यक्रम के द्वारा लोगों की जागरुकता और माँग में बढ़ोत्तरी होती है। यह संसाधनों और सहायक वितरण में सहायता करने, स्थिरता और आत्म – निर्भरता एवं सामुदायिक भागीदारी मजबूत करने के लिए अधिकाधिक हितधारकों को एकत्रित करने की प्रक्रिया है। जब समुदाय के विभिन्न हिस्सों के लोग एक बराबर लक्ष्य साझा करते हैं और जरूरतों की पहचान करते हैं और समाधान के लिए सक्रिय रूप से भागीदारी होते हैं तब बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। लामबंदी समुदाय को सशक्त बनाने में सहायता करती है और उन्हें अपने स्वयं के विकास को आरंभ करने तथा नियंत्रित करने में सक्षम बनाती है।

यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो बच्चों की गुणवत्ता, समानता, सीखने के परिणाम में सुधार के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच जागरुकता पैदा करती है। इसमें व्यक्तियाँ समूहों, संगठनों की योजना बनाने, कार्यान्वित करने और सहभागी विचारों पर गतिविधियों का मूल्यांकन होता है। यह शैक्षिक और गैर – शैक्षिक दोनों में दिन – प्रतिदिन की स्कूली गतिविधियों के साथ समुदाय के सदस्य को सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

समुदाय की सक्रिय भागीदारी भी अत्यधिक समानता. गुणवत्ता और सामुदायिक स्वामीत्व के पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जो शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम – २००९ के संदर्भ में समग्र शिक्षा (एसएस) का आदर्श है। प्रावंधन में समुदाय की भागीदारी के साथ स्कूलों के सामाजिक, क्षेत्रीय, लैंगिक अंतर को भी पाटा जा सकता है। यह जरूरी है कि लोग माता – पिता, अभिभावक एवं स्थानीय अधिकारियों के सदस्यों के रूप में अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हों और उन्हें स्कूल के विकास के लिए स्वतंत्रता दी जाए।

राज्य ने सदैव स्कूली शिक्षकों को सामुदायिक भागीदारी की भूमिका, महत्व, स्कूल के विकास के लिए अवदान तथा गुणात्मक शिक्षा को समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। समूदायों में गुणात्मक शिक्षा विकास के लिए सक्रिय प्रतिभागिता पर विभिन्न गतिविधियाँ निम्न में प्रदत्त हैं :

सामुदायिक गतिशीलता के मुख्य फोकस है :

- स्कूली शिक्षा को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ साझेदारी करें।
- विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरुकता पैदा करना।
- बच्चों की नियमित उपस्थिति एवं ठहराव सुनिश्चित करना।
- विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्ग के बच्चों की स्कूल छोड़ने की दर को कम करना।
- सार्वभौमिक पहुँच, समानता और गुणवत्ता के लिए निगरानी।
- आरटीई अधिनियम – २००९ के तहत बाल अधिकारों पर जागरुकता।
- अभिभावकों, समुदायों, पीआरआई, सामुदायिक नेताओं, शिक्षाविदों, युवाक्लबों को स्कूल की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना।
- समुदाय के सदस्यों द्वारा विद्यालय का प्रभुत्व निश्चित करना।

सामुदायिक लामबंदी के तहत प्रगति 2022-23

क्र. संख्या	गतिविधियाँ	लक्ष्य		उपलब्धि	
		भौतिक	वित्तीय (लाख में)	भौतिक	वित्तीय (लाख में)
1	सामुदायिक लामबंदी (प्राथमिक)	44177	662.66	44177	662.66
2	सामुदायिक लामबंदी (माध्यमिक)	5783	86.75	5783	86.75
	कुल	**49960**	**749.4**	**49960**	**749.4**

शिक्षा सचेतनता रथ – स्कूल वापसी अभियान

ओड़िशा राज्य में सभी बस्तियों, क्लस्टरों, ब्लॉक, एनएससी, नगरपालिका और नगर निगमों में अप्रैल 02 से 08 तारीख, 2022 तक सचेतनता रथ स्कूल वापसी अभियान (Back to School Campaign) का आयोजन किया गया है। यह कोविड महामारी के बाद बच्चों को स्कूल लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। 251 ब्लॉक, 45975 बस्तियों और 39489 स्कूलों के लगभग 40,62,222 छात्रों को शामिल किया गया है।

चूँकि सारे स्कूल लगभग दो सालों तक बंद रहे, इसलिए माता – पिता, एसएमसी/ एसएमडीसी सदस्यों और समुदाय के सदस्यों के बीच अपने बच्चों को स्कूल भेजने तथा जागरुकता पैदा करने के लिए 'स्कूल वापसी अभियान' – शिक्षा सचेतनता रथ का आयोजन हुआ।

कोविड – १९ महामारी के बाद स्कूल सचेतनता रथ बच्चों को स्कूल वापस लोने के लिए समुदाय, छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों को जागरूक करने के लिए पाँच से सात दिनों तक यह अभियान जारी रहा।

प्रत्येक ब्लॉक के लिए एक सचेतनता रथ आवंटित किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 314 रथ/ वाहन प्रत्येक ब्लॉक में अंतिम मील तक पहुँच सुनिश्तित करते हैं। डीपीओ, डीपीसी, बीईओ, सीआरसीसी, शिक्षक तथा एसएमसी सदस्यों ने छात्रों को स्कूल वापस भेजने के महत्व के बारे में संचार सुनिश्चित करना।

राज्यव्यापी अभिभावक शिक्षक बैठक (PTM)

संपूर्ण राज्य में अभिभावक शिक्षक बैठकें (PTM) दिनांक 10.09.22, 10.12.22 और 30.03.23 को आयोजित की गई। इसमें शैक्षणिक संवर्धन, लर्णिंग रिकवरी प्रोग्राम (LRP), फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (FLN), हाईस्कूल ट्रान्सफर्मेशन (HST) बच्चों की अकादमिक उपलब्धियाँ, परिणामों को साझा करना और प्रगति कार्ड के वितरण एवं माता – पिता को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के महत्व पर आलोचना होकर उन्मुख किया गया।

सभी प्रधानशिक्षकों तथा उनकी प्रतिक्रियाओं को प्रत्येक स्कूल से एक गुगल प्रारूप से साझा किया गया है। लगभग 62.08 % माता – पिता ने इस बैठक में भाग लिया। माताओं/ महिलाओं की सहभागिता उत्साहवर्धक रही। पी.टी.एम के कुछ दृश्य द्रष्टव्य हैं :

एक भारत, श्रेष्ठ भारत (EBSB) के तहत विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम

हमारे राज्य ओड़िशा को ईबीएसबी कार्यक्रम के तहत महाराष्ट्र के साथ शामिल किया गया है। आजादी का अमृत महोत्सव (AKAM) के बैनर तले, MOE ने AKAM – ESSB विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया। ओड़िशा के छात्रों एवं 02 गाइड शिक्षकों ने 28 जून से 04 जुलाई, 2022 तक मुंबाई (महाराष्ट्र) का दौरा किया। उनके प्रवास और यात्रा के दौरान उन्हें महाराष्ट्र की भाषा, संस्तृति, शिक्षा प्रणाली, पर्यटन स्थलों आदि का अनुभव प्राप्त होगा। ठाकुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिं एंड टेक्नोलॉजी, मुंबई और महाराष्ट्र में आवास और बोडिंग सुविधाओं की व्यवसाथा की गई है।

ଛାତ୍ର ବିନିମୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ

୨୫ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ମୁମ୍ବାଇ ଯାତ୍ରା

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୨୮।୬/ଏନ୍ଏନ୍ଏସ୍: 'ଏକ ଭାରତ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଭାରତ' ଅନ୍ତର୍ଗତ 'ଛାତ୍ର ବିନିମୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ' ମାଧ୍ୟମରେ ଓଡ଼ିଶାରୁ ୨୫ ଜଣ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଓ ୨ ଜଣ ଶିକ୍ଷକ/ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀଙ୍କୁ ନେଇ ଆଜି ଏକ ପ୍ରତିନିଧି ଦଳ ମହାରାଷ୍ଟ୍ରର ମୁମ୍ବାଇ ଅଭିମୁଖେ ଯାତ୍ରା କରିଛନ୍ତି। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ମାଧ୍ୟମରେ ସେମାନେ ମହାରାଷ୍ଟ୍ରର ଭାଷା, ସଂସ୍କୃତି, ଶିକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା, ପର୍ଯ୍ୟଟନ ସ୍ଥଳୀ ଇତ୍ୟାଦି ଉପରେ ପ୍ରତ୍ୟକ୍ଷ ଜ୍ଞାନ ଆହରଣ କରିବେ। ଏହି ୨୫ ଜଣିଆ ଟିମ୍ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ସହଯୋଗରେ ଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଦୁଇ ଅଧିକାରୀ ଶଶଧର ନାୟକ ଏବଂ ଡ. ସୁଜାତା ମହାପାତ୍ରଙ୍କ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନରେ ଇଣ୍ଡିଗୋ ଏୟାରଲାଇନ୍ସ ଯୋଗେ ମୁମ୍ବାଇ ଗସ୍ତ କରିଛନ୍ତି। ଠାକୁର କଲେଜ ଅଫ୍ ଇଞ୍ଜିନିୟରିଂ ଆଣ୍ଡ ଟେକ୍ନୋଲୋଜି, ମୁମ୍ବାଇ, ମହାରାଷ୍ଟ୍ରଠାରେ ଏହି ଦଳ ପାଇଁ ରହିବାର ସମସ୍ତ ବ୍ୟବସ୍ଥା କରାଯାଇଛି। ସମ୍ପୃକ୍ତ ପ୍ରତିନିଧି ଦଳ ଆସନ୍ତା ଜୁଲାଇ ୪ ତାରିଖରେ ଓଡ଼ିଶା ପ୍ରତ୍ୟାବର୍ତ୍ତନ କରିବେ। ଓଡ଼ିଶା ଏବଂ ମହାରାଷ୍ଟ୍ର 'ଏକ ଭାରତ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଭାରତ' କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅଧୀନରେ ସହଯୋଗୀ ରାଜ୍ୟ ଭାବେ ପରସ୍ପର ସହ ସମ୍ପର୍କ ସ୍ଥାପନ କରିଛନ୍ତି। ଉକ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ବହୁ ପଦାଧିକାରୀ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଉତ୍ସାହିତ କରିଥିଲେ।

25 Odia students visit Maharashtra

MINISTRY OF EDUCATION HAS LAUNCHED A STUDENT EXCHANGE SCHEME TO FOSTER NATIONAL INTEGRATION

POST NEWS NETWORK

Bhubaneswar, June 28: Under the Azadi Ka Amrit Mahotsav (AKAM) and Ek Bharat Shrestha Bharat (EBSB) programme, Ministry of Education (MoE) has launched a student exchange scheme to foster national integration through a coordinated mutual engagement process between States & Union Territories.

Odisha has been paired with Maharashtra under EBSB Programme. As per the guidelines, 25 students which include 19 from State Board, 3 from Kendriya Vidyalayas and 3 from Jawahar Navodaya Vidyalayas along with two teachers have proceeded to Mumbai Tuesday and will return July 4.

During their stay the students will get exposure to language, culture, education system and tourist places of Maharashtra. Lodging and boarding facilities has been arranged at Thakur College of Engineering & Technology, Mumbai.

The state School and Mass Education Department wished all the best to the students for their trip.

The EBSB programme aims to enhance interaction and promote mutual understanding between people of diverse cultures in India. Azadi Ka Amrit Mahotsav is an initiative of the government of India to celebrate and commemorate 75 years of independence and the glorious history of its people, culture and achievements.

आजादी का अमृत महोत्सव (AKAM), 2022

आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के तहत प्रगतिशील भारत की आजादी के 754 साल पूरे होने का जश्न मनाने और मनाने के लिए सितंबर 2022 के दौरान राज्य के 30 जिलों और 316 ब्लॉक में एक महीने भर गतिविधियाँ आयोजित की गईं। स्कूल और जनशिक्षा विभाग को स्वतंत्र भारत के 75 वर्ष पूरे होने के जश्न के उनुरूप जिले और ब्लॉक स्तरों पर आयोजित करने के लिए रूपांरन किया गया है।

ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନରେ ସ୍ୱାଧୀନତାର ଅମୃତ ମହୋତ୍ସବ ପାଳିତ

[illegible]

परीक्षा पे चर्चा, 2023

ओड़िशा के दो छात्रों और एक अनुरक्षण शिक्षक ने 27 जनवरी, 2023 को तालकोटरा स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित परीक्षा पे चर्चा 2023 के छठवें संस्करण में भाग लिया और लाइव प्रसारण कार्यक्रम को 27864 विद्यालयों के 3370251 विद्यार्थियों ने देखा।

हर घर त्रिरंगा, 2022

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के 75 वर्ष का एक हिस्सा हर घर तिरंगा अगस्त 13 से 15, 2022 तक राज्य के सभी स्कूलों में मनाया गया। इस प्रयोजन के लिए संबंधीय विद्यालयों के ध्वज स्तंभ का नवीनीकरण किया है, रंग – रोगन किया गया है और राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

सुरभी : बच्चों में एक प्रतिक्षा खोज कार्यक्रम

सुरभि : एक राज्यस्तरीय बाल महोत्सव है। इसने बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं के माध्यम से अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा व्यक्त करने का अवसर दिया है। यह कार्यक्रम हर साल स्कूल व जनशिक्षा विभाग के तत्वावधान में बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। यह बाल दिवस के अवसर पर मुख्यालय में उत्साह के साथ मनाया जाता है।

इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के कक्षा IX से X तक छात्रों ने क्लस्टर से लेकर राज्यस्तर तक भाग लिया। बाल दिवस की पूर्व संस्था में सुरभि – २०२२ का आयोजन नवंबर १४ से १६, २०२२ तक राज्य मुख्यालय (भुवनेश्वर) में तीन दिन के लिए किया जा चुका है। इस उत्सव में लगभग ३५०० बच्चों, शिक्षकों और अन्य विशिष्ट गणमान्य अधिकाररियों ने भाग लिया। इन तीन दिनों में विविध प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं स्टेज – शो का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपने प्रवास के दौरान विभिन्न ऐतिहासिक स्थानों, संग्रहालयों और शैक्षणिक संस्थानों का भी दौरा किया। माननीय मुख्यमंत्री और शैक्षणिक संस्थानों का भी दौरा किया। माननीय मुख्य मंत्री समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे थे। इन तीन दिनों में स्कूल व जन शिक्षा विभाग के शिक्षामंत्री तथा अन्य गणमान्य व्यक्तिभी शामिल हुए।

यह न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राज्य स्तरीय समारोह में भाग लेने के लिए युवा प्रतिभाओं और समूहों का चयन करने के लिए अक्टूवर, 2022 के तहत क्लस्टर, ब्लॉक और जिले स्तर पर एक दिन के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह मंच छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का पर्याप्त अवसर प्रगदान करता है।

स्कूल की युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए 2023-24 के दौरान इसका आयोजन किया जाएगा।

फोटो गैलरी सुरवी

फोटो गैलरी सुरवी

फोटो गैलरी सुरवी

फोटो गैलरी सुरवी

फोटो गैलरी सुरवी

फोटो गैलरी सुरवी

संविधान दिवस, 2022

भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह सभी स्कूलों / शिक्षा संस्थाओं में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम के उद्देश्य निम्नलिखित है :

- भारतीय संविधान को स्मृति में अंगीकरण करना।
- भारतीय संविधान में व्यक्त मूल्यों और सिद्धांतों को नागरिकों को दोहराना और उनके प्रति उन्मुख करना
- भारतीय गणतंत्र को मजबूत करने में भारतीयों को अपनी उचित भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करना
- राष्ट्र की गौरवशाली और समृद्ध समग्र संस्कृति और विविधता का प्रचार करना।
- छात्रों और नागरिकों के बीच संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देना।
- भारत के संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करना।

संविधान दिवस को भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी नागरिकों द्वारा पढ़ी गई। यह राज्य परियोजना कार्यालयों, 30 जिलों में एवं राज्य के सभी स्कूलों में इसे बड़े उत्साह से मनाया गया।

स्वच्छता दिवस

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार के निर्देशों के बाद 2017 से राज्य के सभी स्कूलों में 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया जा रहा है।

भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय (एमओई) स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, नई दिल्ली से प्राप्त कार्ययोजना और निर्देशों के अनुसार 01 सितंबर से 15 सितंबर, 2022 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम का आयोजन हुआ था।

स्वच्छता पखवाड़े के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं आम जनता को स्वच्छता के प्रति जागरुक करना
- आसपास के परिवेश को स्वच्छ और हराभरा रखने के लिए प्रोत्साहित करना
- कूड़े के उचित निपटान और कूड़ेदान के उपयोग के लिए लोगों को जागरूक करना
- स्कूलों में स्वच्छता सुविधाएँ सुनिश्चित करना

- छात्रों को हाथ धोने के लिए प्रोत्साहित करना और अच्छे अभ्यास और स्वच्छता को जारी रखना।
- प्लैस्टिक के एकल उपयोग (SUP) के उन्मूलन पर जागरूकता उत्पन्न करना
- विद्यार्थियों ओवं समुदाय के सदस्यों को वृक्षरोपण हेतु प्रोत्साहित करना
- जल संरक्षण प्राकृतिक संसाधनो को वृक्षरोपण हेतु प्रोत्साहित करना
- स्कूल परिवेश की सफाई के लिए सहभागी दृष्टिकोण के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करना

कवरेज:

ओड़िशा राज्य के समस्त विद्यालयों में सितंबर 01 से 15, 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिवसवार गतिविधियाँ निम्न प्रकार रहीं

स्वच्छता पक्ष 2022 पर गतिविधियाँ

दिनांक	दिन	विषय	क्रियाकलाप
02.09.2022	शुक्रवार	स्वच्छता शपथ	• स्वच्छता पर प्रतिभा का प्रशासन • सोशल मीडिया, वेबसाइट आदि में स्वच्छता/ कोविड़ जागरूकता संदेश पोस्ट करना।
		स्वच्छता जागरूकता	• एसएमसी/एसएमडीसी/पीटीए के साथ बैठक • स्कूल की स्वच्छता, परिसर और शौचालय की सफाई • स्कूलों में स्वच्छता सुविधाओं का निरीक्षण • कोविड – 19 के दौरान सफाई की सुविधा
03.09.2022 & 04.09.2022	शनिवार और रविवार	सामुदायिक पहुँच	• बच्चों में स्वच्छता और कोविड सुरक्षा व्यवहार बढ़ना के लिए स्वच्छता पर संगोष्ठियाँ • स्वच्छता पर जनता की जागरुकता, कोविड के लिए जरूरी पदक्षेप और टीकाकरण
05.09.2022	सोमवार	ग्रीन स्कूल ड्राइव	• पोस्टर बनाना, करोना से लड़ाई और टीकाकरण आदि पर स्लोगान लिखना • जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, प्लास्टिक के एकल उपयोग को खत्म करने के लिए छात्रों को शिक्षित करें(SUP)।
06.09.2022 & 07.09.2022	मंगलवार और बुधवार	स्वच्छता भागीदारी	• स्कूल में स्वच्छ और सुव्यवस्थित परिसरों और शौचालयों के लिए जिलों/ ब्लॉक/क्लस्टरों में प्रतियोगिता करना • पत्र/ निबंध लेखन प्रतियोगिता केविड – 19 • स्वच्छता पर चित्रांकन, स्कीट, कविता लिखन, नारा लेखन पर प्रतियोगिता • प्रति जिले से 03 श्रेष्ठ निबंध, नारे और पेंटिंग ईमेल पर भेजना।
08.09.2022 & 09.09.2022	गुरुवार और शुक्रवार	हाथ धोने का दिवस	• दैनिक जीवन में हाथ धोने के बारे में जागरूकता पैदा करना • जल का समुचित उपयोग करना • पीने के पानी का सुरक्षित प्रबंधन • जल जनित रोगों के प्रति जागरूकता

10.09.2022 & 11.09.2022	शनिवार और रविवार	व्यक्तिगत स्वच्छता	• व्यक्तिगत स्वच्छता के रखरखाव पर ऑडियो विजुअल कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता • शौचालयों और पेयजल सुविधाओं के स्वच्छ उपयोग के बारे में जागरूकता
12.09.2022	सोमवार	स्वच्छता स्कूल प्रदर्शनी	• छात्रों द्वारा विकसित पेंटिंग, नारे, पोस्टर, पैम्फलेट, कवियाओं का प्रदर्शन • संस्कृति को बढ़ावा देने वाले स्थानीय कौशल का उपयोग करके कलात्मक करके कलात्मक कूड़ेदान तैयार करना।
13.09.2022 & 14.09.2022	मंगलवार और बुधवार	स्वच्छता कार्य योजना	• एसएमसी/ एसएमडीसी सदस्यों को शामिल करते हुए कोविड के मद्देनजर स्वच्छता कार्य योजना तैयार करना। • स्वच्छता कार्य योजना के बारे में बच्चों, उनके माता – पिता और स्थानीय लोगों में जागरूकता पैदा करना। • स्कूल कैविनेट की बैठक बुलायी जाए। • स्वच्छता पखवाडे के तहत शामिल की जाने वाली नई गतिविधियों के सुझाव आमंत्रित करते हुए समुदाय के सदस्यों और छात्रों को प्रोत्साहित करें।
15.09.2022	गुरुवार	पुरस्कार वितरण	• विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वक्षेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार वितरण • स्कूलों द्वारा सर्वोत्तम गतिविधियों का चयन, वेबसाइट यानी सार्वजनिक डोमेन पर अपलोड करना।

सामुदायिक लामबंदी के तहत आयोजित अन्य गतिविधियाँ

- २०.०८.२०२२ को सद्भावना दिवस का पालन
- ०५ दिसंबर, २०२२ को शिक्षा पर्व
- ३१ अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस पालन
- १२ जनवरी, २०२३ को राष्ट्रीय यूथ दिवस पालन
- २१ फरवरी, २०२३ को मातृभाषा दिवस पालन
- विजिलान्य सचेतनता सप्ताह का पालन
- ऊर्जा संरक्षण पर पेंटिंग प्रतियोगिता

६. अनुसंधान, मूल्यांकन और आकलन

समग्र शिक्षा के तहत अनुसंधान, मूल्यांकन और आकलन (RE&A) एक महत्वपूर्ण क्रियाकलाप है। यह राज्य, जिला एवं उप जिलों स्तरों पर विभिन्न गतिविधियों के कार्यक्रम संबंधी हस्तक्षेपों पर ताकत और कमजोरी के बारे में मूल्यांकन जानकारी प्रदान करती हैं।

अनुसंधान और मूल्यांकन के उद्देश्य निम्न प्रकार है :

- प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर बच्चों की सीखने की उपलब्धि में वृद्धि का आकलन करने के लिए समय – समय पर सर्वेक्षण करना।
- अनुसंधान और मूल्यांकन के लि राज्य, जिला और उपजिला स्तरीय संसाधन समूह का गठन करना और अनुसूचित अध्ययन आयोजित कर और अन्य चिकित्सकों तथा अन्य संसाधन समूहों को कार्रवाई अनुसंधान या अल्पकालिक खोज करने में मदद करना तथा शिक्षण – अधिगम में गुणवत्ता सुधार की सुविधा के लिए उनकी क्षमताओं को मजबूत करना।
- शिक्षकों, संसाधन समूह के सदस्यों और मॉनिटर जैसे अभ्यासकर्ताओं को उनकी प्रथाओं में गुणात्मक सुधार लाने के लिए खोज करने में सक्षम / उन्मुख करना।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ाने तथा उचित उपाय करने के लिए शिक्षकों, नीति निर्माताओं एवं सभी हितधारकों के बीच शोध निष्कर्षों का प्रसार करना।
- अनुसंधान और मूल्यांकन के तहत आयोजित अन्य गतिविधियाँ कलाउत्सव 2022-23, बैंड प्रतियोगिता 2022-23, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान 2022-23 आयोजन करना।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान

1. प्राथमिक एवं प्राथमिक, माध्यमिक स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी

प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों के छात्रों के बीच वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और उनके कौशलों अनुप्रयोग में परिवर्तित करने के लिए, विज्ञान प्रदर्शनी में परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया था। इन प्रदर्शनियों का मूल्यांकन जूरी के एक पैनल द्वारा किया गया था। विजेता प्रतियोगियों को स्मृति – चिह्न और प्रमाण – पत्र प्रदान किए गए।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी उत्सव पर पुरस्कार वितरण 2022-23

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी 2022-23

2. प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर कुइज प्रतियोगिता, 2022-23

प्रश्नोत्तर (कुइज) प्रतियोगिता खेल का एक रूप है। जिसमें प्रतिभागी ओड़िशा के इतिहास, भूगोल, संस्कृति, विरासत व्यंजन वस्तियों और जीवों जैसे विविध विषयों में प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्तरों पर आयोजित की गई थी। प्रश्न का एक सेट का उत्तर देने के लिए छात्र को सीमित समय दिया गया था।

परिणाम

- एक आगामी परीक्षा और परीक्षण के लिए छात्रों को तैयारी करने के लिए सहायता करना।
- किसी भी अंतराल को उजागर करने के लिए एक प्रश्नोत्तरी क्यों नहीं तैयार की जाती ?
- यह छात्रों की यादों के लिए मुख्य शब्द और वाक्यों का एक टेम्पलेट तैयार करना।

जिलास्तरीय कुइज प्रतियोगिता 2022-23

3. प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर उच्चतर संस्थानों को जाने में मॉनिटरिं

छात्रों को उच्चत्तर संस्थानों की प्रयोगशालाओं के संचालन को देखकर प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्तरों पर उच्च संस्थानों को ले जाया गया, जो उन्हें स्कूल में नहीं मिल सकता है।

परिणाम

- विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज, कृषि विद्यालय, विज्ञान संग्रहालय जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में ज्ञान और विचार की नई खोज एवं कई अज्ञात चीजों की खोज के लिए मंच बनाते हैं, जो मानव मस्तिष्क को एक नए सनसनीखेज विचारमंथन की ओर ले जा सकते हैं।

राज्यों के छात्रों के लिए भीतर और बाहर भ्रमण यात्रा

- भ्रमण – यात्रा छात्रों को देखने, सुनने, जाँच करने, डेटा एकत्र करने और प्रश्न पूछने के पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। ऐसे भ्रमण व्यवस्था अधिगम के लिए बहुत प्रभावपूर्ण होते हैं।
- छात्रों के भ्रमण – यात्रा के लिए राज्य के विभिन्न स्थानों पर ले लिया गया।
- छात्र भ्रमण – यात्रा से जो सीखते हैं, उसे रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाते हैं और उसका प्रभाव आगामी महीनों और सालों तक रहता है। समस्त उद्देश्य, चुनौतियों के संबंध में विचारों और अनुभवों को आदान – प्रदान करने के लिए भ्रमण – यात्राएँ हुईं।

प्रत्याशित परिणाम

विद्यार्थी जो सीखते हैं, उसे अपने दैनदिन जीवन में प्रयोग करते हैं। यह उनके जीवन पर महीने पर महीने और सालों - साल तक प्रभाव डालता है। यह भ्रमण – यात्रा का उद्देश्य चुनौतियों के संबंध में धारण और अनुभवों को विनिमय करना है।

बाहरी राज्य का एक्सपोजर विजिट 2022-23

एक्सपोजर विजिट 2022-23

राज्य के भीतर एक्सपोजर विजिट 2022-23

कलाउत्सव

कला उत्सव शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार की एक पहल है। इसका उद्देश्य शिक्षा में कला, देश में स्कूल छात्रों की कलात्मक प्रतिभा पोषण और प्रदर्शन करना है।

कला उत्सव (2022 - 23) में सरकारी, सहायता प्राप्त सरकारी और निजी स्कूलों के IX, X, XI, XII विद्यार्थियों ने भाग लिया था।

जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय, राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर में आयोजित कला उत्सव 2022-23 की प्रतियोगिताओं में निम्नलिखित कलाएँ शामिल हुई थीं :

१. स्वर संगीत – शास्त्रीय
२. स्वर संगीत – पारंपारिक लोक संगीत
३. वाद्य संगीत – शास्त्रीय
४. वाद्य संगीत – पारंपारिक लोक वाद्य संगीत
५. शास्त्रीय नृत्य
६. नृत्य लोक
७. दृश्य कला (द्वि - आयामी)
८. दृश्य कला (त्रि - आयामी)
९. स्वदेशी खिलौना और खेल
१०. एकल अभिनय

कला उत्सव 2022-23 जिला स्तर, जोनल स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर

आयोजित किया गया था। राज्य स्तरीय कला उत्सव, 2022-23 में 120 छात्रों ने भाग लिया था। राज्यस्तरीय कला उत्सव के प्रत्येक कार्यक्रम में टॉपर्स ने राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2022 में भाग लिया था। क्षेत्रीय संस्थानों में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कला उत्सव 2022-23 में शताब्दी मिश्र ने भाग लिया और तृतीय स्थान अधिकार किया।

कला उत्सव के लिए जिलास्तर, जोनल स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता

कला उत्सव 2022-23

जोनल स्तर पर कला उत्सव

जोनल स्तर पर कला उत्सव में पाँच जिलों के छह जोन में आयोजित हुआ। प्रतिभागियों के साथ शिक्षकों को जोनल स्तर की प्रतियोगिता के लिए एक जिले से दूसरे जोन में ले लिया गया। जोनल स्तरीय कला उत्सव में लगभग 600 प्रतिभागी भाग लेंगे।

स्वदेशी खिलौने प्रतियोगिता

शास्त्रीय डैन्स कंपिटिसन

राज्य स्तरीय कला उत्सव

क्षेत्रीय स्तर के कला उत्सव में चयन्वित सर्वश्रेष्ठ 120 प्रतिभागियों ने राज्यस्तरीय कला उत्सव में भाग लिया। 120 प्रतिभागियों का मूल्यांकन निर्णायक मंडल के एक पैनल द्वारा हुआ। प्रत्येक इवेंट के पहले, दूसरे और तीसरे वर्ग को उनके इवेंट की मान्यता के प्रतीक के रूप में एक पदक और प्रमाम – पत्र से सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय कला उत्सव के सर्वश्रेष्ठ बीस प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय स्तरीय कला उत्सव में भाग लिया।

राज्यस्तरीय कला उत्सव 2022-23

राज्यस्तरीय कला उत्सव 2022-23

राष्ट्रीय स्तर पर कला उत्सव

राज्य स्तरीय कला उत्सव, 2022 में चयन्वित बीस छात्रों ने भाग लिया। डीएवी पब्लिक स्कूल, कटक की सुश्री शताब्दी मिश्र राष्ट्रीय स्तरीय कला उत्सव – 2022 में तीसरे स्थान पर रही। उसे सरकार की ओर से एक ट्रॉफी और प्रमाण – पत्र से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय स्तर का कला उत्सव

सुश्री शताब्दी मिश्र को शास्त्रीय नृत्य में तीसरे स्थान प्राप्त करने के लिए पुरस्कार प्रदान

बेंड प्रतियोगिता 2022-23

- बैंड प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य स्कूली छात्रों में देशभक्ति तथा एकता की भावना के साथ एकता का अपनत्व और गर्व की गहरी भावना पैदा करनी है।
- जोनल स्तर की बैंड प्रतियोगिता 6 जोन में आयोजित की गई थी, जिनमें से प्रत्येक में पाँच जिले शामिल थे। जोनल स्तरीय बैंच प्रतियोगिता में जिले के सर्वश्रेष्ठ स्कूल बैंड ने भाग लिया। जूरी सदस्यों के एक पैनल ने सर्वश्रेष्ठ स्कूल बैंड को मूल्यांकन किया। इसमें लड़कियों की एक टोली और लड़कों की एक टोली भी शामिल थी।
- राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता, 2023 में प्रत्येक जोन से सर्वश्रेष्ठ बैंड टोली यानी लड़कियों की टोली और लड़कों की एक टोली ने भाग लिया। राज्य में कुल दस बैंड टोलियों में एक लड़की की टोली और एक लड़कों की टोली राज्य बैंड प्रतियोगिता में प्रथम आई जो मयूरभंज जिले का द्रौपदी बालिका उच्च विद्यालय और दूसरा बरगढ़ जिले का जॉज उच्च विद्यालय है।

राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता 2022-23

राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता 2022-23

७. ओड़िशा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (OSCPCR)

ओड़िशा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग 2010 हमारे राज्य में काम करता आ रहा है। यह आयोग बाल अधिकारों के उल्लंघन पर शिकायतों के निवारण की सुविधा प्रदान करने में क्रियाशील रहा है।

ओएससीपीसीआर, 2022-23 में निम्नलिखित गतिविधियाँ आरंभ हुई हैं :

१. बालिका दिवस का पालन
२. पाँच भिन्न – भिन्न जिलों में जागरूकता कार्यक्रम
३. ओएसीपीसीआर के विभिन्न घटकों पर सर्वेक्षण
४. कार्यालय के लिए टेबल / कुर्सी / प्रिंटिंर की खरीदी
५. नवागंतुक विद्यार्थियों को 1000 स्कूल बैग वितरण
६. ३० जिलों के २००० विभिन्न स्कूलों में जागरूकता संबंधीय होर्डिंग लगाना।
७. गोदावरी हाईस्कूल के कुछ छात्रों को नैतिक कहानी पुस्तकें वितरण।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण योग ने मार्च 23, 2023 को रांची, झारखंड में स्कूल/ स्कूल प्रवंधन/ स्कूल प्रमुख की जिम्मेदारी : जवाबदेही ढाँचे की समीक्षा और आत्मविश्वास पर एक क्षेत्रिय स्तरीय कार्यशाला – आयोजित की है। इस बैठक में प्रशांत कुमार स्वाईं अतिरिक्त निदेशक, गुणवत्ता, ओसेपा ने भाग लिया।

८. शिक्षाशास्त्र (PEDAGOGY)

NEP-2020 प्रारंभिक कक्षा से समग्र शिक्षा पर केंद्रित है। शिक्षा के सभी चरणों में सभी के लिए समग्र शि क्षा समय की माँग है। शिक्षा को अधिकाधिक प्रयोगात्मक, एकीकृत, समग्र, पूछताछ संचालित, अन्वेषण उन्मुख, शिक्षार्थी केंद्रित, लचीला, मनोरंजक आदि बनाने के लिए शिक्षाशातस्त्र (पेड़ागॉजी) का विकास होना जरूरी है। 'समावेशी और समान गुणवत्ता' वाली शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एकीकृत योजना के दौरान राज्य में समग्र शिक्षा अभियान शुरू किया गया है। शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (SDG) के तहत प्री – स्कूल से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक शैक्षणिक वर्ष, 2022-23 के दौरान एफएलएन और गुणवत्ता एवं नवाचार प्रमुख के द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ शुरू की गईं।

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN)

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पढ़ने, लिखने तथा संख्यात्मकता के बुनियादी कौशलों को संदर्भित करती है जो एक बच्चे के शैक्षिक विकास के लिए आवश्यक है। ये कौशल उन बिल्डिंग ब्लॉक्स के रूप में कार्यरत हैं जिन पर अधिक उन्नत शिक्षा का निर्माण होता है।

मूलभूत साक्षरता में समझ के साथ पढ़ने और प्रभावी ढंग से लिखने की क्षमता शामिल है, जबकि मूलभूत संख्यात्मकता में कक्षा III के अंत में बुनियादी गाणितीय अवधारणाओं और संचालन की मजबूत समझ शामिल है। स्कूली शिक्षा के बुनियादी स्तर पर ये कौशल छात्रों के लिए अन्य विषयों को समझने और अपनी शिक्षा में प्रभावी ढंग से संलग्न होने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एफएलएन के मुख्य उद्देश्य हैं –

- प्राथमिक कक्षा में पढ़ने, लिखने संख्यात्मक ज्ञान और समझ को मजबूत करना
- प्राथमिक कक्षा के पढ़ने, लिखने, समझने और गणित को मजबूत करना

उपरोक्त उद्देश्यों को हासिल करने के लिए 2022 -23 के दौरान व्यवस्थित योजना के साथ विभिन्न गतिविधियाँ शुरू की गई है :

1. बच्चों के लिए नवोन्मेषी शिक्षा कार्यान्वित करने शिक्षण – अधिगम सामग्रियों का विकास

प्राथमिक शिक्षा (ग्रेड I से III) के प्रत्येक बच्चे के लिए मूलभूत नींव संख्यात्कता और साक्षरता के कौशलों को विकास करना है। इस संदर्भ में 2021 – २२ में कार्य – पुस्तिकाओं का संशोधन हुआ और स्कूल खुलने के बाद पूरक पाठ्य सामग्री के रूप में वितरित हुआ। कुल मिलाकर 1495291 बच्चे इस कार्यक्रम से बहुत लाभान्वित हुए हैं।

विद्याप्रवेश कार्यपुस्तिका का वितरण

2. विद्याप्रवेश

राष्ट्रीय शिक्षानीति (NEP) २०२० की सिफारिशों के अनुसार ग्रेड – १ बच्चों के लिए तीन महीने के खेल आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल का एक दिशानिर्देश प्रस्तुत किया गया है। मॉड्यूल एनसीईआरटी द्वारा तैयार किया गया है। मॉड्यूल को प्रासंगिक बनाकर इसे ओड़िआ में भाषांतर किया गया। नए प्रवेशकों के लिए भययुक्त स्कूल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए स्कूल खुलने के तुरंत बाद स्कूल तत्परता कार्यक्रम (विद्याप्रवेश) तीन महीने (अगस्त, सितंबर, अक्टबर 2022) की अवधि के लिए लागू किया गया है। 46510 सरकारी स्कूलों में से कुल 504181 बच्चे इसमें शामिल किए गए।

3. संसाधन सामग्री / गतिविधि पुस्तिका की तैयारी :

एक शिक्षक के लिए किसी भी विषय – वस्तु को समझने और उसके अनुसार कक्षा शिक्षण को संचालित करने के लिए ज्ञान का संवर्धन बहुत आवश्यक है। ज्ञान के स्तर को उन्नत करने के लिए प्रत्येक शिक्षक को शिक्षक मैनुअल गतिविधि पुस्तिका आदि जैसी संसाधन सामग्री से अच्छी तरह सुसज्जित होना चाहिए। टीई व एससीईआरटी की देखरेख में शिक्षकों के लिए तीन (ग्रेड I, II, III) प्रतिकक्षा 1 (साक्षरता व संख्यात्मकता) की दर से हैंडबुक विकसित की गई है। एफएलएन सामग्री के साथ कक्षाओं के संचालन के दौरान शिक्षकों को सहायक सामग्री प्रदान की जाती है।

4. एफएलएन के तहत शिक्षकों और अन्य क्षेत्रीय पदाधिकारियों का क्षमता निर्माण

शिक्षा सामाजिक गतिशिलता की प्रतिक्रिया में परिवर्तन के अधीन है और शिक्षक प्रमुख एजेंट हैं जो इन परिवर्तनों पर प्रतिक्रिया जताते हैं एवं छात्रों को इन परिवर्तनों के साथ प्रभावी ढंग से जोड़ते हैं। यह संकेत करता है कि शिक्षक सुधार और क्षमता निर्माण शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक साधन है। क्षमता निर्माण वह व्यावसायिक विकास है जो एक शिक्षक अपने जीवन – काल के दौरान हासिल करता है। मूलभूति साक्षरता और संख्यात्मकता एक मिशन मोड कार्यक्रम है जिसके तहत निर्धारित समय अवधि में लक्ष्य हासिल करना पड़ता है। शिक्षक क्षमता – निर्माण के तहत सभी एफएलएन ग्रेड शिक्षकों को दीक्षा पोर्टल के माध्यम से 2022-23 के दौरान निष्ठा ३.० के तहत सभी १२ मॉड्यूल में उन्मुख किया गया है।

NISHTHA प्रशिक्षण के अलावा सभी कक्षाओं के शिक्षकों को प्रारंभ मॉड्यूल पर चार द्विवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। मॉड्यूल के विषय से यह सूचित होता है कि कक्षा में लेन – देन के दौरान बच्चों में ग्रेड उपयुक्त साक्षरता और संख्यात्मकता के कौशलों को हासिल करने के लिए कैसे बच्चों के साथ – साथ स्कूलों को आपूर्ति की गई एफएलएन पूरक सामग्री का उपयोग किया गया।

5. एसपीएमयू / डीपीएमयू

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) बच्चों की पढ़ने और सार्थक रूप से समझने की क्षमता के साथ – साथ वास्तविक जीवन में बुनियादी गणितीय कार्यों का उपयोग करने की क्षमता को दर्शाती है। मिशन मोड में एफएलएन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 2021-22 के दौरान राज्य और जिला स्तर पर क्रमशः एसपीएमयू और डीपीएमयू की नियमित अंतराल पर बैठक हुई है।

शैक्षिक वर्ष 2022-23 के दौरान एफएलएन लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शुरू की गई विभिन्न परियोजना गतिविधियों की समीक्षा, सुविधा, समन्वय और निगरानी पर बैठक होती है।

6. शिक्षण अधिगम सामग्री मेला

शिक्षण – अधिगम सामग्री (TLM) का उपयोग बच्चे को लंबे अर्से तक कक्षा में बनाए रखने के साथ – साथ कक्षा की गतिविधियों में बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करने के तंत्रों में से एक है। कक्षा की स्थिति को बच्चों के अनुकूल बनाने के लिए प्रत्येक शिक्षक के पास पर्याप्त सामग्री होनी चाहिए। टीएलएम का उपयोग कक्षा – कक्ष में किया जाना चाहिए जिसके लिए शिक्षकों को स्वयं टीएलएम तैयार करने के साथ – साथ कक्षा संचालन के दौरान इसके उपयोग को जानने का अधिकार होना चाहिए। मेला एक ऐसा साधन है जो शिक्षक को टीएलएम के प्रकारों पर विचार करने के लिए अधिकतम अनुभव प्रदान करता है। 2022-23 के दौरान ओड़िशा के सारे जिलों में मेला का आयोजन किया गया। प्रत्येक स्कूल के शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए टीएलएम को आसपास के क्षेत्रों के अन्य शिक्षकों के लिए क्लस्टर स्तर, ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर के मेलों में प्रदर्शित किया गया था।

टी.एलएम कार्य.शाला, मयूरभंज

टीएलएम मेला बालेश्वर

7. सामाजिक भावनात्मक अधिगम गतिविधियाँ

यह सर्वविदित है कि छात्रों ने लगभग दो वर्षों के अंतराल के बाद शारीरिक कक्षाओं में भाग लिया था। बच्चों को अध्ययन के माहौल में बदलने से पहले उनकी भावनात्मक भलाई पर ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण था। बच्चों के सामाजिक भावनात्मक अधिगम (SEL) मुद्दों को संबोधित करने के लिए जिला वरिष्ठ गतिविधि कैंलेंडर को आनंददायक शिक्षण संचालित करने के वास्ते डिजाइन किया गया था।पहले सात दिनों के लिए प्रत्येक स्कूल में ईमानदारी से प्रशासित किया गया। गतिविधियों में पहेली खेल, कहानी सुनना, कहावत प्रतियोगिताएँ, पैंटिंग, कॉलेज, रेत कला, मिट्टी मॉड्यूल तैयार करना आदि शिल हैं।

8. पुनरीक्षण कक्षाएँ

कोविड़ – १९ महामारी की स्थिति के दौरान स्कूलों के बंद होने के कारण बच्चों की सीखने की हानि को कम करने तथा बच्चों के स्तर को उनकी उम्र के साथ – साथ ग्रेड विशिष्ट के अनुसार लाने के लिए ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में मई 02 से जून 05 तक स्कूलों को जारी रखने का निर्णय लिया गया है। ग्रीष्मकालीन कक्षा पिछली कक्षा के पाठ्यक्रम के पुनरीक्षण के लिए है। एफएलएन के साथ एलईपी के तहत विकसित पुस्तकों में पिछली कक्षाओं की अवधारणा से संबंधित कार्यफर्द शामिल हैं, जिनका उपयोग शिक्षकों द्वारा इस अवधि के दौरान किया गया था। दूर राज्य में एकरूपता बनाए रखने के लिए एलओ के आधार पर दिनवार, कक्षावार और विषयवार गतिविधि कैलेंडर विकसित किया गया और विशिष्ट निर्देशों के साथ सभी स्कूलों में प्रसारित किया गया।

9. एफएलएन ग्रेड १ और ग्रेड २ का डिजिटल बेसलाइन मूल्यांकन :

पृष्ठभूमि

बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल दोनों में छात्रों के स्तर का आकलन करने के लिए ग्रेड I और II के लिए बेसलाइन मूल्यांकन आयोजित किया गया था।

उपकरण विकास, प्रशासन और निगरानी

आकलन उपकरण विकसित करने के लिए अर्ली ग्रेड रिडिंग एसेसमेंट (EGRA) और अर्लि ग्रेड मैथमेटिक्, एसेसमेंट (EGMA) मॉड्यूल का उपयोग हुआ था। उपकरणों की विश्वसनीयता और वैधता जांच करने के लिए वास्तविक नमूना सर्वेक्षण से पहले प्रशिक्षित मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा वस्तुओं का फील्ड परीक्षण हुआ। फिल्ड परीक्षणों, आइटम विश्लेषण और सत्यापन के आधार पर टूल में संशोधन किए गए, जिन्हें एससीईआरटी की देखरेख और मार्गदर्शन में अंतिम रूप दिया गया।

मूल्यांकन 30 जिलों में फैले 1020 फील्ड प्रशिक्षकों (एफआईएस) की मदद से आयोजित किया गया था, और डीआईईटी संकायों की मदद से उनके लिए दो द्विवसीय प्रशिक्षण अभ्यास किया गया था। 60 DIET संकायों ने मास्टर ट्रेनर्स के रूप में काम किया और SCERT संकायों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। चयनित नमूना स्कूलों की निगरानी सीआरसीसी, ब्लॉक या जिला अधिकारियों और एनजीओ भागीदारों द्वारा की गई थी।

प्रौद्यगिकी के माध्यम से डेटा संग्रह /विश्लेषण

बेसलाइन डेटा के स्कोरिंग और विश्लेषण में पूर्वनिर्धारित बेंचमार्क के आसपास प्रमुख निष्कर्षों की रिपोर्ट शामिल है। यह डेटा विश्लेषण जिले के निष्पादन और स्कोर वितरण पर हुआ जो लिंग, ग्रेड और राज्य स्तर पर आधारभूत परिणामों के अनुसार लक्ष्य निर्धारित होना चाहिए। रिपोर्ट सभी हितधारकों तक प्रसारित की जाएगी और जिलों को उनके संबंधित लक्ष्यों पर आगे उन्मुख किया जाएग।

३० जिलों के ६० मास्टर प्रशिक्षकों का राज्यस्तरीय प्रशिक्षण

एफएलएस ने छात्रों की प्रतिक्रिया जानने के लिए मोबाइल ऐप का उपयोग का

अधिगम संवर्धनात्मक कार्यक्रम -LEP (IV - VIII)

अधिगम संवर्धनात्मक/ बढ़ोत्तरी कार्यक्रम (LEP) बच्चों के बीच उनकी पाठ्य – पुस्तकों के साथ अतिरिक्त कार्य – फर्द देकर शिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि करने के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम है। एलईपी कार्यक्रम के तहत कक्षा IV & VIII के लिए 06 एलईपी पुस्तकें मुद्रित और वितारित की गई हैं। इस कार्यक्रम से स्कूल व जन शिक्षा विभाग के अधीन सभी सरकारी स्कूल और एससी और एसटी विकास विभाग के अधीन सभी स्कूलों के 1145356 बच्चे लाभान्वित हुए।

- कक्षा IV और V के लिए ओड़िया, अंग्रेजी और गणित विषय हैं और कक्षा VI से VIII के लिए उड़िया, अंग्रेजी, गणित और विज्ञान हैं।
- बच्चों को निर्धारित पुस्तकों के अनुरूप कार्य पुस्तकों का अभ्यास कराया जा रहा है।

कक्षा IV और V के लिए एलईपी

- पहले चरण में कार्यफर्द की पिछली कक्षा की लिंक अवधारणाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया था।
- ग्रेड विशिष्ट शिक्षण परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रत्येक कार्यपुस्तिका के कार्यपत्रकों को तीन चरणों प्रशासन में व्यवस्थित किया गया।
- दूसरे चरण में कार्य – पत्रक को कक्षा की निर्धारित पुस्तकों के अध्याय के अवधारण के साथ रेखांकित किया गया।
- तीसरे चरण में कार्य – पत्रक और पाठ्यपुस्तक दोनों को ध्यान में रखते हुए एक मूल्यांकन पत्र तैयार किया गया जिसमें यह आकलन किया जा सके कि बच्चे ने ग्रेड विशिष्ट सीखने के परिणाम को कितना हासिल किया है।
- शिक्षकों को कक्षा में कार्यालय प्रशासित करने से पहले प्रारंभिक अभ्यास करना पड़ता है।

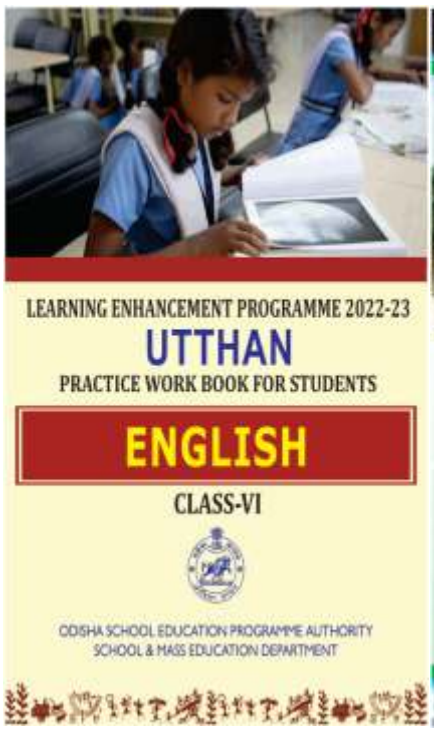

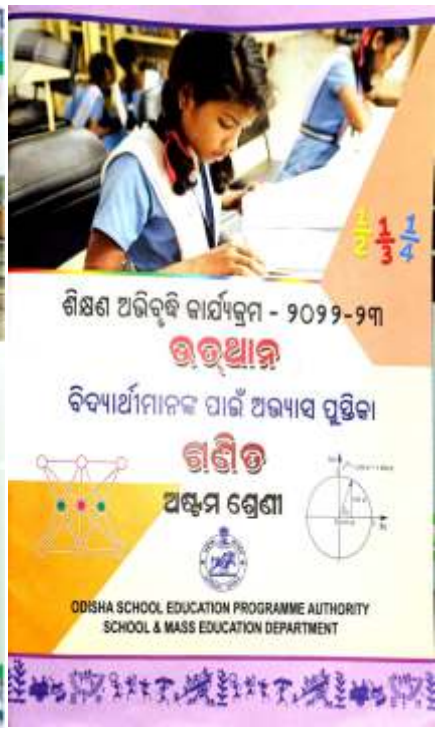

ଶିକ୍ଷଣ ଅଭିବୃଦ୍ଧି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ - ୨୦୨୨-୨୩
ଉତ୍ଥାନ
ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଅଭ୍ୟାସ ପୁସ୍ତିକା
ଗଣିତ
ଷଷ୍ଠ ଶ୍ରେଣୀ
ODISHA SCHOOL EDUCATION PROGRAMME AUTHORITY
SCHOOL & MASS EDUCATION DEPARTMENT

ଶିକ୍ଷଣ ଅଭିବୃଦ୍ଧି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ - ୨୦୨୨-୨୦୨୩

ଉତ୍‌ଥାନ

ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଅଭ୍ୟାସ ପୁସ୍ତିକା

ଓଡ଼ିଆ - ଷଷ୍ଠ

ODISHA SCHOOL EDUCATION PROGRAMME AUTHORITY
SCHOOL & MASS EDUCATION DEPARTMENT

लर्निंग रिकवरी प्रोग्राम (LRP)

स्कूल व जन शिक्षा विभाग राज्य सरकार, ओड़िशा ने सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा तीसरी से नौवीं तक के छात्रों के लिए लर्निंग रिकवरी प्रोग्राम (LRP) लागू किया। यह कार्यक्रम एक शैक्षिक पहल है। कोविड – १९ महामारी के दौरान छात्रों का अधिगम में जो नुकसान हुआ है उसीसी भरपाई के लिए यह कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य है – छात्रों के छूटे हुए सीखने के अवसरों को पकड़ने में मदद करना, उनकी शिक्षा में अंतराल को पाटना और यह सुनिश्चित करना है कि वे अपनी सीखने की यात्रा में प्रगति जारी रखें। एलआरपी एक नीयत कार्यक्रम है जो 100 दिनों तक था। इसमें 50 दिन ओड़िशा सरकारी स्कूल के छात्रों को एलआरपी पाठ्यक्रम के आधार पर शिक्षा देने के लिए आवंटित था। हर दिन तीन विषयों में से दो को कवर करते हुए एलआरपी कक्षाएँ संचालित करने के लिए दो अवधि आवंटित की गई थी।

विवरणयोग्य कार्यक्रम

- शिक्षण – अधिगम सामग्री का विकास
- छात्र कार्यपुस्तिका और शिक्षक मैनुअल
- एलआरपी सॉफ्टवेयर का विकास
- एलआरपी के लिए जनशक्ति की भर्ति और चयन
- परियोजना समन्वयकों (PCs) का प्रशिक्षण विशेष संसाधन व्याखाता (Rps)
- नोड केंद्रों पर शिक्षकों का प्रशिक्षण
- शिक्षण – अधिगम सामग्री (TLM) सुपुर्दगी और वितरण
- स्कूलों में एलआरपी का कार्यान्वयन
- पीसी और आरपी द्वारा एलआरपी की निगरानी

- आकलन : बेसलाइन, मध्यावधि और अंतिम अवधि
- परियोजना समापन और अंतिम रिपोर्ट

परियोजना कार्यन्वयन अभिकरण

- एन/एस, ओड़िशा नॉलेज कर्पोरेशन लिमिटेड़ ने 15 जिलों में एलआरपी लागू किया था।
- एन/एस सुभद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट ने 15 जिलों में एलआरपी लागू किया था।

कवरेज

- ५४,४४२ सरकारी/ सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल
- ४०,०९, ७८७ छात्र
- २,२८,८८६ शिक्षक
- ओड़िशा के 30 जिल्ले

कवर किए गए विषय

- कक्षा III के लिए ओड़िआ गणित और ईवीएस
- कक्षा IV और V के लिए गणित, अंग्रेजी और ईवीएस
- कक्षा VI से IX तक गणित, अंग्रेजी और विज्ञान

शिक्षण - अधिगम सामग्री (TLM)

- सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा III से IX तक के छात्रों के लिए छात्र पुस्तिका
- सभी शिक्षकों के लिए शिक्षक मैनुअल

आकलन

इस कार्यक्रम में प्रत्येक छात्र का तीन महीने में तीन बार मूल्यांकन किया गया है, यानी कार्यक्रम की शुरूआत से पहले (बेसलाइन आकलन), इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के मध्य में (मध्यावधि आकलन) और कार्यक्रम के अंत में (अंतिम अवधि आकलन)।

बेसलाइन आकलन 28.09.2022 से 30.09.2022 तक आयोजित हुआ था।
मध्यावधि आकलन 17.11.2022 से 19.11.2022 तक आयोजित हुआ था।
अतिम अवधि का आकलन 19.12.2022 से 21.12.2022 तक आयोजित हुआ था।

एलआरपी डैसबोर्ड

एलआरपी गतिविधियों और प्रगति निगरानी के लिए कार्यान्वयन अभिकरणों द्वारा वेब एप्लिकेशन और मोबाइलएक सॉफ्टवेयर विकसित और कार्यान्वित हुआ था। एलआरपी सॉफ्टवेयर फ्रेमवार्क लाइव डेटा को अपडेट करने के लिए शिक्षकों अधिकारियों और संबंधित उपयोगकर्ताओं के लिए 2.6 लाख लॉगिन हुए थे।

एलआरपी (LRP) की मॉनिटरिंग

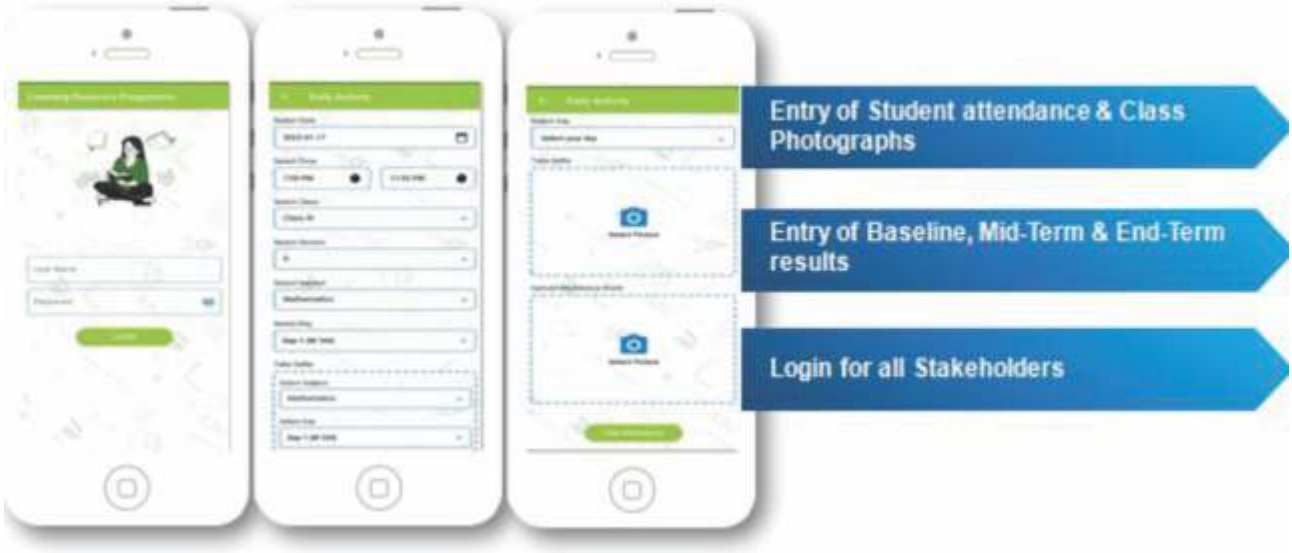

एलआरपी (LRP) की मॉनिटरिंग

टीई और एससीईआरटी के निदेशक द्वारा जिले से क्लस्टर स्तर तक सभी हितधारकों को शामिल करके कार्यक्रम की प्रक्रिया का मूल्यांकन आयोजित किया गया था। एलआरपी (लर्नर रिकवरी प्रोग्राम) के कार्यान्वयन की निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए एक राज्य स्तरीय निगरानी टीम का गठन किया गया था। इसमें दो एजेंसियों यानी ओकेसीएल (OKCL) और सुभद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट शामिल थे। ओसेपा कर्मियों के समन्वयक / प्रोग्रामर। समिति के सदस्यों को 30 जिलों से जानकारी एकत्र करने, जिले के मुद्दों का समाधान करने के लिए निर्देश दिया गया। कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी एसपीड़ी, ओसेपा द्वारा दैनिक आधार पर की गई।

टीई और एससीईआरटी द्वारा प्रक्रिया आकलन के दौरान मॉनिटरिंग टिम की टिप्पणियाँ

- सीखने के परिणामों की उपलब्धि
- सहयोग का विकास
- सीखने की हानि की वसूल
- आत्मविश्वास का विकास
- छात्रों की उपस्थिति में वृद्धि
- सीखने का समर्थन
- दृष्टिकोण का विकास
- शिक्षण – अधिगम सामग्री उपयोग का विकास

UPDATION ON STATUS OF LRP WORK BOOKS AS ON 22.11.2022

UPDATION ON STATUS OF LRP WORK BOOKS AS ON 09.11.2022

मीडिया कवरेज

ସମ୍ବାଦ

ମପାଯିବ ସ୍କୁଲ ପିଲାଙ୍କ ଦକ୍ଷତା

- ତୃତୀୟରୁ ୯ମ ଶ୍ରେଣୀ ପିଲାଙ୍କ ମିଡ୍-ଟର୍ମ ପରୀକ୍ଷା ୧୭ରୁ
- ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ର ସୁରକ୍ଷା ଉପରେ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଗୁରୁତ୍ୱ

BHUBANESWAR Edition
Page No 3 November 15 2022

ଗଣଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଆହ୍ୱାନ

ଶିକ୍ଷାଦାନକୁ ବ୍ରତ ଭାବେ ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ ଶିକ୍ଷକ

'ଶିକ୍ଷଣ ଭରଣା ଯୋଜନା'ର ପୁସ୍ତିକା ଓ ସଫ୍ଟୱେର ଲୋକାର୍ପିତ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୮।୮ (ଭୁ.ପ୍ର): ଶିକ୍ଷାଦାନକୁ ଶିକ୍ଷକ/ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀମାନେ ବ୍ରତ ଭାବେ ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ । ସମସ୍ତ ଜିଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ଓ ଅତିରିକ୍ତ ଜିଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସମ୍ମିଳନୀରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ ସମୀର ରଞ୍ଜନ ଦାଶ ଏହା କହିଛନ୍ତି । ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟଗୁଡ଼ିକର ରୂପାନ୍ତରଣ, ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଗୁଣାତ୍ମକ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ, ବିଭାଗର ସର୍ବାଙ୍ଗୀନ ବିକାଶ କରିବା ନିମନ୍ତେ ସାମୂହିକ ପ୍ରଚେଷ୍ଟା କରିବାକୁ ମନ୍ତ୍ରୀ ଆହ୍ୱାନ ଦେଇଥିଲେ । ଏହି ଅବସରରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ବାହାରେ ଥିବା, ଅଧାରୁ ପାଠ ଛାଡ଼ିଥିବା ପିଲାଙ୍କ ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି ପାଇଁ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷାର ପ୍ରଚଳନ ସମ୍ପର୍କିତ ଏକ ପେଟିକା ଉନ୍ମୋଚିତ ହୋଇଥିଲା । ୧୦ ଆକାଂକ୍ଷୀ ଜିଲାର ୧୦୦ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରଚଳନ କରାଯାଇଛି, ଯାହା ବିଦ୍ୟାଳୟର ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ସମୟ ବାଦ କରାଯିବାର ଯୋଜନା ରହିଛି । ଏହି ଅବସରରେ 'ଶିକ୍ଷଣ ଭରଣା ଯୋଜନା' କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର ପୁସ୍ତିକା ଓ ସଫ୍ଟୱେର ଲୋକାର୍ପିତ ହୋଇଥିଲା । ଏହାଦ୍ୱାରା ୪୩ ଲକ୍ଷ ୯୧ ହଜାର ୨୮୭ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଉପକୃତ ହେବେ । କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ବିଭାଗୀୟ ପ୍ରମୁଖ ସଚିବ ବିଷ୍ଣୁପଦ ସେଠୀ, ଓସେପା ରାଜ୍ୟ ପ୍ରକଳ୍ପ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଅନୁପମ ସାହା, ସିଏଚଏସଇ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଅଶ୍ୱିନୀ କୁମାର ମିଶ୍ର, ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ରାମଶିଷ ହାଜରା, ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ସତ୍ୟରଞ୍ଜନ ସାହୁ, ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ବୃନ୍ଦାବନ ଶତପଥୀ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ଓଡ଼ିଶା ଆଦର୍ଶ ବିଦ୍ୟାଳୟ ସଂଗଠନ ରାଜ୍ୟ ପ୍ରକଳ୍ପ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ସଂଗ୍ରାମ କେଶରୀ ମହାପାତ୍ର ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ ।

ସମ୍ବାଦ

ଯୋଗାଯୋଗ କରାଯାଇଥଲେ ମଧ୍ୟ ସେ କୋଣସ ଉତ୍ତର ଦେଇନଥଲେ ।

ଆଜିଠୁ ଏଲ୍ଆରପି ଚୂଡ଼ାନ୍ତ ପରୀକ୍ଷା

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୮/୧୨(ଇମିସ): ରାଜ୍ୟର ସରକାରୀ ଓ ଅନୁଦାନପ୍ରାପ୍ତ ବିଦ୍ୟାଳୟର ତୃତୀୟରୁ ନବମ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପାଇଁ ଚାଲିଥିବା ଏଲ୍ଆରପି(ଲର୍ଣ୍ଣିଂ ରିକଭରି ପ୍ରୋଗ୍ରାମ)ର ଚୂଡ଼ାନ୍ତ ପରୀକ୍ଷା ସୋମବାରଠାରୁ ଆରମ୍ଭ ହେବ। ପ୍ରଥମ ଦିନ ତୃତୀୟ ଶ୍ରେଣୀ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ଓଡ଼ିଆ ବିଷୟର ପରୀକ୍ଷା ହେବାକୁ ଥିବା ବେଳେ ଚତୁର୍ଥରୁ ନବମ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପିଲାଙ୍କ ଇଂରାଜୀ, ୨୦ ତାରିଖରେ ତୃତୀୟରୁ ନବମ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସମସ୍ତ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ଗଣିତ ବିଷୟରେ ଏବଂ ୨୧ ତାରିଖରେ ତୃତୀୟରୁ ପଞ୍ଚମ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ଇଭିଏସ୍ ଓ ଷଷ୍ଠରୁ ନବମ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପିଲାଙ୍କ ବିଜ୍ଞାନ ବିଷୟର ପରୀକ୍ଷା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ। ପରୀକ୍ଷାର ସୁପରିଚାଳନା ଉପରେ ସ୍କୁଲ ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକମାନେ ଗୁରୁତ୍ୱାରୋପ କରିବେ। ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ନିଜ ନିଜ ସ୍କୁଲରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେବେ। ପରୀକ୍ଷା ପାଇଁ ଧାର୍ଯ୍ୟ ସମୟରେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରଶ୍ନପତ୍ର ବଣ୍ଟନ ସହ ଉତ୍ତରଖାତା ଦିଆଯିବ। ପରୀକ୍ଷା ସରିବା କ୍ଷଣି ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀଙ୍କଠାରୁ ଉତ୍ତର ଖାତାଗୁଡ଼ିକୁ ଆଦାୟ କରି ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକମାନେ ତାହାକୁ ନିଜ ଦାୟିତ୍ୱରେ ରଖିବେ। ପରୀକ୍ଷାରେ ଯେପରି ଶତପ୍ରତିଶତ ଉପସ୍ଥାନ ହେବ, ସେ ଦିଗରେ ବି ସ୍କୁଲ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେବାକୁ କୁହାଯାଇଛି। ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ଭବିଷ୍ୟତ ପାଇଁ ଆବଶ୍ୟକତା ଥିବାରୁ ଉତ୍ତର ଖାତାଗୁଡ଼ିକୁ ସୁରକ୍ଷିତ ଭାବେ ସାଇତି ରଖିବାକୁ ପରାମର୍ଶ ଦିଆଯାଇଛି। ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପରୀକ୍ଷା ଫଳକୁ ଏଲ୍ଆରପି ଡାସ୍‌ବୋର୍ଡରେ ଅପଲୋଡ୍ କରିବାକୁ ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି।

BHUBANESWAR Edition
Page No.7 December 19, 2022

ଶିକ୍ଷାଦାନକୁ ବ୍ରତ ଭାବେ ଗ୍ରହଣ କର

■ ଭୁବନେଶ୍ୱର,୦୮।୮(ପିଏନଏସ)

ସୋମବାର ପୂର୍ବାହ୍ନରେ ରାଜ୍ୟ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ ସମୀର ରଞ୍ଜନ ଦାଶ ଭୁବନେଶ୍ୱରସ୍ଥିତ ଲେମୋନ ଟ୍ରି ପ୍ରିମିୟମ ସମ୍ମିଳନୀ କକ୍ଷରେ ଆୟୋଜିତ ରାଜ୍ୟର ସମସ୍ତ ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ଓ ଅତିରିକ୍ତ ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀମାନଙ୍କ ଏକ ଦିନିକିଆ ସମ୍ମିଳନୀରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ରୂପେ ଯୋଗ ଦାନ କରି ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀମାନେ ଶିକ୍ଷାଦାନକୁ ନିଜର ବ୍ରତ ଭାବରେ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଛନ୍ତି ।

ଏହି ଅବସରରେ ମନ୍ତ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ଦାଶ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ୫-ଟି ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟଗୁଡ଼ିକର ରୂପାନ୍ତରୀକରଣ, ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଗୁଣାତ୍ମକ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ ଏବଂ ସର୍ବୋପରି ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ସର୍ବାଙ୍ଗୀନ ବିକାଶ କରିବା ନିମନ୍ତେ ସାମୂହିକ ପ୍ରଚେଷ୍ଟା ପାଇଁ ଆହ୍ୱାନ ଦେଇଥିଲେ । ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଯେଉଁ ଶିକ୍ଷାର ଗୁଣାତ୍ମକ ବିକାଶ ନିମନ୍ତେ ଯେଉଁ ଆଶାଭରସା ରହିଛି ତାହାର ତ୍ୱରିତ ରୂପାୟନ ନିମନ୍ତେ ମନ୍ତ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ଦାଶ ଅଧିକାରୀମାନଙ୍କୁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଥିଲେ ।

ଏହି ଅବସରରେ ଓଡ଼ିଶା ସରକାରଙ୍କ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ଟ୍ରଷ୍ଟ ଆନୁକୂଲ୍ୟରେ ଉଚ୍ଚ ପ୍ରାଥମିକ ଓ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ସ୍କୁଲରେ ଲିଙ୍ଗଗତ ସମାନତା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ତ୍ୱରାନ୍ୱିତ କରିବା ପାଇଁ ଏକ ଚୁକ୍ତି ସ୍ୱାକ୍ଷରିତ ହୋଇଅଛି । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଆଗାମୀ ଶିକ୍ଷା ବର୍ଷରୁ ପିଲାମାନଙ୍କ ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକରେ ଲିଙ୍ଗଗତ ସମାନତା ପାଠ୍ୟକ୍ରମରେ ସାମିଲ କରାଯିବ । ବର୍ତ୍ତମାନ ପିଲାମାନଙ୍କୁ ଏକ ସହାୟକ ପୁସ୍ତିକା ମାଧ୍ୟମରେ ଲିଙ୍ଗଗତ ସମାନତା ପାଠ ଅଧ୍ୟୟନ କରିବେ । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ଦ୍ୱାରା ପରିଚାଳନା କରାଯିବ । ବୈଷୟିକ ଓ ଗବେଷଣା ସହାୟତା ଯୋଗାଇ ଦେବ ବୋଲି ସମ୍ମିଳନୀରେ ଆଲୋଚନା କରାଯାଇଥିଲା ।

ଏହି ଅବସରରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ବାହାରେ ଥିବା ଅଧାରୁ ପାଠ ଛାଡ଼ିଥିବା ପିଲାମାନଙ୍କ ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି ପାଇଁ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷାର ପ୍ରଚଳନ ପାଇଁ ଏକ ପେଟିକାକୁ ମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଉପସ୍ଥିତ ଅତିଥିମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଉନ୍ମୋଚିତ କରାଯାଇଥିଲା । ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ୧୦ଟି ଆକାଂକ୍ଷୀ ଜିଲ୍ଲା ଗୁଡ଼ିକରେ ୧୦୦ ଗୋଟି ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପ୍ରଚଳନ କରାଯାଇଛି । ଯାହାକି ବିଦ୍ୟାଳୟ ସମୟ ନିର୍ଘଣ୍ଟ ବାହାରେ କ୍ଲାସ ହେବାର ଯୋଜନା ରହିଛି । ଏହି ଅବସରରେ ଶିକ୍ଷଣ ଭରଣା ଯୋଜନା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର ପୁସ୍ତିକା ଓ ସଫ୍ଟୱେୟାର ମଧ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପିଲାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଲୋକାର୍ପିତ ହୋଇଥିଲା । ଏହାଦ୍ୱାରା ୪୩,୯୧,୨୮୭ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଉପକୃତ ହେବେ ।

ଉକ୍ତ ସମ୍ମିଳନୀ ବିଭାଗୀୟ ପ୍ରମୁଖ ଶାସନ ସଚିବ ବିଷ୍ଣୁପଦ ସେଠୀ, ଅନୁପମ ସାହା, ରାଜ୍ୟ ପ୍ରକଳ୍ପ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ଓସେପା, ଅତିରିକ୍ତ ଶାସନ ସଚିବ ତଥା ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦ, ଓଡ଼ିଶା ଅଶ୍ୱିନୀ କୁମାର ମିଶ୍ର, ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ପରିଷଦ ରାମଶିଷ ହାଜରା, ମାଧ୍ୟମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ସତ୍ୟ ରଞ୍ଜନ ସାହୁ, ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ବୃନ୍ଦାବନ ଶତପଥୀ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ଆଲୋଚନାରେ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ । ଉକ୍ତ ସମ୍ମିଳନୀରେ ବିଭାଗୀ ବରିଷ୍ଠ ପଦାଧିକାରୀଙ୍କ ସମେତ ସମସ୍ତ ଜିଲ୍ଲାର ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ଓ ଅତିରିକ୍ତ ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ । ପରିଶେଷରେ ରାଜ୍ୟ ପ୍ରକଳ୍ପ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ଓଡ଼ିଶା ଆଦର୍ଶ ବିଦ୍ୟାଳୟ ସଂଗଠନ ସଂଗ୍ରାମ କେଶରୀ ମହାପାତ୍ର ଧନ୍ୟବାଦ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ ।

ସଫଳତାର ସହିତ ଏଲ୍. ଆର . ପି

ରାୟଗଡା – (ବି.ପ୍ର) ଶିକ୍ଷଣ ପରିପୂରଣ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ (ଏଲ୍. ଆର . ପି)ରାୟଗଡାରେ ସଫଳତାର ସହିତ ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ ହେବାକୁ ଯାଉଛି । ଏହି ଯୋଜନା ମାଧ୍ୟମରେ ଜିଲ୍ଲାର ୧୦୫୨୨୭ ସଂଖ୍ୟକ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଉପକୃତ ହୋଇଛନ୍ତି । ରାୟଗଡା ଭଳି ଏକ ଉପାନ୍ତ ଜିଲ୍ଲାରେ କରୋନା ଯୋଗୁଁ ସରକାରୀ ଓ ସରକାରୀ ଅନୁଦାନପ୍ରାପ୍ତ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅଧ୍ୟୟନ କରୁଥିବା ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀମାନଙ୍କର ପାଠପଢା ଗୁରୁତର ଭାବେ ବ୍ୟାଘାତ ହୋଇଥିଲା । ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀ ତଥା ଅଭିଭାବକମାନେ ପିଲାଙ୍କର କରୋନାଜନିତ ଶିକ୍ଷାର କ୍ଷତିକୁ ଭରଣା କରିବାକୁ ନେଇ ଚିନ୍ତାଗ୍ରସ୍ତ ଥିଲେ ଏହି ପରିପ୍ରେକ୍ଷୀରେ ଶିକ୍ଷଣ ପରିପୂରଣ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ସାରା ଜିଲ୍ଲାରେ ବିଭିନ୍ନ ସ୍ତରର ଲୋକ ଉଚ୍ଚ ପ୍ରଶଂସା କରିଛନ୍ତି । ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀମାନେ ପାଇଥିବା ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀ ଅଭ୍ୟାସ ପୁସ୍ତିକାକୁ ଭଲ ଭାବରେ ପଢୁଛନ୍ତି ଏବଂ ଅଭ୍ୟାସ କରୁଛନ୍ତି । ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷାଧିକାରୀ ଶ୍ରୀ ପୂର୍ଣ୍ଣଚନ୍ଦ୍ର ବରିହା, ଅତିରିକ୍ତ ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷାଧିକାରୀ ଶ୍ରୀ ଭଜନଲାଲ ମାଝୀ ଏବଂ ଓକେସିଏଲର ମୁଖ୍ୟ ଜିଲ୍ଲାପ୍ରକଳ୍ପ ସଂଯୋଜକ ଶ୍ରୀ ଲକ୍ଷ୍ମୀନାରାୟଣ ପାତ୍ରୀଙ୍କ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନରେ ଏଲ୍. ଆର. ପରଜିଲ୍ଲାସ୍ତରରେ ସଫଳ ରୂପାୟନ ହୋଇଛି । ଜିଲ୍ଲାର ସମସ୍ତ ବ୍ଲକ ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ଏବିଇଓ, ବିଆରସିସି , ସିଆରସିସି , ତଥା ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ , ଏବଂ ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀମାନଙ୍କର ଉଦ୍ୟମ ଓ ପ୍ରଚେଷ୍ଟା ଯୋଗୁଁ ଏହା ସମ୍ଭବ ହୋଇପାରିଛି । ଓକେସିଏଲର ସମସ୍ତ ସାଧନକର୍ମୀ (ଆରପି) ଏବଂ ପ୍ରକଳ୍ପ ସଂଯୋଜକମାନଙ୍କର ନିରୀକ୍ଷଣରେ ଯୋଜନାଟି କାର୍ଯ୍ୟକରୀ ହେଉଛି । ଏପରି ଅଭିନବ ପ୍ରୟାସ ପାଇଁ ସବୁ ମହଲରୁ ରାଜ୍ୟସରକାରଙ୍କୁ ତଥା ଓସେପାକୁ ପ୍ରଶଂସା କରାଯାଉଛି ।

OSEPA
@OSEPA_Official

30th Day of Learning Recovery Program (LRP) successfully being carried out in all schools under effective monitoring by Resource Persons and supervision by Central Monitoring Team.

Raju
Boy's-24

ପ୍ରାଥମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟ

एलओ निष्पादन का तुलनात्मक विश्लेषण

आकलन की अवधि के दौरान कवर किए गए एलओ के आधार पर एलआरपी आकलन किया गया। आसानी से विश्लेषण करने के लिए एलओ को छात्रों के निष्पादन के अनुसार श्रेणियों में दल में बाँटा गया। सभी ग्राफ स्वतः स्पट हैं। केवल मुख्य परिणामों का उल्लेख हुआ हैं।

प्रदर्शन	सीमाविवरण
80% - 100%	उच्चतम छात्र प्रदर्शन वाले एलओ
60% - 80%	बहुत अच्छे छात्र प्रदर्शन वाले एलओ
30% - 60%	औसत छात्र प्रदर्शन वाले एलओ
0% - 30%	कम प्रदर्शन वाले छात्रों के एलओ

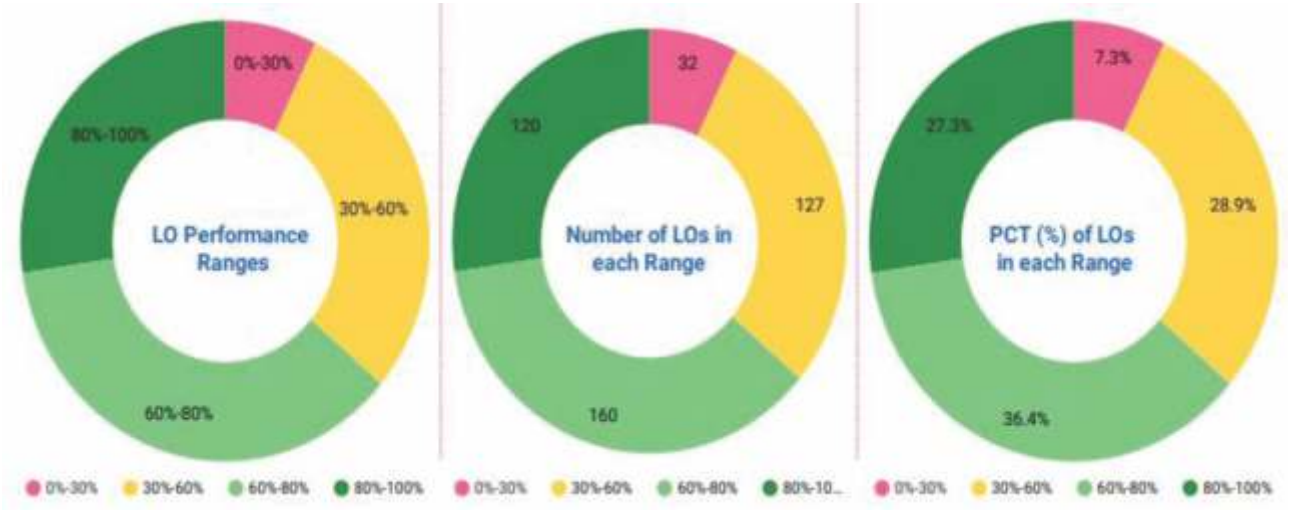

परिणाम : 80% से अधिक छात्रों ने 120 एलओ (उच्चतम छात्र निष्पादन), 60% - 80% छात्रों ने 160 एलओ (बहुत अच्छा छात्र निष्पादन) स्कोर किया है। इसी तरह 127 एलओ (औसत छात्र निष्पादन) में 30% - 60% छात्रों ने अच्छा निष्पादन किया है। अंत में 0% - 30% छात्रों ने 32 एलओ (खराब छात्र निष्पादन) में अच्छा स्कोर किया है।

आकलन विश्लेषण : सारांश

- सभी जिलों के अधिकांश छात्रों ने 80% - 100% की सीमा में अधिकतम एलओ में अच्छा प्रदर्शन किया है।
- छात्रों ने बेसलाइन आकलन की तुलना में मध्यावधि और अंतिम अवधि के मूल्यांकन में बेहतर प्रदर्शन किया है। समस्त आकलन कार्यक्रम उत्साहवर्द्धक और संतोषजनक है।
- इस विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि एलआरपी ने सीखने के अंतर को पाटने और वर्तमान की कक्षा में छात्रों को मुख्यधारा में लाने में योगदान दिया है।

शैक्षणिक कैलंडर

प्रारंभिक और माध्यमिक अनुभाग के सभी सरकारी स्कूलों (एसएंडएमई और एसएससटी विभाग) को शैक्षणिक कैलेंडर प्रदान किए गए हैं। स्कूलों के प्रधानाध्यापकों से अनुरोध किया गया है कि शैक्षणिक कैलंडर के अनुसार वे अपने स्कूल स्तर की वार्षिक – गतिविधियों की योजना बनाएँ।

Department of School & Mass Education
Govt. of Odisha
ACADEMIC CALENDAR (ELEMENTARY): 2023-24
Name of the School
APRIL
MAY
JUNE
JULY
AUG
SEPT
OCT
NOV
DEC
JAN
FEB
MARCH
INFORMATION
MONTH-WISE WORKING DAYS
OBSERVANCE/HOLIDAY LIST : 2023-24

Department of School & Mass Education
Govt. of Odisha
ACADEMIC CALENDAR (SECONDARY): 2023-24
Name of the School
APRIL
MAY
JUNE
JULY
AUG
SEPT
OCT
NOV
DEC
JAN
FEB
MARCH
INFORMATION
INSTRUCTIONS
MONTH-WISE WORKING DAYS
OBSERVANCE/HOLIDAY LIST : 2023-24

छात्रों की डायरी (मो डायरी)

डायरी छात्रों को उनके दैनिक और साप्ताहिक कार्यक्रम की योजना बनाने तथा पढ़ाई का समय आवंटित, कक्षाओं, पाठ्येतर गतिविधियों एवं व्यक्तिगत कार्य के लिए समय आवंटित करने में मदद करती है ताकि छात्रों की सृजनात्मकता और आत्मविश्वास का विकास हो सके। सभी सरकारी स्कूलों (एसएंडएमई विभाग और एसएसटी विभाग) के कक्षा I-VII के छात्रों को डायरी (मो डायरी) प्रदान की गई है।

कक्षा II से कक्षा X के छात्रों के लिए परियोजना नोटबुक

छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर नोटस लेने छात्रों के लिए नोटबुक तैयार की जाती है। इन नोटबुक का उपयोग छात्रों द्वारा स्कूल सत्रीय कार्य (गृहकार्य) और लेखन परियोजनाओं के लिए भी किया जाता है। छात्रों के लेखन कौशलों को विकसित करने के लिए सभी सरकारी स्कूलों के कक्षा II-X के छात्रों के लिए सिंगल लाइन नोटबुक प्रदान की गई थी (एसएंडएमई और एसएसटी विभाग) जबकि कक्षा IX और X के छात्रों को परियोजना की नोटबुक की आपूर्ति की गई थी।

रिपोर्टकार्ड वितरण (कक्षा I से VIII)

प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास को ट्रैक करने के लिए कक्षा I से VIII तक के छात्रों को रिपोर्ट कार्ड प्रदान किए गए थे। रिपोर्ट कार्ड एक छात्र की शैक्षणिक उपलब्धियों का व्यापक अवलोकन परीक्षा प्रदान करते हैं। इसमें ग्रेड, स्कोर, विषयों, सत्रीय, कार्यों पर शिक्षकों की टिप्पणियाँ शामिल हैं। किसी छात्र की प्रगति के बारे में माता – पिता या अभिभावकों को सूचित करने के प्राथमिक साधन के रूप में कार्य करता है, जिससे उन्हें अपने बच्चे की ताकत, कमजोरियों और सुधार के क्षेत्रों के बारे में जानकारी मिलती है।

रिपोर्टकार्ड

९. गुणवत्ता (Sec) – उत्कर्ष (UTKARSH)

एलईपी – उत्कर्ष माध्यमिक विद्यालयों की प्रस्तुति के लिए एक शिक्षण संवर्धन कार्यक्रम है। वह पिछली कक्षाओं (4 - 8) के सीखने के अंतराल को पाटता है और छात्रों के कक्षा स्तर की दक्षता हासिल करने में मदद करता है।

कार्यक्रम डिजाइन

- यह चार प्रमुख विषयों (ओड़िआ, अंग्रेजी, गणित और विज्ञान) को कवर करने वाला 183 घंटों का लक्षित निर्देश कार्यक्रम है।
- सभी छात्रों (छात्र हैंड बुक) और शिक्षकों (शिक्षक हैंडबुक) के लिए मुद्रित संसाधनों का प्रावधान
- एक कैस्केड में जिला संसाधन समूह (DRG) के सदस्यों और शिक्षकों का एक द्विवसीय अभिविन्यास। यह मॉडल, प्रक्रिया, पेडागॉजीकल आयाम तथा प्रभावपूर्ण शिक्षणाभ्यास को कार्यान्वयन करता है।
- प्रधानशिक्षक एवं विषय संबंधित शिक्षकों के लिए दीक्षा के माध्यम से शिक्षणाभ्यास, मॉडल कार्यान्वयन प्रक्रिया, शैक्षणिक दृष्टिकोण, प्रभावी शिक्षण एप्रोच के आधार पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण प्रदान।
- चार श्रेणुयों (< कक्षा 3, < कक्षा 5, < कक्षा 8 और = कक्षा 8) में छात्रों के सीखने के स्तर का आकलन (वेसलाइन आकलन) किया गया था।
- फाउंडेशन चरण (15 दिन) मूलभूत दक्षताओं पर केंद्रित है।
- समर्थित शिक्षण चरण (35 दिन) कक्षा 6 –8 की मुख्य दक्षताओं पर केंद्रित है।
- पुनरीक्षण और परीक्षा की तैयारी के लिए समेकित चरण (06 दिन)
- शिक्षार्थी की विषयवार प्रगति का आकलन करने के लिए विश्लेषण के उपरांत अंतिम पंक्ति मूल्यांकन परीक्षा।

कक्षा – कक्ष की गतिविधियाँ

उत्कर्ष दिशानिर्देशों का पालन करते हुए कक्षाओं में आमने – सामने शिक्षण और अधिगम, जिसके लिए शिक्षकों को छात्रों के सीखने को अधिकतम करने के लिए कक्षा IX के पाठ्यचर्या को पढ़ाने में पहले उत्कर्ष हैंडबुक का उपयोग करके मूलभूत और पूर्व अपेक्षित दक्षताओं के कवर करने की जरूरत होती है। उत्सर्ग संसाधनों से प्रमुख पूर्व – अपेक्षित दक्षताओं कक्षा IX पाठ्यक्रम को प्राथमिकता दी गई है, राज्य और जिला पदाधिकारियों के परिदर्शन के दौरान प्रशिक्षण, आकर्षण और शिक्षण के लिए गुणात्मक आश्वासन आयोजित किया गया था।

प्रगति :

- छात्रों का हस्तक्षेप कक्षा IX – ५१३,८०७
- सभी छात्रों – ५,१३,८०७ के लिए मुद्रित संसाधनों का प्रावधान
- कार्यान्वयन दिशानिर्देश – ८०७७
- छात्र पाठ्य – पुस्तिका – (चार विषय – ओड़िआ, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान) – २०,५५,२२८
- शिक्षक हैंडबुक – ६४६१६

मॉडल, कार्यान्वयन प्रक्रिया, शैक्षणिक दृष्टिकोण, प्रभावी शिक्षण प्रथाओं और गुणवत्ता आश्वासन पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- राज्य संसाधन समूह के सदस्यों ने संसाधन समीक्षा कार्यशाला में भाग लिया – २४ यानी प्रत्येक विषय में ४०८
- डीआरजी प्रशिक्षित – ५५०
- विषय शिक्षक प्रशिक्षण – १९४४८

- कार्यान्वयन की गुणवत्ता की निगरानी के लिए आयोजित गुणवत्ता आश्वासन दौर (आकलन और कक्षा निरीक्षण) – १५५५ दौर
- विषयवार छात्रों के बेसलाइन और अंतिम लाइन स्कोर पर विचार करते हुए प्रगति विश्लेषण रिपोर्ट का नीचे विस्तृत वर्णन।

दृष्टिकोण :

१. शिक्षकों को योग्यता आधारित और गतिविधि आधारित दृष्टिकोण और सहकर्मी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कक्षा 9 के अध्यायों की पूर्व आवश्यकताओं को समझाते हुए शिक्षक पुस्तिका (THB) में पाठयोजना में शिक्षण विधियों का सुझाव दिया गया है।
२. शिक्षक को पाठ्यक्रम के साथ पूर्वज्ञान और दक्षता को जोड़कर उत्कर्ष सामग्री प्रदान की गई है।
३. शिक्षकों ने सभी छात्रों द्वारा पाठ्यक्रम से डुड़ी वर्कसीट को कक्षा में या गृहकार्य को दूर करने पर जोर दिया गया।
४. शिक्षकों ने उत्कर्ष बेसलाइन मूल्यांकन में स्तर 3 (कक्षा 8 स्तर) से निम्न छात्रों को छात्रों को छात्र हस्त – पुस्तिका के फाउंडेशन चरण के लिए कार्य – पत्रक को पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया।
५. शिक्षकों ने छात्रों को दी गई सामग्री का अभ्यास करने की सुविधा दी जिससे और कक्षा स्तर की दक्षता हासिल करने में सार्थक प्रगति होने की संभावना है।
६. कार्यक्रम की जाँच और छात्रों को फीड़वेक।

प्रगति उत्कर्ष+ - दसवीं कश्रा के छात्र

विद्यार्थी हस्तक्षेप – ३,५४,२६७

सीखने के स्तर और परीक्षा की तैयारी में सुधार के लिए पूर्व और कक्षा स्तर की दक्षताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए पाँच विषयों ओड़िआ अंग्रेजी, गणित, भौतिक विज्ञान और जीवन विज्ञान के लिए ऑनलाइन मोड़ पर अधिक सामग्रियों का विकास हुआ है।

विकसित सामग्री

१. वीडियो – २१
२. कांटेंट – १२ (पारस्परिक प्रश्नों को पीडीएफ)
३. आकलन पेपर – २५
४. मॉक आकलन पेपर – ४

आधार रेखा : छात्र भागीदारी और प्रदर्शन (उत्कर्ष – कक्षा IX)

छात्र प्रदर्शन

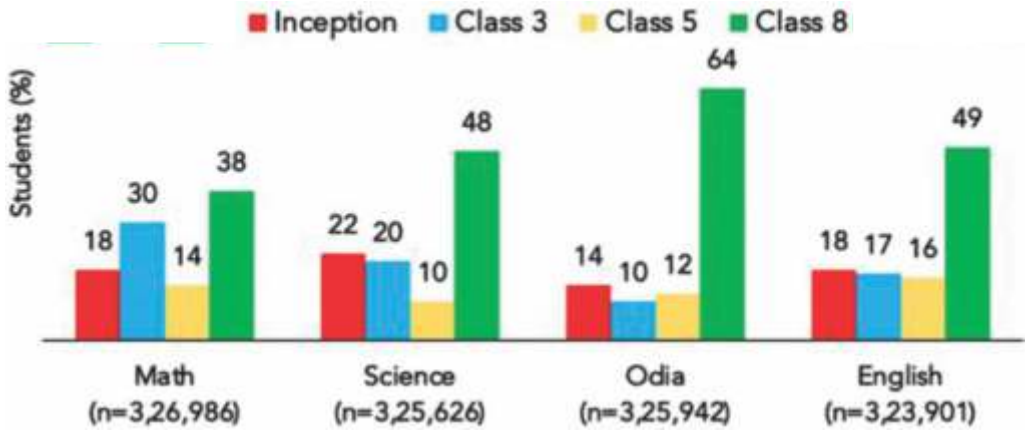

- 50% छात्रों के पास कक्षा 8 की योग्यताएँ हैं। यह कोविड वर्षों की तुलना में काफी अधिक है।
- कक्षा 8 में योग्यता रखने वाले छात्रों की संख्या उड़िया में सबसे अधिक (64%) है, उसके बाद अंग्रेजी (49%), विज्ञान (48%) और सबसे कम गणित (38%) है।

जिला विश्लेषण - विषय के आधार पर विद्यार्थियों का सीखने का स्तर

गणित

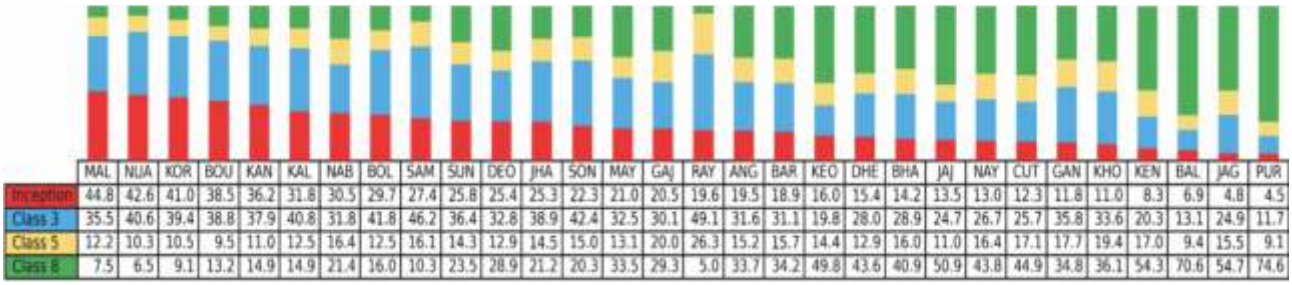

	MAL	NUA	KOR	BOU	KAN	KAL	NAB	BOL	SAM	SUN	DEO	JHA	SON	MAY	GAJ	RAY	ANG	BAR	KEO	DHE	BHA	JAJ	NAY	CUT	GAN	KHO	KEN	BAL	JAG	PUR
Inception	44.8	42.6	41.0	38.5	36.2	31.8	30.5	29.7	27.4	25.8	25.4	25.3	22.3	21.0	20.5	19.6	19.5	18.9	16.0	15.4	14.2	13.5	13.0	12.3	11.8	11.0	8.3	6.9	4.8	4.5
Class 3	35.5	40.6	39.4	38.8	37.9	40.8	31.8	41.8	46.2	36.4	32.8	38.9	42.4	32.5	30.1	49.1	31.6	31.1	19.8	28.0	28.9	24.7	26.7	25.7	35.8	33.6	20.3	13.1	24.9	11.7
Class 5	12.2	10.3	10.5	9.5	11.0	12.5	16.4	12.5	16.1	14.3	12.9	14.5	15.0	13.1	20.0	26.3	15.2	15.7	14.4	12.9	16.0	11.0	16.4	17.1	17.7	19.4	17.0	9.4	15.5	9.1
Class 8	7.5	6.5	9.1	13.2	14.9	14.9	21.4	16.0	10.3	23.5	28.9	21.2	20.3	33.5	29.3	5.0	33.7	34.2	49.8	43.6	40.9	50.9	43.8	44.9	34.8	36.1	54.3	70.6	54.7	74.6

विज्ञान

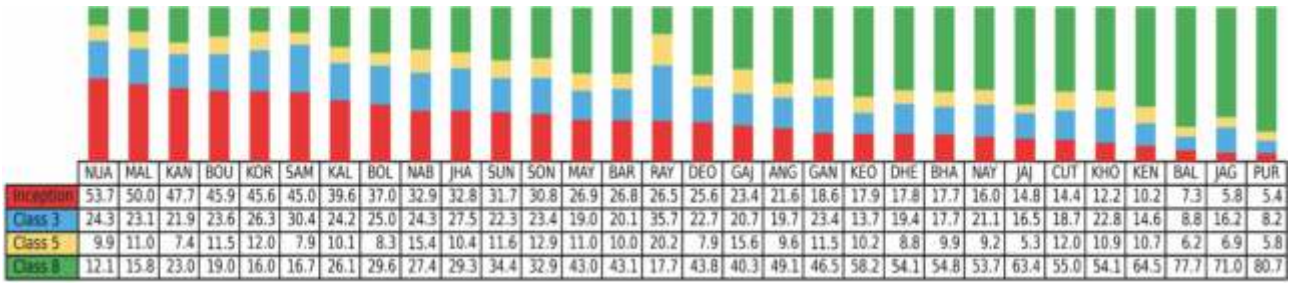

	NUA	MAL	KAN	BOU	KOR	SAM	KAL	BOL	NAB	JHA	SUN	SON	MAY	BAR	RAY	DEO	GAJ	ANG	GAN	KEO	DHE	BHA	NAY	JAJ	CUT	KHO	KEN	BAL	JAG	PUR
Inception	53.7	50.0	47.7	45.9	45.6	45.0	39.6	37.0	32.9	32.8	31.7	30.8	26.9	26.8	26.5	25.6	23.4	21.6	18.6	17.9	17.8	17.7	16.0	14.8	14.4	12.2	10.2	7.3	5.8	5.4
Class 3	24.3	23.1	21.9	23.6	26.3	30.4	24.2	25.0	24.3	27.5	22.3	23.4	19.0	20.1	35.7	22.7	20.7	19.7	23.4	13.7	19.4	17.7	21.1	16.5	18.7	22.8	14.6	8.8	16.2	8.2
Class 5	9.9	11.0	7.4	11.5	12.0	7.9	10.1	8.3	15.4	10.4	11.6	12.9	11.0	10.0	20.2	7.9	15.6	9.6	11.5	10.2	8.8	9.9	9.2	5.3	12.0	10.9	10.7	6.2	6.9	5.8
Class 8	12.1	15.8	23.0	19.0	16.0	16.7	26.1	29.6	27.4	29.3	34.4	32.9	43.0	43.1	17.7	43.8	40.3	49.1	46.5	58.2	54.1	54.8	53.7	63.4	55.0	54.1	64.5	77.7	71.0	80.7

उड़िया

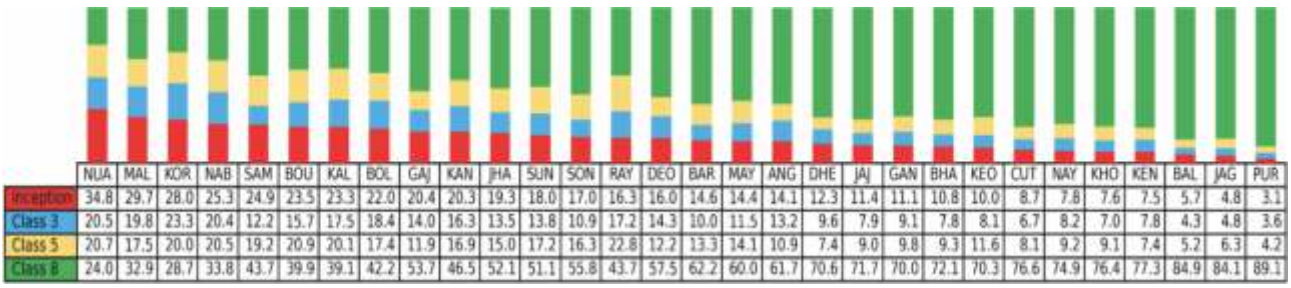

	NUA	MAL	KOR	NAB	SAM	BOU	KAL	BOL	GAJ	KAN	JHA	SUN	SON	RAY	DEO	BAR	MAY	ANG	DHE	JAJ	GAN	BHA	KEO	CUT	NAY	KHO	KEN	BAL	JAG	PUR
Inception	34.8	29.7	28.0	25.3	24.9	23.5	23.3	22.0	20.4	20.3	19.3	18.0	17.0	16.3	16.0	14.6	14.4	14.1	12.3	11.4	11.1	10.8	10.0	8.7	7.8	7.6	7.5	5.7	4.8	3.1
Class 3	20.5	19.8	23.3	20.4	12.2	15.7	17.5	18.4	14.0	16.3	13.5	13.8	10.9	17.2	14.3	10.0	11.5	13.2	9.6	7.9	9.1	7.8	8.1	6.7	8.2	7.0	7.8	4.3	4.8	3.6
Class 5	20.7	17.5	20.0	20.5	19.2	20.9	20.1	17.4	11.9	16.9	15.0	17.2	16.3	22.8	12.2	13.3	14.1	10.9	7.4	9.0	9.8	9.3	11.6	8.1	9.2	9.1	7.4	5.2	6.3	4.2
Class 8	24.0	32.9	28.7	33.8	43.7	39.9	39.1	42.2	53.7	46.5	52.1	51.1	55.8	43.7	57.5	62.2	60.0	61.7	70.6	71.7	70.0	72.1	70.3	76.6	74.9	76.4	77.3	84.9	84.1	89.1

अंग्रेज़ी

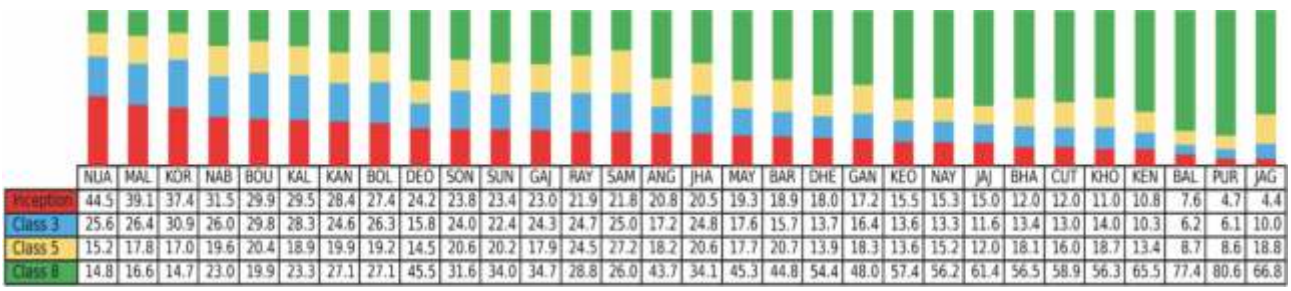

	NUA	MAL	KOR	NAB	BOU	KAL	KAN	BOL	DEO	SON	SUN	GAJ	RAY	SAM	ANG	JHA	MAY	BAR	DHE	GAN	KEO	NAY	JAJ	BHA	CUT	KHO	KEN	BAL	PUR	JAG
Inception	44.5	39.1	37.4	31.5	29.9	29.5	28.4	27.4	24.2	23.8	23.4	23.0	21.9	21.8	20.8	20.5	19.3	18.9	18.0	17.2	15.5	15.3	15.0	12.0	12.0	11.0	10.8	7.6	4.7	4.4
Class 3	25.6	26.4	30.9	26.0	29.8	28.3	24.6	26.3	15.8	24.0	22.4	24.3	24.7	25.0	17.2	24.8	17.6	15.7	13.7	16.4	13.6	13.3	11.6	13.4	13.0	14.0	10.3	6.2	6.1	10.0
Class 5	15.2	17.8	17.0	19.6	20.4	18.9	19.9	19.2	14.5	20.6	20.2	17.9	24.5	27.2	18.2	20.6	17.7	20.7	13.9	18.3	13.6	15.2	12.0	18.1	16.0	18.7	13.4	8.7	8.6	18.8
Class 8	14.8	16.6	14.7	23.0	19.9	23.3	27.1	27.1	45.5	31.6	34.0	34.7	28.8	26.0	43.7	34.1	45.3	44.8	54.4	48.0	57.4	56.2	61.4	56.5	58.9	56.3	65.5	77.4	80.6	66.8

अनुगोल, बालेश्वर, बरगढ़, बलांगीर, बैद, देवगढ़, ढेंकानाल, गजपति, जाजपुर, झारसुगड़ा, कलाहांडी, कंधमाल, केंद्रापड़ा, केंउझर, खोर्द्धा, कोरापुट, मालकानगिरि ,मयूरभंज, नवरंगपुर, नयागढ़, नूआपड़ा, पुरी, संबलपुर, सोनपुर, सुंदरगढ़।

इसके विशेषण से स्पष्ट है कि चार विषयों में बालिकाओं को (46.3%) की अपेक्षा बालिकाओं की कक्षा 8 की अपेक्षा अधिक है। दोनों लिंग के बच्चे समान स्तर में गणित विषय में अंक – प्रप्ति कक्षा 8 स्तर पर भाषा विषयों से बहुत कम अंक प्राप्त करते हैं। दोनों लिंग के बच्चे विज्ञान में अन्य सारे विषयों की तुलना में प्रारंभिक स्तर पर रहते हैं। दोनों लिंग के बच्चे यानी लड़के और लड़कियाँ ओड़िआ में सबसे अधिक प्रदर्शन करते हैं और गणित में बिल्कुल खराब प्रदर्शन करते हैं।

बेसलाइन और एंड लाइन दोनों में उपस्थित हुए छात्र

एंड लाइन उत्कर्ष में छात्रों के प्रदर्शन में बदलाव (2022 - 23)

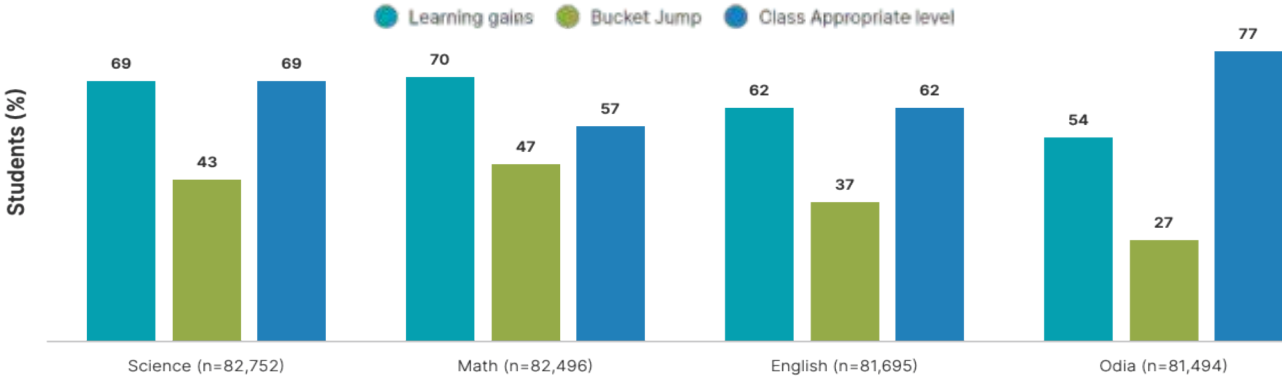

सूचक	गणित	विज्ञान	ओड़िआ	इंग्रैजी
नमूना	82,496	82,752	81,494	81,695
जो छात्र कोई सीखने का लाभ प्रदर्शित करते हैं	70%	69%	54%	62%
एक बाल्टी कूद वाले छात्र	47%	43%	27%	37%
कक्षा स्तर प्राप्त करने वाले	28%	29%	15%	19%
उपयुक्त छात्रों में वृद्धि (% में)	(29 to 57%)	(40 to 69%)	(62 to 77%)	(43 to 62%)

जिला विशलेषण

इस अनुभाग में विश्लेषण एलईपी – उत्कर्ष के हस्तक्षेप वाले स्कूल के छात्रों के समेकित डेटा पर आधारित है जो 30 जिलों में से प्रत्येक में बैसलाइन या एंडलाइन मूल्यांकन में विद्यमान थे। ग्राफ में जिले का नाम ग्राफ के नीचे नीले पाठ में दिखाए गए पहले तीन वर्णों द्वारा दर्शाया गया है।

इस अनुभाग में समेकित विश्लेषण 30/30 कार्यक्रम जिलों के ४२९२ स्कूलों द्वारा रिपोर्ट किए गए नमूना डेटा (~118K छात्र) पर आधारित है, जो उन छात्रों के लिए है। ये बेसलाइन और एंडलाइन मूल्यांकन दोनों में उपस्थित थे। मूल्यांकन पत्र में तीन स्तरों (कक्षा 3,5,8) की दक्षताओं पर प्रश्न शामिल हैं। प्रत्येक स्तर को उतीर्ण करने के लिए कम से कम 80% अंक आवश्यक है।

सभी चार विषयों में छात्रों के सीखने के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किए गए हैं। सहायता प्राप्त स्कूलों में छात्रों का प्रदर्शन सरकारी स्कूलों की तुलना में थोड़ा बेहतर था। समेकित परिणाम निम्न प्रकार है –

१. ७०% छात्रों ने सीखना प्रर्शन किया। ४७% छात्रों ने एक या अधिक बाल्टी कूदने की सूचना दी।

२. २९% छात्रों ने अंतिमपंक्ति में कक्षा में उपयुक्त स्तर हासिल किया।

3. २९% छात्रों ने अंतिम पंक्ति में कक्षा उपयुक्त

गणित

विज्ञान

उड़िया

अंग्रेज़ी

अनुगोल, बालेश्वर, बरगढ़, बलांगीर, बौद, देवगढ़, ढेंकानाल, गजपति, जाजपुर, झारसुगड़ा, कलाहांडी, कंधमाल, केंद्रापड़ा, केंउझर, खोर्द्धा, कोरापुट, मालकानगिरि ,मयूरभंज, नवरंगपुर, नयागढ़, नूआपड़ा, पुरी, संबलपुर, सोनपुर, सुंदरगढ़।

- एंड लाइन में छात्रों की दक्षता के अनुसार तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शित करने वाले जिले (औसत चार विषय) बालेश्वर (91%), जगतसिंहपुर (90%) और पुरी 87% हैं।
- छात्रों के प्रतिशत के अनुसार कक्षा 8 स्तर की दक्षता के निचले तीन प्रदर्शित जिले (औसत चार विषय) एंड लाइन में कोरापुट (40)%, संबलपुर 50% हैं। नीचे नूआपड़ा है और तीनों बेसलाइन में भी थे।
- सभी जिलों ने छात्रों में कक्षा के अनुसार उनकी दक्षता स्तर की आधार रेखा से अंतिम रेखा की प्रगति पर रिपोर्ट की स्रोत जिलों ने 30% से अधिक अंकों की वृद्धि दर्ज की। ये सात जिले हैं : नवरंगपुर, देवगढ़, मानकानगिरि, नूआपड़ा, बौद, अनुगोल, मयूरभंज
- १२ जिले आधार रेखा से अंतिम रेखा तक अपनी रैंकिंग के ऊपर चले गए। (मयूरभंज, नूआगढ़, नूआपड़ा, देवगढ़, ढेंकानाल, बालेश्वर, जगतसिंहपुर और रायगड़ा)

- अंतिम पंक्ति में कक्षा की दक्षता रखने वाले छात्रों 14 जिलों (नवरंगपुर, बलांगीर, मालकानगिरा, रायगड़ा, कंधमाल, कलाहांडी, नूआपड़ा, संबलपुर, कोरापुट) के लिए राज्य के औसत से कम हैं।

सारांश विश्लेषण

- टार्गेट स्कूलों में से 53% द्वारा प्रस्तुत अंतिम पंक्ति मूल्यांकन में भाग लिया।
- नामांकित छात्रों में से 49% ने बेसलाइन में 67% की तुलना में अंतिम पंक्ति में मूल्यांकन में भाग लिया। अंतिम पंक्ति स्कूल की वार्षिक परीक्षाओं की समाप्ति के बाद आयोजित की गई थी जिससे भागीदारी पर असर पड़ सकता था। इसके अतिरिक्त बेसलाइन में मूल्यांकन डेटा की रिपोर्ट करने वाले स्कूलों की संख्या अधिक थी। कोविड़ – १९ वर्षों से पहले और उसके दौरान उच्च भागीदारी (~85%) दर्ज की गई थी। लोकिन साथ ही 94% स्कूलों में डेटा रिपोर्टिंग भी अधिक थी।
- असामान्य रूप से अन्य 71% छात्रों के पास अंतिम पंक्ति में कक्षा 8 स्तर की दक्षताएँ हैं (ओड़िआ में 80%, विज्ञान में 79%, अंग्रेजी में 68% और गणित में 63%)। यह पिछले वर्ष के परिणामों की तुलना में काफी अधिक है, जिसमें 22% छात्रों के पास अंतिम पंक्ति में कक्षा 8 स्तर की दक्षता रहती है।
- इस वर्ष (कार्यान्वयन वर्ष) इन संकेतकों में आधारभूत प्रदर्शन में भी पूर्व – कोविड वर्ष की तुलना में चार गुना सुधार हुआ है।(2019 में 12% से 2022 में 47%)। एक परिकल्पना यह हो सकती है कि 2019 से उत्कर्ष प्रशिक्षण में उनकी निरंतर भागीदारी के कारण ओड़िशा में साथ दिए गए शिक्षण वृद्धि कार्यक्रम से बेहतर लाभ हुआ होगा या शिक्षकों द्वारा प्रभावी शिक्षण प्रथाओं का उपयोग किया जा सका होगा। (सुधारात्मक शिक्षण के लिए अनुभाग 9 देखें।) उच्च प्राथमिक कक्षाओं में राज्य द्वारा उत्थान के वितरण से भी पिछले कुछ वर्षों में सीखने के अंतर में कमी आई है। इस तरह के विश्लेषण में बाधा उत्पन्न करने वाला एक अन्य पहलू पूर्व कोविड वर्ष की तुलना में बेसलाइन के दौरान उच्च उदाहरण के मूल्यांकन की त्रुटियाँ (24%) हैं, और त्रुटि दर (12.7%) है हालांकि अंतिम पंक्ति में मूल्यांकन की गुणवत्ता पहले के समान है।

प्रभाव

- समग्र आंकड़ों से पता चलता है कि अंतिम पंक्ति में कक्षा 8 की दक्षता रखने वाले छात्र ओड़िआ में सबसे अधिक (80%), विज्ञान में (71%), अंग्रेजी में (66%) और गणित में सबसे कम (65%) है। कक्षा 8 की दक्षता रखने वाले छात्रों में गणित के लिए 27% अंक। (बीएल में 38% से ईएल में 65%) और ओड़िया में सबसे कम 16% अंक (बीएल में 64% से ईएल में 80%) की वृद्धि हुई है। इस तथ्य के कारण ओड़िआ में सबसे कम वृद्धि है। क्योंकि यह उनकी मूल भाषा है। और बीएल में ओड़िया में प्रदर्शन सबसे अधिक था, अंतिम पंक्ति में कक्षा 8 स्तर की दक्षता रखने वाले छात्र सहायता प्राप्त स्कूलों में अधिक हैं।
- सरकारी स्कूलों (68%) और सहयता प्राप्त (82%) स्कूलों की तुलना में अंतिम पंक्ति में कक्षा 8 की दक्षता प्राप्त छात्र अधिक है।
- विज्ञान के अलावा सभी विषयों के लिए सहायता प्राप्त स्कूलों में ईएल अधिक है। बाल्टी कूदने वाले छात्र (अगले या उच्च शिक्षा स्तर पर रिपोर्ट मिली।)
- कुछ सहायता प्राप्त स्कूलों (36%) की तुलना में सरकारी स्कूलों (39%) में मामूली अधिक होने की सूचना मिली है।
- एक तिहाई छात्र गणित, अंग्रेजी और विज्ञान में कक्षा 5 स्तर या उससे नीचे की दक्षता रखते हैं।

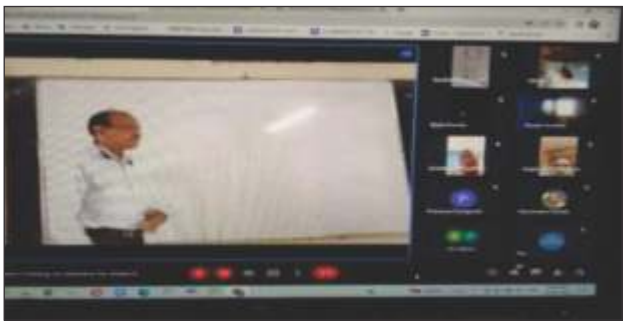

राज्य संसाधन समूहों का ऑनलाइन प्रशिक्षण

आधारभूत मूल्यांकन

साथ साथ सीखना

एलईपी-उत्कर्ष का कक्षा संचालन

सामूहिक गतिविधि

अंतिम पंक्ति मूल्यांकन

१०. पुस्तकालय

वाचन क्यों जरूरी है :

वाचन युवा शिक्षार्थियों को मूलभूत साक्षरता कौशल विकसित करने में मदद करता है; जैसे पाठ को समझना और व्याख्या करना, भाषा और लेखन कौशल पर ज्ञान विकसित करना।

- यह ज्ञान और संस्कृति का प्रवेश द्वार है।
- यह सीखने के अवसर पैदा करने के साथ – साथ साक्षरता और शिक्षा का समर्थन करता है।
- यह एक रचनात्मक और नवोन्मेषी समाज के निर्माण के लिए छात्रों को नए विचारों के आकार प्रदान करने में सहायता करता है।
- यह भावी पीढ़ी के लिए विश्वव्यापी संचयी ज्ञान और विरासत को सुरक्षित रखता है।
- यह सूचना की एक विस्तृत शृंखला तक भौतिक और डिजिटल पहुँच का प्रावधान प्रस्तुत करता है।
- यह बच्चों की पुस्तकालय गतिविधियों, प्रदर्शन इकाइयों में परियोजना, पिन – अप बोर्ड आदि का प्रदर्शन करता है।
- इससे छात्र पुस्तकालय प्रबंधन की जिम्मेदारी और स्वामित्व ले सकते हैं।
- इससे बाल संसद का गठन होकर पुस्तकालय का प्रबंधन सुचारूरूप से होता है।

वाचन की आदतें बढ़ाने में स्कूल पुस्तकालय की भूमिका

प्रत्येक विद्यालय में पुस्तकालय नामक इस विशेष स्थान की आवश्यकता को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005, बच्चों का निःशुल्क और अनिवार्य अधिकार शिक्षा अधिगम – २००९ और राष्ट्रीय शिक्षानीति, २०२० द्वारा पहचाना जाता है।

राज्य के प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतम माध्यमिक स्कूल पुस्तकालयों को मजबूत करने के उद्देश्य से बच्चों के लिए उपयुक्त पठन सामग्री (कक्षा I से XII) तक उपलब्ध है और यह बच्चों को आपूर्ति की गई है।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत वार्षिक पुस्तकालय अनुदान की पात्रता निम्न प्रकार है :

- प्राथमिक स्कूल (I-V) – Rs.5000/- प्रति स्कूल
- उच्च प्राथमिक स्कूल (VI-VIII) – Rs.13000/- प्रति स्कूल
- माध्यमिक स्कूल (IX-X) – Rs.15000/- प्रति स्कूल
- वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल (XI-XII) – Rs.20000/- प्रति स्कूल

स्कूल में पुस्तकालय की गतिविधियाँ

- सभी एचएसटी स्कूलों में में ई – लाइब्रेरी को मजबूत करने पर जोर दिया गया है।
- खजाना सुराग की खेल पद्धति का उपयोग करके आनंदपूर्ण ढंग से सीखने की रणनीति लागू की गई है। प्राथमिक स्कूल के छात्रों के लिए पढ़ने की समझ के कौशल में सुधार करना।
- लेखन कौशल, रचनात्मकता में सुधार करने के लिए छात्रों को एक कहानी लिखने के लिए प्रोत्साहित किया गया है जो उन्होंने पहले पढ़ी थी या उसी तरह की कहानी को पुनः कहानी – सत्र में सुनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।
- लेखन के विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने के लिए छात्रों को पुस्तक की साहित्य समीक्षा लिखने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- छात्रों को पुस्तक को अपनी परियोजना कार्य के लिए पुस्तकालय में पुस्तक देखने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।
- एक हफ्ते में न्यूनतम दो अवधि पुस्तकालय संबंधी गतिविधियों के लिए समर्पित हैं।

All DPCs / IHs.

Date: 19/7/2022

SL. NO	NAME OF THE DISTRICT	TOTAL NUMBER OF SCHOOLS IN PHASE-1	TOTAL NUMBER OF e-LIBRARIES	TOTAL NUMBER OF e-LIBRARIES USED TODAY	TOTAL NUMBER OF STUDENTS USED e-LIBRARY TODAY	REMARKS, IF ANY
1	ANGUL	50	59	18	684	
2	BALASORE					Call could not be connected
3	BARGARH	99	93	24	706	
4	BHADRAK	17	17	17	106	
5	BALANGIR	24	24	18	288	
6	BOUDH	10	10	10	316	
7	CUTTACK	30	30	14	351	
8	DEOGARH	40	40	9	300	
9	DHENKANAL	41	41	15	587	
10	GAJAPATI					Call could not be connected
11	GANJAM	133	133	92	1932	
12	JAGATSINGHAPUR	14	14	14	463	
13	JAJPUR	65	65	5	106	
14	JHARSUGUDA	25	25	13	245	
15	KALAHANDI	29	29	24	528	
16	KANDHAMAL	10	10	9	183	
17	KENDRAPARA	30	30	10	217	
18	KEONJHAR					Call could not be connected
19	KHORDHA					Call could not be connected
20	KORAPUT	17	17	17	417	
21	MALKANGIRI	6	6	6	163	
22	MAYURBHANJ	60	60	47	1024	
23	NABARANGPUR					Call could not be connected
24	NAYAGARH	8	8	8	260	
25	NUAPADA	7	7	7	206	
26	PURI	60	48	42	2032	
27	RAYAGADA	7	7	7	518	
28	SAMBALPUR	25	25	20	423	
29	SONEPUR	11	11	11	527	
30	SUNDARGARH	67	67	38	988	
	TOTAL	885	876	495	13570	

NOTE:-

19.07.2022

- ई – लाइब्रेरी के कामकाज के लिए दिशानिर्देशों का निर्माण और वीएसके माध्यम से स्कूलों में ई – लाइब्रेरी के कामकाज पर जिलों द्वारा दैनिक रिपोर्टिंग (प्रारूप) सुनिश्चित करना।
- कार्यदक्षता और छात्रों द्वारा इसके उपयोग का सुनिश्चित करने के लिए डीईओ – सह डीपीसी, एसडीईओ का नियमित दौरा और मौके पर मुद्दों को निपटाने की नीति अपनाई गई।

पुस्तकालय अनुदान का उपयोग

पुस्तकालय उनुदान के एमओई दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पुस्तक चयन समिति ने सरकार से आपग्रेड के अनुरूप पुस्तकों का चयन किया। प्रकाशन गृहों और क्षेत्रीय/ स्थानीय प्रकाशकों द्वारा पुस्तकालय पुस्तकों की खरीदी पूरी कर ली गई है। 2022-23 के दौरान स्कूलो में सफलतापूर्वक वितरित की गई है।

- १७२ क्षेत्रीय प्रकाशकों और ०३ प्रशासकों से कुल ६३,६५,०००/- पुस्तकें खरीदी गई हैं और स्कूलों को आपूर्ति की गई हैं।
- इसके अलावा बच्चों की पत्रिका 'शिशु लेखा' त्रैमासिक 50,000 प्रतियाँ)ओड़िशा भाषा प्रतिष्ठान संस्कृति विभाग, ओड़िशा के द्वारा खरीदी गई हैं और 2022-23 के दौरान कक्षा I से VIII तक सभी सरकारी स्कूलों को प्रदान की गई हैं या नहीं।

क्रियाकलाप	स्कूलों की संख्या	बजट (लाखों में)	स्कूल संख्या	लाख में बजट%	उपलब्धियाँ	निगरानी तंत्र
पुस्तकालय अनुदान	४९९६०	४४१३.०९	४९९६०	४४१३.०९	१००%	गुगल फॉर्म, ह्वाटसप गृप, स्कूल मॉनिटरिं एप के दावारा रिपोर्ट करना। नोडल पदाधिकारियों का जिले का दौरा करना, बीईओ/ सीआरसीसी/ एचएम का दौरा।

आनंदमय अधिगम दृष्टिकोण

- ई – लाइब्रेरी प्रणाली माध्यमिक स्कूलों में विकसित की गई है जिसके तहत कई उपरकरणों तक पहुँच प्रदान करने के लिए दृश्य, वीडियो, ऑडियो आदि का उपयोग किया जाता है। दूरस्थ स्थानों में इंटरनेट कनेक्टिवीटि के बिना राज्य के द्वारा डिजिटल कांटेंट आरंभ होकर ई – लाइब्रेरी प्रणाली में अपलोड किया गया है।

पुस्तकालय गतिविधियों का झलक

TECHNOLOGY
WON'T
REPLACE
TEACHERS...

११. बालिका शिक्षा

सच्चा सशक्तीकरण तब प्राप्त होता है, जब कोई व्यक्ति लिंग की परवाह किए बिना, अपनी क्षमताओं का पूरी तरह से प्रदर्शन कर सकता है और एक मूल्यांकन सदस्य के रूप में सामाजिक प्रगति में सक्रिय रूप से भाग ले सकता है। लिंग आधारित भेदभाव के कारण शिक्षा में असमानता एक जटिल मुद्दा हैं। यह व्यापक सामाजिक असमानताओं से उत्पन्न होती है और उन्हें कायम रखती है। आर्थिक कठिनाई, भौगलिक अलगाव जातीय पृष्ठभूमि, विकलांगता, पारस्पारिक दृष्टिकोण – ये कारक सामूहिक रूप से महिलाओं और लड़कियों को उनके अधिकारों का पूरी तरह से उपयोग करने से कमजोर करते हैं। कम उम्र में विवाह और गर्भधारण लिंग के आधार पर हिंसा और पक्षपातपूर्ण शैक्षणिक नियम, नीतियाँ, सामग्री और प्रथा जैसी विनाशकारी प्रथाएँ लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने तथा उसे पूरा करने और उससे लाभान्वित होने में बाधा डाल रही है।

इसलिए सभी स्तरों पर लैंगिक दृष्टिकोण को समाविष्ट करना चाहिए :

- महिलाओं की समान भागीदारी को बढ़ावा देना।
- सभी लड़कियों को सीखने के समान अवसर प्रदान करना।
- उन सभी हितधारकों का क्षमता निर्माण जो लिंग-संवेदनशील दृष्टिकोण पर शिक्षा से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।
- उन सामाजिक मुद्दों के समाधान के लिए विशिष्ट रणनीतियाँ शुरू करना जो एक लड़की को शिक्षा के अधिकार का आनंद लेने से रोकती हैं।
- देश की शिक्षा व्यवस्था को लैंगिक भेदभाव से मुक्त बनाने में सहयोग करें।
- हाल की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में लड़कियों की शिक्षा को महत्व दिया गया है

विकासशील क्षेत्र में महिलाओं और लड़कियों को अक्सर शैक्षिक अवसरों से इनकार का सामना करना पड़ता है। शिक्षा तक अपर्याप्त पहुँच क्षमता को कम कर देती है, पारिवारिक आय कम कर देती है, स्वास्थ्य कम कर देती है, महिलाओं और लड़कियों को तस्करी तथा दुर्व्यवहार के खतरों का सामना करना पड़ता है एवं समग्र राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में बाधा उत्पन्न करती है।

सरकार ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण, स्कूल यूनिफॉर्म का वितरण, केजीबीवी की स्थापना के साथ – साथ लिंग बजटिंग के लिए अत्यधिक प्रगतिशील दृष्टिकोण अपनाने जैसी कई पहलों की शुरूआत करके महिलाओं को सशक्त बनाने और बालिकाओं को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। शिक्षा क्षेत्र में लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए एसएस द्वारा 2022-23 के दौरान कई प्रयास शुरू किए गए हैं।

रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण (आत्मरक्षा प्रशिक्षण)

बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण जरूरी है। यह उन्हें मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक चुनौतियों से खुद को बचाने में सक्षम बनता है। इस तरह का प्रशिक्षण बालिकाओं ते भीतर आत्म – आश्वासन का पोषण करता है। उन्हें आत्मरक्षा के लिए कई तकनीकों से लैस करता है जैसे कि ललाट और नीचे की ओर प्रहार करना। हथेली से प्रहार करना, ऊपर की ओर कोहनी से मारना, सीधे और हुक से प्रहार करना, उँगली से मारना, पिछवाड़े मारना, घुमा – फिराकर प्रहार करना, आगे – पीछे मारना, घुटन से मारना, पाँव से आगे की ओर मारना, पाँव से पीछे की ओर मारना आदि।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण

- अपने स्वभाव और संवेगों पर विश्वास रखना
- अपने आप को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करना
- सुरक्षित गदूरी बनाए रखना
- मजबूत मौखिक सीमाएँ निर्धारित करना

उद्देश्य

- लड़कियों में आत्म - विश्वास का विकास करना।
- उसमें भय मनोविकृति को दूर करना
- एक आत्मविशिवासी और स्पष्टवादी व्यक्तित्व होना
- आत्मविश्वास के साथ चलना

परिक्षण का परिणाम

- लड़कियों को शारीरिक योग्यता, स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक किया गया है।
- लड़कियों को अपनी राय का बचाव करने और ना कहने का अधिकार है।
- भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से हमले से निपटने के लिए तैयार करना
- अपराधी हमलौ के खिलाफ बुनियादी रक्षा तकनीकों पर जागरूकता।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण की प्रगति

कुल 4548 प्राथमिक विद्यालयों और 1916 माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों ने प्रशिक्षण प्रदान किया है। प्रतिभागियों को आत्मरक्षा के तरीकों के बारे में निर्देश प्राप्त जिससे वे किसी भी प्रतिकूल स्थिति का सामना करने पर खुद को बचाने में सक्षम हो सके। जैसे – थप्पड़ मारना, पहले सामने की ओर और नीचे हथौड़ा मारना, सीधा मुक्का मारना, हुक – मुक्का मारना, कोहनी से मारने की तकनीकों को अपनाना, ऊपर की ओर, नीचे की ओर, पीछे की ओर, गाल, उल्टी और उलटी पीठ पर मारना, पिछले पैर से मारना, घुटने का प्रहार, सामने से लात मारना, पीछे से लात मारना, जमीन से या दूसरे से साइकिल उठे जाने पर साइकिल मारना आदि।

१२. प्री-स्कूल शिक्षा

प्री – प्राइमरी शिक्षा 03-06 साल तक के बच्चों को सुरक्षा, कल्याण, अस्तित्व और औपचारिक स्कूली शिक्षा के लिए तैयारी के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए पोषण और देखभाल प्रदान करती है। यह खेल, कहानी, संख्यात्मक आभास और कविता जैसे आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से हासिल किया जाता है।

03-06 साल के बच्चों के लिए प्री – स्कूल शिक्षा – बच्चों के भावनात्मक, सामाजिक और व्यक्तगत विकास में मदद करती है। यह एक संरचनात्मक सेटिंग में बच्चों का पहला अनुभव है जहाँ स्कूल का माहौल आनंदमय और क्रीड़ामय है। वे साझा करने का महत्व भी सीखते हैं और नई चीजें भी सीखते हैं जिससे उन्हें व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा मिलता है। प्री – स्कूल शिक्षा बच्चों को संज्ञानात्मक, व्यावहारिक और सामाजिक कौशल प्रदान करती है जिसे वे घर पर नहीं सीख सकते।

उद्देश्य

- बच्चों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना
- व्यक्तिगत, सामाजिक, भावनात्मक मोटर कौशल और शारीरिक स्वास्थ्य का विकास
- रचनात्मक और सौंदर्य का विकास
- भाषा, साक्षरता और संचार विकास
- बच्चों को घर से स्कूल और प्री – कूल प्राथमिक स्कूलों से स्पहज परिवर्तन के लिए तैयार करना।
- ड्रॉप आउट बच्चों की जांच करके उन्हें देखभाल से राहत प्रदान करना।

बच्चों के लिए टीएलएम जैसे विधियों के संचालन के लिए 2257.84 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। ओड़िशा सरकार ने 19967 बच्चों के लिए @ 500/- और प्री-प्राथमिक बच्चों के लिए @ 10000/- और 21580, निकट में स्थित आँगनबाड़ी केंद्रों के लिए दिए गए।

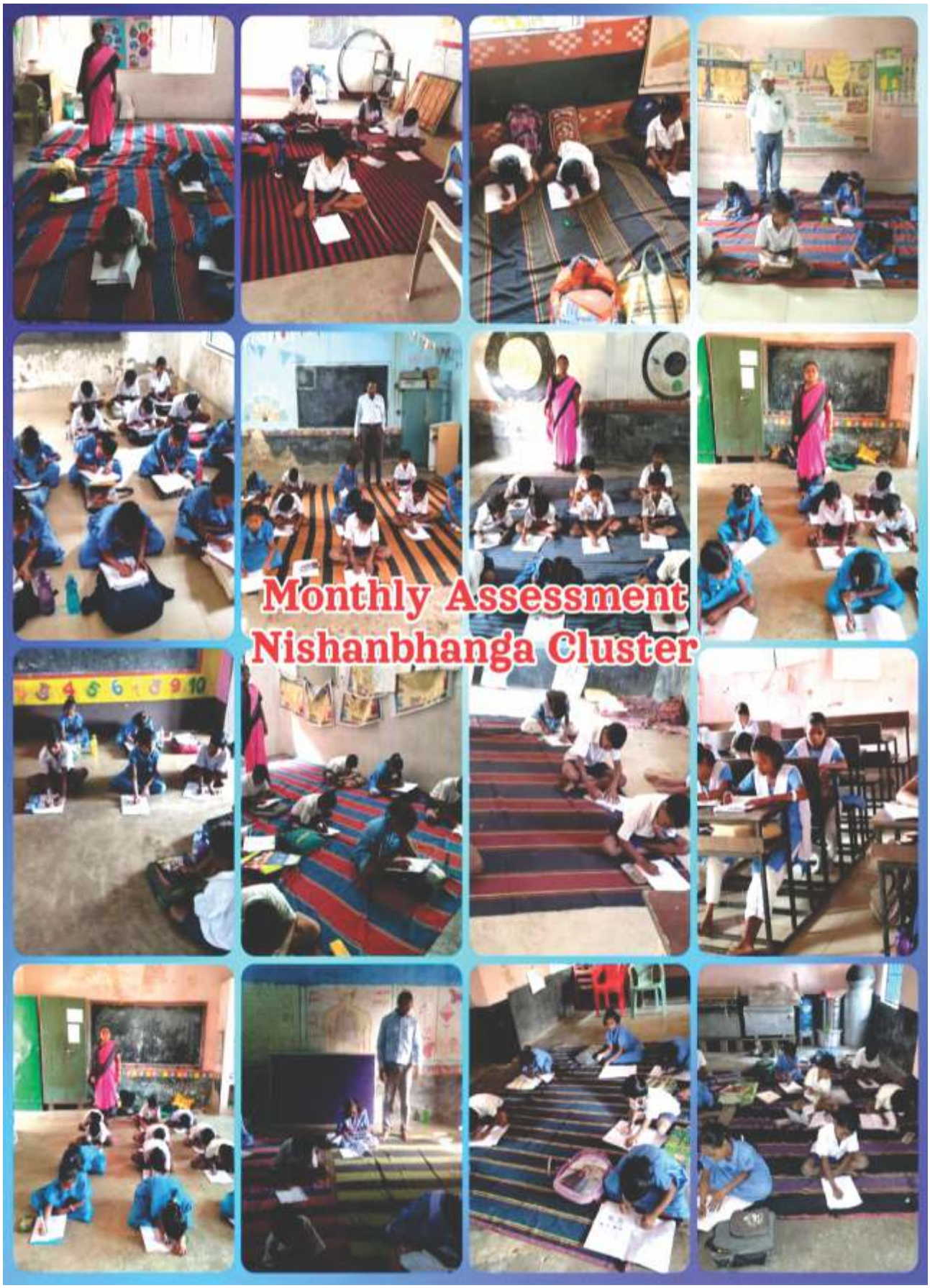
Monthly Assessment
Nishanbhanga Cluster

१३. कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV)

कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) योजना अगस्त, 2004 में भारत सरकार द्वारा कठिन क्षेत्रों में मुख्य रूप से एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों की लड़कियों के लिए उच्च प्राथमिक स्तर पर आवासीय विदियालय स्थापित करने के लिए शुरू की गई थी। सामाजिक रूप से जागरूकता और साक्षर लोकतंत्र में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्वतंत्रता के बाद से निरक्षरता उन्मुलन भारत सरकार की प्रमुख राष्ट्रीय चिंताओं में से एक रहा है। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में लड़कियों की भारी संख्या में पढ़ाई छोड़ने, लैंगिक असमानता और साक्षरता में क्षेत्रीय असमानता, विशेष रूप से शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग की लड़कियों के मुद्दों को संबोधित करने के लिए, जहाँ महिला साक्षरता राष्ट्रीय औसत से कम है और साक्षरता में लैंगिक अंतर - राष्ट्रीय औसत से अधिक है। कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय मूल रूप से उच्च प्राथमिक स्तर पर लड़कियों के शैक्षिक विकास के लिए एक कार्यक्रम है। केजीबीवी का उद्देश्य प्रारंभिक स्तर पर बोर्डिंग आवास सुविधाओं के साथ आवासीय विद्यालयों की स्थापना करके समाज के वंचित समूहों की लड़कियों तक पहुँच और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है।

- वंचित लड़कियों तक पहुँच सुनिश्चित करना।
- केजीबीवी में नामांकित सभी लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
- विद्यालय के वातावरण को बालिकाओं के अनुकूल बनाना
- बालिका शिक्षा के प्रबंधन और प्रगति में समुदाय की भागीदारी।

हिताधिकारियाँ :

ड्रॉपआउट/ स्कूल से बाहर/ किशोर लड़कियाँ जो उच्च प्राथमिक शिक्षा पूरी करने में असमर्थ थीं।
दुर्गम क्षेत्र में अनुसूचित जाति, अमुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग की लड़कियाँ
बीपीएल वर्रग की लड़कियाँ
एकल माता – पिता/ अनाथ/सीडब्लूएसएन से संबंधित लड़कियाँ

संचालन :

मॉडल III दृष्टिकोण के तहत, 23 जिलों में कुल 182 केजीबीवी कार्यरत हैं। 22 जिलों के ईबीबी और 1 मुस्लिम अल्पसंख्यक सघन क्षेत्र में यानी बीएचएसी टाइप –IV सहित कुल 95 केजीबीवी, राज्य के 23 जिलों में कार्य कर रहे हैं।

नामांकन

इस योजना के माध्यम से एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय की कुल 36600 वंचित लड़कियों को नामांकन किया गया है। 2022-23 में टाइप-III के 182 केजाबावी में 9500 औइप-IV के 95 केजीबीवी में 9500 लड़कियों का नामांकन किया गया है।

२०२२ सुरभि में केजीबीवी स्टोल की स्थापना

संवासियों के लिए उपलब्ध सुविधाएँ

प्रत्येक बालिका के आवश्यकतानुसार 2 जोड़ी पोशाकें, 2 जोड़ी अंतःवस्त्र, 2 जोड़ी दैनिक उपयोग की पोशाकें, चप्पल, जूते, स्कूल बैग, सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा, प्रत्येक बालिका को दैनिक उपभोग की वस्तुएँ मासिक आधार पर प्रदान की गई हैं।

नामांकन बच्चों को 100 रुपए छात्रवृत्ति प्रदान किए गए हैं।

सभी संवासियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक के साथ शैक्षिक स्टेशनरी सामग्री भी प्रदान की गई।

स्वास्थ्य और पोषण

सभी केजीबीवी में भोजन समिति का गठन किया जाता है और मानू चार्ट के अनुसार संवासियों को भोजन दिया जाता है।

प्रत्येक केजेबीवी में खाद्य मंत्री का चयन होता है और उन्हें स्वच्छता, स्वास्थ्य और पोषण, भाजन की गुणवत्ता पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

संवासियों के द्वारा शैक्षणिक गतिविधियाँ

- सभी केजीबीवी में जीवन कौशल कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।
- केजीबीवी के छात्रावासों में वार्षिक समारोह मनाया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संवासियों ने भाग लेतर इसे सफल बनाया।
- केजीबीवी के सभी छात्रियों के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम उपचारात्मक शिक्षण के साथ-साथ नियमित मूल्यांकन अभ्यास या यूनिट टेस्ट भी आयोजित किया जाता है।
- कहानिँया, कविताएँ, पेंटिंग युक्त साप्ताहिक डिस्प्ले बोर्ड तैयार करना।
- वार्षिक समाचार – पत्र का प्रकाशन
- संस्थान का दौरा एवं रिपोर्ट लेखन
- केजीबीवीओं के बीच फुटबॉल, कबाड़ी, खो – खो आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन करना
- रिपोर्ट एवं समाचार संग्रहण कौशल।
- ग्रिटिंग्स कार्ड और राखी आदि की तैयारी।
- शिक्षक – छात्र सभा साप्ताहिक डिस्प्ले बोर्ड
- डिस्प्ले बोर्ड के संसाधन पर चर्चा और प्रतियोगिता
- साप्ताहिक निबंध/ आवेदन/ पत्र लेखन
- शब्दावली के विकास के लिए साप्ताहिक शब्द प्रतियोगिता या अन्य गतिविधि
- रिपोर्ट लेखन
- साप्ताहिक सह पाठ्यचर्या प्रतियोगिताएँ
- समूह चर्चा और साक्षात्कार
- टीएलएम प्रस्तुति
- शिक्षक – छात्र सभा
- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
- नक्सा पढ़ना

विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण

केजीबीवी की प्रति संवासियों को 1000 रुपए की लागत से निम्नलिखित विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए गए हैं।

- व्यावसायिक गतिविधियाँ जैसे – सबाई घास कार्य, फिनाइल/अगरवत्ती / साबुन तैयार करना, किताब /फोटो बाइंडिंग, कंप्यूटर शिक्षण, टाइप राइटिंग, सिलाई, राखी /बधाई /कैलेंडर तैयार करना, झाड़ू बनाना, बाँस का काम, पत्ती सिलाई, अगरबत्ती आदि ।
- जीवन कौशल गतिविधियाँ, जैसे कराटे, गीत, कला, दीवार पेंटिंग, क्ले - मॉडल, रेत कला आदि।
- संवासियों को योगा, मार्शल आर्ट और आत्म - सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

खेलकूद

- बालिका संवासियों का सर्वांगीण विकास तथा उन्हें स्कूली व्यवस्था के सहित प्रोत्साहन करने के लिए केजीबीवी स्तर पर विभिन्न खेल – कूद के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन हुआ है।
- केजीबीवी में नियमित रूप से सह – पाठ्यचर्या गतिविधियों/ पाठ्येतर गतिविधियों जैसे फुटबॉल मैच बॉक्सिंग, कबड़ी, बैडमिंटन आदि का आयोजन किया जाता था और कुछ लड़कियों ने समय – समय पर ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिता और खेल गतिविधियों में भी भाग लिया गया था।
- मास्टर ट्रेनर्स द्वारा केजीबीवी के कैदियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य जांच

बालिकाओं की सहीसलामती और सुरक्षा के लिए रणनीतियाँ

केजीबीवी की बालिकाओं की सुरक्षा और सही सलामती के लिए निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं –

हर केजीबीवी (KGBV) में एक महीला वर्डन को नियुक्त की गयी है, जो बालिकाओं के साथ 24 घटों तक रहती है।
केजीबीविओं (KGBV) में विशेषतः महिला कर्मचारियों की नियुक्ति की गयी।
केजीबीवि (KGBV) में रात को पहरा देने के लिए चौकीदार की नियुक्ति की गयी है।
प्रत्येक केजीबीविओं (KGBV) में वार्डन द्वारा प्रत्येक लड़की की व्यक्तिगत प्रोफाइल का रखरखाव किया जाना चाहिए।
वार्डन और महिला कर्मचारियों के गैर – हाजिरी में किसी भी पुरुष को केजीबीवी (KGBV)में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई है।
बालिकाओं को अकेले घर जाना मना है।
शाम के बाद किसी भी लड़की को बाहर जाना मना है।
प्रत्येक केजीबीवि (KGBV)में टाइम कैलेंडर अच्छी तरह से बनाया गया है।
प्रत्येक केजीबीवि (KGBV)में भोजन मेनू बनाया गया है।

- प्रत्येक लड़की को फोटोयुक्त पहचान पत्र उपलब्ध कराया गया है।
- प्रत्येक केजीबीवी में वार्डन द्वारा घर जाने का रजिस्टर, विजिटिंग रजिस्टर बनाए रखा गया है।

परामर्श और स्वास्थ्य जांच के माध्यम से किशोर स्वास्थ्य और पोषण के लिए कदम उठाए गए हैं।
प्रत्येक केजीबीवि (KGBV)में आत्म – रक्षा प्रशिक्षण दिया गया है।
महिला कर्मचारियों द्वारा सह – पाठ्यक्रम कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।
सभी केजीबीवी (KGBV)की लड़कियों के लिए छात्र – वीमा की गई है।
स्कूल के मंत्रिमंडल का गठन और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में उन्मुख किया गया है।

बालिकाओं को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में अवगत कराना। इसके अतिरिक्त शिकायत निवारण के माध्यम से विशेष कदम उठाए गए हैं।

केजीबीवि (KGBV) को मजबूत चहारदीवारी द्वारा सुरक्षित किया गया है।

शौचालय और स्नानागार की सुविधा, सुरक्षित दरवाजे के साथ बिजली, पानी की सुविधा और कुड़ेदान भी प्रदान किए गए हैं।

उचित रोशनी की व्यवस्था से वातावरण और पर्यावरण अनुकूल हो पाया है।

केजीबीवि (KGBV) भवन में आर्थिंग की सुविधा है।

जीवन - कौशल शिक्षा के माध्यम से लड़कियों और कर्मचारियों के लिंग और किशोर जनित मुद्दों पर उन्मुख किया जा रहा है।

केजीबीवि (KGBV)के किसी भी पुरुष अधिकार को लड़कियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले छात्रावासों के शौचालयों का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

लड़कियों को गुड़ टच के बारे में संवेदनशील बनाना और जीवन कौशल शिक्षा द्वारा बैड़ टच पर आवाज उठाने को प्रोत्साहित किया गया है।

बालिकाओं के लिए शौचालय और सैनिटरी नैपकिन का प्रावधान किया गया है। बालिकाओं को उसके प्रयोग के बारे में उन्मुख किया जा रहा है।

बालिकाओं के सामान्य स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाई रखी जाती है।

प्रत्येक केजीबीवि (KGBV) के निकटतम सरकारी पीएचसी/ सीएचसी के डॉक्टर द्वारा बालिकाओं के स्वास्थ्य की जाँच की जाती है।

व्यक्तिगत स्वास्थ्य रेजिस्टर बनाई गई है।

स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आशा कर्मियों द्वारा मासिक स्वास्थ्य और स्वच्छता परामर्श कार्यक्रम किए जाते हैं।

स्वच्छता की आदत को मजबूत करने के लिए बालिकाओं के बीच समिति का गठन किया गया है।

वार्डन द्वारा मासिक और वजन करवाकर चार्ट की आपूर्ति करवाई गई है।

NRHM के साथ मिलकर मच्छरदान की आपूर्ति की गई।

हैंडवस और शौचालय साबून प्रदान किए जा रहे हैं।

NRHM के स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सभी केजीबीवि (KGBV) अधिकार में हैं।

केजीबीवी कर्मचारियों के लिए सुरक्षा पर अभिविन्यास कार्यक्रम

केजीबीवी के कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा पर अभिविन्यास तालीम दी गई है। इस संबंध में विभिन्न कार्यालयी पत्राचार द्वारा, जैसे ओसेपा, पत्र संख्या 11991, दिनांक 22.09.2022 अनुदेश दिए गए। इस अभिविन्यास कार्यक्रम में केजीबीवी कर्मचारी यानी मुख्य बावर्ची, सह – बावर्ची, होस्टल वार्डन, कूल के प्रधानशिक्षक आदि शामिल रहें।

हॉकी (FIH हॉकी पुरुष विश्वकप - 2023)

FIH हॉकी पुरुष विश्व कप, 2023 शाम को दिनांक 13 से 29 जनवरी तक ओड़िशा में आयोजित किया गया। 2023, केजीबीवी, टाइप III और IV में नामांकित बच्चों को हॉकी लोग वाली टी – शर्ट और टोपी प्रदान की गई और संवासियों को उनके केजीबीवी बिंदु पर हॉकी वर्ल्ड कप मैच देखने का अवसर दिया गया। इस संबंध में व्यय विविध मदों से किया गया था। केजीबीवी में प्रायः 33301 छात्रों ने दोनों (टाइप –III & IV)विश्व कप मेच देखा है और उन्होंने इस कार्यक्रम को खूब उपभोग किया है।

ODISHA
HOCKEY
WORLD CUP
2023
welcome

राष्ट्रीय और अंतर – राष्ट्रीय बालिका दिवस का पालन

राष्ट्रीय बालिका दिवस जनवरी 24 को मनाया जाता है। हर साल अंतर - राष्ट्रीय बालिका दिवस 11 अक्टूबर को मनाया जाता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस, 2023 का मुख्य उद्देश्य भारत में बालिकाओं के कल्याण को बढ़ावा देना है। हालाँकि ऐसे कई कारक हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जिन पर राष्ट्रीय बालिका दिवस, 2023 पर प्रकाश डाला गया है। अन्य प्रमुख कारकों और संबंधों के लिए निम्नलिखित अनुभाग पढ़ें :

- शिक्षा स्वास्थ्य और जीवन में अन्य अवसरों के मामले में समानता के साथ बच्चों की सुरक्षा और पालन – पोषण के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करना।
- घर या बाहरी दुनिआ में बच्चों के प्रति किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त के विचार को बढ़ावा देना।

इन दिनों स्कूल/केजीबीवी स्तर पर विभिन्न पाठ्यचर्या और सह – पाठ्यक्रम गतिविधियों जैसे छात्रों की रैली, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया है। माता – पिता, एसएमसी / एमटीए/ पीआरआई सदस्यों को इसके बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। उन्हें समाज में बालिकाओं का मूल्य मालूम हैं। इस प्रयोजन के लिए स्कूल स्तर पर व्यय के लिए सभी जिलों के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस के लिए 25,000/- प्रति जिले की दर से निधि और अंतर – राष्ट्रीय बालिका दिवस के लिए प्रति जिले 25,000/- की दर से निधि का प्रावधान किया गया था।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ समग्र शिक्षा योजना के तहत एक अनुमोदित कार्यक्रम है जो नयागढ़ जिले में लागू हुआ। जहाँ 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार प्रति 1000 लड़कों की आबादी पर केवल 855 लड़कियाँ का आबादी है। इसका राष्ट्रीय अभियान निम्नलिखित है

उद्देश्य

- लिंग आधारित लैंगिक चयनात्मक उन्मुलन को रोकना
- बालिकाओं के अस्तित्व और सुरक्षा को सुनिश्चित करना
- बालिकाओं को अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु उचित पहलों को सुनिश्चित करना
- लैंगिक समानता के लिए दीर्घकालिक हस्तक्षेप सुनिश्चित करना

इस कार्यक्रम में 2022-23 के दौरान 100 उच्च प्राथमिक विद्यालय 2000/- की दर से विभिन्न गतिविधियों के लिए 200,000/- (दो लाख) रुपए की मंजूरी दी गई थी। नयागढ़ जिले की गतिविधियाँ निम्न प्रकार हैं –

- अभिभावकों को बालविवाह के दृष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया।
- शिक्षकों और अभिभावकों के बीच स्कूलों में बालिकाओं के नामांकन और ठहराव को प्रोत्साहित किया गया।
- विषय पर विद्यालय स्तर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान पर छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों, एसएससी/ एमटीए सदस्यों, पीआरआई सदस्यों का संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। और विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए।
- बालिकाओं के मूल्य के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एकाधिक प्रतिभाशाली बालिकाएँ , 'हमारी बालिकाएँ, हमारा गौरव', बेटी बचाओ, सृष्टि बचाओ, बालिका सशक्तीकरण जैसे मुद्दों पर ड्राइंग और क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

'वर्णाली' परियोजना

लिंग पक्षपात अवधारणाओं को बदलने और किशोरों के बीच व्यवहार परिवर्तन को सुनिश्चित करने के लिए स्कूल व जनशिक्षा विभाग ने ब्रेक – थ्रु और अब्दुल लैतीफजमील पॉवर्टी एक्शन लैव (J - PAL) किशोरों के लिए ओड़िशा के सभी स्कूलों का पाठ्यक्रम दक्षिण एशीया के साथ साझेदारी में सामाजिक अध्ययन (ए.एल.टी) में लिंग समानता पाठ को (एकीकृत करने की पहल) है।

इस संबंध में संपूर्ण अभ्यास उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के लिए सामाजिक अध्ययन विषयों में लिंग समानता पाने के साथ अंतर्निहित है, जिसमें 50 अध्याय शामिल हैं। इन्हें छठी से दसवीं कक्षा तक एसएसटी विषय में एसीकृत किया जाएगा।

इन अध्यायों का फोकस अनुभवात्मक शिक्षा पर है जिसमें किशोरों के लिंग, दृष्टिकोण, आकांक्षाएँ और व्यवहार शामिल है। स्कूल व जनशिक्षा विभाग, समग्र शिक्षा के साथ मिलकर एसएसटी विषयों के शिक्षकों को कक्षा में लैंगिक समानता का पाठ पढ़ाने के लिए लिंग और उचित शिक्षाशास्त्री पर अपनी क्षमता तथा प्रदर्शित करने के लिए ब्रेक – थ्रू के सहित कास कर रहा है। जे – पाल दक्षिण एशिया इस संबंध में निरंतर उच्च गुणवत्ता सरकारी कार्यान्वयन के लिए अंतर्दृष्टि उत्पन्न करने के लिए एक स्वतंत्र प्रक्रिया मूल्यांकन करेगा।

अपेक्षित परिणाम

1. माध्यमिक स्तर पर स्कूलों में लड़कियों के ठहराव में सुधार
2. किशोर लड़के और लड़कियाँ अधिक लैंगिक न्यायसंगत व्यवहार प्रदर्शित करते हैं।
3. शिक्षक कक्षाओं में बेहतर लिंग संवेदनशील व्यवहार / क्रियाकलाप प्रदर्शित करते हैं।
4. स्कूल प्रमुख स्कूलों में बेहतर लिंग संवेदनशील व्यवहार / क्रियाकलापों का प्रदर्शन करते हैं।
5. ब्लॉक / जिला स्तर के प्रशासनिक अधिकारी (बाईओ, डीईओ) लैंगिक समानतापूर्ण व्यवहार प्रदर्शित करते हैं और स्कूलों में मेकानिजम कों स्थानित करते हैं।
6. पाठ्यपुस्तकों में लैंगिक समानता कंटेंट/ पाठ्य वस्तु को शामिल किया गया।
7. एसआरजी/ डीआरजी उन्नति लैंगिक संवेदनाशील व्यवहार को प्रदर्शित किया गया।
8. शिक्षकों के क्षमता – निर्माण करने के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग किया गया।

2022-23 में वर्णाली के तहत आयोजित गतिविधियाँ

वर्णाली कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रेकथ्रू के तकनीकी सहयोग से 2022-23 वर्ष में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं :

- एसएंडएमई विभाग, ब्रेक – थ्रू और जेपीएल एसए के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर अगस्त 8, 2022 को हस्ताक्षर किए गए थे।
- एसएसटी पाठ्यक्रम में लैंगिक अंतराल को समझने के लिए प्रारंभिक अध्ययन पूरा हो गया। निष्कर्षों का उपयोग छठी से दसवीं कक्षा के सामाजिक अध्ययन विषयों के लिए लिंग समानता पाठों की सामग्री विकसित करने के लिए किया गया था।

- लैंगिक समानता सामग्री विकास और एसएसटी पुस्तकों से एकीकरण हुआ।
- ब्रेक – थ्रू ने छठवीं से आठवीं कक्षा के लिए लिंग समानता गतिविधि पुस्तकें विकसित की गई हैं जिनकी समीक्षा पूरी होने के बाद संबंधित एसएसटी पुस्तकों में एकीकृत किया जाएगा।
- ब्रेक – थ्रू के समर्थन से ओसेपा ने सितंबर 2022 में आयोजित दो चरणों में एसआरजी (राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स) का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और 89 मास्टर ट्रेनर्स का एक पुल बनाया गया है।
- ओसेपा, जिला स्तरीय समग्र शिक्षा ने ब्रेक – थ्रू के सहयोग से 30 जिलों को कवर करते हे 1468 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (डीआरजी) के एक समूह को प्रशिक्षित किया है।
- इस प्रकार ओसेपा, जिला स्तरीय समग्र शिक्षा ब्रेक – थ्रू के समर्थन से 19063 एसएसटी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है।

SELF DEFENCE TRAINING OF GIRLS

ବାଳିକା ବିଦ୍ୟାଳୟ

COUNTANT OF KG.B.V HOSTEL
OCAL ANM
WO REPRESENTATIVE FROM
PARENTS
7 LADY SUPERVISOR
8 SARAPANCHA
9 LADY WARD MEMBER
10 MOTHER OF CHILDREN (ONE)
USHA

K.G.B.V

१४. स्कूल वर्दी

सन् 2022-23 में एसएस के तहत प्रथम कक्षा से आठवीं कक्षा तक 4488518 विद्यार्थियों स्कूल यूनिफॉर्म वितरित हुई है।

सरकारी स्कूलों में भी सभी लड़कियों और अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / बीपीएल परिवारों के बच्चों के लिए दो सेट वर्दी दी गई। यह आठवीं कक्षा तक के बच्चों को 600/- प्रति विद्यार्थी की दर से दी गई।

कार्यान्वयन के तौर – तरीके और औचित्य

स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) ने वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और उच्च मानक सुनिश्चित करते हुए सीधे स्कूल स्थानों पर स्कूल वर्दी वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य छात्र नामांकन बढ़ाना और छात्रों की निरंतर उपस्थिति बढ़ाना है।

अपेक्षित परिणाम

- प्राथमिक स्तर पर प्रतिधारण दर में सुधार।
- प्राथमिक स्तर से उच्च प्राथमिक तक जीईआर और एनईआर दर में वृद्धि ।

मुख्य निष्पादन संकेतक

- स्कूल वर्दी करने वाले उपयुक्त छात्रों का प्रतिशत में वृद्धि।

परियोजन की निगरानी

- एसएमसी, बीईओ, डीईओ, डीपीसी, लैंगिक समन्वयकों द्वारा निगरानी की गई।

१५. समानता के तहत विशेष परियोजना

समानता के लिए विशेष परियोजना के तहत प्रगति (एससी/ एसटी) 2022-23

क्र.संख्या	गतिविधियाँ	लक्ष्य भौतिक	उपलब्धियाँ भौतिक
01	जनजातीय संसाधन केंद्र	17	17
	समानता के लिए विशेष परियोजना (एससी,एसटी)		

जनजातीय संसाधन केंद्र (टीआरसी) : जनजातीय संस्कृति और विरासत का एक संग्रहालय

जनजातीय संसाधन केंद्र 17 जिलों में स्थापित किए गए हैं जहाँ बहुभाषी शिक्षा (एसएमई) कार्यक्रम जारी है।जनजातीय संसाधन केंद्र जिला स्तर पर कार्यरत हैं और स्वदेशी संसाधनों के प्रसार के लिए जनजातीय संग्रहालय के रीप में कार्य करते हैं।

टीआरसी का उद्देश्य छात्र. शिक्षकों, अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों को स्वदेशी संस्कृति, परंपराओं, जीव – शैली, साहित्य और आदिवासी भाषा के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में मदद करना है। जनजातीय संसाधन केंद्र में जनजातीय जीवन की छवियाँ ऑडिया विजुअल सुविधा के साथ डिस्प्ले बोर्ड भी रखे गए हैं एवं समुदाय के ज्ञान को स्कूली पाठ्यक्रम से जोड़कर बच्चों को सीखना।

वर्ष 2022-23 के दौरान प्रत्येक टीआरसी को उसके बुनियादी ढाँचे के विकास के साथ – साथ गुणात्मक विकास को मजबूत करने के लिए 2,00,000 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। टीआरसी में आभूषण, घरेलू बर्तन, किताबें, संगीत, वाद्ययंत्र, तस्वीरें, एमएलई पाठ्य – पुस्तकें, अन्य शिक्षा सामग्री और जैसे स्वदेशी संसाधनों को सुरक्षित और प्रदर्शित किया जाता है। परिदर्शक नियमित रूप से टीआरसी का दौरा कर रहे है और प्रौद्यगिकी के संदर्भ में इसे सुदृढ़ करने और विस्तार करने के लिए अपनी प्रतिक्रिया जाते रहे हैं और अधिक संख्या में संस्कृति विशिष्ट सामग्री का विस्तार करते है।

टीआरसी की झलकें निम्न प्रकार हैं –

ओड़िशा में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा (MLE)

बहुभाषी शिक्षा (एमएलई): जनजातीय बच्चों तक उनकी घरेलू भाषा में पहुँचने का एक प्रवेश – द्वार

बहुभाषी शिक्षा (एसएलई) का उद्देश्य वंचित आदिवासी बच्चों को उनकी प्राथमिक कक्षाओं की शुरूआती वर्षों में मातृभाषा का उपयोग करना और धी – धीरे उनकी मातृभाषा (एल) से राज्य भाषा (एल2) और फिर राष्ट्रीय या अंतर – राष्ट्रीय भाषा (एल3) में स्थानांतरित करना है।एसएलई प्रथम भाषा में विश्वास रखती है।

माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता से राज्य जनजातीय सलाहकार समिति की सिफारिश के बाद, राज्यों ने वर्ष 2007-08 में जनजातीय शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक अभिनव मॉडल के रूप में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा (एमटी आधारित एमएलई) कार्यक्रम शुरू किया।

गुणवत्ता और समानता के मुद्दों को प्रभावित करने में कक्षाओं में उपयोग की जाने वाली भाषा द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, आरसीएफसीई अधिनियम, 2009 ने धारा 29 (2) के तहत जहाँ तक संबंध हो, शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग पर जोर दिया है।

एमएलई का उद्देश्य

- सिस्टम शिक्षा, प्रारंभिक वर्षो (प्राथमिक कक्षाओं) में मातृभाषा का उपयोग करके धीरे – धीरे अपनी मातृभाषा (एल1) से राज्य भाषा (एल2) और फिर राष्ट्रीय या अंतर – राष्ट्रीय भाषा (एल3) में स्थानांतरित हो जाती है।
- प्राथमिक स्तर पर भाषा की बाधा दूर करके एमएलई की शुरूआत के माध्यम से बच्चे को औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करना।

- प्रारंभिक कक्षाओं में अपनी मातृभाषा का उपयोग करके आदिवासी छात्रों को पढ़ने और कौशल और सीखने में सुधार कराना।
- प्रक्रिया के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर बच्चों को ओड़िआ भाषा की मुख्यधारा से परिचित कराना।
- जनजातीय बच्चों में भाषा और संस्कृति के प्रति प्रशंसा और सामाजिक सम्मान की स्थापना की भावना विकसित करना।

कवरेज

बच्चों को औपचारिक शिक्षा के ले तैयार करने और प्राथमिक स्तर पर भाषा की बाधा को दूर करने के लिए एमएलई कार्यक्रम 2007-08 से राज्य में लागू किया गया है।

- ओड़िशा के लिए एमएलई नीति और कार्यान्वयन दिशानिर्देश सरकार द्वारा अधिसूचना संख्या के माध्यम से 14118 दिनांक 01.07.2014 में सिद्ध किए गए हैं।
- एएलई कार्यक्रम 21 जनजातीय भाषोओं में प्राथमिक शिक्षा को शामिल करता है। ये हैं - संताल, सेउरा कोया, कुई, कुवी, किशन, ओरम, मुंडा, जुआंग, बोंडा, गदाबिया, हो, गोंड, परोजा, खरिया, दिदाई, भिंझल, पौड़ी, भुइयाँस भूमिया, भतरा और भुंजा।
- एमएलई कार्यक्रम 17 जिलों के आदिवासी बहुत क्षेत्रों में चालू है, जो हैं - अनगुल, बालेश्वर, बरकगढ़, ढेंकानाल, गंजाम, गजपति, कंधमाल, कलाहांडी, कोरापुट, केउँझर, मालकानगिरि, मयूरभंज, नवरंगपुर, नूआपड़ा, रायगड़ा, संबलपुर और सुंदरगढ़।
- 1483 एमएलई स्कूलों में 105446 एसटी बच्चे पढ़ रहे हैं।
- मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने के लिए 3200 शिक्षक (शिक्षा सहायक और 217 भाषा प्रशिक्षक / शिक्षा स्वयंसेवक (ईवी) लगाए गए।
- प्राथमिक कक्षाओं के लिए 21 जनजातीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें और पूरक पठन सामग्री विकसित की गई हैं।

१६. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा

समग्र शिक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विशेष आवश्यकता वाले प्रत्येक बच्चे को, चाहे किसी भी प्रकार की श्रेणी और विकलांगता की डिग्री हो, सार्थक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है। इसलिए शून्य अस्वीकृति नीति अपनाई गई है। अर्थात् विशेष आवश्यकता वाले किसी भी बच्चे को उसके शिक्षाधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

समग्र शिक्षा का लक्ष्य 6-18 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा बाल शिक्षाधिकार अधिनियम, 2009 द्वारा सुगम बनाया गया है। RTE अधिनियम में निम्नलिखित बिंदुओं का उल्लेख है

- 6-18 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को पास के स्कूल में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार होगा और कोई भी बच्चा किसी भी प्रकार के शुल्क या खर्च का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो उसे या उसके प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा को आगे बढ़ने और पूरा करने में मदद करेगा। विकलांग व्यक्ति के अधिकार अधिनियम, २०१६ में परिभाषित विकलांगता से पीड़ित बच्चे को स्कूलों में विकलांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार होगा।

विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम – २०१६, जो मौजूदा विकलांग व्यक्ति अधिनियम, १९९५ की जगह लेता है, जहाँ सभी प्रकार की अक्षमताओं को मौजूदा 7 से बढ़ाकर 21 कर दिया गया है और केंद्र सरकार के पास अधिक प्रकार की अक्षमताओं को जोड़ने की शक्ति होगी।

२१ प्रकार की अक्षमताएँ हैं : १) अंधापन, २) कम दृष्टि, ३) बहरापन, (बधिर और सुनने में कठिन) ४) भाषण और भाषा विकलांगता, ५) चलन अक्षमता, ६) मानसिक बीमारी, ७) विशिष्ट सीखने की अक्षमता, ८) सेरेब्रल पाल्सी, ९) ऑट्रिज्म स्पेक्ट्रम विकार, १०) बहरे अंधेपन सहित कई विकलांगताएँ, ११) कुष्ठ रोग, १२) बौनापन, १३) बौद्धिक विकलांगता, १४) मस्कूलर डिस्ट्रॉफी, १५) क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल स्थितियाँ, १६) मल्टीपल स्केलेरोसिस, १७) थैलेसीमिया, १८) हीमोफिलिया, १९) सिकल सेव बीमारी, २०) एसिड अटाक सर्वाइवर और २१) पार्किन्स बीमारी

समग्र शिक्षा के नियमों के नर्म के अनुसार 3500 रुपए प्रति बच्चे के लिए हर साल विशेष प्रस्तावानुसार विकलांग बच्चों के एकीकरण के लिए खर्च किया जाएगा। 2022-23 वर्ष में जिला स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ की गई हैं और प्रमुख गतिविधियाँ

नियमानुसार प्रस्तुत की गई हैं जो द्रष्टव्य हैं :

क्र.संख्या	गतिविधियों के नाम	वर्ष 2022-23 के दौरान प्रगति
1	पहचान और गतिविधियों का नाम	सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में 134396 सीडब्लूएसएन बच्चों ने नामांकन किया। उनमें से 113936 (प्राथमिक) और 20460 (माध्यमिक और उच्च माध्यमिक) के थे।
2	सहायता और उपकरणों का विवरण	ब्लॉक स्तर पर 314 चिकित्सा सहायता मूल्यांकन शिविर आयोजित किए गए हैं और 5313 सीडब्लूएसएन को सहायक सहायता और उपकरण वितरित किए गए हैं।
3	माता – पिता का अभिविन्यास प्रशिक्षण	104205 माता – पिता, अभिभावक, शैक्षणिक प्रशासकों को पर एक दिवसीय अभिविन्यास प्रदान किया गया है।
4	ब्रेल किताबें	दृष्टिहीन विद्यार्थियों की ब्रेल पुस्तकों के 1947 सेट वितरित किए गए हैं।
5	बड़ी प्रिंट वाली किताबें	कम दृष्टि वाले छात्रों के बड़े प्रिंट वाली किताबें के 4564 सेट वितरित किए गए हैं।
6	अनुरक्षण भत्ता	प्राथमिक विद्यालयों के 12979 और माध्यमिक विद्यालयों के 3340 सीड्ब्लूएसएन को 4000/- रुपए की दर से अनुरक्षण भत्ता प्रदान किया गया।
7	परिवहन भत्ता	प्राथमिक के 15513 सीडब्लूएसएन और माध्यामिक विद्यालयों के 5689 के 3000/- रुपए की दर से परिवहन भत्ता प्रदान किया गया।
8	सीडब्लूएसएन बालिकाओं के लिए छात्रवृत्ति	प्राथमिक विद्यालयों की 14157 सीडब्लूएसएन लड़कियों और माध्यमिक विद्यालयों की 4788 लड़कियों को 2000/- रुपए की दर से वजीफा प्रदान की गयी।
9	पाठक भत्ता	प्राथमिक विद्यालयों के 976 और माध्यमिक विद्यालयों के 372 सीडब्लूएसएन को 6000/- रुपए की दर से पाठक भत्ता प्रदान किया गया।
10	चिकित्सा भत्ता	ब्लॉक और जिला स्तरीय संसाधन केंद्र में सीडब्लूएसएन को फिजिओथेरापी, व्यावसायिक थेरेपी, स्पीच थेरेपी और ब्रेल प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
11	कम दृष्टिबाधित डिवाइस, आईसीटी डिवाइस और टीएलएम किट का वितरण	साइटसेवर के साथ अभिसरण में 831 सीडब्लूएसएन को कम दृष्टि उपकर, आईसीटी उपकरण, टीएलएम कीट विकरित किए गए।
12	खेलकूद प्रतियोगिता	सीडब्लूएसएन के लिए खेल प्रतियोगिता 30 जिलों के 314 ब्लॉक में आयोजित की गई।
13	समावेशी शिक्षा	1117 आईई स्वयंसेवक पंचायत स्तर पर काम कर रहे हैं जो राज्य सरकार के माध्यम से सीडब्लूएसएन को सहायता सेवाएँ प्रदान करते हैं।
14	सीडब्लूएसएन के लिए ब्लॉक संसाधन व्यक्ति	सीडब्लूएसएन को संसाधन सहायता प्रदान करने के लिए ब्लॉक स्तर पर 632 ब्लॉक संसाधन विशेष संसाधन व्यक्ति (P) काम कर रहे हैं।
15	पर्यावरण निर्मित कार्यक्रम	पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम संसाधन निधि से ब्लॉक स्तर पर 632 ब्लॉक विशेष संसाधन व्यक्ति काम कर रहे हैं।

समग्र शिक्षा के तहत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की गतिविधियाँ 2022 – 23

चिकित्सा मूल्यांकन शिविर :

प्रत्येक वर्ष डॉक्टरों की एक टीम द्वारा विभिन्न प्रकार के सीडब्लूएसएन के मूल्यांकन के लिए ब्लॉक स्तर पर चिकित्सा मूल्यांकन शिविर आयोजित किया जाता ताकि उनकी भन्नक्षम के प्रकार और डिग्री का पता लगाया जा सके। ब्लॉक स्तर पर ये सब इसलिए आयोजित किए जाते हैं, ताकि सीडब्लूएसएन को आवश्यक सहायता मिले और उपकरण के साथ उनके सर्जिकल सुधार की पहचान की जा सके। सामाजिक सुरक्षा और भिन्नक्षम व्यक्तियों के भिन्नक्षम विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, मेडिकल कॉलेज, कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO), राष्ट्रीय स्वास्थ्य (NHM), स्वामी विवेकानंद इंस्टिच्यूशन पुनर्वास प्रशिक्षण और शोध जिला विकलांगता केंद्र आदि को इसी उद्देश्य से अभिसारण किया गया है।

(दृष्टि जाँच शिविर)

(चिकित्सा मूल्यांकन शिविर)

सीडब्लूएसएन के लिए सहायता एवं उपकरणों का प्रावधान

कक्षा I से XII की सभी श्रेणियों की पहचान की गई। सीडब्लूएसेन (CWSN) को हर साल आवश्यकतानुसार सहायता और उपकरण, सामग्री, शिक्षण सहायक सामग्री (TLM) विकरित की जा रही है। इसमें ब्रेल किट, जीएलएम किट, लो - विजन डिवाइस, सीपीकुर्सियाँ, चश्मा और आईसीटी डिवाइस शामिल हैं, जो विभिन्न संस्थाओं, संगठनों और एजेंसियों जैसे : ALIMCO, NIEPID, SVNIRTAR, DDRCs, RSBK, सुनेत्रा, साइटसेवर और NGO आदि हैं।

सहायता एवं उपकरणों का वितरण

सहायता एवं उपकरणों का वितरण

वाक् चिकित्सा शिविर

समावेशी शिक्षा के तहत वाक् चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम एक नियमित गतिविधि है। कक्षा I से XII तक के एचआई और एसआई बच्चों को उनके माता – पिता के साथ जिला स्तर पर उपलब्ध एनएचएम (NHM) और एसएसईपीडी (SSEPD) विभाग के ब्लॉक स्तर, जिला संसाधन केंद्र और DEIC और DDRC में स्पीच थेरापी की सुविधा प्रदान की जा रही है।

(वाक् थेरापी शिविर)

(वाक् थेरापी शिविर)

फिजिओथेरेपी और व्यावसायिक चिकित्सा शिविर :

कक्षा I से XII तक के सीपी, एम.डी.पी, ओ.एच और आई.डी के बच्चों के लिए जिला स्तर पर फिजिओथेरापी एवं व्यावसायिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। विकलांग बच्चे और उनके माता – पिताओं को जिला / ब्लॉक स्तर पर NHM के DEIC और SSEPD द्वारा आयोजित शिविर में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है। माता – पिता और विकलांग बच्चों को जिला स्तर पर आवासीय मोड में 5-7 दिनों के लिए डीईआईसी, डीडीआरसी के प्रशिक्षण फिजिओथेरापिस्ट द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

फिजिओथेरापि शिविर

फिजिओथेरापि शिविर

आईई पर माता – पिता, अभिभावक और शैक्षिक प्रशासकों का नवीकरण

ब्लॉक स्तर पर समावेशी शिक्षा पर 104205 माता – पिता, अभिभावकों और शैक्षिक प्रशासकों को अभिविन्यास प्रदान किया गया था। इन कार्यक्रमों में सीडब्लूएसएन के माता – पिता को सीडब्लूएसएन की शिक्षा के प्रति माता – पिता की भूमिका, सरकार से उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं पर नवीकरण प्रदान किया गया और एनजीओ क्षेत्र, पहचान, मूल्यांकन, रेफरल सेवाएँ, सर्जिकल सुधार, सहायता और उपकरणों का उपयोग आदि भी हुए।

(अभिभावक तालीम कार्यक्रम)

(अभिभावक तालीम कार्यक्रम)

ब्लॉक संसाधन व्यक्ति के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (CwSN)

ब्लॉक स्तर पर कार्यरत ब्लॉक संसाधन व्यक्ति CwSN के क्षमता निर्माण हेतु जिला अथवा आंतरिक जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

बीआरपी (सीडब्लूएसएन) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

ब्रेल पुस्तकों और बड़ी प्रिंट वाली पुस्तकों का प्रावाधान

रेड क्रॉस कंप्यूटर कृत ब्रेल प्रेस, ब्रह्मपुर के अभिसरण में कक्षा I से X तक के दृष्टिबाधित छात्रों को हर साल ब्रेल पुस्तकों और बड़ी प्रिंट वाली पुस्तकों की आपूर्ति की जाती है। कम दृष्टि वाले छात्रों को बड़ी प्रिंट की किताबें भी उपलब्ध कराई जाती है।

बड़ी मुद्रित पुस्तकों का वितरण

ब्रेल पुस्तकों का वितरण

बौद्धिक भन्नक्षम छात्रों को टीएलएम किट का वितरण

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, सरकार के तहत राष्ट्रीय संस्थानों, एनआईईपीआईडी, सिकंदराबाद के माध्यम से बौद्धिक विकलांगता वाले छात्रों को टीएलएम किट वितरित किए गए हैं।

एनआईईपीआईडी द्वारा टीएलएम वितरण

एनआईईपीआईडी द्वारा टीएलएम वितरण

समावेशी क्रीड़ा सम्मेलन और प्रदर्शन विजिट कार्यक्रम

ब्लॉक स्तर पर सीडब्लूएसएन छात्रों के लिए क्रीड़ा सम्मेलन और प्रदर्शन विजिट कार्यक्रम या उनमें छिपी प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें अपनी पाठ्येतर गतिविधियों का प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया गया।

नेत्रहीन छात्रों के लिए ब्रेल और क्रियाशीलता का प्रशिक्षण

कक्षा I से XII तक नेत्रहीन छात्रों के लिए उनके माता – पिता के साथ जिला/ ब्लॉक स्तर पर ब्रेल और गतिशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

(ब्रेल प्रशिक्षण कार्यक्रम)

(ब्रेली प्रशिक्षण कार्यक्रम)

कम दृष्टि आकलन, कम दृष्टि उपकरणों के वितरण, आईसीटी उपकरणों के लिए साइटसेवर के साथ सहयोग कार्यक्रम

साइटसेवर्स, भारत, एक विकास संगठन ने नेत्रहीन और कम दृष्टिवाले छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा को मजबूत करने के लिए ओएसईपीए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। साइटसेवर्स ने जिला/ ब्लॉक स्तर पर कम दृष्टि मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया और आवश्यकता आधारित चश्मा, कम दृष्टि उपकरम, डेजी प्लेयर, टैबलेट, स्मार्ट फोन जैसे आईसीटी उपकरण, नेत्र दोष वाले छात्रों को सर्जिकल सुधार प्रदान किया।

आईसीटी और कम दृष्टि उपकरणों का वितरण

कम दृष्टि आककन

गंभीर सीडब्लूएसएन के लिए अनुरक्षण भत्ते का प्रावधान

सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल कक्षा I से XII तक के गंभीर CWSN जो LI, VI, ID, MD, ASD में 75% विकलांग हैं, उन्हें 4000/ - रुपए अनुरक्षण भत्ता प्रदान की जा रही है।

सीडब्लूएसएन के लिए परिवहन भत्ते का प्रावधान

सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय में कक्षा I से XII के सीडब्लूएसएन जो 40 – १००% तक विकलांग पाए गए, उन्हें 6000/- रुपए की दर से परिवहन भत्ता का भुगतान किया गया है।

ब्लॉक स्तर पर परिवेश निर्माण कार्यक्रम

२०२२ – २३ के दौरान पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम के तहत उपलब्ध धनराशि से ब्लॉक स्तर पर अंतर – राष्ट्रीय विकलांग दिवस का आयोजन किया गया है।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए पाठक भत्ते का प्रावधान

सरकार में पढ़ने में 75% या उससे अधिक विकलांगता वाले दृष्टिबाधित छात्रों को पाठक भत्ता @ 6000/- रुपये का भुगतान किया गया है। और सरकार. कक्षा I से XII तक सहायता प्राप्त विद्यालय।

ब्लॉक स्तर पर पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम

2022-23 के दौरान पर्यावरण निर्माण कार्यक्रम के तहत उपलब्ध धनराशि से ब्लॉक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस का आयोजन किया गया है।

दिव्यांग दिवस के अवसर पर रैली

सीडब्लूएसएन के लिए ब्लॉक,जिले स्तर पर संसाधन केंद्रों का प्रकार्य

३ दिसंबर, २०२२ को सभी जिले तथा ब्लॉक मुख्यालयों में सीडब्लूएसएन छात्रों, शिक्षकों, माता – पिता तथा अभिभावकों के लिए थेरापी सेवा, आकलन, प्रशिक्षण, परामर्श सेवा देने के उद्देश्य से संसाधन केंद्र खुले गए हैं। ये केंद्र सीडब्लूएसएन के लिए सभी जिलों तथा ब्लॉक स्तरों पर शैक्षिक तथा संसाधन समर्थित सेवाएँ उपलब्ध करने के लिए खुले हैं। इसमें सीडब्लूएसएन के लिए नियमित रूप से थेरापी, मूल्यांकन, तालीम, निगरानी तथा परामर्श सेवाएँ उपलब्ध हैं।

(सीडब्लूएसएन के लिए संसाधन केंद्र स्तर पर कार्य कर रहा है)

बीएसई और सीएचएसई, ओड़िशा द्वारा सीडब्लूएसएन के लिए प्रावधान

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बीएचएई) और उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीएचएसई), ओड़िशा ने दसवीं और बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के दौरान सीडब्लूएसएन के लिए उपलब्ध विशेष प्रावधानों/ छूट के संबंध में अधिसूचना जारी की। वर्चुअल/ फिजिकल मोड के माध्यम से स्कूल के एच.एम, शिक्षक, माता – पिता और सीडब्लूएसएन को नवीकरण प्रदान किया गया। अभिभावकों एवं शिक्षकों में जागरूकता के लिए लघु वीड़ियो, ऑडियो, यूओट्यूब बीड़ियो, पुस्तिका एवं दैनिक समाचार - पत्र में विज्ञापन का आयोजन किया गया।

(सीडब्लूएसएन ने स्क्राइब सुविधा का लाभ उठाया)

(सीडब्लूएसएन के लिए विशेषाधिकारों पर पुस्तकाएँ)

सुनेत्रा – विजन स्क्रीनिंग और चश्मा वितरण कार्यक्रम

ओड़िशा सरकार के स्वास्थ्य और स्कूल व जनशिक्षा विभाग एवं सुनेत्र (SUNETRA) के संयुक्त अभिसरण के तहत कक्षा I से X तक चिन्हित स्कूली छात्रों को ब्लॉक स्तर पर विजन स्क्रीनिंग शिविर आयोजित कर आवश्यक पावार चश्मे वितरित किए गए हैं। स्कूल स्तर पर प्रारंभिक स्कीनिंग के माध्यम से शिक्षकों द्वारा पहचानी गई दृष्टि संबंधी समस्या वाले चयनित छात्रों को ब्लॉक स्तरीय दृष्टि स्क्रीनिंग शिविर में भेजा गया। प्रत्येक स्कूल स्तरीय दृष्टिबाधित छात्रों की प्राथमिक जाँच पर डीबीसीएस द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया। ब्लॉक स्तरीय शिविर बीईओ से समन्वय से पीएचसा/ सीएचसी की चिकित्सा अधिकारियों द्वारा आयोजित किए गए। डीबीसीएस की नेत्र संबंधी तकनीकी में छात्रों की आँख की जाँच और चश्मे का माप लेती हैं। ओएसएमसूएल द्वारा चयनित बिक्रेता के द्वारा सीडीएमओ / पीएचसी स्तर पर आवश्यक संख्या में चश्मों की आपूर्ति की गई हैं। पीएचसी स्कूल छात्रों को चश्मा वितरण के लिए बीईओ को दायित्व सौंप देता है।

समावेशी शिक्षा पर राज्य स्तरीय परामर्शमंडली बैठक

समावेशी शिक्षा पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय परामर्शमंडली बैठक दिनांक 01.10.22 को भुवनेश्वर में आयोजित की गई थी। इस बैठक का उद्देश्य समग्र शिक्षा के तहत सीडब्लूएसएन के लिए समावेशी शैक्षिक कार्यक्रम के प्रभावी प्रबंधन और कार्यान्वयन के लिए नई पहलों का पता लगाना और सलाह लेना है। ओड़िशा सरकार के विकास आयुक्त – सह – अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्कूल व जनजाति विभाग, ओड़िशा सरकार के आयुक्त – सह – सचिव एवं एसपीडी, ओसेपा की उपस्थित में परामर्शदात्री ने बैठक का उद्घाटन किया। अन्य गणमान्य व्यक्ति, विशेषज्ञ, सरकारी विभागों से, विशेषज्ञ, एनजीओ, संस्थानों, संगठनों ने भी इस कर्मशाला में भाग लिया तथा ग्रुप वर्क प्रस्तुति के जरिए अने विचार और सुझाव साझा किए।

मेधावी सीडब्लूएसएन को लैपटॉप वितरण

दसवीं और बारहवीं कक्षा की एचएससी/ सीएचएसई /सीबीएसई बोर्ड परीक्षा, 2022 में 90% और उससे अधिक अंकों से उतीर्ण सामान्य स्कूलों में पढ़ने वाले 15 मेधावी विशेष आवश्यकता वाले छात्रों (सीडब्लूएसएन) को लैपटॉप वितरित किए गए। ये लैपटॉप पंजाब नैशनल बैंक द्वारा सीएसआर पहल से वितरित किए गए थे।

विशेष आवश्यकतावाले बच्चों की कक्षा में भागीदारी

समग्र शिक्षा के तहत विभिन्न प्रकार की विशेष आवश्यकता वाले बच्चे नियमित स्कूलों में शिक्षा जारी रखते हैं। वे कक्षा शिक्षकों द्वारा कक्षा में आयोजित कई गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं।

(सीडब्लूएसएन का ड्रइंप्रतियोगिता) (कक्षा क्रियाकलाप में सीडब्लूएसएन) (सीडब्लूएसएन का पैरों से लिखना)

विभिन्न गतिविधियों में सीडब्लूएसएन की भागीदारी

सीडब्लूएसएन छात्रों ने ड्रॉइंग, पोटिंग, शिलानिर्माण जैसे विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया है। ब्लॉक स्तर पर योगाभ्यास करवाया गया।

ब्लॉक के विशेष व्याख्याता (CRP) और आईई स्वयं सेवकों द्वारा सीडब्लूएसएन को संसाधन सहायता का प्रावधान

समग्रशिक्षा के तहत ब्लॉक विशेष व्याख्याता (रिसोर्स पर्सन) स्कूली स्तर पर सीडब्लूएसएन को संसाधन सहायता प्रदान करने के लिए लगे हुए हैं। स्वयंसेवक घरेलू स्तर पर सीडब्लूएसएन को सहायता सेवाएँ प्रदान करने के लिए भी लगे हुए हैं।

(ब्लॉक संसाधन व्यक्ति और आईई स्वयंसेवकों ने सीडब्लूएसएन को घरेलू सेवाएँ प्रदान कीं)

१७. व्यावसायिक शिक्षा

स्कूली शिक्षा के व्यावसायीकरण के लिए केंद्रीय प्रायोजित योजना अर्थव्यवस्था और वैश्विक बाजार के विभिन्न क्षेत्रों के लिए शिक्षित रोजगार योग्य और प्रतिस्पर्धा मानव संसाधन तैयार करना चाहते हैं। यह वैकल्पिक कैरियर प्रदान करके स्कूल छोड़ने की दर कम करने के उद्देश्य से सामान्य शैक्षणिक शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करना चाहती है। 2021 – 22 तक राज्य में 960 स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू की है। इसमें 55 उच्चतर माध्यमिक और 905 माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। स्कूलों की वर्षवार मंजूरी और स्कूलों में प्रस्तावित ट्रेडों का उल्लेख नीचे है :

अवलोकन – ९ – १२ के लिए एनएसक्यूएफ के अनुरूप स्कूली व्यावसायिक शैक्षिक कार्यक्रम

वीई कार्यक्रम का स्केल	ओड़िश के 30 जिलों के 960 स्कूलों (55 उच्चतर माध्यमिक स्कूलों सहित) में 1,12,786 छात्र नामांकित हैं।
ओड़िशा में व्यावसायिक व्यापार क्षेत्र	परिधान, कृषि, मोटर वाहन, सौंदर्य और कल्याण, निर्माण, इलैक्ट्रोनिक्स और हार्डवयर, खाद्य प्रोसेसिंग, आईटी – आईटीज, खुदरा, नलसाजी, पर्यटन एवं आतिथ्य कुल 11 सेक्टर स्कूल 19 नौकरी की पेशकश ओड़िशा में उपलब्ध हैं।
प्रभावित स्कूलों के प्रकार	905 माध्यमिक विद्यालय और 55 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
ओड़िशा में व्यावसायिक प्रशिक्षकों की संख्या	1920 व्यावसायिक प्रशिक्षक (वीटी)
व्यावसायिक समन्वयक	कार्यक्रम की निगरानी के लिए 63 व्यावसायिक समन्वयक मौजूद हैं।
व्यावसायिक प्रशिक्षण भागीदारी (वीटीपी)	वर्तमान ओसेपा के साथ 23 वीटीपी भागीदार हैं।

स्कूल व्यावसायिक शिक्षा के उद्देश्य

- छोत्रों के बीच 3 बोर्ड कौशलसेट विकसित करना अर्थात् सीखना, साक्षरता और जीवन है छात्रों में बारह क्षमताओं का विकास करना है, जिसमें शामिल हैं –
- (1) आलोचनात्मक सोच (2) रचनात्मकता (3) सहयोग (4) संचार (5) साक्षारता की सूचना (6) मीडिया साक्षरता (7) तकनीकी साक्षरता (8) लचिलापन (9) पहल (10) उत्पादिकता (11) नेतृत्व (12) सामाजिक कौशल
- छात्र को आज के आधुनिक बाजारों की तेज गति के साथ बने रहने में मदद करना।
- व्यावसायिक शिक्षा पर आधारित माँग की योग्यता के जरिए छात्रों की रोजगार क्षमता – बढ़ाना।

व्यावसायिक शिक्षा के जीएल और IV चित्र

15-Feb-2023 11:24:09 am
Mirkasimpur
Central Division
Odisha

Vocationalization of School Education
implemented in
960 Secondary
Higher
ndary Schools of Odisha

ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା

tionalization of School Education
Implemented in

ODISHA SCHOOL EDUCATION
PROGRAMME AUTHORITY

FOOD PROCESSING TECHNIQUE

राज्य स्तरीय घटनाएँ

1. कौशल कॉन्क्लेव : माननीय मुख्यमंत्री श्रीयुत नवीन पट्टनायक ने कौशल कॉन्क्लेव, ओड़िशा वैश्विक कौशल केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए 20 अप्रैल से 22 अप्रैल, 2023 तक कलिंग स्टैडियम में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में व्यावसायिक दक्षता का एक समर्पित स्टॉल था। यहाँ ऑटोमेटिव लॉव सेव – एप, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान व्यापार ने स्कूल शिक्षा और अनुप्रयुक्त अधिगम की अवधारणा को प्रदर्शित किया। इससे कई सरकारी कर्मचारी, विद्यार्थी और माता – पिता भी आकर्षित हुए।

२. सुरभि कार्यक्रम : 'सुरभि' कार्यक्रम हर साल बाल दिवस की पूर्व संध्या को बच्चों की सफलता की कहानियाँ, प्रतिभाओं का जश्न मनाने और उमनें उत्कृष्टता प्रदर्शित करने के लिए आयोजन किया जाता है। इस साल त्रि – दिवसीय राज्य स्तरीय बाल महोत्सव की शुरूआत हमारे माननीय द्वारा की गई थी। मुख्यमंत्री आयुक्त, स्कूल व जन शिक्षा विभाग, ओड़िशा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री, स्कूल व जन शिक्षा विभाग, ओड़िशा के साथ यह कार्य आयोजित हुआ।

स्कूल व जनशिक्षा विभाग, ओड़िशा द्वारा सरकारी बालक उच्च विद्यालय, यूनिट – ९, भुवनेश्वर में १४ नवंबर, २०२२ तक राज्यस्तरीय बाल महोत्सव 'सुरभि - 2022' में एक व्यावसायिक शिक्षा कार्यशाला और स्टॉल प्रदर्शित हुआ। इन तीन दिनों के उत्सव में दो हजार से अधिक बच्चों, मार्गदर्शक शिक्षकों, प्रार्थियों, कर्मचारियों ने विभिन्न कोनों, ब्लॉकों, जिलों तथा राज्य से भाग लिया था।

३. स्किल्स ऑन व्हील्स : स्किल ऑन व्हील एक अभिनव मोबाइल स्कूल है जो भारत के दूरदराज के इलाकों में कौशल शिक्षा को प्रसारित कर रहा है। ओड़िशा, समग्र शिक्षा कार्यलय में भुवनेश्वर में 20 कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए अपनी यात्रा के दौरान शामिल हुआ, यह वाहन ओसेपा के अनेक कर्मचारयों तथा अधिकारियों के लिए आकर्षण बिंदु हो गया। उन्होंने गहराई में जाकर वाहन की खूब प्रशंसा के साथ बहु स्किल्ड बुनियादी आधार की भी तारीफ की।

४. डेलाइट द्वारा आकलन का प्रभावी आकलन : डेलॉइट की दो सदस्यीय टीम ने 2019-21 में व्यावसायिक कार्यक्रम के प्रभाव आकलन के लिए १२ से १४ दिसंबर, २०२२ तक ओड़िशा में प्रवेश किया। इस टीम ने कार्यक्रम दोनों बनाए। उन्होंने मात्रात्मक प्रभाव मूल्यांकन के वित्तपोषण भागीदार के रूप में समर्थन किया और विभिन्न हितधारकों के साथ वार्तालाप किया। वे प्रभावित होकर व्यावसायिक शिक्षा के उल्लेखनीय कार्य तथा पीएमयू टीम की भूमिका को देखकर अभिभूत हुए। इस टीम ने सरकार से भी मुलाकात करके चर्चा की। संयुक्त सचिव जैसे अधिकारी, उप निदेशक, ओसेपा के व्यावसायिक शिक्षा के घटक – प्रभारी, जीएमयूटीम की भागीदारी एवं उसकी योगदान और साझेदार के लाभों के बारे में इस टीम की चर्चा हुई।

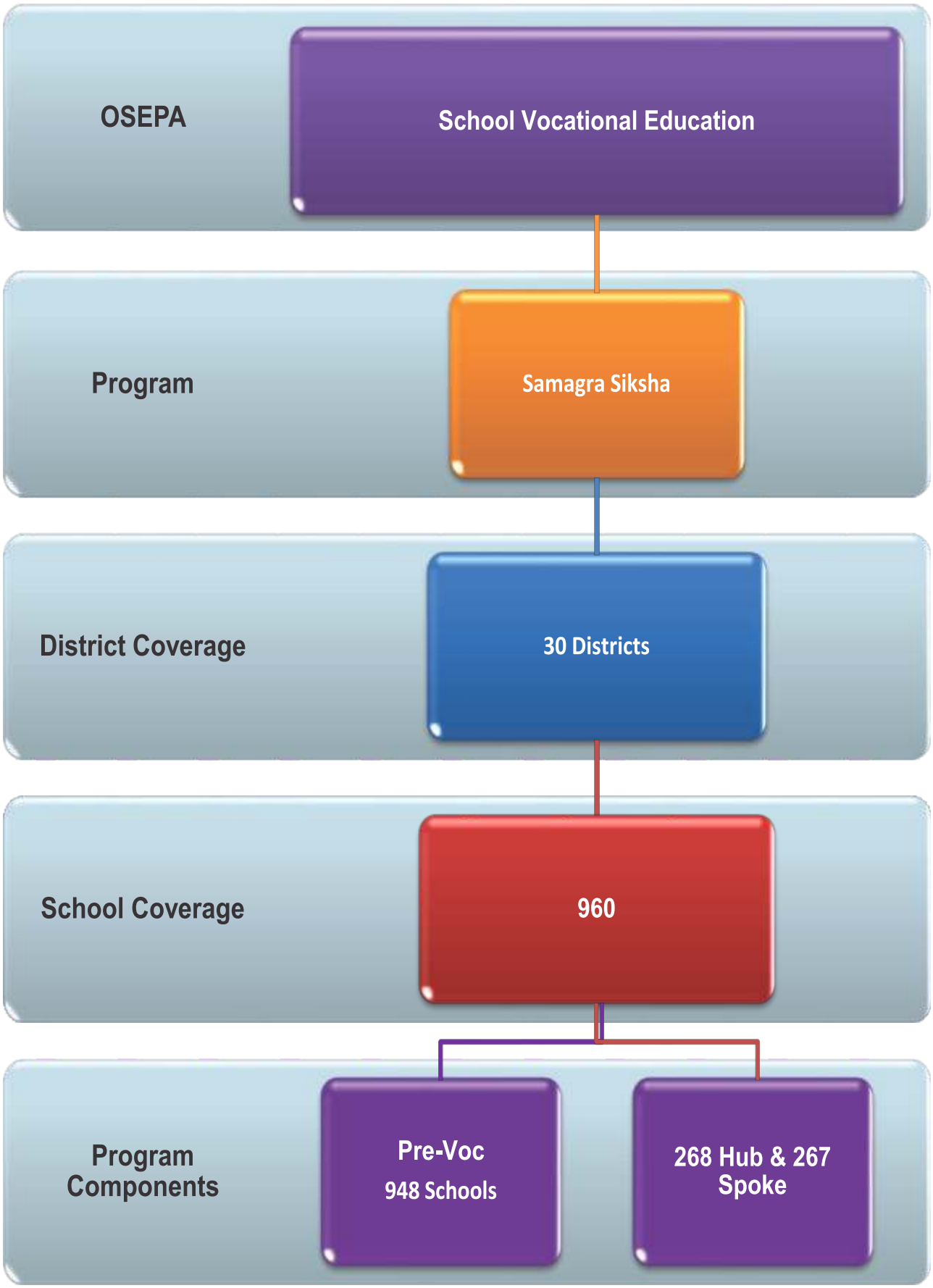
OSEPA
School Vocational Education
Program
Samagra Siksha
District Coverage
30 Districts
School Coverage
960
Program Components
Pre-Voc
948 Schools
268 Hub & 267 Spoke

कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी के लिए मोबाइल आधारित लाइट हाउस विकसित किया गया

Apparel

Agriculture

Automobile

Beauty & Wellness

Construction

Electronics & Hardware

Food Processing

IT & ITES

Tourism & Hospitality

Plumbing

	Boys		Girls
9th	33355	+	24325
10th	31155	+	22851
11th	1573	+	1707
12th	1367	+	1232

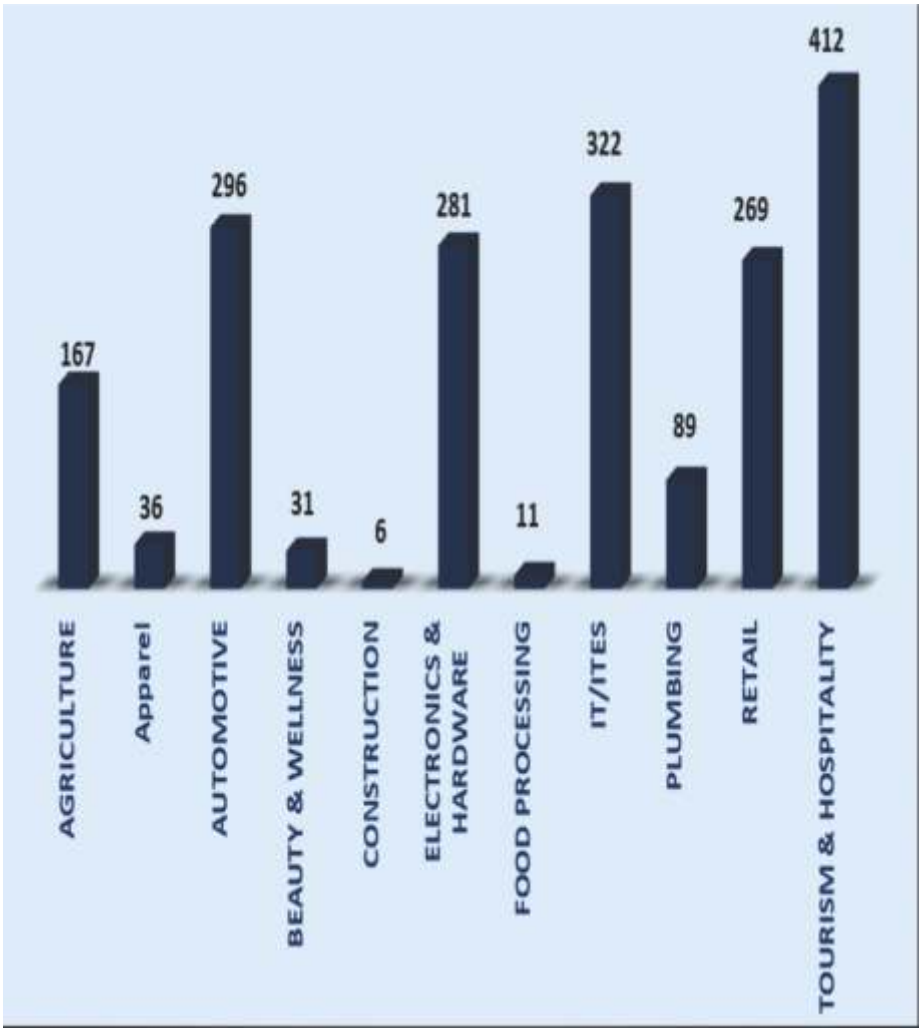

प्रकाशस्तंभ की उपयोगिताएँ

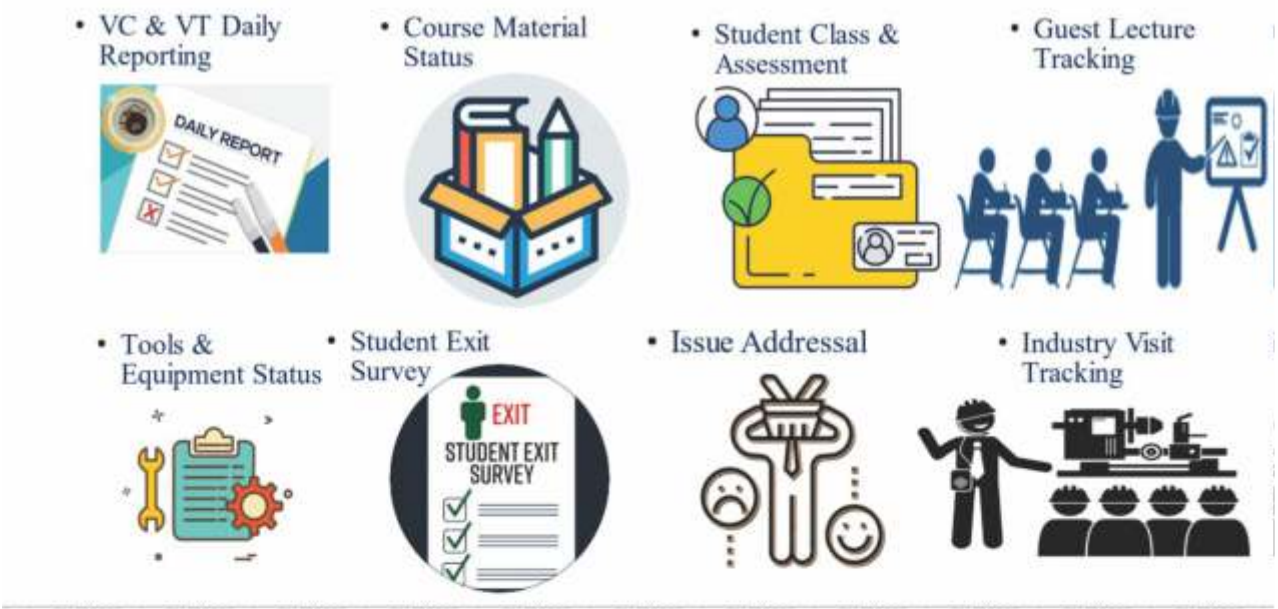

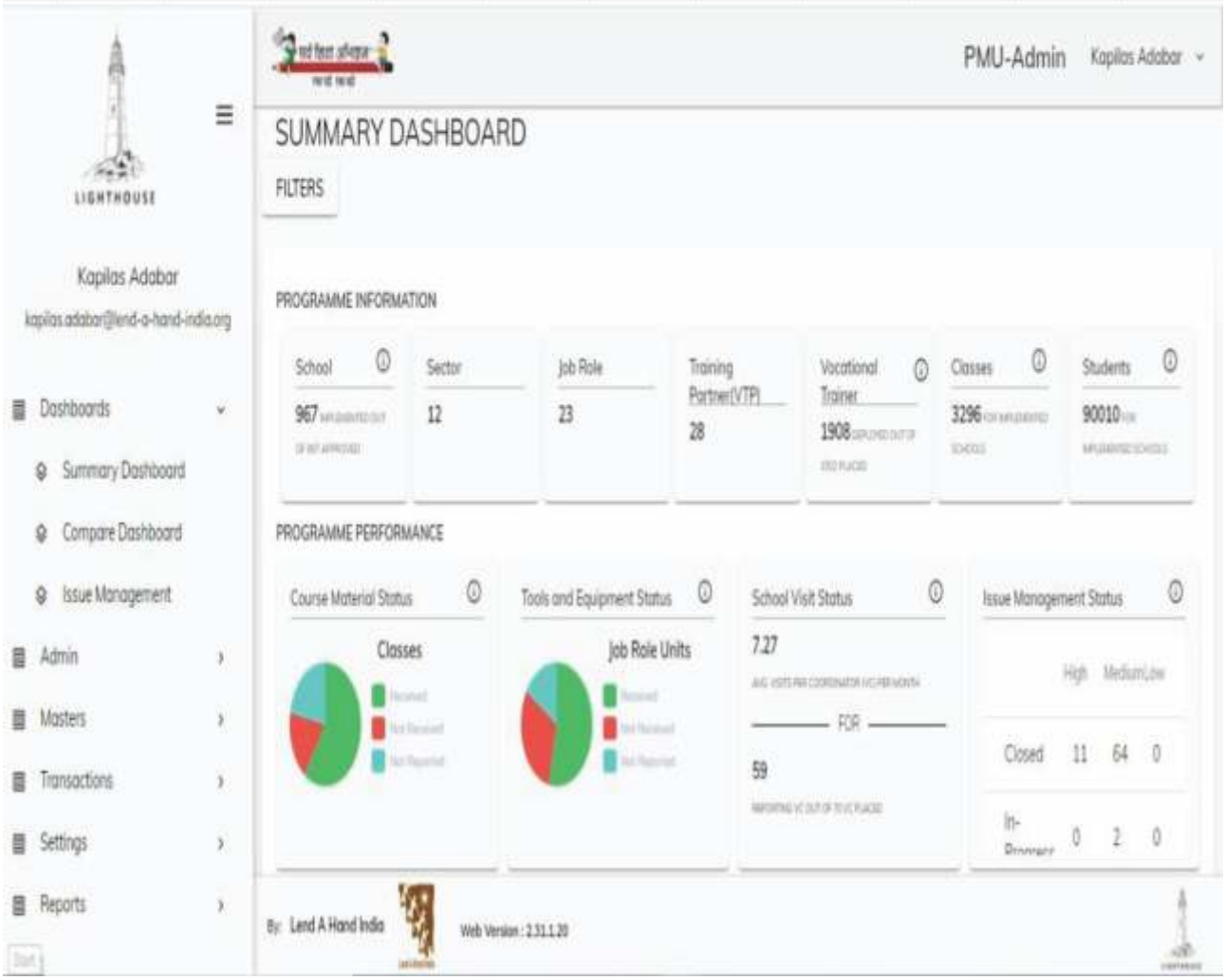

Media Coverage

ସମ୍ବାଦ

ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରୀୟ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ନିମନ୍ତେ ତାଲିମ

ଛତ୍ରପୁର, ୨୪/୩ (ଇମିସ): ଜିଲ୍ଲା ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା ଅଭିଯାନ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପକ୍ଷରୁ ଗଞ୍ଜାମ ଜିଲ୍ଲାରେ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ନିମନ୍ତେ ଏକ ତାଲିମ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏଥିରେ ୪୭ ଜଣ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀଙ୍କୁ ତାଲିମ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥିଲା। ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ପାଠ୍ୟକ୍ରମରେ ଷଷ୍ଠଶ୍ରେଣୀ ଠାରୁ ଅଷ୍ଟମ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପିଲାମାନେ ନାମ ଲେଖା ପ୍ରକ୍ରିୟାରେ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ ହେବେ। ସେହିପରି ଚଳିତବର୍ଷ ୩ଟି କାର୍ଯ୍ୟକଳାପ ଯଥା ଇଣ୍ଡଷ୍ଟ୍ରି ପରିଦର୍ଶନ, ସେମିନାର୍ ଓ କର୍ମଶାଳା ୪୭ଟି ଉଚ୍ଚବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଆସନ୍ତା ୩୧ ତାରିଖ ମଧ୍ୟରେ ଶେଷ ହେବ। ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଡିପିସି ତଥା ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷାଧିକାରୀ ବିନିତା ସେନାପତି, ଜିଲ୍ଲା ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା ଅଭିଯାନ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟର ଅର୍ଥ ପରାମର୍ଶଦାତା ମଧୁସୂଦନ ପରିଡ଼ା, ଜିଲ୍ଲା ଅନ୍ତର୍ନିବେଶୀ ଶିକ୍ଷା ସଂଯୋଜକ ତପନ କୁମାର ସାହୁ, ଯୋଜନା ସଂଯୋଜକ ସାବିତ୍ରୀବାଳା ଦାଶ, ଜିଲ୍ଲା ଅନୁସୂଚିତ ଜାତି ଓ ଜନଜାତି ସଂଯୋଜକ ଡ.ସରୋଜ କୁମାର ପାଳ ଓ ଜିଲ୍ଲା ଶୈକ୍ଷିକ ସଂଯୋଜକ ଡ.ସନ୍ତୋଷ କୁମାର ପଣ୍ଡା ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। ଖଲ୍ଲିକୋଟ(ଡାଇଟ)ର ବରିଷ୍ଠ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଶିକ୍ଷକ ଅଭିରାମ ବିଶ୍ୱାଳ, ହୃଷୀକେଶ ମହାଜୁଡ଼, ପ୍ରଦୀପ କୁମାର ଓ ସୁଶାନ୍ତ ରାଉତ ପ୍ରମୁଖ ତାଲିମ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ।

BERHAMPUR Edition
Page No.11 March 25, 2023

ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା ପକ୍ଷରୁ କର୍ମଶାଳା

ସମ୍ବଲପୁର, ୨୫/୩(ଇମିସ): ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା, ସମ୍ବଲପୁର ପକ୍ଷରୁ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ସଂପର୍କିତ ଏକଦିନିଆ କର୍ମଶାଳା ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ, ସମ୍ବଲପୁରଠାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ସମ୍ବଲପୁର ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ମାନସରାଣୀ ମଲ୍ଲଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ କର୍ମଶାଳାରେ ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ଚନ୍ଦ୍ରନାରାୟଣ ବେହେରା ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ଜିଜି ସି ଓ ମଧୁସ୍ମିତା ଦାଶ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସଂପର୍କରେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ଦେବସ୍ମିତା ରାଉତ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ଓ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷାର ଆବଶ୍ୟକତା ଉପରେ ବକ୍ତବ୍ୟ ରଖିଥିଲେ। ଶେଷରେ ଅନୁପମା ମହାପାତ୍ର ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ। ଜିଲ୍ଲାର ବିଭିନ୍ନ ବ୍ଲକର ୪୦ ଜଣ ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ।

ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ କର୍ମଶାଳା

କଟକ ସଦର, ୨୧।୩ (ନି.ପ୍ର) : ଓଡ଼ିଶା ସରକାରଙ୍କ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ଓ ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା କଟକ ଜିଲା ତରଫରୁ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ସମ୍ପର୍କିତ ଏକ ଦିନିକିଆ କର୍ମଶାଳା ରେଲୱେ ସେଟେଲମେଣ୍ଟ ହାଇସ୍କୁଲ ପରିସରରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। କଟକ ଜିଲା ଶିକ୍ଷାଧିକାରୀ କୃଷ୍ଣ ଚନ୍ଦ୍ର ନାୟକଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ କର୍ମଶାଳାରେ ପ୍ରଶିକ୍ଷକ ଭାବେ ପ୍ରଶିକ୍ଷକ ଚକ୍ରଧର ସାହୁ ଓ ଶକ୍ତି ପାଲ୍ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସମ୍ପର୍କରେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ଅନ୍ୟତମ ଅତିଥି ଭାବେ ଅତିରିକ୍ତ ଜିଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ଡ.ସନ୍ତୋଷ କୁମାର ରାଉତ, ଜିଲା ଶିକ୍ଷକ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ଅଧକ୍ଷ ଅରବିନ୍ଦ ଆଚାର୍ଯ୍ୟ, ବାଳିକା ଶିକ୍ଷା ସଂଯୋଜିକା ମାନସୀ ଧଳ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ସମ୍ପର୍କରେ ସୂଚନା ଦେଇଥିଲେ। ବିଦ୍ୟାଳୟର ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକ ସୁକାନ୍ତ କୁମାର ଷଡ଼ଙ୍ଗୀ ପ୍ରାରମ୍ଭରେ ସ୍ୱାଗତ ଭାଷଣ ଦେବା ସହିତ ଅତିଥି ପରିଚୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ଶେଷରେ ଜିଲା ଅନୁସୂଚିତ ଜାତି, ଜନଜାତି ଶିକ୍ଷା ସଂଯୋଜିକା ଡ.ସୁଚିସ୍ମିତା ମହାନ୍ତି ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ। କର୍ମଶାଳାରେ ଜିଲାର ବିଭିନ୍ନ ବ୍ଲକରୁ ୫୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଶିକ୍ଷକ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ।

ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରୀୟ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ତାଲିମ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ

ଛତ୍ରପୁର,୨୪।୩(ସମିସ): ଜିଲ୍ଲା ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା ଅଭିଯାନ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପକ୍ଷରୁ ପରିସରରେ ଥିବା ସମ୍ମିଳନୀ କକ୍ଷରେ ଗଞ୍ଜାମ ଜିଲ୍ଲାରେ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷା ନିମନ୍ତେ ଏକ ତାଲିମ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ୪୭ଜଣ ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକ/ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀଙ୍କୁ ତାଲିମ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଷଷ୍ଠ ଶ୍ରେଣୀ ଠାରୁ ଅଷ୍ଟମ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପିଲାମାନେ ଭାଗନେବେ ଏବଂ ପ୍ରାକ୍ ଧନ୍ଦାମୂଳକ ଶିକ୍ଷାରେ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ କରାଯିବ। ଚଳିତ ବର୍ଷ ପାଇଁ ୩ଟି କାର୍ଯ୍ୟକଳାପ ଯଥା ଇଣ୍ଟର୍ନ୍ସିପ(ଶିକ୍ଷାୟନ) ପରିଦର୍ଶନ, ସେମିନାର ଓ କର୍ମଶାଳା ୪୭ଟି ଉଚ୍ଚ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଆସନ୍ତା ୩୧ ତାରିଖ ମଧ୍ୟରେ ଶେଷ କରିବାକୁ କୁହାଯାଇଛି। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଡିପିସି ତଥା ଜିଲ୍ଲା ଶିକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ ବିନୀତା ସେନାପତି, ଜିଲ୍ଲା ସମଗ୍ର ଶିକ୍ଷା ଅଭିଯାନ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟର ଅର୍ଥପରାମର୍ଶ ଦାତା ମଧୁସୂଦନ ପରିଡ଼ା, ଜିଲ୍ଲା ଅନ୍ତେର୍ନିର୍ବେଶି ଶିକ୍ଷା ସଂଯୋଜକ ତପନ କୁମାର ସାହୁ, ଯୋଜନା ସଂଯୋଜକ ସାବିତ୍ରୀବାଳା ଦାଶ, ଜିଲ୍ଲା ଅନୁସୂଚିତ ଜାତି ଓ ଜନଜାତି ସଂଯୋଜକ ଡଃ ସରୋଜ କୁମାର ପାଳ, ଜିଲ୍ଲା ଶୈକ୍ଷିକ ସଂଯୋଜକ ଡଃ ସନ୍ତୋଷ କୁମାର ପଣ୍ଡା ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିବା ବେଳେ ବରିଷ୍ଠ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଶିକ୍ଷକ ଅଭିରାମ ବିଶ୍ୱାଳ, ହୃଷୀକେଶ ମହାକୁଡ, ପ୍ରଦୀପ କୁମାର ଓ ସୁଶାନ୍ତ ରାଉତ ତାଲିମ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ।

व्यावसायिक शिक्षा प्रैक्टिकल क्लास

व्यावसायिक छात्र अतिथि व्याख्यान (GI) चित्र

व्यावसायिक छात्र औद्यगिक यात्रा (IV) चित्र

व्यावसायिक छात्र प्रयोगशाला सेटअप अभ्यास

१८. प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS)

प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) कुशल प्रभावी सूचना प्रबंधन एवं निर्णय की प्रक्रिया प्रदान कर शैक्षिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।एमआईएस की दक्षता, प्रभावशीलता और निर्णय लेने की क्षमताओं को बढ़ाता है। यह प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करती है, डेटा प्रबंधन में सुधार करती है, संचार और सहयोग की सुविधा प्रदान करती है तथा समग्र उद्देश्यों को समर्थन करती है।

समग्र शिक्षा के तहत एमआईएस सटीक, प्रासंगिक और समय पर जानकारी प्रदान करके निर्णय लेने की दक्षता और प्रभावशीलता को वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्कूल, नामांकन, शिक्षक और सुविधा की जानकारी जमीनी स्तर से एकत्र की जा रही है। एक व्यवस्थित दृष्टिकोण से वास्तविक समय के आधार पर अद्यतन किया गया है। ओड़िशा के राज्य परियोजना कार्यालय 30 जिलों का परियोजना कार्यालय और 316 ब्लॉक शिक्षा कार्यालयों में एमआईएस इकाइयाँ स्थापित की गई हैं और बुनियादी ढाँचे तथा कर्मियों से सुसज्जित है।

समग्र शिक्षा के तहत एमआईएस वास्तुशास्त्र और कार्यक्षेत्र :

प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) की इकाइयाँ राज्य के 30 जिलों और 316 ब्लॉक कार्यालयों में पेशेवर योग्य कर्मियों तथा बुनियादी ढाँचे के साथ स्थापित की गई। सीआरसीसी को मजबूत करने के लिए सभी क्लस्टर संसाधन केंद्र कंप्यूटर और उपकरण से भी सुसज्जित हैं। राज्य, जिला, ब्लॉक एमआईएस कर्मी निर्बाध संचार के लिए ह्वाटसॉप समूहों के माध्यम से जुड़े हुए हैं। आभासी बैठकों और सम्मेलनों के लिए ब्लॉक शिक्षा कार्यालयों में लघु सम्मेलन कक्ष स्थापित किए गए हैं।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत प्रबंधन सूचना प्रणाली की मुख्य भूमिका निम्नलिखित हैं –

१. डेटा प्रबंधन - विभिन्न डेटाबेस और पोर्टल के जरिए पर्याप्त डेटा प्रबंधन के लिए मदद करती है। यह संग्रह, भंडारण, संगठन, छात्रों की डेटा सूचनाएँ, सुविधाएँ, परीक्षा तथाअन्य सूचनाओं के साथ संबंध रखती है।

२. सूचना पहुँच – एमआईएस प्रशासकों, शिक्षकों छात्रों और अभिभावकों के लिए सूचना तक आसानी से पहुँच की सुविधा प्रदान करती है। यह हितधारकों को किसी भी समय, स्थान के अनुसार स्कूली शिक्षा पहुँच, प्रतिधारण, संक्रमण। डॉप – आउट बुनियादी ढाँचे की स्थिति छात्र – प्रदर्शन आदि से संबंधित प्रशंसक डेटा और रिपोर्ट प्राप्त करने की अनुमति है।

३. प्रशासनिक समर्थन – प्रबंधन सूचना व्यवस्था (एमआईस) छात्रों के प्रवेश, नामांकन, शिक्षकों का युक्तिकरण एवं संसाधन

आवंटन सहित प्रशासनिक कार्यों को सुव्यवस्थित करने में सहायता करती है। यह नियमित प्रशासनिक प्रक्रियाओं को स्वचालित करती है, कागजी का4रवाई को कम करती है और समग्र संचालित दक्षता में सुधार करती हैं।

४. निर्णय का समर्थन – प्रबंधन सूचना व्यवस्था प्रशासकों और नीति निर्माताओं को निर्णय की समर्थित प्रणाली प्रदान करती है। यह रिपोर्ट, विश्लेषण और अंतदृष्टि उत्पन्न करती है जो पाठ्यक्रम विकास संसाधन आवंटन, बजट और रणनीतिक योजना से संबंधित निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सहायता करती है।

५. प्रदर्शन मूल्यांकन – प्रबंधन सूचना व्यवस्था विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक प्रदर्शक के मूल्यांकन को सक्षम करती है। यह वैयक्तिक छात्र प्रदर्शन का आकलन करने, शिक्षक प्रभावशीलता की निगरानी करने और निर्धारित लक्ष्यों और बेंचमार्क के खिलाफ समग्र संस्थागत प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में मदद करती है।

६. संसाधन योजना और प्रबंधन : प्रबंधन सूचना व्यवस्था संगठन को संसाधनों की प्रभावी रूप से योजना बनाने और प्रबंधन करने में मदद करती है। यह किताबों, उपकरणों और प्रौयगिकी जैसे शैक्षिक सामग्रियों की सूची प्रबंधन में सहायता करती है, यह बजट खरीद और व्यय ट्कैकिंग आदि वित्तीय प्रबंध का समर्थन करती है।

DAILY MONITORING REPORT ON UDISE+ 2022-23 DATA ENTRY/UPDATION
(SCHOOL PROFILE & FACILITIES AND TEACHER DATA)
[As on 04.04.2023, 10.30 AM]

DISTRICT : BALASORE		SCHOOL PROFILE & FACILITIES DATA			TEACHER DATA (OVERALL STATUS)		
Block Name	Total Schools	Incomplete	Completed	% of completion	Completed	Incomplete	% of completion
BALIAPAL (21082)	285	0	285	100.00	285	0	100.00
BHOGARAI (21084)	418	0	418	100.00	418	0	100.00
JALESWAR (21085)	317	0	317	100.00	317	0	100.00
KHAIRA (21086)	298	0	298	100.00	298	0	100.00
NILGIRI (21087)	239	0	239	100.00	239	0	100.00
OUPADA (21088)	155	0	155	100.00	155	0	100.00
REMUNA (21089)	276	0	276	100.00	276	0	100.00
SIMULIA (21811)	182	0	182	100.00	182	0	100.00
SORO (21812)	276	0	276	100.00	275	1	99.64
BASTA (21083)	274	0	274	100.00	269	5	98.18
SADAR (21810)	417	1	416	99.76	416	1	99.76
BAHANAGA (21801)	215	1	214	99.53	215	0	100.00
District Total	3350	2	3348	99.94	3343	7	99.79

Source: UDISE+ Portal

प्रबंधन सूचना व्यवस्था के तहत डेटाबेस और ई-गवर्नानस व्यवस्था के तहत गतिविधियाँ

१. शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (UDISE+):

सही समय पर सटीक डेटा वेस ही प्रभावी योजना तथा निर्णय लेने का आधार है। इसमें एक अच्छी तरह से सक्रिय सतत शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली की स्थापना आज अत्यंत महत्वपूर्ण है। यूडीआईएसई स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सबसे बड़ी प्रबंधन सूचना प्रणालियों में से एक है, जो यूडीआईएसई मंच पर सम्मिलित है। राज्य के लगभग 63 लाख स्कूलों, 35 लाख शिक्षकों और 78 लाख बच्चों को कवर करने वाला यूडीआईएसई ऑनलाइन है और प्री – प्राइमरी से बारहवीं कक्षा तक औपचारिक शिक्षा प्रदान करने वाली सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों से 2018-19 से वास्तविक समय में डेटा एकत्र कर रहा है। यूडीआईएसई के माध्यम से एकत्र की गई जानकारी का उपयोग, योजना बनाने, संसाधीय कार्यक्रमों का लागू करने और प्रगति का आकलन करने के लिए किया जाता है। यह स्कूल से प्रदर्शन से संबंधित महत्वपूर्ण केवीआई की निगरानी माप और ट्रैक रखता है। 2022-23 के दौरान, यूडीआईएसई+ प्लैटफॉर्म प्री – प्राइमरी से बारहवीं कक्षा तक छात्रवार डेटा पकड़ रखने के लिए खूब प्रयत्नशील रहा है। ओड़िशा ने 2022-23 के लिए छात्र वत डेटा के साथ यूडीआईएसई डेटा ऑपलोड करने का काम पूरा कर लिया है।

२. विस्तरित प्रबंधन सूचना योजना (EMIS) : ओड़िशा 2005 से छात्रवार डेटा बनाए रख रहा है। 2019-20 के दौरान, स्कूल व जनशिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार ने ओसेपा और एनआईसी, भुवनेश्वर के सहयोग से छात्र प्रवेश, मूल्यांकन पदोन्नति, टी सी निर्माण, स्कूल प्रोफाइल, बुनियादी सुविधाओं, प्रोत्साहन प्रबंधन, दैनिक

उपस्थिति आदि के लिए प्रत्येक स्कूल से वास्तविक समय का डेट अपडेशन विस्तारित प्रबंधन सूचना योजनानुसार जारी रखा है।

ईएमआईएस का छात्र मॉड्यूल छात्रों के विवरण के साथ – साथ कक्षा से कक्ष और स्कूल से स्कूल के संक्रमण को पकड़ने के लिए एक गतिशील डेटा बेस है। सिस्टम से नकली नाम को हटाने के साथ – साथ छात्रों को आधार संख्या से जोड़ने के लिए जोर दिया गया है। छात्रों को विविध योजनाओं के तहत विभिन्न प्रकार की अभिव्यक्ति के लिए प्रत्येक्ष लाभ – हस्तांतरण (DBT) को आरंभ किया गया है। ईएमआईएस सभी प्रशासनिक समय की जानकारी प्राप्त करने में सहायता करती है। अन्य विभाग भी ईएमआईएस के छात्र डेटाबेस एपीआई के माध्यम से छात्रवृत्ति, डीबीटी आदि विभिन्न योजनाओं के लिए उपयोग कर रहे हैं।

३. शैक्षिक प्रोफाइल पोर्टल : ओड़िशा ने राज्य के सभी स्कूलों के शिक्षण और गैर – शिक्षण कर्मचारियों का विवरण प्राप्त करने के लिए 2017 से शिक्षक प्रोफाइल पोर्टल विकसित और रखरखाव किया है। प्रत्येक शिक्षा को एक विशेष आईडी सौंपा गया है। सभी शिक्षकों और गैर – शिक्षण कर्मचारियों, शैक्षिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत विवरण के साथ आधार संख्या बनाए रखी गई है। शिक्षक प्रोफाइल डेटाबेस का उपयोग शिक्षक की स्थिति, रिक्तियों, युक्तियों, युक्तिकरण, स्थानांतरण, सगाई और प्रशिक्षण की निगरानी की जाती है। राज्य में शिक्षकों की नवीनतम स्थिति प्राप्त करने के लिए ब्लॉक शिक्षा कार्यालय और स्कूलों के माध्यम से डेटाबेस को मासिक आधार पर अद्यतन किया जाता है।

४. शिक्षक स्थानांतरण पोर्टल : शिक्षक स्थानांतरण प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से सुविधाजनक बनाने के लिए 2019-20 में ओड़िया शिक्षक स्थानांतरण पोर्टल लागू किया गया है। शिक्षक नीति में उल्लिखित दायरे के अनुसार विभिन्न आधारों पर स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और अपनी पसंद के अनुसार स्कूलों का चयन कर सकते हैं। यह पोर्टल डेटा आधारित निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाता है। विभिन्न विद्यालयों में रिक्तियों की उपलब्धा ईएमआईएस पोर्टल और शिक्षक प्रोफाइल के छात्र मॉड्यूल में उपलब्ध अद्यतन जानकारी का उपयोग स्कूल वार रिक्त स्थिति की गणना करने के लिए किया जाता है और प्रशासकों को शिक्षकों की स्थानांतरण प्रक्रिया और युक्तिकरण को लागू करने में सक्षम बनाता है।

५. ओड़िशा स्कूल मॉनिटरिंग एप : राज्य के अधिकारियों, जिला अधिकारियों, ब्लॉक अधिकारियों और सीआरसीसी द्वारा सरकारी स्कूलों की नियमित निगरानी के लिए 2018-19 के दौरान ओड़िशा स्कूल मॉनिटरिं ऐप लॉन्च किया गया था। स्कूल के शैक्षणिक और प्रशासनिक मुद्दे से संबंधित मानकीकृत प्रश्नावली तैयार की जाती हैं और ऐप में इंस्टॉल की जाती है। सभी अधिकारियों को स्कूल स्तर पर ऐप का उपयोग करने के लिए बायोमेट्रिक मॉनिटरिंग टैबलेट प्रदान किए गए हैं। जीपीएस टैगिंग प्रत्येक अधिकारी की निगरानी स्थिति सुनिश्चित करती है जबकि मुद्दों को नीयत समय में समाधान के लिए उच्च अधिकारियों तक पहुँचाया जाता है। इससे निगरानी की दक्षता में वृद्धि हुई है और साथ ही समस्या क्षेत्रों की पहचान करने और उसके समय पर समाधान करने में मदद मिली है। निगरानी दक्षता के आधार पर, जिला, ब्लॉक और सीआरसीसी को मासिक जिला रिपोर्ट कार्ड में रैंक और रिपोर्ट किया जाता है। छात्र डेटाबेस से जुड़ा हुआ, मॉनिटर किसी भी विषय के लिए कक्षा में छात्रों का यादृच्छिक मूल्यांकन करता है और छात्रों के सीखने के स्तर को मापता है जो शिक्षक के प्रदर्शन से जुड़ा होता है, इसलिए यह छात्रों में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित करता है। ओड़िशा स्कूल मॉनिटरिंग ऐप (ओएसएमए) ओड़िशा राज्य द्वारा की गई एक अनूठी पहल है जिसके परिणामस्वरूप राज्य में शिक्षा प्रणाली की बेहतर निगरानी और प्रबंधन होता है।

६. ओड़िशा परियोजना मॉनिटरिंग ऐप (OPMA): समग्र शिक्षा द्वारा स्वीकृत सभी सिविल कार्यों की प्रगति की ऑन – लाइन स्पॉट मनिटरिंग के लिए ओड़िशा परियोजना मनिटरिंग ऐप लागू किया गया है। ओपीएमए में घटकवार भौतिक और वित्तीय लक्ष्य ऑपलोड किए गए हैं एवं तकनीकी सलाहकार क्षेत्र के दौरे के दौरान गतिविधियों की प्रगति को अद्यतन करते हैं। यह स्कूलों की सिविल काम की प्रगति मॉनिटरिंग करने के लिए मदद करता है। यह दीर्घ समय से बाकी सिविल काम को समाप्त करने, फांड प्रबंधन और यूसी संग्रह करने के लिए भी मदद करता है।

७. निजी स्कूल प्रबंधन पोर्टल (PSMP): राज्य में सभी निजी प्रबंधित स्कूलों को सुविधा प्रदान करने, नए प्राथमिक स्कूल खोलने की अनुमति प्राप्त करने, आरटीई के तहत प्रमाण – पत्र मान्यता प्राप्त करने, निजी अंग्रेजी माध्यम माध्यमिक स्कूल चलाने के लिए अनापत्ति प्रमाण – पत्र (NOC) प्राप्ति के लिए निजी स्कूल प्रबंधन पोर्टल (PSMP) 2012 – 13 लॉच किया गया था। पीएसएम पोर्टल स्कूलों को खोलने की अनुमति के लिए ऑनलाइन आवेदन – पत्र जमा करने में मदद करता है। सीओआर, एनओसी, जिलाअधिकारियों को निरीक्षण रिपोर्ट भेजनी होगी और राज्य अधिकारियों को ऑनलाइन अनुमोदन देना होगा। आरटीई अधिनियम की धारा 12 (C) के तहत निजी स्कूलों में 25% आरक्षण के तहत छात्रों के प्रतेश के लिए आरटीई पारदर्शी पोर्टल विकसित किया गया है और इसे पीएसएम पोर्टल से जोड़ा गया है ताकि आरटीई अधिनियम के तहत निजी स्कूलों की निगरानी की जा सके।

१९. सतत् अधिगम की प्रक्रिया: दीक्षा

अवलोकन दीक्षा – एक राष्ट्र, एक मंच

- दीक्षा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT), (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) की एक पहल है।
- दीक्षा का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए आकर्षक शिक्षण सामग्री प्रदान करता है और यह पोर्टल और मोबाइल ऐप के रूप में उपलब्ध है।
- दीक्षा शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास के प्रसार के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।
- डिजिटल सामग्री अपलोड करने, मूल्यांकन करने, सामग्री के अनुसार तालिका को संरचित करने, सभी संसाधनों को एक पाठ्यक्रम में जोड़ने और पाठ्यक्रम की खपत पर डेटा प्राप्त करने के लिए एक ऑनलाइन ढाँचा विकसित करके पाठ्यक्रम का निर्माण बहुत आसान बना दिया गया है।

विजन और मिशन

- शिक्षकों के सशक्तिकरण के लिए प्रौद्यगिकी के उपयोग से छात्रों के सीखने के परिणाम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।
- शिक्षक एवं नेतृत्व प्रशिक्षण
- पाठ योजना और शिक्षक उपकरण
- स्पष्टीकरण सामग्री
- अभ्यास और गृहकार्य
- प्रश्न बैंक और परीक्षा की तैयारी
- आकलन
- प्रश्नोत्तरी

उद्देश्य :

ज्ञान
शिक्षण सामग्री विकसित करने के लिए अधिगम केंद्रीय पेडागॉजी में शिक्षक की पहुँच वृद्धि और सुनिश्चित करना।

प्रेरणा
छात्रों में अधिगम शिक्षण की क्षमताएँ वृद्धि करने के लिए शिक्षकों को संदर्भित सामग्री और जरूरत डिजिटल पाठ्यपुस्तकें और सामग्रियों के सृजन एवं सहायता करने के लिए प्रेरित करना।

पीअर अधिगम और सहयोग
छात्रों के लिए एक सकारात्मक अधिगम – शिक्षण माहौल उत्पन्न करने के लिए शिक्षकों, छात्रों एवं माता – पिता – अभिभावकों को ऑनलाइन आलोचना फोरम पर संयुक्त करना, सक्रिय पाठ्यपुस्तकें और ई-सामग्री अपलोड की स्थिति उत्पन्न करना।

डिजिटल कांटेट के श्रोत

- शिक्षा दर्पण कार्यक्रम दूरदर्शन में प्रसारित
- यू - ट्यूब लाइव स्ट्रिमिंग
- ओआरएसएसी – ईडीयेसएसटी
- रेडियो पाठशाला
- विद्यादान
- ई-कांटेंट: साझेदारी और किराए की एजेंसी द्वारा विकसित
- टीक टैक आदि

आज तक की प्रगति

- ई-कांटेंट संख्या - १०२७९, दिक्षा पोर्टल में अपलोड - ९८०७
- ई-कांटेट जिस भाषा में उपलब्ध - ०५ (ओड़िआ, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, उर्दू)
- ग्रेड I-XII तक पाठ्योजना के अनुसार पाठ्यपुस्तकों की संख्या 186
- क्यूआरकोड के साथ पाठ्यपुस्तकों की संख्या – १८६
- कक्षा IX और X के छात्रों के लिए तृतीय पद्य अभिसरण द्वारा 1262 ई – कांटेंट विकसित हुआ है और आंतरिक एचडीडी के जरिए माध्यमिक स्कूलों को स्मार्ट कक्षा – कक्ष जारी किए गए। दीक्षा पोर्टल में ओड़िआ, गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, सामाजिक पाठ, हिंदी, संस्कृत विषय अपलोड हुए हैं। ये कांटेट राज्य पाठ्यचर्या पर आधारित हैं।

- 168 Textbooks Energized
- 1st - 12th Grades Covered
- 5 Mediums Covered
- 168 QR codes Imposed

72.57 Lakhs +
Total Successful QR Scans Till date

500+eContents available to be mapped with respective Chapters.

9807
e-Contents already linked against Chapters

२०. योजना प्रक्रिया और कार्यान्वयन व्यवस्था

संग्र शिक्षा योजना स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना है। यह फ्री – स्कूल से कक्षा दसवीं तक की शिक्षा को कवर करती है। यह स्कूली शिक्षा की एक निरंतरता के रूप में मानती है और शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी - 4) के अनुरूप है। यह योजन न केवल बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2000 के कार्यान्वयन के लिए सहायता प्रदान करती है, बल्कि इसके साथ संरेखित भी की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020 की सिफारिशें इस योजना का उद्देश्य सुनिश्चित करती है। इसके अनुसार सभी बच्चों को एक समान और समावेशी कक्षा वातावरण के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच प्राप्त हो, जिसमें उनकी विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं और विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ख्याल रखा जाए और उन्हें सीखने की प्रक्रिया में सक्षम बनाया जाए।

समग्र शिक्षा की योजना प्रक्रिया में राज्य स्तर पर राज्य शैक्षिक कार्य योजना और बजट तैयार करना शामिल है। AWPB समग्र शिक्षा योजना के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राज्य की प्राथमिकताओं और रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करती है। इसमें राज्य परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में राज्य योजना टीम में योजना को लागू करने के लिए प्रस्तावित बजट भी शामिल है जो योजना प्रस्तुत करती है। राज्य स्तरीय योजना प्रक्रिया में योजना के तहत हुई प्रगति की निगरानी, डेटा संग्रह, अंतराल का विश्लेषण, दूसरे विभागों और लाइन विभागों और सीएसओ के साथ अभिसरण, समय और बजट आवंटन, राज्य और मंत्रालय स्तर पर मूल्यांकन शामिल हैं।

जिला स्तर पर, समग्रशिक्षा की योजना प्रक्रिया नीचे से ऊपर तक के दृष्टिकोण में प्रत्येक जिले के लिए वार्षिक कर्म योजना और बजट (एडब्लूपीबी) तैयार करने के लिए केंद्रित है। जिला स्तरीय योजना समग्र शिक्षा की प्रणाली को कार्यान्वित करने तथा योजना को प्रस्तुत एवं निगरानी के लिए उत्तर दायी है।

समग्र शिक्षा के तहत वार्षिक कार्य योजना 2023-24 की तैयारी हुई। इसका उद्देश्य है सभी छात्र गुणात्मक शिक्षा और समावेशी कक्षा – कक्ष परिवेश की ओर प्रवेश कर सकते हैं। इसमें डिवोर्स, पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताएँ और विभिन्न शैक्षणिक क्षमताएँ शामिल हैं। इससे छात्र अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय प्रतिभागी हो सकते है।

राज्य जिला स्तरीय योजना प्रणाली संबंधीय हितधारकों, शिक्षकों, स्कूल प्रशासकों और सामुदायिक सदस्यों के साथ परामर्श करती है। ये योजनाएँ आवश्यकता के आकलन एवं पूर्व कार्यानित अनुभवों की समीक्षा पर आधारित है जो प्रमाण तथा डेटा बेसड होने को अपेक्षित हैं।

नियोजन प्रक्रिया में एक विस्तृत बजट और व्यय योजना विकास भी शामिल है, जो प्रस्तावित रणनीतियों और गतिविधियों को लागू करने के लिए आवश्यक संसाधनों की रूपरेखा तैयार करता है। योजना की तैयारी के दौरान, योजना टीम एक यथार्थवादी बजट योजना सुनिश्चित करती है। यह यथार्थवादी, व्यवहार्य और समग्र शिक्षा योजना की समग्र शिक्षा प्राथमिकताओं और उद्देश्यों के अनुरूप होने की उम्मीद है।

एक बार योजनाएँ तैयार हो जाने के बाद ये योजनाएँ स्तर के सुधार पर राज्य या जिला स्तर पर स्तर समीक्षा और अनुमोदन प्रक्रिया के अधीन होती हैं। इस परीक्षा प्रक्रिया शिक्षा योजना के लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप हैं। वे साक्ष्य आधारित और डेटा – संचालित हैं और मानदंड के भीतर हैं।

योजना टीम का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण समग्र शिक्षा योजना का एक अनिवार्य घटक है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करता है कि हितधारकों के पास योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने और देश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान हैं।

जिला एवं राज्य पदाधिकारियों का क्षमता निर्माण

- समग्र शिक्षा के तहत प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार वार्षिक कार्ययोजना और बजट 2023-24 की तैयारी के लिए अभिविन्यास और क्षमता विकास कार्यक्रम की पहल शुरू हो गई है।
- मूल्यांकन मानदंड और कार्यक्रम संबंधी और वित्तीय मानदंडों पर एसपीओ डीपीओ के सभी हस्तक्षेप प्रमुख का क्षमता – निर्माण समग्र शिक्षा को वार्षिक योजना तैयार करने के लिए बनाया गया है।
- योजन को अधिक यथार्थवादी बनाने के लिए विकास योजना और जिला वार्षिक योजना की तैयारी के माध्यम से शिक्षक, प्रधानशिक्षक, सीआरसीसी, बीआरसीसी, बीईओ, डीपीसी, समन्वयक, डीईओ, शिक्षा प्रशासक और डीपीओ स्तर पर काम करने वाले पेशेवर शामिल हैं।

विद्यालय विकास योजना

- बच्चों की सुरक्षा और समग्र विकास के बारे में अपने विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रभावशीलता के उच्चतम संभाव्य स्तर को प्राप्त करने और बनाए रखने के मौलिक उद्देय के साथ स्कूलों में स्कूल विकास योजना और स्कूल सुरक्षा योजना सुनिश्चित की गई है।
- सभी शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों मॉड्यूल निष्ठा (NISHTHA) में संशोधन के माध्यम से विद्यालय विकास योजना तैयार करने की विधि और महत्व पर उन्मुख किया गया है।
- सभी समुदाय के सदस्यों को एसडी और एसपी की तैयारी पर तालीम दी गई है।
- सभी स्कूलों में एसडी और एसपी की तैयारी सुचारू रूप से करने के लिए संदर्भ के लिए स्कूल सुरक्षा योजना टैंपलेट के साथ एक सांकेतिक स्कूल विकास योजना (ओड़िशा) का प्रारूप प्रदान किया गया है। जिलों का स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार कोई अन्य स्कूल क्षेत्र जोड़ने की छूट है।
- एसडीपी की तैयारी के दौरान सभी बच्चों का स्कूलों में नामांकन, उनकी उपस्थिति और प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने को सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है।
- स्कूल विकास योजना की तैयारी के दौरान, डेटा स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संदर्भ और तुलना के लिए एसडीएमआईएस, शिक्षक पोर्टल और बाल जन गणना के डेटा पर विचार किया जाएगा।

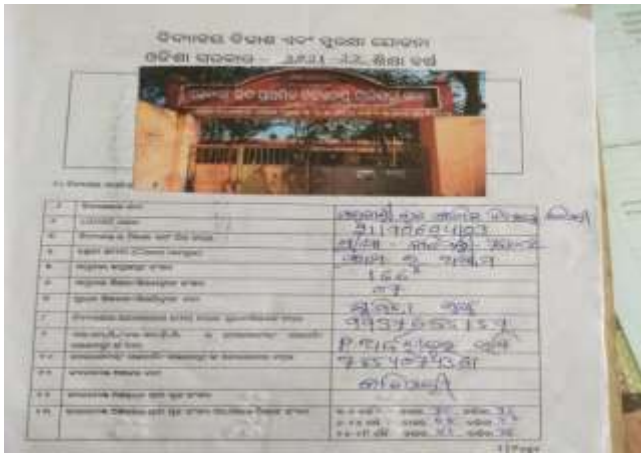

School Development Plan of Kalipalli UPS Sambalpur

सामाजिक लेख परीक्षा

- भारत सरकार के एमओई से प्राप्त सामाजिक ऑडिट दिशानिर्देश इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि सामाजिक ऑडिट प्रति वर्ष कम से कम 20% स्कूलों को कवर करेंगे ताकि सभी स्कूलों को पाँच साल की अवधि में कम – से – कम एक बार कवर किया जा सके।
- सामाजिक ऑडिट की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए राज्य ने राज्य में स्थित एमओयू/ एसएयू के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- जैसे कि बताया गया है कि स्कूली स्तर पर सामाजिक लेखा परीक्षा के दौरान एसएयू की भूमिका, जिम्मेदारी, मास्टर प्रशिक्षकों की पहचान, क्लस्टर सामाजिक लेखा परीक्षकों और आवश्यक संसाधन व्यक्तियों का चयन, उनका क्षमता निर्माण, वार्षिक कैलेंडर तैयारी, क्लस्टर सामाजिक लेखन परीक्षकों (सीएसएसएस) की तैयारी करना। कैलंडर के अनुसार सामाजिक लोखा परीक्षा के लिए, सभी क्लस्टर सामाजिक लेख परीक्षकों (सीएसेस) को सीधा भुगतान, लेखा परीक्षा की गुणवत्ता की निगरानी, एमआईएस में डेटा प्रविष्ट को सुनिष्चित करना तथा निगरानी करना और सार्वजनिक डोमेन में रिपोर्ट की मेजबनी करना और सार्वजनिक सनवाई में भाग लेने के लिए कर्मियों को नियुक्त करना। विभिन्न स्तरों पर तथा सामाजिक लेखा परीक्षा के निष्कर्षों पर आवधिक रिपोर्ट तैयार करना है, रिपोर्ट की कार्रवाई की समीक्षा करना। टीआरएस और मुद्दों को बंद करें या आगे बढ़ाएँ। सामाजिक लेख परीक्षा और एटीआरएस को परिणाम पर वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना। उन रिपोरर्ट, परिणाम और एचटीआरएस के व्यापक रूप से प्रसारित करने के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

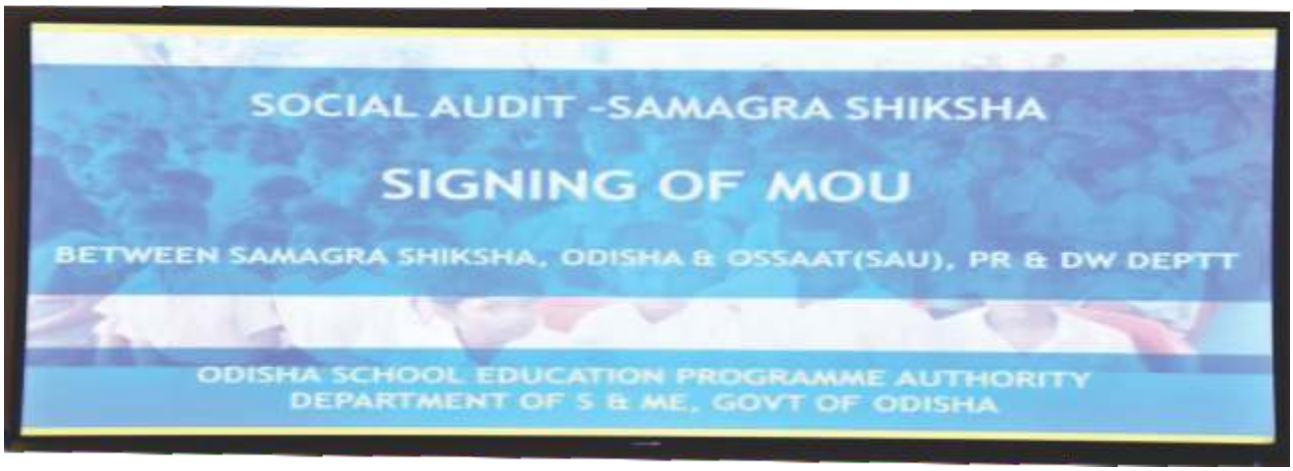

आवश्कता आधारित योजना

- योजना की तैयारी के दौरान स्कूल, बाल संख्या, नामांकन, स्कूल से बाहर – यूडीआईएसई+ और क्षेत्र सर्वेक्षण से संबंधित सभी डेटा और जानकारी का उपयोग किया गया है।
- पीएबी की प्रतिबद्धताओं और की गई कार्रवाही रिपोर्ट, सोध अध्ययन, लेखा परीक्षा, सीएजी की सिफारिश आदि पर विचार किया गया।
- समग्र – शिक्षा की तरह सभी हस्तक्षेपों की गतिविधि पर योजना जीएपी, उपलब्ध संसाधनों और आवश्यक रणनीतियाँ को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है।
- समुदाय आधारित योजना सुनिश्चित करने के लिए स्कूल/बस्ती को इकाई माना गया है।
- एक्सेस योजना तैयार करने के लिए फील्ड लेवल डेटा और स्कूल – मैपिंग डेटा का उपयोग किया गया है।
- जिलों से प्राप्त जानकारी के अनुसार धारा 12(1) (सी) के तहत 25% दाखिले बच्चों के लिए योजना बनाई गई है।
- व्यापक गुणवत्ता खोजने की तैयारी जिसमें प्राथमिक स्तर पर पढ़ने, लिखने, समझने, संख्यात्मकता में मुख्य कौशल और दक्षताओं की उपलब्धि में अंतराल की पहचान करने और उन्हें संबोधित करने पर जोर दिया गया था। तदनुसार 2021-22 के लिए गुणवत्ता योजना तैयारी की गई है।
- आकांक्षी जिलों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कदम उठाए गए हैं।
- बिजली की प्राथमिकताएँ शौचालय और पेयजल की सुविधाएँ प्रदान कर सिविल कार्य योजना तैयार की गई हैं।
- योजना प्रक्रिया में समस्त एसएससी को उन्मुख करने और शामिल करने के लिए एसएससी/ एसएमडीसी प्रशिक्षण की योजना बनाई गई है।
- चूँकि मौसमी छात्रावास छात्रों के ठहराव में अच्छा परिणाम है, इसलिए इस वर्ष उन सभी छात्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की योजना बनाई गई है जो प्रवास प्रवण है।
- सन् 2023-24 में आकांक्षी जिले में बुनियादी ढाँचे के विकास माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों तक पहुँच, परिवहन मौसमी छात्रावास, विशेष प्रशिक्षण तथा आवासीय छात्रावास सुविधाओं को अधिक परिणाम की गतिविधियों के सहित प्राथमिकता दी गई है।
- सभी बच्चों को स्कूल में नामांकित करने, उन्हें पकड़ में बनाए रखने तथा उनकी प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के लिए जनजातीय योजना बनाई गई है।
- मदरसों तथा मक्तबों जैसे अल्पसंख्यक संस्थानों को महत्व देते हुए अल्पसंख्यक योजना बनाई गई है। कार्यान्वयन की रूपरेखा के अनुसार सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

साक्ष आधारित योजना

वार्षिक योजना दिशानिर्देश और मानदंड के अनुसार विकेंद्रीकृत तरीके से बनाई गई है ताकि लक्ष्य प्राप्ति में समय और प्रयास कम हो। इस संबंध में नियोजन प्रक्रिया कम हो। इस संबंध में नियोजन प्रक्रिया को पालन करने के लिए एक समय कैलेंडर तैयार किया गया है और सभी जिलों तथा राज्य स्तर पर सूचित किया गया है।

स्थानीय स्व – शासन की भागीदारी

- आरटीई के तहत पीआरआई को स्थानीय प्राधिकरण घोषित किया गया।
- शिक्षा में जीपी स्तरीय कमेटी का आवश्यक चरित्र।
- समग्र शिक्षा के लक्ष्य तथा उद्देश्य समस्त पीआरआई सदस्यों की संवेदनशीलता एवं विशेष बैठकों के माध्यम से आकांक्षी जिलों को आवश्यकतानुसार प्राथमिकता देना।
- उपस्थिति प्रतिधारणा और जागरूकता पैदा करने के लिए पीटीएम/ एसएमसी का विशेष अधिकार, आवश्यक चरित्र और विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जारी है।
- अनिवार्य सामाजिक ओडिट। (ओड़िशा में OSSAAT के साथ समझौता रखना)

AWPB के विकास के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया

- भारत सरकार के एमओई द्वारा निर्धारित योजना की तैयारी की प्रक्रिया पर सभी डीपीसी और टीम का क्षमता – निर्माण व्यक्तिगत रूप से उपकुलपति के माध्यम से किया गया है।
- वार्षिक कार्ययोजना और बजट की तैयारी को पहले सोचने में, स्कूली स्तर पर स्कूल सुधार विकास योजना तैयार की जो रही है। प्रत्येक स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) स्कूल की तैयारी के लिए सक्रिय समुदाय के सदस्यों, शिक्षकों के सहयोग से स्कूल स्तर की योजना शुरू करती है। स्तरीय योजना जिसे स्कूल विकास योजना (एसडीपी) कहा जाता है। प्रारंभ में तैयारी का चरण एसएमसी बैठक से शुरू हुआ है जो सामुदायिक भागीदारी सुनिष्चित करता है (आरटीई अधिनियम की धारा – २१ और भाग – V के अनुसार)।
- एसडीपी में मुख्यतः बुनियादी ढाँचे के विकास, छात्रों की उपलब्धि, मौजूदा शिक्षकों की जरूरतें, माता – पिता की अपेक्षा, कक्षा लेनदेन की प्रक्रिया आदि में अंतराल की पहचान शामिल है। इसलिए एसडीपी प्रत्येक स्कूल की आवश्यकताओं को प्रदान करता है जिसे अंततः जिला स्तर पर संकलित किया जाता है।
- इसके अलावा, जिला योजनाओं की तैयारी के लिए .डीआईएस से डेटा, जिसकी अत्यधिक आवश्यकता होती है, शिक्षकों और ब्लॉक स्तर के एमआईएस समन्वयकों और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को सक्रिय भागीदारी के साथ तैयार किया जाता है।
- राज्य स्तर पर एडब्लूपीऔरबी (AWP&B) की तैयारी जिला स्तरीय योजनाओं के मूल्यांकन और समेकन पर निर्भर करती है। सभी जिला स्तरीय समन्वयक, कार्यनिष्पादक, एडीईओ, वरिष्ठ टीसी (जिला विशिष्ट योजना दल) जिला वार्षिक काम योजना तथा बजट को तैयार और समेकित कर प्रबंध (PRABANDH) पोर्टल में अपलोड करते हैं।
- राज्य एकीकृत और समेकित योजना को गठन करने के लिए राज्य स्तर पर जिला परियोजनाएँ एकत्रित हुई हैं। समग्र शिक्षा के दौरान राज्य स्तर पर वार्षिक कार्य योजना और बजट का समेकन हुआ है। सारे हस्तक्षेप, टीई एंड एससीईआरटी, प्रारंभिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा शामिल हैं।

एकीकृत एडब्लूपीऔरबी, 2023 -24 के तहत गतिविधियों की कार्यसूची

क्र.संख्या	गतिविधियाँ	दिनांक	प्रतिभागी
1	जिला योजनाओं के अंतिम चरण और समेकन	मार्च	जिला-योजना टीम
2	राज्य स्तर पर एकीकृत जिला एडब्लूऔपीरबी, 2023 का मूल्यांकन	मार्च	जिला-योजना टीम-मोड ऑनलाइन/ ऑफलाइन
3	एसपीओ में जिला एडब्लूपीएंडबी की प्रस्तुति	मार्च	30 जिले
4	राज्य योजना का अंतिम चरण	मार्च	मुख्यों का हतक्षेप और योजना टीम
5	कीकृत एसडब्लूपी एंड बी, 2023 – 24 को एमओई का ऑनलाइन जमा की प्रस्तुति		

राज्य कार्ययोजना और बजट की प्रस्तुति

क्र.संख्या	दिनांक	हस्तक्षेप का नाम	प्रस्तुति मोड
1	01-03-2023	पहुँच और सिविल, शिक्षक शिक्षा	पीपीटी
2	02-03-2023	बालिका शिक्षा, प्री – प्राईमरी, शिक्षा, एसटी – एससी शिक्षा, केजीबीवी	
3	03-03-2023	व्यावसायिक शिक्षा, पुस्तकालय, वीएसके, कैरिअर, परामर्श, शिक्षक प्रशिक्षण, आरईएम आकलन, आरएए	
4	04-02-2023	गुणात्मक शिक्षा - प्राथमिक, माध्यमिकस अफएलएन, मुफ्त पाठ्य-पुस्तकें, वर्दी, नवाचार, आईसीटी, एमआईएस, योजना, वित्तप्रतिष्ठान	

योजना प्रक्रिया के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं :

- ब्लॉक स्तर पर बीईओ की अध्यक्षता में एक योजना टीम का गठन हुआ। इसमें बीआरसी, एमआईसी – सह योजना समन्वयक, सारे टीसी, बी.आरटी, एबीईओ, सीआरसीसी शामिल हैं। ये एसडीपी को समकेन करने, ब्लॉक योजना तैयार करने एवं इसे डापीओ – एसएसए के पास जमा करने दिए जाते हैं।
- डीपीसी की अध्यक्षता में डीपीओ एसएसए योजना टीम को सौंपने के लिए, जिलास्तर पर डीआईईटी के सदस्यों, सभी हस्तक्षेपों के प्रमुखों, बीईओ, एबीईओ को योजना तैयार करने और मूल्यांकन करने के लिए बनाया गया है।
- राज्य परियोजना कार्यालय में राज्य परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में सभी हस्तक्षेप प्रमुखों, विभिन्न हस्तक्षेपों के समन्वयकों की एक योजना टीम ने कोविड़ – १९ महामारी के कारण ऑनलाइन के माध्यम सभी जिला स्तरीय योजनाओं के मूल्यांकन में भाग लिया।
- समग्र शिक्षा और स्टार्स योजना तैयार करनेके लिए अच्छी तरह से डिजाइन किया गया। एडब्लूपीबी 2023-24 का कार्यान्वयन और मैनुअल के लिए फ्रेमवर्क के तहत मानदंड को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।
- वार्षिक योजना की तैयारी के तहत आकांक्षी जिला दिशानिर्देशों का पालन किया गया। सभी जिलों के कलेक्टरों को बुनियादी आधारभूत संरचना में अंतराल तथा डिजिटल पहल आदि पर योजना प्रस्ताव देने के लिए निवेदन किया गया।
- प्रबंध पोर्टल में समग्र शिक्षा के तहत बजट प्रस्ताव को अपलोड किया गया।

शैक्षिक संस्थाओं की भूमिका

- टीई और एससीईआरटी को शैक्षिणिक प्राधिकरण घोषित किया गया है।
- एससीईआरटी, निदेशक को एसआईईएमएटी का निदेशक घोषित किया गया। गुणात्मक प्रबंधन पर डीईओ, बीईओ और प्रशिक्षण प्रबंधकों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।
- सभी अप्रशिक्षित शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण और उनकी शैक्षिक योग्यता अपग्रेड करने के लिए एमआईओएस एवं टीई एंड एससीईआरटी के साथ अभिसरण करने की व्यवस्था हुई।

अभिसरण :

- समग्र शिक्षा के तहत एसटी/ एससी, आरडी, क्रीड़ा, ऊर्जा, डब्लू एंड सीडी, स्वास्थ्य मंत्रालय, चायतराज, अग्नि सुरक्षा, ओएसडीएमए, सामाजिक ऑडिट यूनिट आदि विभागों तथा सिविल समाज के साथ अभिसारण एवं सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया गया।

२१. स्कूल छात्र हेल्पलाइन

स्कूल छात्र हेल्पलाइन ओड़िशा सरकार की एक अनूठी पहल है। जो ओसेपा के तहत बच्चों के लिए मुख्य और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 को सुनिश्चित करने के लिए ओसेपा में स्थापित है। यह स्कूली छात्र (I - X) और विभाग के बीच एक चैनल के रूप में शुरू हुई और धीरे – धीरे विकासित हुई। एक रक्षक, एक मार्गदर्शक, एक विश्वासपात्र और राज्य के स्कूल छात्रों के लिए टोल फ्री नंबर (18004356722) जिसके जरिए कक्षा I से X तक पढ़ने वाले 6-16 आयु वर्ग का कोई भी बच्चा कॉल कर सकता है या ई – मेल कर सकता है यदि उसके शिक्षा का अधिकार खतरे में है या उसके पास साझा करने के लिए कुछ भी हो। इसके अलावा ऑनलाइन अभियोग वेवसाइट (www.studenthelpline.nic.in)। प्राप्त मामले 64 प्रकारों के अधीन रह सकते हैं। ये प्राप्त – मामले विमुख मुद्दों को विभिन्न कोनों से पहचानने के लिए विश्लेषित किए जाते हैं। ये संबंधित गतिविधियाँ चिन्हित मुद्दों को संबोधित करने के लिए डिजाइन हुए हैं। ये डिजाइन कार्यक्रम जिला, ब्लॉक, क्लस्टर और स्कूली स्तर पर आवश्यकतानुसार संगठित हुए हैं।

हेल्पलाइन मामलों की प्रतिष्ठा

स्कूल छात्र हेल्पलाइन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों उपायों से काम करती है। मामले को दर्ज करने के लिए इसका कामकाजी समय चौबीस घंटों और क्रमशः ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक हैं। शिकायत प्राप्त करने के अलावा यह शिक्षकों के साथ – साथ प्रशासन के समन्वय से स्कूल संबंधित समस्याओं को सुलझाने के लिए माता – पिता और समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक सक्रिय इकाई के रूप में कार्य करता है। इसके सिवा यह परीक्षा के दौरान तथा जरूरत के समय बच्चों और अभिभावकों को परामर्श सहायता प्रदान करता है। अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 की अवधि के दौरान कुल 1487 वैध मामले प्राप्त हुए। श्रेणी वार मामले के विश्लेषण से पता चलता है कि 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के तहत कुल 41 विभिन्न श्रेणी के मामले प्राप्त हे। ग्राफिकल प्रस्तुति में स्पष्टता के लिए श्रेणियों को कुछ व्यापक श्रेणयों में जोड़ा गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 को जिलेवार प्राप्त मामलों और व्यापक श्रेणी के मामलों की ग्राफिकल प्रस्तुति नीचे दी गई है।

आरेख - १: अभियोग की संख्या अन – उपकूलवर्ती जिलों की अपेक्षा उपकुलवर्ती अंचलों में अधिक हैं। कटक, केंद्रापड़ा और बालेश्वर द्वारा दर्ज किए गए मामले ग्राफ में अधिक दिखते हैं, जबकि गजपति, झारसुगुड़ा जिले के मामले ग्राफ में कम दिखते हैं।

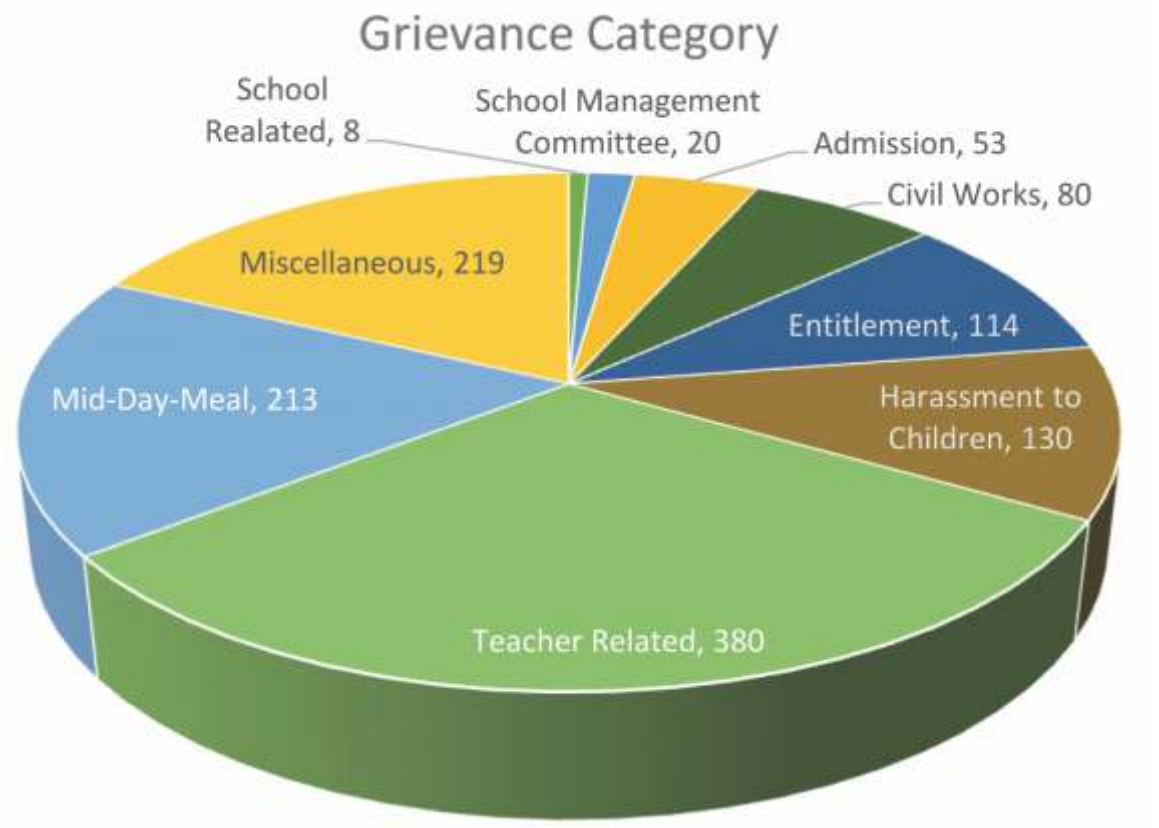

आरेख – २ श्रेणीवार मामले दर्शाते हैं कि प्राप्त अधिकतम मामले शिक्षकों से संबंधित है, फिर अन्य विविध तथा एमडीएम से संबंधित हैं।

चूँकि स्कूल दो साल से अधिक समय तक बंद रहे, इसलिए महत्वपूर्ण सामाजिक अलगाव पैदा हुए जो बच्चों के व्यवहार में बदलाव के विकास के सबसे महत्वपूर्ण कारणों में से एक माना जाता था। अतः शैक्षणिक वर्ष 2022 – २३ के दौरान बच्चों की मानसिक शक्ति को बढ़ाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर ध्यान दिया गया।

मुद्दे	चर्चा के विषय	लक्ष्य समूह	कार्यान्वयन का महीना
समय की बर्बादी	समय प्रबंधन	VI - X	जून
लगातार अनुपस्थिति	नियमित उपस्थिति	I - VIII	जुलाई
पढ़ाई में कम रुचि	पढ़ाई में रुचि कैसे पैदा करें	I - VIII	अगस्त
अन्यमनस्कता	ध्यान केंद्रित/ एकाग्रता	I - X	सितंबर
परीक्षा का प्रभाव	एसएचसी परीक्षा के लिए पुरस्कार	X	दिसंबर
साक्षरता के कौशल कम	वाचन अभ्यास	I - X	दिसंबर
स्वास्थ्य संबंधीय मुद्दे	व्यक्तिगत स्वस्थता	I - V	जनवरी-2023
परिवहन अंतराल	साइवर सुरक्षा	VI - X	जनवरी
संवादहीनता	प्रभावी परिवहन	VI - X	फरवरी

समय प्रबंधन :

ऊर्जा और पैसों की भाँति समय भी एक सीमित संसाधन है जिसके कारण इसका उपयोग प्रभावी ढंग से होना जरूरी है। एक बार इसका उपयोग करने का मतलब है कि यह दुबारा नहीं आएगा। समय प्रबंधन ही विशेष कार्यों पर विशेष रूप से प्रभावशीलता और दक्षता बढ़ाने के लिए आप के द्वारा खर्च किए जाने वाले समय की योजना बनाना, नियंत्रित करना है। अतः जीवन में एक बच्चे की सफलता के लिए उचित समय पर प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है। कक्षा 6 से 10 तक के बच्चों के लिए सभी विद्यालयों में प्रभावी समय प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम 2022, जून महीने में आयोजित हुआ। निम्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई :

- प्रबंधन क्या है ?
- समय प्रबंधन क्यों महत्वपूर्ण है ?
- समय का सदुपयोग सुनिश्चित करने के लिए युक्तियाँ।
- प्रभावी तरीके से समय प्रबंधन में अपने बच्चों का मार्गदर्शन करने के बारे में माता – पिता को सुझाव।
- बच्चों को समय का सदुपयोग करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित करने के टिप्स।

नियमित उपस्थान

एक छात्र का पहला और सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है नियमित रूप से स्कूल जाना। ऐसा होता है कि जब कोई अंतराल होता है तो लोग अपने नियमित व्यवहार से विचलित हो जाते हैं और छात्र भी। उदाहरण के लिए, जब लंबी छुट्टियाँ होती हैं, तो बच्चे स्कूल खोलने के तुरंत बाद स्कूल जाने से कतराते हैं क्योंकि उन्हें विभिन्न जगहों पर घूमने, दोस्तों के साथ अधिकतम समय बिताने, खेलने सोशल मीडिया देखने आदि में मजा आता है। कोविड – १९ महामारी के दौरान बच्चों के लिए यह अंतराल बढ़ गया। इस स्थिति के कारण स्कूल दो साल से अधिक समय तक बंद रहे। इस अंतराल का स्कूल में बच्चों की नियमित उपस्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ा। नियमित उपस्थिति को सुनिश्चित करने के लिए कक्षा I से VIII तक के स्कूलों में एक साझा - सत्र आयोजित किया गया कि स्कूल में बच्चों की नियमित उपस्थित कैसे सुनिश्चित की जा सके। पारस्पारिक क्रिया में निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया गया :

- यदि कोई बच्चा नियमित रूप से स्कूल जाता है तो उसे क्या लाभ मिलता है ?
- यदि बच्चे की उपस्थिति अनियमित है तो उसे किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है ?
- वे समूह में स्कूल जाने की योजना कैसे बना सकते हैं ताकि किसी के भटकने पर वे एक दूसरे को प्रेरित कर सकें।
- अपने बच्चों के नियमित स्कूल भेजने में माता – पिता की भूमिका क्या होनी चाहिए ?

पढ़ाई में आग्रह पैदा करना

बच्चे आमतौर पर स्वभाव से चंचल होते हैं जिसके फलस्वरूप वे प्रायः काम करने का आग्रह खो देते हैं। कोविड़ – १९ महामारी के दौरान स्कूल बंद रहे और बच्चे घर तक सीमित रहे। उनकी शारीरिक गतिविधियाँ, दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने – जुलने आदि में रुकावट आई। ऐसी स्थिति में बच्चे पढ़ाई में रुचि खो बैठे और अपनी दैनिक दिनचर्या से भटकने लगे। इसके परिणामस्वरूप उनके जीवन में नकारात्मक परिणाम आए। इसलिए बच्चों को पढ़ाई के प्रति आग्रह पैदा करने के लिए एक साझेदारी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम अगस्त, 2022 को राज्य के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक स्कूलों की कक्षा I से VIII तक के बच्चों को लेकर आलोचना निम्नलिखित बिंदुओं पर हुई थी।

- ग्रुप स्टडी क्या है ?
- ग्रुप स्टडी कैसे कोई अच्छी तरह जुड़ सकता है ?
- पाठ का परिवेश सृष्टि करने के लिए क्या – क्या रणनीतियाँ हैं ?
- समय सारणी कैसे बनानी है ?
- नियमित रूप से क्या खाना है ?
- कैसे बाधा देने वाले कार्यो से दूर रहें ?
- पाठ परिवेश को कैसे डिजाइन करें ?
- माता – पिता अपने बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि पैदा करने में कैसे सहयोग कर सकते हैं ?

एकाग्रता कौशल

एकाग्रता और मनयोग बच्चों के लिए फायदेमद हैं क्योंकि यह स्कूलों में तथ्य / पाठ के याद रखने में मदद करता है। आसपास के वातावरण के बारे में सीखने में भी मदद करते हैं। हम जन्म से महान एकाग्रता शक्ति के साथ पैदा नहीं होते लेकिन इसे समय के साथ विकसित करने की जरूरत है। इस संदर्भ में सितंबर, 2022 के दौरान स्कूली बच्चों में एकाग्रता कौशल कैसे विकसित किया जाए, इस पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के तहत राज्य के सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालयों को शामिल किया गया था। कक्षा I से X तक के बच्चों ने साझा कार्यक्रम में भाग लिया। निम्नलिखित बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई :

- एकाग्रता क्या है ?
- एकाग्रता से क्या लाभ होता है ?
- जब कोई व्यक्ति एकाग्रता खो देता है तो उसके व्यवहार में क्या परिवर्तन होता है ?
- एकाग्रता वृद्धि करने के उपाय

सर्पेश्वर विद्यापीठ, कटक

मानसिंहबाजार यूपीएस, बालेश्वर

किताब को अपना अच्छा मित्र बनाएँ/पठन अभ्यास बढ़ाएँ

हम सभी को ऐसे मित्रों की जरूरत है जो सही समय पर हमारे साथ रहें और जो आलोचना के बिना हमें समझें। किताबें हमारे जीवन में हमेशा अपनी अच्छी मित्र हो सकती हैं। वे हमारे रास्ते में आने वाली हर समस्या का सबसे अच्छा समाधान है। इस संबंध में राज्य के सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में (पुस्तक एक अच्छी मित्र है) विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कक्षा I से X तक सभी बच्चों को शामिल किया गया। माह सितंबर, 2022 को निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई :

- यह मस्तिष्क को कैसे सक्रिय रखता है ?
- यह कैसे मनोरंजन का माध्यम हो सकता है ?
- यग अच्छी नींद, एकाग्रता शक्ति विकसित करने, आत्मविश्वास और संचार कौशल बढ़ाने, मानसिक तनाव को कम करने आदि में कैसे मदद करता है ?
- यह किस प्रकार बच्चों का ज्ञान समृद्ध करने में मदद करता है ?

उत्कलमणि सरकारी हाईस्कूल, मयूरभंज

सरकारी बालिका विद्यालय, केंद्रपड़ा

कोई भी जन्म से बुद्धिमान नहीं होता। यह शिक्षा अध्ययन और कड़ी मेहनत है जो हमें स्मार्ट बनाती है। परीक्षा से हमारी बुद्धिमान जानी जाती है। इससे हमें अपनी कड़ी मेहनत दिखाने का अवसर मिलता है। परीक्षा के कारण बच्चों में तनाव एक बात है क्योंकि वे परीक्षा की तैयारी के लिए पारस्परिक नियमों का पालन नहीं करते हैं। इसलिए परीक्षा के डर/ तनाव को दूर करने और बिना किसी डर के एएसएससी परीक्षा में बैठने अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए एएचएससी परीक्षा में बैठने वाले दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए दिसंबर, 2022 को परीक्षा के लिए आसान टिप्स विषय पर एक संवर्धनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। राज्य के सभी हाईस्कूलों में बच्चों के साथ यह साझा क्रिया गया। इसमें प्रमुख बिंदु निम्न प्रकार है :

- शिक्षण विधियों का अनुसरण करें
- एक व्यवस्थित और सुनियोजित समय सारणी की तैयारी कैसे करना चाहिए।
- समयानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर सही और प्रभावी ढंग से लिखने के लिए टिप्स प्रदान करना।
- अधिक अंक प्राप्त के लिए विषय – वार हल्की टिप्स
- परीक्षा क समय बच्चों को सहयोग करने के लिए माता – पिता को टिप्स प्रदान
- परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन तथा बच्चों का मार्गदर्शन के लिए शिक्षकों को टिप्स देना।

व्यक्तिगत स्वच्छता

अच्छी व्यक्तिगत स्वच्छता स्वयं को संक्रमण बीमारियों, जैसे कोविड – १९, सर्दी – जुकाम, फ्लू आदि से बचने के सर्वोतम तरीकों में से एक है। व्यक्तिगत स्वच्छता का मतलब है, स्वस्थ्य रहने के साथ – साथ बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए शरीर के प्रत्येक हिस्से की देखभाल करना। दूसरे लोगों को व्यक्तिगत स्वच्छता का अभ्यास बचपन से ही करवाना चाहिए। यह कार्यक्रम जनवरी, 2023 के दौरान प्राथमिक अनुभव वालों ने सभी स्कूलों में आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में कक्षा I के सभी बच्चों ने भाग लिया था। स्वस्थ रहने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के लिए बच्चों के साथ निम्नलिखित बातें साझा करें :

- यदि कोई व्यक्ति व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए नहीं रखता तो उसे समस्याओं का सामना करना होगा ।
- शरीर के अंगों, जैसे – आँखें, कान, नाक, दांत, बाल, मुँह आदि की देखभाल कैसे करें ?

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता

वर्तमान समाज में हर आयु के लोग सोशल नेटवर्क का उपयोग करने में अभ्यस्त हैं। कभी – कभी सोशल नेचवर्क के उचित उपयोग की जानकारी के अभाव में बच्चे इनके शिकार हो ही जाते हैं। बच्चों को अप्रिय घटनाओं से दूर रखने के लिए स्कूल ही बच्चों को एक साझा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जनवरी, 2022 के दौरान कक्षा VI से X तक के बच्चों ने साझाकरण कार्यक्रम में भाग लिया था। यहाँ निम्नलिखित बाकों पर प्रकाश डाला गया है :

- सोशल मीडिया जैसे, फेसबुक, ह्वासफ, इंस्टाग्राम, मोबाइल, ट्विटर आदि का उपयोग कैसे करें ?
- मजबूत पासवर्ड प्रदान करके सुरक्षित रूप से दूसरों को पासवार्ड प्रदान करके सुरक्षित रूप से दूसरों को पासवार्ड साझा न करें, किसी अनजान व्यक्ति से ऑलनाइन दोस्ती न करें और व्यक्तिगत जानकारी आदि किसी कैफे सा किसी दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर कंप्यूटर का उपयोग करते समय क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए ?
- माता – पिता और शिक्षक किसी बच्चे को किसी लत लगी हुई स्थिति से उबरने में कैसे मदद करते हैं ?

प्रभावी संचारी कौशल

संचार एक – दूसरे को बेहतर ढंग से समझने के उद्देश्य से विचारों और सूचनाओं का प्रसारण है। यह संचार कौशल सुखी, आरामदायक और शांतिपूर्ण जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बच्चों में ऐसे कौशल को विकसित करने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। इसे ध्यान में रखते हुए फरवरी 2023 के दौरान प्रभावी संचार को कैसे बढ़ाया जाए, इस पर सभी स्कूलों में एक साझा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कक्षा से के सभी बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया। स्कूल पाइंट पर बच्चों के साथ संवाद – सत्र के दौरान निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया गया :

- संचार कौशल कितने प्रकार के होते हैं ?
- अच्छी कम्युनिकेशन सफल होने के फायदे।
- किसी व्यक्ति का व्यवहार और दृष्टिकोण एक अच्छा संचार कौशल विकसित करने में बाधाएँ पैदा करता है।
- आधिकारिक भाषा का उपयोग करके अच्छे कौशल को कैसे बढ़ाया जाए ?
- सभी के साथ कैसे समान बर्ताव किया जाए, संचार के दौरान आँखों का संपर्क बनाए रखा जाए, आलोचना को दिलचस्पी बनाने के लिए विषय को कैसे सटीक और विशिष्ट बनाया जाए आदि।

सरकार. हाई स्कूल, संरा, जगतसिंहपुर

२२. कार्यक्रम प्रबंधन / एमएमएमईआर (MMMER)

एसपीओ और डीपीओ का प्रकार्य

राज्य और जिले में स्टॉफ की स्थिति

मानव संसाधन प्रबंधन मिशन मोड में किसी भी कार्यक्रम की सफलता की कुंजी है। यह एक चुनौती है कि उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए / जुटाए जाए और इसलिए मानव संसाधन का प्रबंधन और परियोजना प्रबंधल का एक वृहत कार्य है।

राज्य में स्टॉफ की स्थिति

समग्र शिक्षा के तहत, एसपीओ के 127 स्वीकृत पदों से 105 पद पर हैं और पद रिक्त हैं। कर्मचारियों की स्थिति और रिक्तियों (पदनाम के अनुसार) का विवरण नीचे दिया गया है। रिक्त पदों को भरने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

राज्य परियोजना कार्यालय, ओएस

Sl. No.	Designation	Sanctioned Strength	In Position	Vacancy
1	राज्य परियोजना निदेशक	1	1	0
2	अपर निदेशक	3	0	3
3	संयुक्त निदेशक/ एफए एवं सीएओ/उप निदेशक	13	10	3
4	सह निदेशक	6	3	3
5	खरीदी अधिकारी	1	1	0
6	वित्त अधिकारी	1	1	0
7	सहायक निदेशक (एमआईएस)	1	0	1
8	सहायक निदेशक (योजना)	1	1	0
9	राज्य परियोजना निदेशक का पी. एस	1	1	0
10	मीडिए समन्यक	1	1	0
11	कार्यकारी प्रबंधक	1	1	0
12	नेटवर्क व्यवस्थापक	1	1	0
13	प्रशिक्षण सहायक	3	3	0
14	वरिष्ठ कार्यक्रम सहायक	3	3	0
15	समन्वयक	9	8	1
16	प्रोग्रामर	8	7	1
17	लेखाकार (राज्य स्तर)	4	4	0
18	लेखा परीक्षक	2	2	0
19	वित्तीय सलाहकार	1	1	0
20	तकनीकी सलाहकार	3	3	0
21	वरिष्ठ आशुलिपिक	4	4	0
22	वरिष्ठ कार्यालय सहायक	3	2	1

23	पुस्तकालय अध्यक्ष	1	0	1
24	विधि सहयोगी	1	1	0
25	जूनियर आशुलिपिक	6	4	2
26	कार्यक्रम सहयोगी	1	1	0
27	कार्यक्रम सहायक	2	0	2
28	केशियर	1	1	0
29	बिजली मिस्त्री	1	1	0
30	कार्यालय सहायक	5	5	0
31	तथ्य दाखिला प्रचालक	10	10	0
32	प्रेषक	2	1	1
33	ड्राइवर	6	5	1
34	चपरासी	11	11	0
35	माली	1	1	0
36	रात्री प्रहरदार	2	0	2
37	झाड़ूदार	2	2	0
38	समन्वयक (स्कूल छात्र हेल्प लाइन)	4	4	0
	कुल	**127**	**105**	**22**

जिला स्तर पर स्टाफ

कर्मचारियों की स्थिति और रिक्तियों के पदों का विवरण

३० जिलों में रिक्त पदों की स्थिति

जिला	स्वीकृति, पद, रिक्त	एसटीसी	टीसी	एफ सी	पीईडी.सीओ.	पीएलजी. सीओ.	ट्राइबाल सीओ.	जंओडर सीओ.	आईईडीसीओ.	प्रोग्राम	स्टेनो	एससीटी.	कैसियर	प्रो.एसिस्टेंट	ओ.ए	डीईओ	ड्राइवर	पीऊन	एन.डब्लू.एस	कुल
अनगूल	अनुभाग	1	8	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	6	1	2	1	**33**
	स्थिति	1	8	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	**2**	5	1	2	1	**32**
	रिक्त	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**
बालेश्वर	अनुभाग	1	12	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	8	0	2	1	**38**
	स्थिति	1	10	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	8	0	2	1	**35**
	रिक्त	**0**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**3**
बरगढ़	अनुभाग	1	12	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4	1	2	1	**35**
	स्थिति	1	4	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	2	0	2	1	**24**
	रिक्त	**0**	**8**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**	**1**	**0**	**0**	**11**
भद्रक	अनुभाग	1	7	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	2	1	2	1	**28**
	स्थिति	1	7	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	2	1	2	1	**28**
	रिक्त	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

बोलांगीर	अनुभाग	1	14	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	6	1	2	1	39
	स्थिति	1	13	0	1	0	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4	0	2	1	33
	रिक्त	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**	**1**	**0**	**0**	**6**
बौद	अनुभाग	1	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	2	1	2	1	24
	स्थिति	1	2	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	2	1	1	1	2	1	19
	रिक्त	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**5**
कटक	अनुभाग	1	15	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	8	1	2	1	42
	स्थिति	1	15	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	8	1	2	1	42
	रिक्त	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
देवगड़	अनुभाग	1	3	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	3		2	1	24
	स्थिति	1	2	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	2	2	0	2	1	17
	रिक्त	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**2**	**0**	**1**		**0**	**0**	**7**
ढेंकानाल	अनुभाग	1	8	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	5	1	2	1	32
	स्थिति	1	8	0	1	1	1	1	1	1	1	1	0	2	2	5	1	2	1	30
	रिक्त	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
गजपति	अनुभाग	1	7	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	3	1	2	1	29
	स्थिति	1	4	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	2	2	3	1	2	1	22
	रिक्त	**0**	**3**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**7**
गंजाम	अनुभाग	2	22	1	1	1	1	1	1	1	1	2	1	2	2	7	1	2	1	50
	स्थिति	2	22	1	1	1	1	1	1	1	1	2	1	2	1	7	1	2	1	49
	रिक्त	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
जगतसिंह-पुर	अनुभाग	1	8	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4		2	1	30
	स्थिति	1	8	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4		2	1	30
	रिक्त	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**		**0**	**0**	**0**
जाजपुर	अनुभाग	1	10	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4	1	2	1	33
	स्थिति	1	10	1	0	1	1	1	1	1	0	1	1	2	2	4	1	2	1	31
	रिक्त	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
झारसुगढ़ा	अनुभाग	1	5	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	3	1	2	1	27
	स्थिति	1	4	1	0	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	2	1	2	1	24
	रिक्त	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**3**
कलाहांडी	अनुभाग	1	13	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	2	1	2	1	34
	स्थिति	1	7	1	0	1	1	0	1	1	1	1	1	2	1	1	1	2	1	24
	रिक्त	**0**	**6**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**10**
कंधमाल	अनुभाग	1	12	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	5	1	2	1	36
	स्थिति	1	8	1	1	1	1	0	1	1	0	1	1	2	2	2	1	2	1	27
	रिक्त	**0**	**4**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**3**	**0**	**0**	**0**	**9**

केंद्रापड़ा	अनुभाग	1	9	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4	0	2	1	31
	स्थिति	1	9	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	2	2	4	0	2	1	30
	रिक्त	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0		0	0	1
केंउझर	अनुभाग	1	13	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	7	1	2	1	39
	स्थिति	1	13	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	8	1	3	0	40
	रिक्त	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	-1	0	-1	1	-1
खोर्द्धा	अनुभाग	1	11	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	3	0	2	1	32
	स्थिति	1	11	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	5	0	2	1	34
	रिक्त	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	-2		0	0	-2
कोरापुट	अनुभाग	1	14	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	5	1	2	1	38
	स्थिति	0	12	1	1	1	1	0	0	1	0	1	1	2	1	4	1	2	1	30
	रिक्त	1	2	0	0	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	8
मालकान-गिरि	अनुभाग	1	7	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4	1	2	1	30
	स्थिति	1	7	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	2	2	2	1	2	1	26
	रिक्त	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2	0	0	0	4
मयूरभंज	अनुभाग	2	26	1	1	1	1	1	1	1	1	2	1	2	2	8	2	2	1	56
	स्थिति	2	22	1	1	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	5	2	2	1	43
	रिक्त	0	4	0	0	0	0	1	0	1	1	1	0	1	1	3	0	0	0	13
नवरंगपुर	अनुभाग	1	10	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4	0	2	1	32
	स्थिति	0	8	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	2	1	3	0	1	1	24
	रिक्त	1	2	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	1	1		1	0	8
नयागढ़	अनुभाग	1	8	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	3		2	1	29
	स्थिति	1	8	1	1	1	1	1	1	1	0	1	0	1	2	3	1	2	1	27
	रिक्त	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0	0		0	0	3
नूआपड़ा	अनुभाग	1	5	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	3	1	2	1	27
	स्थिति	1	4	1	0	1	1	1	1	0	1	0	1	2	2	3	1	2	1	23
	रिक्त	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	4
पुरी	अनुभाग	1	11	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	5	1	2	1	35
	स्थिति	1	11	1	1	1	1	1	1	1	1	0	1	2	1	5	1	2	1	33
	रिक्त	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	2
रायगड़ा	अनुभाग	1	11	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4	1	2	1	34
	स्थिति	1	8	1	0	0	1	1	1	1	0	1	1	2	2	2	1	1	1	25
	रिक्त	0	3	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	2	0	1	0	9
संबलपुर	अनुभाग	1	9	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	5	1	2	1	33
	स्थिति	1	8	1	1	1	1	1	1	1	0	1	1	2	2	4	1	2	1	30
	रिक्त	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3

सुवर्णपुर	अनुभाग	1	6	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	2	2	4	1	2	1	29
	स्थिति	1	4	0	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	2	3	1	2	1	22
	रिक्त	**0**	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**7**
सुंदरगढ़	अनुभाग	2	17	1	1	1	1	1	1	1	1	2	1	2	2	6	1	2	1	**44**
	स्थिति	2	16	1	1	0	1	0	1	1	1	2	1	2	2	3	1	2	0	**37**
	रिक्त	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**3**	**0**	**0**	**1**	**7**
कुल	अनुभाग	**33**	**316**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**30**	**33**	**30**	**60**	**60**	**137**	**24**	**60**	**30**	**1023**
	स्थिति	**31**	**273**	**26**	**23**	**26**	**29**	**22**	**26**	**25**	**22**	**30**	**27**	**54**	**53**	**114**	**23**	**59**	**28**	**891**
	रिक्त	**2**	**43**	**4**	**7**	**4**	**1**	**8**	**4**	**5**	**8**	**3**	**3**	**6**	**7**	**23**	**1**	**1**	**2**	**132**

बीआरसी स्तर पर स्टाफिंग

बीआरसी स्तर पर स्टाफ की विस्तृत स्थिति इस प्रकार है

कार्य क्षेत्र	स्वीकृत पद	स्थिति में
विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सहायता के लिए संसाधन व्यक्ति (सीडब्लूएसएन)	632	632
एसआईएस-सह-योजना संमन्वयक	316	316
लेखाकार – सह-सहायक कर्मचारी	948	948
डीईओ (आउटसोर्सिंग)	316	316

२३. शिक्षक प्रशिक्षण

प्रस्तावना

शिक्षकों को तकनीकों और आधुनिक शिक्षा – शास्त्र रणनीतियों से प्रशिक्षण प्रस्तुत करता है। इससे वे अपनी रणनीतियों से प्रस्तुत होते हैं। इससे वे अपने छात्रों को सही प्रणाली से शिक्षा दे पाते हैं और शिक्षण – अधिगम बेहतर ढंग से सुनिश्चित हो पाता है। प्रशिक्षण शिक्षकों को अभिव्यक्त करने की कला में मदद करता है। नियमित प्रशिक्षण से शिक्षक शिक्षण पद्धति में अद्यतन रहते हैं। यह प्रणाली शिक्षण और कक्षा प्रबंधन कौशल में भी मदद करता है।

उच्च विद्यालय के रूपांतरण तहत शिक्षकों और प्रधान शिक्षकों का क्षमता - निर्माण प्रशिक्षण

एचएसटी 5टी हाईस्कूलों के माध्यमिक शिक्षकों / प्रधानशिक्षकों को कौशल विकास क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण देने के लिए गोपबंधु प्रशासन अकादमी में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। लगभग 216 विशेष व्याख्याताओं (डीआरजी) का नेतृत्व, 21वीं सदी के कौशल, प्रदर्शित करने का परिदर्शन, पाठ्क्रम, डिजिटल प्रशिक्षण आदि पर तालीम दी गई।

माध्यमिक स्तर पर शिक्षक हमारे बच्चों के भविष्य को आकार देने में रणनीतिक भूमिका निभाते हैं। ओड़िशा सरकार ने राज्य में स्कूली शिक्षा के महत्व को समझते हैं अपने स्कूलों में विश्वस्तरीय शैक्षणिक सुविधाएँ सुनिश्चित करने की दृष्टि से लगभग 8000 हाईस्कूल को बदलने की योजना बनाई गई। इस संदर्भ में, हमारे शिक्षकों को 21वीं सदी के कौशल से लैस करने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण अपरिहार्य महसूस किया जाता है। स्कूल और जन शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के क्षमता – निर्माण की जरूरतों को महसूस करते हुए 2022-23 को माध्यमिक शिक्षकों को क्षमता – निर्माण प्रशिक्षण प्रदान किया। इस संदर्भ में 216 डीआरजी सदस्यों को राज्य स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके बदले उन्होंने जिला स्तर पर 41576 शिक्षकों / प्रधान शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया है। इस प्रशिक्षण संबंधी डीईओ, एडीईओ (शैक्षणिक) और शिक्षाशास्त्र समन्वयक की प्रत्यक्ष देखरेख में जिला स्तर पर व्यापक मोड़ में आयोजित किया गया है।

२०२२ – २३ के दौरान प्रगति

क्र.संख्या	शामिल होने वाले जिलों की संख्या	प्रशिक्षण दिए जाने हेतु लक्षित शिक्षकों की कुल संख्या	प्रशिक्षण लेने वाले कुल शिक्षकों की संख्या	उपलब्धियों का प्रतिशत
1	30	41,576	41,576	100%

प्रशिक्षण के दौरान कुछ फोटो निम्न प्रदत्त हैं –

निस्था (NISHTHA)
(National Initiative for School Heads & Teachers Holistic Advancement)

एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण के जरिए सारे चरणों में सभी शिक्षकों और प्रधानशिक्षकों की बीच दक्षताओं का निर्माण करना है। सन् 2022-23 में, वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के शिक्षकों और प्रधानशिक्षकों ने पाठक्रम और समावेशी शिक्षा में एकीकरण जैसे मॉड्युल पर निष्ठा 2.0 प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिक्षण और मूल्यांकन में आईसीटी, शिक्षार्थी के समग्र विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए व्यक्तिगत – सामाजिक गुणों का विकास, माध्यमिक सामाजिक गुणों का विकास,कला – एकीकृत शिक्षा, माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को समझाना, मार्गदर्शन और परामर्श दृष्टिकोण, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा, शिक्षा में लैंगिक मुद्दे, माध्यमिक स्कूलों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास अवधारणाएँ और अनुप्रयोग, व्यावसायिक शिक्षा, स्कूल आधारित मूल्यांकन (एचपीसी संबंधित सहित) स्कूली शिक्षा में पहल, खिलौना आधारित शिक्षा – शास्त्र हैं।

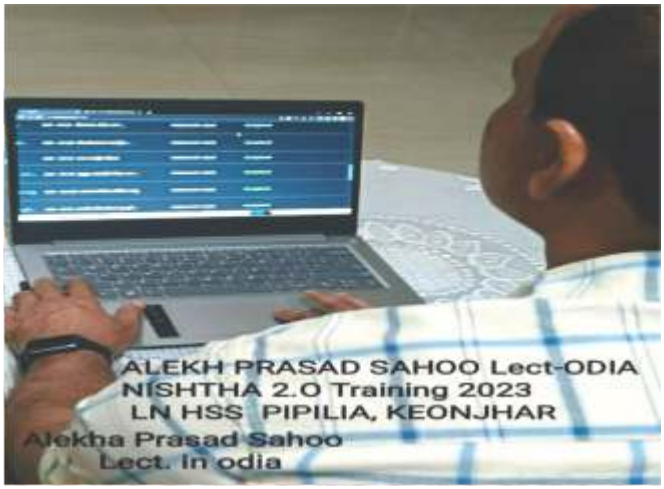

सभी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों और प्रधानाधयापकों न डॉड्यूल / विषयों पर 3.0 प्रशिक्षण प्राप्त किया, जैसे – विद्या प्रवेश, बाल बाटिका को समझना, प्राथमिक ग्रेड में बहुभाषी शिक्षा, सीखने का मूल्यांकन मूलभूत संख्यात्मकता, स्कूल नेतृत्व , शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन आई सीटी का एकीकरण, मूलभूत चरण के लिए खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र। सत्र 2022- 23 के दौरान निष्ठा की 3.0 प्रशिक्षण प्रगति प्राप्त की है, जो निम्न प्रकार है –

क्र. संख्या	मॉड्युल नंबर	शामिल होने वाले जिलों की संख्या	प्रशिक्षण हेतु लक्षित शिक्षकों की कुल संख्या	पंजीकृत शिक्षकों की कुल संख्या	प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों की कुल संख्या	उपलब्धियाँ प्रतिशत
1	मॉड्युल V	30	111196	106276	88893	84
2	मॉड्युल VII	30	111196	96248	83980	87
3	मॉड्युल VIII	30	111196	131541	79203	60
4	मॉड्युल IX	30	111196	115122	86990	76
5	मॉड्युल X	30	111196	92647	78941	85
6	मॉड्युल XI	30	111196	85677	75268	88
7	मॉड्युल XII	30	111196	84102	73218	87

दीक्षा पोर्टल पर ऑनलाइन मोड पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। यह पोर्टल सक्षम बनाता है, गति प्रदान करता है। शिक्षक शिक्षा में प्रशिक्षण ऑनलाइन किया था। यह बच्चों को सीखने, प्रशिक्षित करने एवं संसाधन को बढ़ाने में सहायता करता है। मूल्यांकन संसाधन शिक्षकों के लिए घोषणा और प्रशिक्षण सामग्री, प्रोफाइल, कक्षा में संसाधन, मूल्यांकन सहायता, समाचार बनाने और शिक्षक समुदाय के जुड़ने के लिए उपलब्ध हैं

शाला सिद्धि (SHAALA SIDDHI)

शाला सिद्धि पर सामग्री और पुस्तकों का ओड़िआ में भाषांतर किया गया। डीटीपी और प्रूफ सुधार किया गया था। मुद्रित के लिए सामग्री को अंतिम रूप दिया गया एवं अंत में मुद्रित सामग्री स्कूलों में वितरण के लिए सभी जिलों को आपूर्ति की गई।

शाला सिद्धि पर राज्य स्तरीय संबंर्धनात्मक कार्यक्रम (22, दिसंबर, 2022 से 23 दिसंबर, 2022)

शाला सिद्धि (सुधार के लिए स्कूल मूल्यांकन) पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय संवर्धनात्मक कार्यक्रम 22.12.22 और 23.12.22 को इमेज, सिरिपुर, भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। प्रो. प्रणति पंडा और डॉ. ए.एन.रेडी, एनआईईपीए, नई दिल्ली राष्ट्रीय संसाधन विशेष व्याख्याता के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (शैक्षणिक) सभी 30 डीपीओ, एसएस के शिक्षाशास्त्र समन्वयक और कार्य निष्पादकों ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों और अन्य प्रतिभागियों की उपस्थित में कार्यक्रम उद्घाटन किया। एसएनपी ने शाला सिद्धि की अवधारणा और इसके विभिन्न डोमन के बारे में विस्तार से चर्चा की। इसमें शाला सिद्धि पोर्टल की तैयारी और अपलोड करना शामिल है।

सन् 2021-22 और 2022-23 के दौरान शाला सिद्धि की प्रगति निम्न प्रकार है :

क्रम संख्या	जिलों की संख्या	स्व-मूल्यांकन हेतु विद्यालयों की संख्या	स्कूलों की संख्या का स्व-मूल्यांकन पूरा हो गया हो (2021-22)
1	30	73241	47923

2022-23 में स्व – मूल्यांकन की प्रगति

ODISHA

२४. टीई और एससीईआरटी

बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN)

एफएलएन सामग्री के उपयोग पर डीआईईटी संकायों और एसआरजी सदस्यों के लिए क्षमता -निर्माण कार्यक्रम

शिक्षक शिक्षा निदेशालय और एससीईआरटी ने एफएलएन सामग्री के उपयोग पर डीआईईटी संकायों और एसआरजी सदस्यों और एसआरजी सदय्यों के लिए चार दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के छह चरणों का आयोजन किया है। कार्यक्रम का उद्देश्य सीआरसीसी और डीआरजी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना था। ताकि वे शिक्षकों को प्रशिक्षण इनपुट हस्तांतरित करेंगे। प्रशिक्षण विद्याप्रवेश क्या, क्यों और कैसे मूलभूत साक्षरता के कौशल, मूलभूत संख्यात्मकता के लिए सी - आर – ए दृष्टिकोण का उपयोग, कार्यपुस्तिका के साथ पाठ्य पुस्तक का एकीकरण, साक्षरता के उपयोग पर मूल्यांकन और अनुदेशात्मक डिजाइन पर केंद्रित है। डीआईईटी स्तर पर जिलों के सीआरसीसी और डीआरजी की क्षमता निर्माण के लिए डीआईईटी स्तर पर एक ही कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

बालवाटिका के लिए कार्यपुस्तिका और शिक्षक गाईडबुक का विकास

इस निदेशालय ने NIPUN भारत दिशानिर्देश में दिए गए विकासात्मक लक्ष्यों के अनुसार बालवाटिका (प्ले क्लास) के बच्चों के लिए दो कार्यपुस्तिकाएँ विकसित की हैं। इसका उद्देश्य विभिन्न अभ्यास गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की शिक्षा को मजबूत करना और 'निपुण' भारत दस्तावेज के विकासात्मक लक्ष्यों के अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बालवाटिका/ प्ले - क्लास के संचालन से परिचित कराना है।

बालवाटिका प्रशिक्षण मॉड्यूल पर DIET संकायों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम

SCERT ने चरणबद्ध तरीके से डाइट (DIET) संकायों और आंगनबाड़ी प्रशिक्षकों के लिए चार दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया है। राज्य स्तर पर बालवाटिका प्रशिक्षण मॉड्यूल पर डाइट संकायों और आंगनबाड़ी प्रशिक्षकों को

प्रशिक्षित किया गया है। प्रमुख चर्चा बिंदु एनईपी, 2020 और ईसीसीई का महत्व, प्रारंभिक वर्षों के बच्चे को समझाना, विकासात्मक लक्ष्य 1, 2, 3 के तहत सीखने के परिणाम और सीखने के परिणामों को प्राप्त करने के लिए गतिविधियाँ, सामग्री का उपयोग, मूल्यांकन कक्षा प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी थे। सीआरसीसी के लिए डायट स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

एफएलएन ग्रेड के लिए वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर का विकास

इस निदेशालय ने कार्याशाला मोड में एफएलएन ग्रेड के लिए वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर विकसित किया है। कैलेंडर को अन्य विषयों के साथ – साथ साक्षरता (120 मि.) प्रति दिन के निर्देश समय पर जोर देकर तैयार किया गया है।

एफएलएन सामग्रियों का विकास

एससीईआरटी ने पिछली एफएलएन सामग्रियों की समीक्षा करके वर्कशॉप मोड में कक्षा I से III के लिए छात्रों के लिए वर्कबुक और शिक्षकों के लिए हैंडबुक जैसी एफएलएन सामग्री विकसित की है। प्रत्येक कक्षा 01 के लिए साक्षरता कार्यपुस्तिका, 01 संख्यात्मकता कार्यपुस्तिका, 01 शिक्षक पुस्तिका तथा कक्षा 1 के लिए विद्याप्रवेश कार्यपुस्तिका (कुल 10 सामग्री) विकसित की गई हैं।

एफएलएन पर लघु अवधि मिश्रित पाठ्यक्रम

इस निदेशालय ने डाइट (DIET) संकायों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के भाग के रूप में एफएलएन पर 3 सप्ताह का स्वल्पकालिक मिश्रित पाठ्यक्रम आयोजित किया है। सभी डाइट संकायों ने एफएलएन पर इस मिश्रित पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। दीक्षा में एसआरजीएस, सीआरसीसी और शिक्षकों के लिए एक ही पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा।

एफएलएन सामग्रियों के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का डिजिटलीकरण

एफएलएन सामग्री के उपयोग पर एससीईआरटी ने कार्यक्रम बनाया। इसका उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों

के स्तर तक प्रशिक्षण इनपुट को प्रभावी तरीके से प्रसारित करना है। संसाधन व्यक्तियों द्वारा नौ ऑड़िओ – वीडियो सामग्री बनाई गई है। इन ऑड़ियो – वीडियो सामग्रियों का उपयोग राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में किया गया है।

एफएलएन ग्रेड के लिए अधिगम परिणाम की रूपरेखा का विकास

इस निदेशालय ने वर्कसप मोड में एफएलएन ग्रेड के लिए अधिगम परिणाम की रूपरेखा विकसित किया है। इसका उद्देश्य प्री स्कूल - I कक्षा III के लिए NIPUN भारत दिशानिर्देशों में दिए गए तीन विकासात्मक लक्ष्यों की दक्षताओं के तहत सीखने के परिणामों को प्रासंगिक बनाना है। तीन विकासात्मक लक्ष्यों की हुई योग्यता के तहत सीखने के परिणामों को राज्य की आवश्यकता के अनुसार अनुमोदित और प्रसंगिक बताया गया है।

आईईसी सामग्री का विकास

इस निदंशालय ने मूलभूत साक्षरता और न्यूमेरेसी कार्यक्रम के तहत सूचनात्मक शिक्षा और संचार सामग्री विकसित की है। इसका उद्देश्य राज्य के फाउंडेशन साक्षरता और संख्यात्मकता कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करना। इस कार्यशाला में एफएलएन कार्यक्रमों पर पोस्टर, पत्रक, नारे, ह्वाटसएप संदेश विकसित किए गए हैं।

एफएलएन सामग्री के उपयोग पर पुनश्चर्या कार्यक्रम

इस निदेशालय ने राज्य स्तर पर पाँच चरणों में डाइट संकायों और एसआरजी सदस्यों के लिए एफएलएन सामग्रियों के उपयोग पर त्रि - दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रम का आयोजन किया है। कार्यक्रम का उद्देश्य हितधारकों के एफएलएन ग्रेड के लिए विकसित संशोधित सामग्रियों से परिचित कराना और इस निदेशालय द्वारा विकसित ऑडिओ – वीडियो सामग्री का उपयोग करके ट्रांसमिशन हानि को कम करना है। इसके अलावा सीआरसीसी और डीआरजीएस को जीआईईटी स्तर पर उन्मुख किया गया है ताकि एफएलएन लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रशिक्षण इनपुट को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

डीआईईटी-सीआरसी लिंकेज को मजबूत करना

लिंकेज का उद्देश्य स्कूल-आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू करने के लिए सीआरसी को अकादमिक रूप से मजबूत करना। सीआरसीसी (4275) की आवश्यकता का मूल्यांकन जुलाई 2022 में किया गया है, रिपोर्ट का विश्लेषण और साझा किया गया है तथा सीआरसीसी के ज्ञान और कौशल स्तर को बढ़ाने के लिए संयुक्त कार्य योजना विकसित की गई। DIET संकाय और CRCC के बीच मासिक शैक्षणिक चर्चा हो रही है। सीआरसी को क्लस्टर के शैक्षणिक संसाधन केंद्रों के रूप में मजबूत किया गया। DIET संकायों द्वारा लगभग 5000 कक्षा अभ्यासों का अवलोकन किया गया है और साक्ष्य - आधारित चर्चा और सुधार योजना बनाई गई है। इस निदेशालय द्वारा DIET - CRC लिंकेज के मिशन को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए द्वि – वार्षिक समीक्षा, प्रतिबिंब कार्यशाला आयोजित की गई है।

मूल्यांकन कक्षा

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण रिर्पोट का प्रसार

राज्य स्तर पर एनएएस हस्तक्षेप के बाद राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 के परिणाम और रिपोर्ट कार्ड का प्रसार करने के लिए द्वि - दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें सभी डाइट प्राचार्यों/ डीईओ/ डीपीसी / एडीईओ को एनएएस परिणाम एवं राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 में अपने राज्य एवं अपने जिले की स्थिति के बारे में उन्मुख किया गया।

एनएएस 2021 और एफएलएस एनएएस के प्रसार के लिए क्षेत्रीय स्तरीय कार्यशाला

एनएएस हस्तक्षेप के बाद द्वि - दिवसीय क्षेत्रीय स्तर का आयोजन पांच क्षेत्रों में यानी – संबलपुर, जाजपुर, कोरापुट, मयूरभंज, और पुरी में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एनएएस – 2021 और एफएलएस 2022 के राज्य रिपोर्ट कार्ड की व्याख्या और उपयोग पर सामान्य समझ विकसित करना और जिलेवार कार्य करना था। NAS - 2021 और FLS - 2022 रिपोर्ट कार्ड के आधार पर सीखने की गुणवत्ता में सुधार लाना।

संबलपुर के एलपीडी जिले में मध्यवधि और अंतिम अवधि सर्वेक्षण का संचालन

कम प्रदर्सन वाले जिले यानी संबलपुर में मध्यावधि और अंतिम अवधि का सर्वेक्षण टीई और एससीईआरटी निदेशालय, ओड़िशा, भुवनेश्वर द्वारा निष्पादित किया गया था। जिसके लिए परीक्षण पुस्तिकाओं/ परीक्षण आइटमों को क्षेत्रीय भाषाओं में अनुकूलित किया गया। अध्ययन का उद्देश्य सीखने के परिणामों के आधार पर छात्रों की उपलब्धि का आकलन करना था।

बेसलाइन सर्वेक्षण का संचालन

फरवरी 2023 में भाषा और गणित में कक्षा I और II में राज्य भर में बेसलाइन सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। बेसलाइन के लिए परीक्षण आइटम सेंट्रल स्वयार फाउंडेशन के द्वारा एससीईआरटी स्तर पर विकसित किए गए थे और परीक्षण आइटम को ग्रेड विशिष्ट शिक्षण परिणामों के साथ संरेखित किया गया था।

सेंट्रल स्वयार फाउंडेशन के सहयोग से और विश्ष्ट - शिक्षण परिणामों के परीक्षण आइटम

टीई और एससीईआरटी निदेशालय ने एनसीईआरटी द्वारा विकसित एचपीसी के आलोक में तीन चरणों यानी फाउंडेशनल स्टेज, प्रिपरेटरी स्टेज और मिडिल स्टेज के लिए समग्र प्रगति - कार्ड विकसित किया है, जिसमें सीखने के तीन डोमेन यानी संज्ञानात्मक की और स्कूल स्तर पर शिक्षक द्वारा इन कोडों का प्रयोग कैसे किया जाए। 2023-24 शैक्षणिक सत्र के दौरान एचपीसीएस का प्रयोग प्रायोगिक आधार पर किया जाएगा, फीडबैक मिलने के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

अधिगम परिणाम आधारित एमसीक्यू टेस्ट आइटम का विकास

टीई और एससीईरटी निदेशालय में कक्षा I से VIII से सभी विषयों में अधिगम परिणाम आधारित एमसीसी परीक्षण आइटम विकसित करने की पहल हुई है। हितधारकों की आसान पहुँच के लिए दीक्षा पोर्टल पर 4201 टेस्ट आइटम विकसित और अपलोड किए गए हैं।

शिक्षकों के प्रशिक्षण की आवश्यकता का आकलन (टीएनएटी)

शिक्षकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए, टीई और एससीईआरटी निदेशालय ने

विषय विनिर्देश पर विचार करते हुए प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिए परीक्षण आइटम विकसित किए हैं और 10 अप्रैल, 2022 को DIKSHA का उपयोग करके ऑनलाइन मोड के माध्यम से राज्य में प्रशासित और मूल्यांकन किया गया था। लगभग 1 लाख शिक्षकों (प्राथमिक और उच्च प्राथमिक) ने परीक्षा में भाग लिया और परिणाम दर्ज किए गए हैं। शिक्षकों की टीएनए की रिपोर्ट प्रक्रियाधीन है।

तकनीकी कौशल विकास

एससीईआरटी ने चरणबद्ध तरीके पूर्व – सेवा शिक्षक शिक्षा और शिक्षक व्यावसायिक गतिविधियों में एकीकरण प्रौद्यगिकी पर डीआईईटी संकायों के लिए क्षमता निर्माण को कवर करने वाली सामग्री वाला चार दिवसीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रत्येक चरण में 25 डाइट संकायों ने कार्यक्रम में भाग लिया। उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में उपयुक्त आईसीटी उपकरणों के एकीकरण पर डीआईईटी संकायों की क्षमता का निर्माण करना और विभिन्न विषयों में एनिमेटेड सामग्री बनाना और प्रारंभिक स्तर पर सीखने के परिणामों की प्राप्ति के लिए उनका पयोग करना है।

माइक्रो लर्निंग पैकेज

शिक्षकों के लिए 50 घंटों की सीपीडी (CPD) के हिस्से के रूप में 13 डाइट (DIET) ने दीक्षा (DIKSHA) प्लेटफर्म पर शिक्षकों की क्षमता और माइक्रों की क्षमता बनाने के लिए माइक्रो लर्निंग पैकेज के की सामग्री विकसित की है। जिला सशक्तिकरण पहल के एक भाग के रूप में डाइट ने भी तक दीक्षा प्लेटफॉर्म पर जिला – विशिष्ट एमएलपी (MLP) लॉच किया है। DIET के पास अपने स्वयं के सामग्री निर्माण समूह हैं जिनमें संबंधित जिलों के विषय विशिष्ट शिक्षक शामिल हैं। जिले की जरूरत का विश्लेषण कर डाइट पाठ्यक्रम तैयार कर रहे हैं। शिक्षकों के लिए डीआईईटी द्वारा विकसित एमएलपी ज्यादातर एफएलएन, कॉमिक स्ट्रिप्स के माध्यम से सीखना, शिक्षण में आईसीटीस पर्यावरण अध्ययन आदि पर आधारित है। प्रश्नोत्तरी और एसाइनमेंट सामग्री दस्तावेज, वीडियो, पावरपॉइंट के रूप में है और मूल्यांकन फॉर्म में अंतर्निहित हैं।

मूलभूत स्तर पर राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा के विकास के लिए परामर्श कार्यशाला

एनसीएफ – एफएस के विभिन्न पहलुओं के बारे में चर्चा करने और राज्य पाठ्यक्रम ढांचे में शामिल की जाने वाली राज्य विशिष्ट सामग्री की पहचान करने के लिए एससीईआकटी द्वारा 23 और 24 मार्च 2023 को एक राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में प्रख्यात शिक्षाविद्, डीआईईटी संकाय, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि ने भाग लिया। राज्य में एससीएफ – एफएस के विकास के रोडमैप पर चर्चा की गई।

विज्ञान और गणित की लोकप्रिय बनाया

इस निदेशालय ने स्कूली छात्रों के बीच विज्ञान और गणित को लोकप्रिय बनाने के लिए पहल की है। 28.02.2023 को राज्य स्तरीय विज्ञान दिवस और 22.12.2022 को राज्य और जिला स्तर पर गणित दिवस मनाया। 4-6 जनवरी के दौरान खोरधा में विज्ञान, गणित और पर्यावरण पर राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया। 2023, राज्य स्तरीय विज्ञान नाटक और सेमिनार का आयोजन किया गया। केंद्रापड़ा जिले के छात्रों ने बीआईटीएम, बेंगलोर में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नवरंगपुर जिले के छात्र श्री मदन मुरिया ने कोलकता में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय स्तर पर भी पुरस्कृत हुए।

अनुसंधान और नवाचार

स्कूली शिक्षा और शिक्षक – शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के आधार पर विभिन्न शिक्षा संस्थानों द्वारा छियासठ (66) छोटे पैमाने के शोध अध्ययन पूरे किए गए हैं। शिक्षक योग्यता स्तर को पढ़ने पर NISTHA प्रशिक्षण के प्रभाव पर राज्य स्तरीय शोध अध्ययन प्रगति पर है। क्रियात्मक अनुसंधान के संचालन पर शिक्षकों और सीआरसीसी (लगभग 1200) के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम क्षेत्र स्तरीय संस्थान द्वारा आयोजित किया गया है। शिक्षाप्रद पत्रिका 'शिक्षालोक' जनवरी 2023 में प्रकाशित हुई है।

जिला स्तरीय संगोष्ठी

राज्य के सभी डाइट ने मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता की सार्वभौमिता अधिकरण - समग्र शिक्षा की ओर विषय पर जिला स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की है। संगोष्ठी में सीआरसीसा, शिक्षक, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शामिल हुए। शिक्षकों/ सीआरसीसी ने अपने कक्षा अभ्यास के आधार पर पेपर प्रस्तुत किया। सेमिनार के विषय हैं, बच्चों में पढ़ने का कौशल विकसित करना, मौखिक भाषा कौशल, अंक ज्ञान में सीआरए दृष्टिकोण का उपयोग, प्रौद्यगिकी का उपयोग, अभिनव दृष्टिकोण का उपयोग आदि।

२५. अनुसंधानात्मक गतिविधियाँ

प्रस्तावना

२०२२ – २३ वर्ष के लिए की गई गतिविधियाँ

- राज्य एवं जिले स्तर पर विभिन्न अनिसंधान करने हेतु अनुसंधान दिशानिर्देश तैयार करना।
- निदेशालय ने दो प्रमुख शोध अध्ययन शुरू किए हैं। एक गृह आधारित शिक्षा पर है और दूसरा निष्ठा शिक्षण कार्यक्रम पर है। परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) के अनुमोदन के अनुसार राज्य स्तरीय अनुसंधान प्रस्ताव तैयार किया गया है और राज्य स्तरीय अनुसंधान उपकरण तैयार किए गए हैं और प्रस्तावों के उद्देश्यों के अनुसार डेटा एकत्र करने के लिए क्षेत्र में प्रशासित किया गया है। विशेषज्ञ समिति ने डेटा का विश्लेषण किया है और अध्ययन की रिपोर्ट तैयार की है।
- राज्य के 20 टीई ने आरआईई (एनसीईआरटी) भुवनेश्वर, द्वारा आयोजित क्षमता - निर्माण कार्यशाला में भाग लिया है।

- सभी जिलास्तरीय संस्थानों को अनिसंधान के लिए 5 लाख रुपए मिले हैं। जिला विशिष्ट मुद्दों पर जिला स्तरीय शिक्षक शिक्षा संस्थानों की आवश्यकता के अनुसार, शिक्षक प्रशिक्षकों दवारा अनुसधान प्रस्ताव विकसित किए गए हैं। डीआईईटी के नेतृत्व में जिले के शिक्षक शिक्षा संस्थानों की संस्थागत और लघु स्तर की अनुसधान गतिविधियों के साथ – साथ, अनुसंधान दिशानिर्देशों के अनुसार जिलों के शिक्षक प्रशिक्षकों के सहयोग से सारसीसी/ शिक्षकों द्वारा कुछ सहयोगात्मक कार्रवाई अनुसंधान गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती हैं। परियोजना को जुलाई 2023 के अंत तक पूरा किया जाना है। डाइट द्वारा निष्पादित किए जाने वाले प्रस्तावित जिला स्तरीय संस्थागत और लघु पैमाने के अनुसंधान प्रस्तावों का विश्लेषण निम्नलिखित है :

क्र.संख्या	थीम/ क्षेत्र
1	विद्यालय प्रबंधन समिति की कार्यप्रणाली
2	लर्निंग रिकवरी प्रोग्राम (LRP)
3	समावेशी शिक्षा कार्यक्रम
4	बौद्धिक विकलांगता
5	आईसीटी अधिकृत शिक्षण
6	विषय विशिष्ट – भूगोल/ भाषा/गणित /अंग्रेजी
7	डाइट – सीआरसी लिंकेज
8	पुस्तकालय का उपयोग
9	मो स्कूल (मेरा - स्कूल) अभियान
10	एफएलएन गतिविधियाँ
11	अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम)
12	सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
13	आंगनबाड़ी केंद्र (ईसीसीई)
14	राष्ट्रीय शिक्षानीति – 2020
15	गणित – कलिका आंदोलन
16	खिलौना आधारित शिक्षा
17	एफएलएन मॉडल स्कूल
18	एनएएस 2021 प्रदर्शन
19	व्यावसायिक शिक्षा
20	शिक्षण सामग्री (एफएलएन)

21	स्कूल नेतृत्व
22	ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
23	व्यावसायिक शिक्षण समुदाय
24	कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय
25	शिक्षण संवर्द्धना कार्यक्रम (एलईपी)
26	व्यावसाय के प्रति दृष्टिकोण
27	गणित में सीआरए दृष्टिकोण
28	अपठित गद्यांश की समझ के लिए मूल्यांकन रणनीति (ओड़िआ)
29	मदरसे छात्रों की अधिगम रणनीति और उपलब्धि
30	ई – संसाधनों का उपयोग
31	सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी)
32	सीखने में एवाकास (गणितीय कीट) का उपयोग
33	कक्षा अवलोकन का प्रभाव
34	गतिविधि आधारित दृष्टिकण की प्रभावशीलता
35	सीखने की नवीन रणनीतियाँ
36	शिक्षण कार्यक्रम के रूप में शिक्षा अंकुर का प्रभाव
37	मध्याह्न भोजन कार्यक्रम
38	सीआरसीसी की भावनात्मक बुद्धिमता
39	मूल्य शिक्षा
40	स्कूल परिसर

प्रस्ताव को अंतिम रूप देना एवं डेटा विश्लेषण कार्यशाला

ओडिशा के टीईएस के लिए आरआईई भुवनेश्वर द्वारा क्षमता निर्माण कार्यशाला

जिला स्तरीय खेल गतिविधियां

मीडिया

अप्रैल 2022 - मार्च 2023

२६. मीडिया और प्रलेखन

सोशल मीडिया से पेज

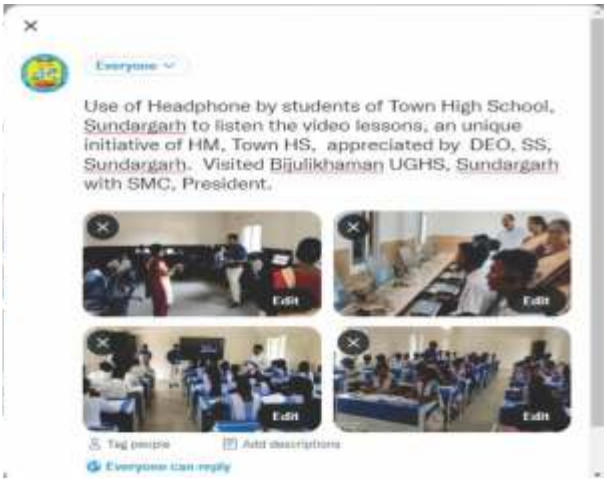

Everyone

Joint Director & Programmer, OSEPA visited Manikeswari HS, Bhawanipatna, Kalahandi . Appreciated the efforts taken by the teachers teaching through smart board using e-contents, monitored LRP & different components of HST. This will definitely pave the way to achieve the target.

Everyone

School visit by ADEOs , Bargarh to Bheden Block. Monitored & observed the Usages of e-Content, Science Lab, Smart Classroom, e-Library, Internet connectivity. The initiatives taken by Govt. will bring a holistic and qualitative development of the students for a bright career....

Parent Teacher Meeting (PTM) is conducted throughout the State on 31.03.2023. The result of SA-II was shared with the parents. Spontaneously, Parents connected with the schools to know the academic progress of their children. Some moments of PTM are ...

Tag people Add descriptions

Everyone

Capacity Building of Teachers & Headmasters on Leadership and Digital Skill under HST-5T at Kendrapara High School & Govt. Girls High School in Kendrapara District. Some of the glimpses of training are.....

Training of Headmasters & Teachers on Leadership and Digital Skill under HST-5T at Paikmal of Bargarh District is going on....

Set your goals high & don't stop till you get there. Football is an unstoppable game, it will be played in rain or wind, hot or cold, day or night. The same spirit may continue among the students forever .....

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 1, 2022
Principal Secretary, S&ME Department and SPD OSEPA watched the live stream of the 5th edition of #ParikshaPeCharcha2022 along with 300 students, 100 teachers & 50 officials on a digital platform at Captial High School, Unit 3, Bhubaneswar.

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 2, 2022
After a gap of more than 2 years, cooked food is being served to the eligible students from Class 1 to 8 across the State.
#BackToNormal
#BackToSchool

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 5, 2022
An awareness program named as "SHIKSHA SACHETANA RATHA" was launched yesterday. This program has been dedicated to specific students & their parents to encourage them to return to their respective schools and enjoy the modern facilities allocated for their educational benefits.

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 7, 2022
Heat waves have been a major concern during this summer. Few tips for our students to stay fit & healthy in their daily lives.
#Summercaretips
#Odishacare
#StayFit
SUMMER
Care Tips
1 Drink sufficient amount of water.

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 7, 2022
On the eve of World Health Day, lets pledge to take utmost care of our individual health for a hearty future.
#StayHealthy
#heartyfuture
#healthylifestyle

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 13, 2022
Attending school has always been a memorable part of everyone's student life. Let's relive the good old days, make new friends & learn together with joy.
#BacktoSchool
#educationforall
ସ୍କୁଲ୍ ଖୋଲିଛି ପୁଣି ଥରେ
ମଜିଯିବା ଖେଳକୁଦ ଓ ପାଠପଢ଼ାରେ

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 14, 2022
Everyday teaches us something new and attending schools on a regular basis helps with a consistent learning process. Let's make the best out of each day.
#BacktoSchool
#EducationForAll
#Odishacares
ସବୁଦିନ ସ୍କୁଲ ଯିବା
ନୂଆ କଥା ଶିଖିବା

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 15, 2022
The motive to attend school from our student's perspective.
@CMO_Odisha
@EduMinOfIndia
@MoSarkar5T
@MoSchoolOdisha
@OAVS_Official
0:52 4,772 views

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 17, 2022
School is known as the second home for every student because it nurtures them in terms of adapting to healthy food habits along with proper educational practices.
#middaymeal
#odishacares
#BacktoSchool
@CMO_Odisha @MoSarkar5T @EduMinOfIndia @MoSchoolOdisha
0:49 3,031 views

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 18, 2022
Our students in Bhadrak district have started using modern tools & equipment in Science labs and the e-libraries in their respective schools under 5T High School Transformation Programme.
#Highschooltransformation
#education
#students

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 18, 2022
Healthy habits lead to a healthy mind & a healthy mind plays an important role in the enhancement of learning process in schools.
#helathy #learning #BacktoSchool #education

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 19, 2022
Let's bring back consistency in the practice of attending schools on daily basis because the schools are fully equipped to take care of our student's educational needs & moral values.
#BacktoSchool #educational #Students #moralvalue #school #practice

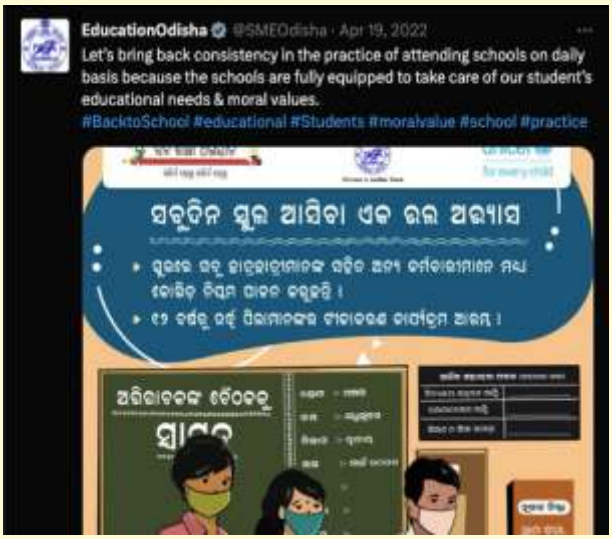

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 20, 2022
A consultative meeting on the formation of Transformation for Aspiration Incubator under 5T HST Task Force-B chaired by SPD OSEPA was conducted today. The external partners & other dignitaries shared their inputs about the current development & action plans for upcoming days.
on
Formation of
"Transformation for Aspiration Incubator"
(T4 Incubator)

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 21, 2022
With an intent to adapt our teaching staffs to the modern-age environment under 5T High School Transformation Programme, a district-wise Capacity Building Training Programe has been happening throughout the state.
#capacitybuilding #modernage #5T #Training #education

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 25, 2022
Research says "the activities are comparatively faster in a female brain." If it gets a proper guidance in terms of education, it can even run the fastest. Let's educate our girls in more numbers to see a rapid change in the society.
#GirlsEducation #education #research #society
#GirlsEducation
"To educate a girl is to educate an entire generation

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 26, 2022
A skilled person owes the ability to implement the theoretical knowledge into practicality and the skill development can be done through Vocational Education. Let's show our interest into Vocational Learning & stand out as a skilled individual in the society.
#VocationalEducation
VOCATIONAL
EDUCATION

EducationOdisha @SMEOdisha · Apr 28, 2022
12th Board exam is the stepping stone for every student's career and we hope our students shine with their performance in the exam for this year & pave the path towards their goals. We wish a very good luck to all the students appearing for Board exam.
#Exams #CalmMind #focused
Best Wishes

EducationOdisha @SMEOdisha · May 1, 2022
Keeping the current scenario of heatwave into consideration, the teaching hours for all schools have been rescheduled. The teaching hours will be from "06:00am to 09:00am".
ମେ' ୨ରୁ ଓଡ଼ିଶାର ସମସ୍ତ ବିଦ୍ୟାଳୟ
ସକାଳ ୬ଟାରୁ ୯ଟା ଯାଏଁ ଖୋଲିବ

EducationOdisha @SMEOdisha · May 3, 2022

Our students have shown their interest towards attending schools as per the revised timings. We had seen an overall attendance of 70% across the state for yesterday. This is a kind cooperation from our students & their parents towards the decision of revised teaching hours.

ସକାଳୁଆ ସ୍କୁଲ, ଉପସ୍ଥାନ ୭୦%

EducationOdisha @SMEOdisha · May 19, 2022

A 3 days Training Programme in collaboration with SCERT, DSE & @PiramalFdn has begun from today for the DRGs. This programme is about development of Leadership & 21st Century skills under 5T High School Transformation Programme.

#21stCenturySkills
#LeadershipMatters
#Training

EducationOdisha @SMEOdisha · May 26, 2022

Principal Secretary, School & Mass Education Department, Odisha has approved projects worth Rs. 21.90 crore in 26 districts of the state under Mo School Abhiyan. Science Practical Classes will be placed great emphasis in the transformed schools.

EducationOdisha @SMEOdisha · May 27, 2022

Keeping the current requirement of IT into consideration, a special fund has been sanctioned for The "Code Club" to include coding education in transformed schools. Also, internet connectivity has to be provided in priority in schools having no connectivity yet.

ରୂପାନ୍ତରିତ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଦିଆଯିବ 'କୋଡିଂ' ଶିକ୍ଷା

EducationOdisha @SMEOdisha · May 28, 2022

As per the report of National Achievement Survey conducted by the Ministry of Education for classes 3,5,8 & 10, Odisha stands within top 10 in Mathematics and above national average in terms of language subjects.

#education
#Odisha
#survey

Students in Odisha's Govt-run school perform better in Language, Mathematics: NAS Report

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 2, 2022

Our Honorable Chief Minister inaugurated 532 Transformed Schools in 5 districts of the state. These transformation took place in the second phase of 5T High School Transformation Programme. Honorable CM addressed these transformation work as new opportunities for our students.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 22, 2022
@abfoundationind in collaboration with International Olympic Committee & Olympic Foundation for Culture & Heritage conducted its inaugural session to kickstart integration of the IOC's Olympic Values Education Programme into the school education system of Odisha.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 22, 2022
This programme was launched by SPD, OSEPA - Shri Anupam Saha (IAS), Founder of ABFT & Olympic Champion - Mr Abhinav Bindra, team members & trainers from IOC - Ms Frederique Jamolli (Head of International Cultural Affairs), Ms Xenia Kourgouzova (Senior Education Manager - OFCH).

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 22, 2022
The training of the Headmasters and Physical Education Teachers selected from 90 schools in Khordha and Sundergarh districts included an orientation session and a series of interactive activities. The training session will be held till 28th June 2022.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jun 28, 2022
Under #AzadiKaAmritMahotsav - #EkBharatShreshthaBharat mission, 25 students & 2 teachers from Odisha have visited Maharashtra. This #StudentExchangeProgramme aims to propagate language, culture & mutualunderstanding between states through various activities.
STUDENT EXCHANGE PROGRAMME

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 7, 2022
The pass rate of 90.55 in Matriculation exam is a commendable achievement for the School and Mass Education Department. Our best wishes and congratulations to all the students who succeeded on the exam.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 8, 2022
Shri Samir Ranjan Dash, Hon'ble Minister, School & Mass Education Department, has expressed his satisfaction on matriculation results. During his interview, he said that after the pandemic this result reflected the exemplary will power of students and teachers.
This year's Class X board exam was about grit, gumption and resilience
'Our students and teachers have shown exemplary willpower'
'My story will inspire school dropouts'

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 9, 2022
#MidDayMeal
@CMO_Odisha @samirdash01 @EduMinOfIndia @MoSarkar5T
0:34 6,098 views

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 14, 2022
#RightToEducation
#EducationForAll
@CMO_Odisha @samirdash01 @EduMinOfIndia @MoSarkar5T
1:15 5,988 views

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 15, 2022
#StaySafe #stayhealthy #OdishaFightsCorona #OdishaCares
@CMO_Odisha @samirdash01 @EduMinOfIndia @MoSarkar5T
@SecyChief
0:22 3,124 views

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 15, 2022
Following instructions of Hon'ble Chief Minister Sri Naveen Patnaik, Odisha Adarsha Vidyalaya started in Kotia GP from the current academic session. 59 students took admission in class-6.Teaching learning started. One hostel building completed in all respects.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 16, 2022
'ଓଡ଼ିଶା ପିଲାଙ୍କ ଶିକ୍ଷଣ ସ୍ତର ଜାତୀୟସ୍ତରଠାରୁ ଆଗୁଆ'

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 19, 2022
Infrastructure development is the need of hour for govt. Schools under Mo school Abhiyan.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 21, 2022
ସକାଳ
୩୦ ବସ୍ ଯାଞ୍ଚ, ୯ ବସ୍‌କୁ ଜରିମାନା
ରାଜଧାନୀରେ ଅସୁରକ୍ଷିତ ସ୍କୁଲ ବସ୍
ଧରପକଡ଼ ଲାଗି ଗଠନ ହେଲା ୯ ଜଣିଆ ଟିମ୍

EducationOdisha @SMEOdisha · Jul 27, 2022
AHSE (+2) Science and Commerce result has been published today in the O/o CHSE(O) by Shri Samir Ranjan Dash Hon'ble Minister,S&ME Dept.,Odisha in the presence of Shri Bishnupada Sethi, Principal Secretary,Chairman,CHSE(O) & other officials.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 1, 2022
Orientation Programme for 6891 newly recruited Secondary School Teachers was held at Kalinga Stadium, Bhubaneswar on 01.08.2022. Hon'ble CM, Sri Naveen Patnaik graced the occasion as Chief Guest.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 1, 2022
This programme was also graced by Sri Samir Ranjan Dash, Hon'ble Minister, School and Mass Education; Smt. Tukuni Sahu, Hon'ble Minister, Water Resources, Commerce & Transport; Sri Pratap Keshari Deb, Hon'ble Minister, Industries, MSME, Energy.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 1, 2022
Sri Rohit Pujari,Hon'ble Minister, Higher Education;The Chief Secy, Odisha;Development Commissioner, Odisha;Sri Upendra Tripathy,Principal Advisor(Education) to Hon'ble CM;Sri V.K. Pandian,5T Secretary,Sri Bishnupada Sethi,Principal Secy,S&ME Deptt., were present on the occasion.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 1, 2022
This newly recruited teachers will help the 5T Transformation activities being undertaken by the Government to strengthen school education system in Odisha. The Initial Appointees were welcomed to the fold of S&ME Department and congratulated for their new beginning.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 5, 2022
@CMO_Odisha @samirdash01 @EduMinOfIndia @MoSarkar5T
@SecyChief
1:12 3,563 views

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 8, 2022
With a constructive intent of revamping the Educational Structure of the state, S&ME Deptt., Govt of Odisha organized a conference of District Education Officers & ADEOs on strengthening Teaching-Learning and Results for State.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 8, 2022
Shri Samir Ranjan Dash, Hon'ble Minister, S&ME Deptt. chaired the conference where an MoU was signed with J PAL SA & Break Through NGO.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 8, 2022
AHSE (+2) Arts and Vocational results have been published today in the CHSE(O) premises by Chairman, Council of Higher Secondary Education, Odisha in the presence of other officials from S&ME Deptt., Odisha & congratulated all the successful students.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 22, 2022
Director Higher Secondary Education, Odisha reviewed ongoing admission process for 11th Class at BJB HSS and Kamala Nehru Womens HSS in Bhubaneswar and interacted with students and faculty.
#TransformingEducation
#OdishaCares

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 23, 2022
Smart Boards makes teaching & learning engaging for our teachers & students. Cluster Coordinators are monitoring the usage of Smart Classrooms in our recently transformed schools under the High School Transformation Program.
Sambalpur- Fashimal HS, Budharaja HS, OAV Jujumura

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 24, 2022
No Child Left Behind.
We are ensuring that our CWSN students have access and support in the form of aids and appliances. Parents of CWSN are being oriented about their role in the development of their children & available facilities.
#OdishaCares #InclusiveEducation

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 26, 2022
From imparting digital education in a rural village to dealing with the ways to bring marginalised children back to school. Meet Sri Iswar Chandra Nayak from Govt UPS, Kanapur, Puri who has been selected for the National Teachers' Award 2022 for his extraordinary commitment.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 30, 2022
Building hope & confidence: For achieving significant success in board exams, Hon'ble Chief Minister Sri Naveen Patnaik today felicitated the meritorious students of OAVS for achieving academic excellence in the examinations held in 2022.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 30, 2022
Among others, S&ME Minister Sri Samir Ranjan Dash, Sri Upendra Tripathi, Chairman, OAVS, Sri Suresh Chandra Mohapatra, Chief Secretary, Sri Pradeep Jena, Development Commissioner & Ms. Aswathy S, Commissioner-cum-Secretary, S&ME Dept were present in this program.

EducationOdisha @SMEOdisha · Aug 30, 2022
The OAVS is an initiative of Hon'ble Chief Minister to promote the rural talents by inculcating the 21st century learning skills through a holistic & integral approach for their physical & aesthetic development, apart from academic excellence.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 2, 2022
S&ME Dept joins the nation in celebrating #AzadiKaAmritMahotsav commencing today in Angul & Balasore. The multi-locational event will be celebrated across the state with series of events & activities to inculcate the feeling of patriotism among students.
Here's a sneak peak!

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 3, 2022
Remembering the 'Banhi-kanya': On the occasion of celebration of #AzadiKaAmritMahotsav in Bargarh, students celebrated the legacy of freedom fighter Parbati Giri, the celebrated woman from Western Odisha. Dressed up like the fierce woman, students remembered her heroic journey.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 5, 2022
Celebrating those who help our children with their best investments - knowledge, skills, encouragement & wisdom. On this occasion of Teachers' Day, School & Mass Education Dept extends heartfelt gratitude to all the change makers for building a better world.
"ଗୁରୁ ବ୍ରହ୍ମା, ଗୁରୁ ବିଷ୍ଣୁ, ଗୁରୁ ଦେବ ମହେଶ୍ୱର ,
ଗୁରୁ ସାକ୍ଷାତ, ପର୍ ବ୍ରହ୍ମ, ତସ୍ମୈ ଶ୍ରୀ ଗୁରବେ ନମଃ"

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 5, 2022
A teacher by profession, a change maker by choice; Meet Smt Ratna Manjari Dash, Govt UPS, IRC village of Bhubaneswar who is on a mission to change the lives of underprivileged children around her and empower them by teaching them important life skills.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 6, 2022
All the schools of Bhadrak, Bolangir & Boudh celebrated #AzadiKaAmritMahotsav,the 75th Anniversary of Indian Independence by remembering the glorious history of India's people, culture & achievements. Here's a glimpse of events organised by the schools to mark the occasion!

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 7, 2022
To ensure effective implementation of all the programmes at school-level, a massive monitoring drive has been launched by S&ME Dept for reviewing Mid-day Meal, school infrastructure, work progress under High School Transformation programme & other flagship schemes of the Dept.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 7, 2022
With the instruction of the Department, Smt Pratibha Dora, Joint Secretary, S&ME & Sri Prasant Swain, Additional Director (Quality), OSEPA visited Deogarh, Jharsuguda, Bargarh & Sambalpur district & monitored the progress of projects.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 8, 2022
Dr.Bijaya Patra, Addl. Dir,DHSE on Wednesday visited Jajpur & took stock of the facilities available for students. During her visit,she stressed on the need to ensure availability of good school infra with safe drinking water, quality MDM, sports facilities and IT infrastructure.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 9, 2022
Science inspires our future. Sanket Kumar Padhan from Grade 8, OAV Katapali, Jharsuguda who aspires to be an astrophysicist has painted a watercolor painting of his favourite scientist Albert Einstein.
#Odishacares #OAVs

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 11, 2022
Remembering the son of soil: As part of #AzadiKaAmritMahotsav, schools in Dhenkanal district reminisced the exemplary courage & selfless sacrifice of Baji Rout, one of the bravest martyrs in history of India's freedom movement by organising several activities & events.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 11, 2022
The main purpose of this meeting to ensure transparency, effective use of the newly created assets, promote parental engagement in school development process, academic enrichment & strengthening the School Management Committee for the holistic development of students.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 11, 2022
"Parent-Teacher Meetings" were held yesterday in all transformed high schools across the state for appraising stakeholders about the developmental activities have been taken up under #5T HST. The meetings have been a great success with overwhelming participation from parents.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 12, 2022
Painted in colours of patriotism, students of Ganjam & Jagatsinghpur celebrated #AzadiKaAmritMahotsav in a unique way to spread our glorious history & heritage. The aim is to instill spirit of patriotism & reiterate the message that the nation comes above all.
Azadi
Mahotsav

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 13, 2022
66 students along with 11 escorts & 3 team leaders from Odisha have left for New Delhi to participate in 9th National Level Exhibition and Project Competition, a Govt. of India initiative aimed at fostering a culture of creativity and innovative thinking among children.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 14, 2022
To create a wholesome learning environment for students, 58 RTS schools of Khordha district have been provided with Mathematics Kits & Mobile Library Kits for establishing library-in-classroom with the help of @MyIndusIndBank under #RoadToSchool Programme.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 14, 2022
Students of Govt Higher Secondary Schools were oriented on Odisha Career Portal in a virtual program today. The portal hosts information on career, scholarships, exams and admissions.
#Odishacares
#DHSE

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 16, 2022
On his 2-day visit to Keonjhar, Shri Durgaprasad Mohapatra, Additional Secretary, S&ME monitored the progress of projects carried out under S&ME in order to ensure timely completion of work. He also interacted with teachers, students & prioritised delivering quality education.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 16, 2022
S&ME Dept congratulates Kalyani Sahu from Bargarh district on receiving outstanding innovation awards in the 9th National Level Exhibition and Project Competition held at New Delhi. Out of 6.53 Lakh Ideas & Innovations, she stood out for the uniqueness in her project.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 17, 2022
Under Samagra Shiksha, TLM Kits were distributed to 260 students (children with special needs) in Mayurbhanj district. Jointly organised by NIEPID, Secunderabad, the event was graced by Collector Mayurbhanj, DEO, Mayurbhanj & officials from NIEPID, Secunderabad.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 19, 2022
Ms. Chinmayee Kanhar, Secretary,CHSE visited schools in Nayagarh district & took stock of the progress of various projects undertaken by S&ME department. She also interacted with the students, teachers & attended the teachers' training workshop carried out under 5T HST Programme.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 21, 2022
Congratulations to budding scientist of the state Kalyani Sahu from Deoli High School, Bargarh & Shreyansh Vikash Mishra from Sai International School, Bhubaneswar for receiving outstanding innovation awards in the 9th NLEPC - MANAK. Hope this will inspire many more in future.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 21, 2022
Participating in the foundation day celebration of OAVS, Hon'ble CM launched 'VAJRA' – a welfare scheme for teachers to help them meet their financial exigencies. He also laid foundation stone for the Teachers' Training Centre to be set up at a cost of ₹25 Crore in Bhubaneswar.
Spark 2022
Foundation Day

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 21, 2022
The state-of-the-art training centre will have an auditorium for the training of 300 teachers, accommodation for 100 teachers & facilities to conduct workshops. On this occasion, 5 best Odisha Adarsha Vidyalayas and 5 students who have excelled in various fields were awarded.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 22, 2022
To encourage healthy eating practices & to combat negative nutritional trends, Nutrition Mela series are being organised in schools under #RoadToSchool Program. The aim is to generate awareness among students about what people eat, where food comes from & how it affects them.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 26, 2022
Sri Samir Ranjan Dash, Hon'ble Minister, S&ME Dept today inaugurated the state level Conference of Principals of Govt Higher Secondary schools & ADEOs at Hotel Lemon Tree Premier, Bhubaneswar targeted to chalk out plans to bring a paradigm shift in achieving academic outcomes.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 26, 2022
The two-day conference will highlight the use of Information Technology in teaching & assessment, up gradation of digital infrastructure in Higher Secondary Schools, promotion of vocational education & career counseling for transforming higher education sector in state.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 26, 2022
Hon'ble Minister, S&ME Dept felicitated the toppers of Annual HSE 2022 during the event. Ojash Pattanayak from Arts, Shyamasundar Parhi from Science, Subhashree Patnaik from commerce & Jyoti Ranjan Swain from Vocational Education were felicitated along with other 15 students.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 28, 2022
Addressing the gathering at the Conference of Principals of HSSs & ADEOs, Sri Upendra Tripathy, Advisor to CM (Education) highlighted the state govt's efforts towards enhancing the quality of education by investing in infrastructure & skilled human resources.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 28, 2022
"Our aim is to make the state a preferred investment destination for world class education and research in the near future. Under the visionary leadership of Hon'ble CM, Odisha will excel in school education sector," he added.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 28, 2022
Shedding light on the power a teacher holds in transforming the lives of posterity, Development Commissioner Sri Pradeep Kumar Jena stressed on raising standard of higher education by channelising existing resources while addressing the conference of Principals of HSSs & ADEOs.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 28, 2022
The DC-cum-ACS advised the new generation of teachers to colour outside the lines & prepare roadmaps to impart value based education to augment analytical mindset of students. Among others Ms Aswathy S.,Commissioner-cum-Secretary, S&ME & Sri Anupam Saha, SPD, OSEPA were present.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 28, 2022
Sri Samir Ranjan Dash, Hon'ble Minister, S&ME Dept inaugurated the Compendium of letters & Task Force Recommendations for HST Programme at state level conference of DEO-cum-DPCs. Ms. Aswathy S., Commissioner-cum-Secretary, S&ME & Sri Anupam Saha, SPD, OSEPA were also present.

EducationOdisha @SMEOdisha · Sep 28, 2022
Agenda of the meeting was to review the progress of flagship schemes undertaken by S&ME Dept, implementation status of LRP & FLN, infra development of Higher Secondary Schools, reviewing the status of civil work under Samagra Shiksha executed by PRIs.

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 1, 2022
To create inclusive schools & ensuring inclusion at all levels of education, S&ME Dept today organised a consultative meet on Inclusive Education with the experts from field. The aim is to develop roadmap to foster free & appropriate education to students from all backgrounds.

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 1, 2022
The event was inaugurated by Sri Pradeep Kumar Jena, DC-cum-ACS and graced the presence of Commissioner-cum-Secretary, S&ME Dept, State Project Director, OSEPA, Director, SSEPD, founder & CEO, Swabhiman, education specialist, UNICEF along with senior officials from department.

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 2, 2022
On the August occasion of Gandhi Jayanti, let us all walk on path of truth and peace. Through our actions let us pledge our support towards the nation's progress.

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 12, 2022
Congratulations to OAV, Hatitota & OAV, Baripada on securing 5th & 10th positions respectively as the best boarding schools in country. The two OAVs clinched the top ranks in EW India School Rankings 2022-23, world's largest schools ranking survey conducted by Education World.
ODISHA ADARSHA VIDYALAYA HATIOTA
A ADARSHA VIDYALAYA RANIBHOL

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 12, 2022

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 14, 2022
Huge congratulations to Govt HS, Medical Campus, Berhampur for bagging the 1st position in school level presentation on 'Geo-enabling the global village with Generation Z & Alpha' at the second United Nations World Geospatial Information Congress held in HICC, Hyderabad.
Certificate of Merit

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 15, 2022
Under the #RoadToSchool Programme, schools & communities of Khordha district observed Global Hand Washing Day to aware students about hand hygiene habits. The communities were empowered to develop low cost handwash liquids with the support of CDPOs from Anganwadis.

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 17, 2022
To bridge the digital gap & provide better opportunities, S&ME Minister Sri Samir Ranjan Dash today distributed laptops to 15 meritorious students with special needs. Sponsored by @pnbindia , students securing 90% & above in HSC, CHSE & CBSE Exam 2022 received the laptops.

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 18, 2022
@BSEOdisha will be introducing assessment reforms by inclusion of aspirational components in the curriculum of Classes IX and X. Aimed at bringing innovation in education, the new initiative will nurture the youth for the challenges of tomorrow.

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 19, 2022
SPD, OAVS today paid a surprise visit to OAV, Sialia in Khordha to check the progress of academic activities in the school. During his visit, he interacted with the teachers, students & took stock of several ongoing projects.

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 21, 2022
For the effective implementation of Learning Recovery Programme for the students of Class III to IX in order to compensate the lost learning of the last 2 years, schools have been asked to ensure 100% attendance in all classes for improving the learning standards of all children.

EducationOdisha @SMEOdisha · Oct 29, 2022
S&ME Dept. stressed the need of inclusion of disaster management in school education to minimise the impact of natural calamities while taking part in the state-level observance of Odisha Disaster Preparedness Day and the National Day for Disaster Reduction 2022.

EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 4, 2022
Odisha has made significant improvements in Performing Grade Index (PGI) 2020-21 and has emerged as one of the top 10 ranked states by securing 877 points out of 1000. Under the visionary leadership of Hon'ble CM, the state has improved its score in all 5 performance indicators.
Odisha among Top 10 ranked states in Education Ministry's 2020-21 Performing Grade Index (PGI)
Odisha
PERFORMANCE MATRIX
138
71
133

EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 10, 2022
The stage is all set to welcome Hon'ble President Smt. Droupadi Murmu to her alma mater Capital Girls' HS in Bhubaneswar. An alumnus of the 1974 batch, her excellency Smt. Murmu will meet her batchmates who are thrilled to reminisce the memories of their school days.
#StayTuned

EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 14, 2022
Happy faces, Curious minds, Twinkling eyes: School and Mass Education Department, Odisha is all set to celebrate this year's Children's Day with state level children's festival 'Suravi 2022' after a gap of two years.
Let the drums start rolling.

EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 14, 2022
"My department is committed for providing easy access to education to all children of Odisha below 14 years. We will leave no stone unturned to visualise the dream of Hon'ble CM of a progressive Odisha", said Sri Samir Ranjan Dash at the inaugural event of "SURAVI-2022".

EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 15, 2022
The 2nd day of #Suravi2022 witnessed eminent personalities from all walks of life in 'Meet the Personality' segment. The guests interacted with students & advised them to invest their time in the right direction to achieve their goals & make the state proud of their success.

EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 16, 2022
The initiative will benefit 50,000 students, 1500 teachers, headteachers, senior education officers, alumni committees, SMC members, Gram Panchayats to create healthy competition and promote better educational outcomes.
AlmaMaterMatters

EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 16, 2022
The closing ceremony of Suravi 2022 was graced by the august presence of Hon'ble @CMO_Odisha & other eminent dignitaries. To make educational ecosystem aspirational by incorporating recognition & reward for all stakeholders, 'CM's Award for Education' was announced by Hon'ble CM.
Government of Odisha
CM's Award for Education

EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 19, 2022
ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଶିକ୍ଷା ପୁରସ୍କାର

EducationOdisha @SMEOdisha · Nov 22, 2022
In a first, the district admin of Balasore has launched 'A1 Balasore' & 'Balasore Book Club' for secondary school students to promote reading habits among students. This would offer a wide variety of nonfiction, fiction & text books by eminent writers. Kudos!

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 2, 2022
To supplement the state government's efforts to transform school education sector, we are bringing together educators, sector experts and investors across the world to share perspectives and engage in a dialogue on 'Transforming School Education for Future Ready Odisha'.
Odisha's 3rd flagship Investors' Summit
MAKE IN ODISHA CONCLAVE'22
Come & explore the vast existing & emerging investment opportunities in Odisha.
Shri Naveen Patnaik
Transforming School Education

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 13, 2022
As part of the Olympic Values Education Program, launched by @CMO_Odisha, Olympic gold medallist & Founder, @abfoundationind , Sri Abhinav Bindra along with SPD, OSEPA interacted with the students of Govt HS, Laxmisagar with an aim to promote core principles of Olympics Games.

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 13, 2022
To complement academic curricula using the context of Olympic sports, a mixed-gendered football game followed by a reflection session was organised by the school administration for building sports champions from grassroots.

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 16, 2022
Addressing state-level training of DEOs & BEOs, Sri Samir Ranjan Dash, Minister, S&ME Dept. underlined the importance of reimagining education ecosystem by brainstorming on strategies & policies. He also stressed the need of establishing frameworks to improve education delivery.

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 16, 2022
The event highlighted the necessity of innovation in education to achieve the ambitious objectives of strengthening school education across the state.

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 16, 2022
The two-day inclusive conference kickstarted by addressing policy and regulatory issues, implementation of best practices & offering solutions for implementation challenges. The officials also shed light on sustainable education system that prioritises creativity over conformity.

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 17, 2022
With a commitment to offer the best support to the future generations of Odisha, the concluding day of state level training of DEOs & BEOs pressed on creating a platform that ensures monitoring, supervision, assessment, positive outcomes & effective use of resources.

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 17, 2022
Furthermore, in a bid to expand the state's employment channels while cultivating more targeted talent for emerging high-tech industries, the programme also emphasized on the development of vocational education ecosystem of Odisha.

EducationOdisha @SMEOdisha · Dec 23, 2022
To ensure a fair, transparent & rigorous evaluation process, a 2-day state level orientation programme on "Shaala Siddhi" – a quality assessment programme for improving the quality of school education inaugurated on 22nd December at IMAGE, Bhubaneswar.
Shaala Siddhi
IMAGE

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 4
Sri Sanjay Kumar, School Education Secy, GoI & Prof. Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT visited yesterday Capital HS, Unit 3 & iconic OAV to assess the provision of quality education to students at govt schools & discussed the current system of classroom transaction.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 4
The delegates inspected the newly transformed infrastructure facilities at the schools along with the ongoing classroom transaction. Smt. Aswathy S., Commissioner-cum-Secretary, S&ME Dept., SPD-OSEPA, SPD-OAVS and COO-Mo School among others were present.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 5
With Odisha hosting the 2023 edition of Men's Hockey World Cup, our tiny tots are creating wonders with their hands as part of the #ChakDeBhubaneswar campaign to rally their support for the 'men in blue'.
#HWC2023
#OdishaForHockey
#HockeyComesHome

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 11
Buzzing with excitement & grooving to the beat of Hockey Hai Dil Mera!
Students of Kasturba Gandhi Balika Vidyalaya across the state joined the bandwagon of #HWC2023 'Celebrations' & witnessed artists from around the world performing in the grand opening ceremony of World Cup.
1:29 1,942 views

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 11
To infuse the spirit of hockey among students, the school administrations of KGBVs have facilitated live streaming of the star studded evening as
#HockeyComesHome
#HockeyHaiDilMera
#OdishaForHockey

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 13
A big shout out to the #MenInBlue
Today, our students had the opportunity to witness some of the best actions of #HWC2023 on big screens. They were thrilled & excited while cheering for their favourite team.
#HockeyComesHome
#OdishaForHockey

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 17
Inaugurating the two-day review-cum-training meeting of BEOs & DEOs of Berhampur zone, Sri Samir Ranjan Dash, Hon'ble Minister, S&ME Dept highlighted the dept's role in implementing education-oriented initiatives to create a meaningful learning experience.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 17
The Hon'ble Minister also laid pressing importance on the collective functionality of different wings of S&ME Dept to achieve the best possible outcomes for academic excellence of students to affirm Hon'ble CM Sri Naveen Patnaik's dream of a transformed & prosperous Odisha.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 18
On the concluding day of the Review-cum-Training programme for BEOs & DEOs, senior dignitaries of the S&ME Department encouraged the officials to provide a transparent, responsive & accountable administration to ensure qualitative changes in the education sector.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 18
Senior education officials from eight districts of Berhampur Zone participated in the two-day review-cum-training session organised at Krushi Bhawan, Bhubaneswar.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 20
The combined enthusiasm and energy of our students proved wonders when India beat Wales 4-2 to finish in second place in the pool. Campuses thundered with loud cheers as students witnessed some live actions of the most-awaited hockey match of #HWC2023 on big screens.

EducationOdisha @SMEOdisha · Jan 22
In connection to ensuing World Cup Hockey and ongoing celebration of the game, one coffee table book "Odisha re Hockey" has been dedicated by Hon'ble CM which has been distributed to 47,000 schools by S&ME Dept as an outreach measure.
#HWC2023
#HockeyComesHome
#OdishaForHockey

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 5
To nurture creativity & promote reading habits among students, a specially designed booklet 'Shishulekha' will be distributed in 50,000 government & aided schools of the state with an aim to nourish Odia language & literature.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 13
From Mars Mission to Chandrayaan, from Multi Planetary Species to Alpha Century, our students across the state today witnessed an enlightening session on Space Science & discovered some exciting facts about planets, galaxies & solar system.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 13
'Space on Wheel', a one-of-its-kind space exhibition, organised by ISRO-SAC-VSSE-Ahamadabad at Capital High School, Bhubaneswar was live-streamed on YouTube for enabling maximum reach to students.

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 24
In a major infrastructure push, the government of Odisha allotted a budget of ₹1000.14 crore towards infrastructure development of OAVs across the state. The increased allocation will help in providing quality education to students of rural & urban areas in CBSE curriculum.
ODISHA BUDGET 2023
ODISHA ADARSHA VIDYALAYA
Focus on robust infrastructure development of OAVs
Allocation of ₹1000.14 crore for construction of 237 new hostels in FY 2023-24
Blueprint for holistic educational environment

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 24
Under GMSMY, amount for provision of school uniform and accessories will be enhanced from ₹600 to ₹1000 for supplying high quality school uniform. Uniforms will be distributed among all Class-IX & X students from FY 2023-24.
#Budget4NewOdisha
#OdishaBudget2023
ODISHA BUDGET 2023
UNIFORM DISTRIBUTION
UNDER GANGADHAR MEHER SIKSHYA MANAKBRUDHI YOJANA
School uniform & additional accessories for class-IX & X students from FY 2023-24
Allocation of ₹15500 lakh in FY 2023-24
Amount enhanced from ₹ 600 to ₹ 1000 for each beneficiary to provide high quality school uniform & additional accessories

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 24
Programme Under the ambitious 5T High School Transformation Programme of the state government, Odisha will dedicate another 2336 high schools in the 3rd phase & remaining high schools of the state in 4th phase.
#Budget4NewOdisha
#OdishaBudget2023
ODISHA BUDGET 2023
5T HIGH SCHOOL TRANSFORMATION PROGRAMME
₹3495.36 crore allocated for 1st, 2nd & 3rd phase High School Transformation
Another ₹1000.00 lakh will be allocated for 5T HST programme
All government & aided high schools of the state to be transformed
Engagement of WSHGs for watch & ward of transformed schools
Focus on skill development of teachers & head teachers

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 24
To further uplift the educational ecosystem, in a first, Odisha will introduce Mukhyamantri Shikhya Puraskar from financial year 2023-24 by incorporating recognition & reward for all stakeholders.
#Budget4NewOdisha
#OdishaBudget2023
ODISHA BUDGET 2023
MUKHYAMANTRI SHIKHYA PURASKAR
Allocation of ₹138.97 crore for Mukhyamantri Shikhya Puraskar
Individual awards in form of cash and scholarships for students
Individual awards in form of salary increment & professional development for officials, HMs, teachers & community
50,000 students, 1500 teachers, stakeholders to reap benefits
Schools, alumni associations,

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 24
To curb dropout rates & encourage students to complete secondary education, it has been proposed to increase the monetary assistance from ₹2600 to ₹3500 for each identified beneficiary to purchase bi-cycles.
#Budget4NewOdisha
#OdishaBudget2023
ODISHA BUDGET 2023
BI-CYCLE DISTRIBUTION
UNDER GANGADHAR MEHER SIKSHYA MANAKBRUDHI YOJANA
A budget outlay of ₹15,500 lakh has been proposed for FY 2023-24
Funding for each bicycle will be increased to ₹3500 from ₹2600 in FY 2023-24
Focus on reducing transport time & facilitating class-X students to reach distant schools

EducationOdisha @SMEOdisha · Feb 24
The Government of Odisha continues to focus on further strengthening education sector, thereby allocating a budget of ₹80514.50 lakhs under Mo School Abhiyan.
#Budget4NewOdisha
#OdishaBudget2023
ODISHA BUDGET 2023
Mo School Abhiyan
₹80514.50 lakhs allocated for development of schools under Mo School Abhiyan
Focus on holistic development of schools
Improvement of infrastructure & academics
Major push to involvement of alumni in service contribution
Focus on sustainability, maintenance & security of generated assets

EducationOdisha @SMEOdisha · Mar 1
To continue our efforts in revolutionising School & Mass Education, another 20,000 junior teachers, 7540 secondary teachers & 6025 LTR teachers for secondary schools will be recruited for filling up the vacant posts.

समाचार कतरन की कुछ झलकियाँ..

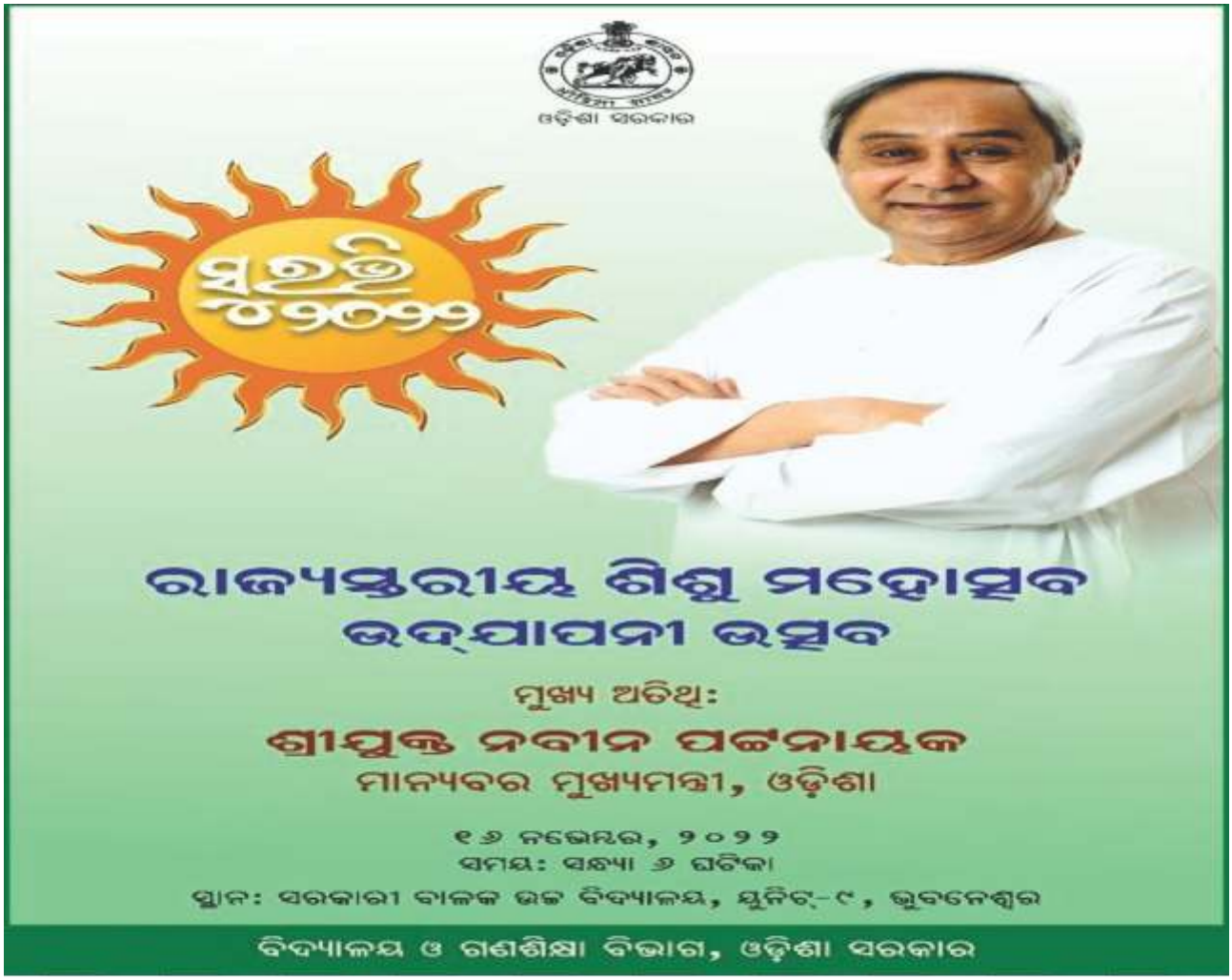

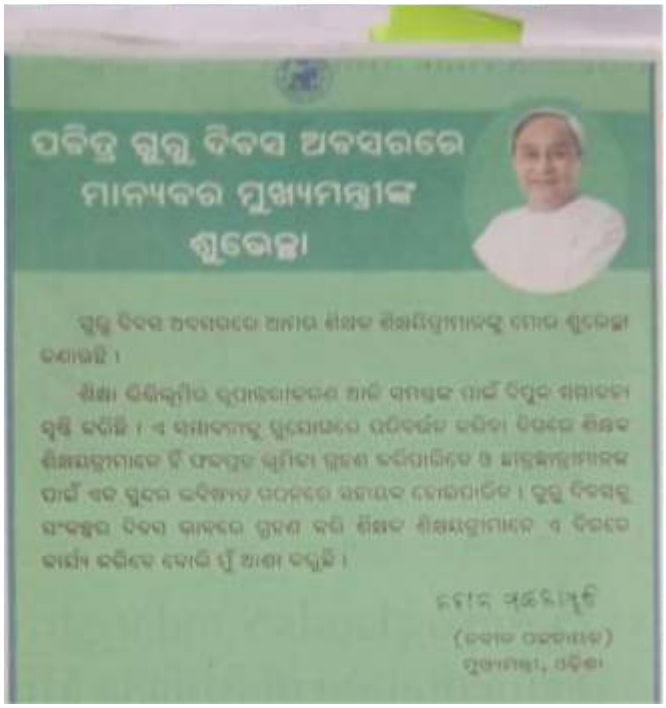

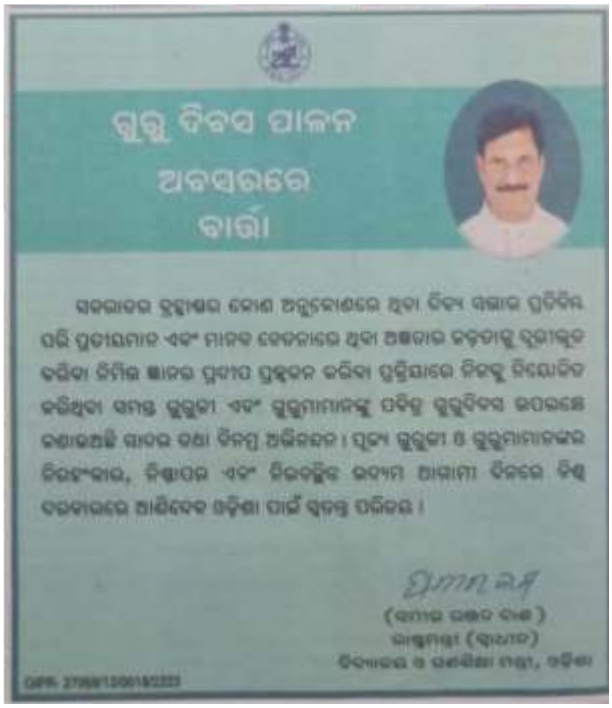

ବିଦ୍ୟାଳୟରୁ ଚେସ ପ୍ରୋଗ୍ରାମ

₹52.72cr shot in the arm for schools in 27 dists

POST NEWS NETWORK

ସକାଳ THE SAKALA Bhubaneswar - 10 Nov 2022

'ମୋ ସ୍କୁଲ' ଅଭିଯାନର ୩୭ତମ କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବାହୀ ପରିଷଦ ବୈଠକ

୫୨ କୋଟି ୭୨ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କାର ପ୍ରକଳ୍ପକୁ ଅନୁମୋଦନ

ସାମିଲ ହେବ ଭିନ୍ନକ୍ଷମ ସଶକ୍ତିକରଣ ବିଭାଗର ସ୍କୁଲ

'ମୋ ସ୍କୁଲ'ରେ ଭିନ୍ନକ୍ଷମ ସ୍କୁଲକୁ ଯୋଡ଼ିବାକୁ ପ୍ରସ୍ତାବ

ଭୁବନେଶ୍ୱର,୯ ।୧୧(ବ୍ୟୁରୋ): ଆଗାମୀ ଦିନରେ ସାମାଜିକ ସୁରକ୍ଷା ଓ ଭିନ୍ନକ୍ଷମ ସଶକ୍ତିକରଣ ବିଭାଗ ଅଧୀନରେ ଥିବା ସ୍କୁଲଗୁଡ଼ିକୁ 'ମୋ ସ୍କୁଲ' ଅଭିଯାନରେ ଯୋଡ଼ାଯିବ । ଏହାଦ୍ୱାରା ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ସ୍କୁଲରେ ପଢୁଥିବା ଲକ୍ଷାଧିକ ଦିବ୍ୟାଙ୍ଗ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଉପକୃତ ହେବେ । ପୂର୍ବରୁ ଅନୁସୂଚିତ ଜାତି ଓ ଅନୁସୂଚିତ ଜନଜାତି ବିଭାଗ ଅଧୀନରେ ଥିବା ସମସ୍ତ ସ୍କୁଲକୁ ଯୋଡ଼ାଯାଇଥିବାବେଳେ ଏବେ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ସ୍କୁଲକୁ ସାମିଲ କରିବାକୁ ଅଭିଯାନର ୩୭ତମ କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବାହୀ ପରିଷଦ ବୈଠକରେ ପ୍ରସ୍ତାବ ଦିଆଯାଇଛି ।

ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ଶାସନ ସଚିବ ଅଶ୍ୱଥି ଏସ୍.ଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ବୈଠକରେ ରାଜ୍ୟର ୨୭ଟି ଜିଲ୍ଲାର ମୋଟ ୫୨ କୋଟି ୭୨ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କାର ପ୍ରକଳ୍ପକୁ ଅନୁମୋଦନ ମିଳିଛି । ଗତ ୧ ମାସ ମଧ୍ୟରେ ୪୫,୩୮୮ ପୁରାତନ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ 'ମୋ ସ୍କୁଲ ଅଭିଯାନ' ସହ ଯୋଡ଼ିହୋଇଛନ୍ତି । ସେମାନେ ନିଜ ନିଜ ବିଦ୍ୟାଳୟର ବିକାଶ ପାଇଁ ୧୨ କୋଟି ୫୬ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି । ବିଭିନ୍ନ

'Mo School Abhijan' EC approves proposal worth nearly ₹53 crore

PBD BUREAU

BHUBANESWAR, NOV 9

ସବୁ ଦୁଆରେ ପହଞ୍ଚିଛି 'ମୋ ସ୍କୁଲ ଅଭିଯାନ'

ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ ବଜେଟ୍ ମଞ୍ଜୁର

୭୧ ହଜାରରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଦିଆଯିବ ମେଧାବୃତ୍ତି

ପୁରସ୍କୃତ ହେବେ ଶିକ୍ଷକ

'୫-ଟି' ରୂପାନ୍ତରଣର ତୃତୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟ

ନୂଆରୂପ ନେବ ୨,୩୩୬ ବିଦ୍ୟାଳୟ

ମାଟ୍ରିକ୍ ପରୀକ୍ଷା ପରେ ୩ୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ଲୋକାର୍ପଣ କରିବେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ

ତୃତୀୟ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଖର୍ଚ୍ଚ ହେବ ୧ହଜାର ୯୨ କୋଟି ଟଙ୍କା

ପ୍ରଥମ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ୪,୫୩୭ ସ୍କୁଲ ପାଇଁ ଖର୍ଚ୍ଚ ହୋଇଛି ୨,୩୧୯ କୋଟି

ରାଜ୍ୟ ସ୍କୁଲ ରୂପାନ୍ତରଣକୁ ଦିଲ୍ଲୀ 'ଏସ୍‌ସିଇଆର୍‌ଟି'ର ପ୍ରଶଂସା

ଦକ୍ଷତା ବିକାଶ କର୍ମଶାଳା ଉଦ୍‌ଘାଟିତ

ଗୁଣାତ୍ମକ ଶିକ୍ଷା ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱାରୋପ

'ଷ୍ଟାର୍ସ'ର ମଧ୍ୟବର୍ତ୍ତୀକାଳୀନ ସମୀକ୍ଷା ବୈଠକରେ କେନ୍ଦ୍ର ଶିକ୍ଷାମନ୍ତ୍ରୀ ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ସହ ଆଲୋଚନା କରୁଛନ୍ତି

'ଷ୍ଟାର୍ସ'ର ମଧ୍ୟବର୍ତ୍ତୀକାଳୀନ ସମୀକ୍ଷା ବୈଠକରେ ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର

ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି ହେଲେ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ଭବିଷ୍ୟତ ଉଜ୍ଜ୍ୱଳ ହେବ

■ 'ମୋ ସ୍କୁଲ ଅଭିଯାନ'ର ୩୮ ତମ କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବାହୀ ପରିଷଦ ବୈଠକ

୨୩୦ କୋଟିର ପ୍ରକଳ୍ପକୁ ଅନୁମୋଦନ

■ ସମସ୍ତ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଆରମ୍ଭ ହେବ 'ହାଉସ୍ ସିଷ୍ଟମ୍'

■ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ପାଇଁ 'ଷ୍ଟୁଡେଣ୍ଟ କାଏରୀ' ହେବ ବାଧ୍ୟତାମୂଳକ

ନିର୍ଦ୍ଦେଶନାମା ଜାରିକଲା ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗ

୨୫% ସଂରକ୍ଷିତ ସିଟ୍ ଲାଗି ନିୟମ କଡ଼ାକଡ଼ି

ମାର୍ଚ୍ଚ ପ୍ରଥମ ସପ୍ତାହରୁ କମନ ଡାଟାବେସ୍‌ରେ ଆବେଦନ

ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଦୁଇଦିନିଆ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଶିବିର

ଶିକ୍ଷା ମାଧ୍ୟମରେ ସାମଗ୍ରିକ ଓଡ଼ିଶା ଗଠନକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ

ଗଣଶିକ୍ଷା ବିଭାଗର ଦୁଇଦିନିଆ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଶିବିର

ଶିକ୍ଷା ମାଧ୍ୟମରେ ସାମଗ୍ରିକ ଓଡ଼ିଶା ଗଠନକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ

ସକାଳ

THE SAKALA

ଆଞ୍ଚଳିକ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଅଭିଭାବକ ଓ ଶିକ୍ଷକ ବୈଠକ

ନିତିଦିନ

ଅଭିଭାବକ-ଶିକ୍ଷକ ବୈଠକ

ଅଭିଭାବକ ଓ ଶିକ୍ଷକ ସମ୍ମିଳନୀ

ଶିକ୍ଷକ-ଅଭିଭାବକଙ୍କ ସମ୍ମିଳନୀ

ସକାଳ

THE SAKALA

Bhubaneswar - 25 Nov 2022 - Page 3

ଶିକ୍ଷା ରୂପାନ୍ତରଣରେ ନିଯୁକ୍ତିକୁ ପ୍ରାଧାନ୍ୟ

କେବଳ ପାଠ ପଢ଼ାଇବେ ଶିକ୍ଷକ

0674-2395325
@OSEPA_Official
www.osepa.odisha.gov.in